



भारत का राजपत्र The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 49] नई दिल्ली, शनिवार, दिसम्बर 6, 1975 (अग्रहायण 15, 1897)
No. 49] NEW DELHI, SATURDAY, DECEMBER 6, 1975 (AGRAHAYANA 15, 1897)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

(Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

भाग III—खण्ड 1

PART III—SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

(Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India)

संघ लोक सेवा आयोग

नई दिल्ली-110011, दिनांक 4 नवम्बर 1975

सं० पी०/1739-प्रशा०-1—संघ लोक सेवा आयोग में उप सचिव के पद पर अपने कार्यकाल की समाप्ति पर भारतीय रेल लेखा सेवा के अधिकारी श्री आर० एम० अरोड़ा की सेवाएं 4 नवम्बर, 1975 के अपराह्न से रेल मंत्रालय (रेल बोर्ड) को पुनः सौंपी जाती हैं।

पी० एन० मुखर्जी

अवर सचिव

संघ लोक सेवा आयोग

दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० टी-8/72-प्रशासन-5—प्रत्यावर्तन हो जाने पर, श्री टी० आर० श्रीरामूलू ने दिनांक 15-10-75 के अपराह्न में पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, आर्थिक अपराध स्कंध, मद्रास के पद का कार्य-भार त्याग दिया।

दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० एस०-29/72-प्रशासन-5—श्री एस० ए० शकूर, पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो ने दिनांक 3-10-75 के अपराह्न से पुलिस उप-अधीक्षक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, एफ०एस० (1) शाखा, नई दिल्ली के पद का कार्य-भार त्याग दिया और दिनांक 4-10-75 से दिनांक 31-1-76 तक 120 दिन की सेवा-निवृत्ति पूर्व छुट्टी पर चले गए।

वे दिनांक 31-1-1976 के अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो जाएंगे।

मंत्रिमंडल सचिवालय

(कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग)

केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1975

सं० ए०-22013/2/2/75-प्रशासन-5—निदेशक, केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो एवं पुलिस महानिरीक्षक, विशेष पुलिस स्थापना एतद्द्वारा, तमिलनाडु राज्य से प्रतिनियुक्त पुलिस निरीक्षक श्री एस० काशीराजन को दिनांक 16-10-75 के पूर्वाह्न से अगले आदेश तक के लिए केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो, विशेष पुलिस स्थापना में स्थानापन्न पुलिस उप-अधीक्षक के रूप में नियुक्त करते हैं।

गुलजारी लाल अग्रवाल
प्रशासन अधिकारी (स्था०)
केन्द्रीय अन्वेषण ब्यूरो

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल

नई दिल्ली-110001, दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० ओ०-11-1236/75-स्थापना—इस महानिदेशालय के अधिसूचना संख्या पी०-VII-4/74-स्थापना दिनांक 30-5-75 के क्रम से राष्ट्रपति श्री रमेश गुरबानी को पदोन्नति पर उप पुलिस अधीक्षक के पद पर केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अगले आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

सं० एफ०-2/3/75-स्थापना—राष्ट्रपति, सूबेदार श्रीकार सिंह, 32वीं बटालियन, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल में अस्थायी रूप में उप पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर) के पद पर अगला आदेश जारी होने तक नियुक्त करते हैं।

2. श्री श्रीकार सिंह ने उप पुलिस अधीक्षक (कम्पनी कमांडर/क्वार्टर मास्टर), 51वीं बटालियन केन्द्रीय रिजर्व पुलिस दल के पद का कार्यभार 27 सितम्बर, 1975 पूर्वाह्न से संभाल लिया।

ए० के० बन्धोपाध्याय,
सहायक निदेशक (प्रशासन)

समन्वय निदेशालय
(पुलिस बेटार)

नई दिल्ली-112001, दिनांक 4 नवम्बर 1975

सं० ए०-38/5/74-बेटार—श्री पी० जे० जकरिया को दिनांक 15 अक्टूबर 1975 पूर्वाह्न से 31 दिसम्बर, 1975 तक की अवधि के लिए अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद पर तदर्थ आधार पर नियुक्त किया जाता है। अथवा नियमित अधिकारी के नियुक्त होने तक, इसमें जो भी पहले हो।

छत्तपति जोशी,
निदेशक
पुलिस, दूर संचार

महानिरीक्षक का कार्यालय
केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल

नई दिल्ली-110003, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० ई-38013(3)/4/74-प्रशासन-1—श्री ईश्वर सिंह ने दिनांक 1 नवम्बर, 74 के पूर्वाह्न से, दुर्गापुर स्टील प्लांट जिसका मुख्यालय सिन्दरी में था, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार छोड़ दिया और उन्होंने उसी दिनांक के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल की 7वीं बटालियन के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। उनका मुख्यालय भारत उर्वरक निगम, सिन्दरी में होगा।

सं० ई०-38013(3)/8/75-प्रशासन-1—खेतरी से स्थानान्तरित होने पर, श्री एस० एन० गंजू ने श्री के० के० कौल के स्थान पर दिनांक 27-9-75 के अपराह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, भारत उर्वरक निगम, गोरखपुर, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया। बोकारो

स्टील सिटी, को स्थानान्तरित होने पर श्री कौल ने उसी दिनांक के अपराह्न से उक्त पद का कार्यभार छोड़ दिया।

सं० ई०-38013(3) 8/75-प्रशा० 1—गोरखपुर से स्थानान्तरण होने पर के० के० कौल ने दिनांक 8 अक्टूबर 75 के पूर्वाह्न से केन्द्रीय औद्योगिक सुरक्षा बल यूनिट, बोकारो स्टील लिमिटेड, बोकारो स्टील सिटी, के सहायक कमांडेंट पद का कार्यभार संभाल लिया।

एल० एस० ब्रिष्ट
महानिरीक्षक

भारत के महापंजीकार का कार्यालय

नई दिल्ली-11001, दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० 12/5/74-आर०जी०(ए०डी०-1)—राष्ट्रपति, श्रीमती कृष्णा चौधरी की तदर्थ नियुक्ति सहायक महापंजीकार (भाषा) के कार्यालय में भाषाविज्ञ के पद पर अगले तीन माह के लिए दिनांक 8 अक्टूबर, 1975 से 7 जनवरी, 1976 तक अथवा अगले आदेश प्रेषित होने तक, जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० 25/27/72-आर०जी०(ए०डी०-1)—इस कार्यालय की अधिसूचना संख्या सम आर०जी०(ए०डी०-1), दिनांक 29 मई, 1975 की अनुवृत्ति में राष्ट्रपति, श्री बी० एल० भान उप-जनगणना कार्य निदेशक की तदर्थ अस्थाई नियुक्ति वर्तमान शर्तों पर, जनगणना कार्य निदेशक जम्मू और कश्मीर, श्रीनगर के कार्यालय में दिनांक 1 नवम्बर, 1975 से अगले छः माह तक के लिए, या श्री अब्दुल गनी के विदेश नियुक्ति से वापस आने तक अथवा जो भी पहले हो, सहर्ष बढ़ाते हैं।

बद्री नाथ
भारत के उप-महापंजीकार
और पब्लिक उप-सचिव

वित्त मंत्रालय
आर्थिक कार्य विभाग
बैंक नोट मुद्रणालय

देवास, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

फा० सं० बी०एन०पी०/सी०/57/75—श्री आर० के० मेहरोत्रा, सहायक कार्यशाला अधीक्षक (विद्युत), जमालपुर, पूर्व रेलवे को प्रतिनियुक्ति पर बैंक नोट मुद्रणालय, देवास में सहायक इंजीनियर (विद्युत) के पद पर दिनांक 28-10-75 (पूर्वाह्न) से एक वर्ष के लिए नियुक्त किया जाता है।

डी० सी० मुखर्जी
महा प्रबन्धक

बीमा नियंत्रक का कार्यालय

शिमला-4, दिनांक 9 जुलाई 1975

सं० आई०एन०एस०-27(7)प्र०/74—वार्धक्य निवर्तन की अवस्था पर पहुंचने पर बीमा नियंत्रक के कार्यालय में

स्थानापन्न सहायक बीमा नियंत्रक, श्री एम० श्रीनिवासन
30 जून, 1975 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

सं० आई०एल०एस०-27(4)प्र०/74—वार्धक्य निवर्तन की अवस्था पर पहुँचने पर बीमा नियंत्रक के कार्यालय में स्थानापन्न उप बीमा नियंत्रक, श्री एस० कृष्णमूर्ति 30 जून, 1975 अपराह्न से सरकारी सेवा से निवृत्त हो गए हैं।

जी० एच० दामले
बीमा नियंत्रक

भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा विभाग

कार्यालय, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व

नई दिल्ली-110001, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० प्रशासन-1/5-5/पदोन्नति/कार्या० आदेश-585/1985—
श्रीमान महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व के इस कार्यालय के स्थायी अनुभाग अधिकारी, श्री ओ० पी० चौपड़ा-III को 28-10-75 (पूर्वाह्न) से समय वेतनमान रु० 840-1200 में लेखा अधिकारी के पद पर स्थानापन्न रूप में अन्य आदेश होने तक, सहर्ष नियुक्त किया है।

हरसरन सिंह दुग्गल
वरिष्ठ उप-महालेखाकार (प्रशासन)

महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक

बैंगलूर, दिनांक 27 अक्तूबर 1975

कार्यालय आदेश

सं० स्थापना/1/ए०-4/434—महालेखाकार का कार्यालय, कर्नाटक, बैंगलूर का स्थानापन्न लेखाधिकारी श्री एन० एस० मनी, को मौलिक श्रमता के लेखाधिकारी पदक्रम में तारीख 1-9-75 से वही कार्यालय में नियुक्त किया गया है।

डी० एच० वीरय्या,
महालेखाकार

महालेखाकार का कार्यालय, आंध्र प्रदेश

हैदराबाद-500004, दिनांक 6 नवम्बर, 1975

सं० ई०बी०-I/8-312/74-75—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री ए० भीमशंकर राव को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-10-75 के अपराह्न से नवम्बर जब तक आगे आदेश न दिया जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावे पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई०बी०-I/8-312/74-75—महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री डी० सिवरामय्या को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-10-75 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

सं० ई०बी०-I/8-312/74-75—महालेखाकार, आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद कार्यालय के अधीन लेखा सेवा के स्थायी सदस्य श्री सी० हेय आंजनेयुलु को महालेखाकार आन्ध्र प्रदेश, हैदराबाद द्वारा वेतनमान रु० 840-40-1000-ई०बी०-40-1200 पर उसी कार्यालय में स्थानापन्न लेखा अधिकारी के पद पर 29-10-75 के अपराह्न से जब तक आगे आदेश न दिए जाए, नियुक्त किया जाता है। यह पदोन्नति उनसे वरिष्ठ सदस्यों के दावों पर प्रतिकूल प्रभाव डालने वाली नहीं है।

ह० अपठनीय
प्रवर उप-महालेखाकार (प्रशासन)

रक्षा लेखा विभाग

कार्यालय रक्षा लेखा महा नियंत्रक

नई दिल्ली-22, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० 40011(2)/75-प्रशा० ए०—(1) वार्धक्य निवर्तन की आयु प्राप्त कर लेने पर निम्नलिखित लेखा अधिकारियों को प्रत्येक के नाम के सामने लिखी तारीख के अपराह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा :—

क्रम सं०	नाम, रोस्टर संख्या सहित	ग्रेड	पेंशन स्थापना की अंतरण की तारीख	संगठन
1	2	3	4	5
सर्वश्री.				
1. ए० बी० जोशी (पी०/389)		स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (अफसर), पूना।
2. एस० कृष्णमूर्ति (पी०/417)		स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियंत्रक (वायु सेना), देहरादून।

1	2	3	4	5
3.	एन० के० भट्टाचार्यी (पी०/465)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता
4.	एस० एस० गुप्ता (पी०/560)	स्थायी लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना
5.	पी० बी० डांगे (ओ०/214)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (अफसर) पूना
6.	बी० सी० बांस (ओ०/221)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा नियन्त्रक, पटना।
7.	दीना नाथ भगोला (ओ०/334)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज) कलकत्ता
8.	जे० एस० गुप्ता (ओ०/375)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-1-76	रक्षा लेखा संयुक्त नियन्त्रक, (निधि) मेरठ
9.	एस० सी० चक्रवर्ति (अभी नियत नहीं)	स्थानापन्न लेखा अधिकारी	31-12-75	रक्षा लेखा नियन्त्रक, (फैक्ट्रीज), कलकत्ता।

श्री एन० के० भट्टाचार्यी को सेवा निवृत्ति पूर्व 8-10-75 से 31-12-75 तक 85 दिन की अर्जित छुट्टी मंजूर की गई है।

(2) रक्षा लेखा नियन्त्रक (नौ सेना) बम्बई के संगठन में सेवारत श्री एन० आर० रामस्वामी, स्थायी लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० पी०/89) सिविल सेवा विनियमावली, जिल्द I के अनुच्छेद (459) के प्रवधानों के अन्तर्गत सेवा निवृत्त हो जाएंगे। उनको 20 दिसम्बर, 1975 पूर्वाह्न से पेंशन स्थापना को अन्तरित कर दिया जाएगा।

(3) रक्षा लेखा नियन्त्रक, दक्षिणी कमान, पूना के संगठन के श्री आर० बी० एस० राम शर्मा, स्थानापन्न लेखा अधिकारी (रोस्टर सं० ओ०/1) को 21 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से अर्थात् उनके लापता होने की तारीख के 7 वर्ष बाद, इस विभाग की नफरी से निकाल दिया गया है।

(4) निम्नलिखित को इस विभाग की अधिसूचना सं० 40011(2)/75-प्रशा०-ए० तारीख 22-8-75 के उप पैरा (ख) के नीचे जोड़ा जाता है।

श्री के० के० मल्होत्रा, स्थानापन्न लेखा अधिकारी को निम्नलिखित के अनुसार छुट्टी मंजूर की गई है :—

- (1) 1-9-75 से 22-9-75 तक 22 दिन की अर्जित छुट्टी और 23-9-75 से 30-9-75 तक 8 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी।
- (2) केन्द्रीय सिविल सेवा (छुट्टी) नियम 1972 के नियम 39 (6) के अन्तर्गत 1-10-75 से 21-3-77 तक 538 दिन की अर्द्ध वेतन छुट्टी।

एस० के० सुन्दरम
रक्षा लेखा अपर महा नियन्त्रक (प्रशा०)

रक्षा मंत्रालय
महानिदेशालय, आर्डनेंस फैक्टरियां
भारतीय आर्डनेंस फैक्टरियां सेवा
कलकत्ता, दिनांक 28 अक्तूबर, 1975

4. श्री एम० एन० शुक्ला, स्थायी ए०
डी०जी०ओ०एफ० ग्रेड-II 22 सितम्बर, 1975
5. श्री घाई० सी० सुब्रह्मण्य, स्थायी
उप- महाप्रबन्धक 22 सितम्बर, 1975

सं० 41/75/जी०—राष्ट्रपति निम्नलिखित अधिकारियों को स्थानापन्न महाप्रबन्धक- ग्रेड-I/ए०डी०जी० ओ० एफ० ग्रेड-I के पद पर उनके सामने दर्शायी गई तारीख से आगामी आदेश न होने तक सहर्ष नियुक्त करते हैं :—

1. श्री एन० के० पद्मनाभन,
स्थायी महाप्रबन्धक ग्रेड-II 1 अप्रैल, 1974
2. श्री एस० जी० रानाडे, स्थायी महा
प्रबन्धक ग्रेड-II 22 सितम्बर, 1975
3. श्री एम० पी० आर० पिल्लाय, स्थायी
ए०डी०जी०ओ०एफ० ग्रेड-II 22 सितम्बर, 1975

आर० एम० मजुमदार
महानिदेशक, आर्डनेंस फैक्टरियां

वाणिज्य मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्तूबर 1975

सं० 94/1975(ए०/19011/39/72-ई०-1)—राष्ट्रपति, वाणिज्य मंत्रालय के प्रदर्शनी तथा वाणिज्यिक प्रचार निदेशालय में स्थानापन्न रूप में कार्य कर रहे वरिष्ठ अन्वेषक, श्री जसबन्त सिंह को उसी निदेशालय में 6 अक्तूबर, 1975 के पूर्वाह्न से तीन महीने की अवधि के लिए अथवा तब तक

के लिए जब तक कि स्थान रिक्त है, जो भी पहले हो, तदर्थ आधार पर प्रदर्शनियों के सहायक-निदेशक के पद पर स्थानापन्न रूप में कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं।

ओ० पी० गुप्त
अवर सचिव

वस्त्र आयुक्त कार्यालय

बम्बई-400020, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० ई० एस० टी० 1-2(636)—वस्त्र आयुक्त अपने बम्बई स्थित कार्यालय के तकनीकी अन्वेषक श्री पंढरीनाथ दामोदर केणी को 1 अक्तूबर, 1974 के पूर्वार्द्ध से, अन्य आदेश होने तक, उसी कार्यालय में सहायक निदेशक, द्वितीय श्रेणी (पी० और डी०) के पद पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

वीरेन्द्र बहादुर वर्मा, उप निदेशक

उद्योग तथा नागरिक पूर्ति मंत्रालय

औद्योगिक विकास विभाग

कार्यालय विकास आयुक्त (लघु उद्योग)

नई दिल्ली-110011, दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० ए० 19018/6/73-प्रशा० (राज०)—लघु उद्योग विकास संगठन में सहायक निदेशक (वर्ग-2) श्री आर० विश्वनाथ राव के त्यागपत्र वापिस लेने की राष्ट्रपति की अनुमति सम्बन्धी सूचना उद्योग व नागरिक पूर्ति मंत्रालय (औद्योगिक विकास विभाग) ने दी थी।

2. त्यागपत्र वापिस ले लेने पर लघु उद्योग विकास संगठन में अर्द्ध स्थायी लघु उद्योग संवर्द्धन अधिकारी श्री आर० विश्वनाथ राव को, विकास आयुक्त (लघु उद्योग) लघु उद्योग सेवा संस्थान मद्रास में सहायक निदेशक (वर्ग-2) (वेतनमान 650-960 रुपये) के पद पर तदर्थ आधार पर सहर्ष नियुक्त करते हैं।

3. श्री आर० विश्वनाथ राव ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, मद्रास में सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद का कार्यभार दिनांक 22 सितम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध में संभाला।

सं० ए० 19018/140/74-प्रशा० (राज०)—लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्थान (सिएट), हैदराबाद में एसोशिएट फ़ैक्ट्री मेम्बर के पद पर प्रतिनियुक्त किये जाने पर श्री एम० एल० टन्डन ने लघु उद्योग सेवा संस्थान, नई दिल्ली में सहायक निदेशक (वर्ग-2) के पद का कार्यभार दिनांक 22 सितम्बर, 1975 के अपराह्न में छोड़ा और लघु उद्योग विस्तार प्रशिक्षण संस्था, हैदराबाद में दिनांक 1 अक्तूबर, 1975 के पूर्वार्द्ध में संभाला।

के० वी० नारायणन, निदेशक (प्रशासन)

इस्पत और खान मंत्रालय

(इस्पात विभाग)

लोहा और इस्पात नियन्त्रक

कलकत्ता-700020, दिनांक 6 नवम्बर 1975

सं० ई०-1-2(2)/71(.)—श्री मणिमय घोष, सहायक निदेशक (प्रशासन) एतद्द्वारा 5-11-75 (पूर्वार्द्ध) से उप-सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक पद पर स्थानापन्न होने हेतु नियुक्त किये जा रहे हैं।

2. श्री बी० बी० बिश्वास, उप-सहायक लोहा और इस्पात नियन्त्रक एतद्द्वारा 5-1-75 (पूर्वार्द्ध) से सहायक निदेशक (प्रशासन) पद पर स्थानापन्न होने हेतु नियुक्त किये जा रहे हैं।

टी० घोष

लोहा और इस्पात नियन्त्रक

(खान विभाग)

भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700013, दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० 7099/बी०/3(5)/71(टी० के० एस०)/19-बी०—श्री तुहिन कुमार सिन्हा, एन० टेक, को सहायक भूभौतिकीविद् (उपकरण) के पद पर, भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण में प्रति माह 650 रु० के वेतन पर, वेतन नियमानुसार 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतनमान में, स्थानापन्न धमता में आगामी आदेश होने तक 22 सितम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से नियुक्त किया जाता है।

वी० के० एस० बरदन
महानिदेशक

भारतीय खनि विभाग

नागपुर, दिन क 31 अक्तूबर 1975

सं० ए० 19011(118)70-सि० ए०—सरकार द्वारा श्री डी० बी० चावला, उप खान नियन्त्रक, भारतीय खनि विभाग का त्यागपत्र स्वीकृत होने के फलस्वरूप, 15-9-1975 अपराह्न से उनको सेवामुक्त किया गया और उनका नाम इस विभाग से हटा दिया गया।

एन० सी० रणधीर, प्रशासन अधिकारी,
कृते नियन्त्रक

भारतीय सर्वेक्षण विभाग

महासर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 4 नवम्बर 1975

सं० सी० 5018/707—श्री राम सिंह, सर्वेक्षक सजैकशन ग्रेड, श्रेणी-III डिवीजन-I सेवा, को भारतीय सर्वेक्षण विभाग, श्रेणी-II सेवा (राजपत्रित) में अधिकारी सर्वेक्षक के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो० 40-1200 रुपये के वेतनमान में दिनांक 18-7-75 (पूर्वार्द्ध) से स्थानापन्न रूप में नियुक्त किया जाता है।

हरी नारायण
भारत के महासर्वेक्षक
(नियुक्ति प्राधिकारी)

भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1975

सं० 1/5/75-पुरा०—पुरावशेष (निर्यात नियन्त्रण) अधिनियम, 1947 के अन्तर्गत, जो पुरावशेष नहीं हैं, ऐसी वस्तुओं, चीजों अथवा पदार्थों को शीघ्र पारित करने के लिये भारतीय पुरातत्व व सर्वेक्षण के महानिदेशक इस अधिसूचना द्वारा श्रीनगर (जम्मू-कश्मीर) में विशेषज्ञों की एक समिति का गठन करते हैं। इस समिति के निम्नलिखित सदस्य होंगे :—

1. अधीक्षण पुरातत्व वेत्ता, संयोजक
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
सीमान्त मंडल, श्रीनगर।
2. उपाधीक्षण पुरातत्व वेत्ता, वैकल्पिक संयोजक
भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण,
सीमान्त मंडल, श्रीनगर।
3. डा० एस० एस० इकबाल, सदस्य
पुरातत्व के निदेशक,
संग्रहालय और पुस्तकालय,
श्रीनगर।
4. श्री पी० एन० पुष्प, सदस्य
पुरातत्व के पूर्व निदेशक,
अनुसंधान और संग्रहालय, श्रीनगर।
5. श्री जे० एल० माल, सदस्य
संग्रहालय, एस० पी० एस०, संग्रहालय,
श्रीनगर।

एन० आर० बनर्जी
निदेशक (पुरावशेष)
कृते महानिदेशक

विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग

भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण, निदेशक का कार्यालय

भारतीय वनस्पति उद्यान

हावड़ा-711103, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० बी०एस०आई०-66/97/75-इस्टे०—संघ लोक सेवा आयोग की सिफारिश पर प्रभारी निदेशक, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण डा० विजेन्द्र सिंह की नियुक्ति भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के अरिदजोन सर्किल में बोटानिस्ट पद जो डा० जी० एल० तिवारी बोटानिस्ट, अरिद जोन सर्किल, भारतीय वनस्पति सर्वेक्षण के स्वीपे द्वारा रिक्त हुआ है, पर वेतनमान रु० 650-30-740-35-810-इ० बी० -880-40-1000-इ० बी०-40-1200 एवं नियमानुसार प्राप्य सामान्य भत्ते में दिनांक 3 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से पुनः आवेश होने तक करते हैं।

जे० सी० बनर्जी
एकाउण्ट्स आफिसर

आकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० 12/7/73-सतर्कता—श्री जे० एन० भार्गव ने त्यागपत्र

दे देने के परिणामस्वरूप, आकाशवाणी के रामपुर केन्द्र में कृषि रेडियो अधिकारी के पद का भार 15 अक्टूबर, 1975 के अपराह्न से छोड़ा।

सं० 12/1/75-सतर्कता—महानिदेशक, आकाशवाणी श्री पूरन मल बी० कुरील, कृषि अधीक्षक, जालना, औरंगाबाद (महाराष्ट्र राज्य) को एतद्वारा दिनांक 11 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से अग्रेतर आदेशों तक अस्थायी पद क्षमता में आकाशवाणी, पूना में कृषि, रेडियो अधिकारी के रूप में नियुक्त करते हैं।

हरजीत सिंह
प्रशासन उप निदेशक
कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० 5(36)/67-एस०-एक—श्री डी० एन० बनर्जी, कार्यक्रम निष्पादक, आकाशवाणी, पोर्ट ब्लेयर ने उसी केन्द्र पर प्रसारण निष्पादक के अराजपत्रित पद पर अपना परावर्तन होने के फलस्वरूप पहली जुलाई, 1975 के पूर्वाह्न में अपने पद का कार्य-भार त्याग दिया।

सं० 13(2)/74-एस०-एक—महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्वारा श्री एस० पी० सक्सेना, स्नातकोत्तर अध्यापक, शिक्षा निदेशालय, दिल्ली प्रशासन, दिल्ली को 1 सितम्बर 1975 से अग्रेतर आदेशों तक, प्रतिनियुक्ति पर, दूरदर्शन अधिकारी के रूप में, दूरदर्शन केन्द्र, आकाशवाणी, नई दिल्ली में नियुक्त करते हैं।

शान्तिलाल
प्रशासन उपनिदेशक
कृते महानिदेशक

सूचना और प्रसारण मंत्रालय

विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशालय

नई दिल्ली-1, दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० ए० 31014/4/75-एस्ट-I—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक श्री पी० एस० नारायणन को इस निदेशालय में सहायक निर्माण प्रबन्धक (मुद्रित प्रचार) के पद पर 20 सितम्बर, 1975 से स्थाई नियुक्त करते हैं।

रोशन लाल जैन
उप-निदेशक (प्रशासन)

नई दिल्ली-1, दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० ए०-31014/1/75-स्थापना-I—विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक निम्नलिखित अधिकारियों को इस निदेशालय में 16 अक्टूबर, 1975 से सहायक वितरण अधिकारी के पद पर स्थाई नियुक्त करते हैं :—

- (1) श्री जोगीराम लंगन
- (2) श्री विश्वमित्र दुग्गल

रोशनलाल जैन
उप निदेशक (प्रशासन)
कृते विज्ञापन और दृश्य प्रचार निदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

सं० 9-35/75-सी०जी०एच०एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० (श्रीमती) इन्दु आर्या को 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अन्तर्गत केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में होम्योपैथिक चिकित्सा के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० 9-32/75-सी०जी०एच०एस०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने डा० के० श्याम मोहन को 8 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक इस निदेशालय के अधीन केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना में आयुर्वेदिक चिकित्सक के पद पर पूर्णतया तदर्थ आधार पर नियुक्त किया है।

सं० 20/6(2)-सी०जी०एच०एस०-1—अपना त्यागपत्र स्वीकार हो जाने पर डा० के० के० मिश्र ने 19 जुलाई, 1975 (अपराह्न) को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

के० वैष्णुगोपाल
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 3 नवम्बर 1975

सं० 13-16/75-सी० एच०एस०-1—अपने तबादले के फलस्वरूप केन्द्रीय स्वास्थ्य सेवा के सुपरटाईम ग्रेड-2 के निम्नलिखित अधिकारियों ने अपने नाम के आगे अंकित तारीख से स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय नई दिल्ली, में अपने पद का कार्यभार छोड़ दिया/ग्रहण किया :—

नाम	पद का कार्यभार छोड़ दिया	पद का कार्यभार ग्रहण किया
1. डा० बी० एन० भट्टाचार्य	21 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न को सहायक महानिदेशक (जन-स्वास्थ्य)	21 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न को सहायक महानिदेशक (हैजा)
2. डा० महेन्द्र दत्त	21 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न को सहायक महानिदेशक (हैजा)	21 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न को सहायक महानिदेशक (जन स्वास्थ्य)

दिनांक 6 नवम्बर 1975

सं० 34-18/75-सी०एच०एस०-1—अपना तबादला हो जाने के फलस्वरूप डा० पी० एन० सरीन ने 20 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न को केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, दिल्ली के अन्तर्गत कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया तथा 20 सितम्बर, 1975 के अपराह्न से आगामी आदेशों

तक विलिंग्डन अस्पताल में वर्तमान शर्तों पर ही उसी पद का कार्यभार संभाल लिया।

रवीन्द्र नाथ तिवारी
उप निदेशक, प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 6 नवम्बर 1975

सं० 1-22/74-एडमिन०-1—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री अमलेन्दु सामन्त को 29 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक अखिल भारतीय स्वास्थ्य विज्ञान एवं जन स्वास्थ्य संस्थान, कलकत्ता में सहायक अनुसंधान अधिकारी (शरीर क्रिया विज्ञानी) के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० 29-16/69-एडमिन०-1 (वाल्थूम-2)—राष्ट्रपति ने श्रीमती राधा नारायण को 22 अगस्त, 1969 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक राष्ट्रीय राजयक्ष्मा संस्थान, बंगलौर में समाज विज्ञानी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया जाता है।

दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० 12-1/75-एडमिन०-1—राष्ट्रपति ने केन्द्रीय सिविल सेवा के ग्रेड-4 के एक स्थायी अधिकारी श्री एच० सी० वर्मा को 27 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेशों तक स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में अनुभाग अधिकारी के पद पर अस्थायी रूप से नियुक्त किया है।

सूरज प्रकाश जिन्दल
उप निदेशक, प्रशासन

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र
(कामिक प्रभाग)

बम्बई-400085, दिनांक 24 अक्टूबर, 1975

सं० पी० ए०/81(54)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक अस्थाई ड्राफ्ट्समैन (सी) श्री मधुकर शंकर राव सुर्वे को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर श्रेणी-एस० बी० नियुक्त करते हैं।

दिनांक 25 अक्टूबर 1975

सं० पी० ए०/81(76)/75-आर०-4—भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के निदेशक यहां के एक स्थाई ड्राफ्ट्समैन (बी) और स्थानापन्न ड्राफ्ट्समैन (सी) श्री अनंत नरसिंहचर्य प्यटी, को इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न रूप से 1 अगस्त, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर-श्रेणी एस० बी० नियुक्त करते हैं।

पी० उन्नीकृष्णन
उप स्थापना अधिकारी (ग)

बम्बई-400085, दिनांक 29 अक्टूबर 1975

सं० 1/1/71/सिम्बन्दी 12/3846—इस अनुसंधान केन्द्र के 21-7-1975 की अधिसूचना सं० 1-1-71/स्थापना 12/2250 के क्रम में, भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र के नियन्त्रक यहां के एक स्थाई सहायक सुरक्षा अधिकारी श्री कृष्णपुरम रामन पिल्लै वेणु-गोपालन नायर को 12-7-1975 (पूर्वाह्न) से 20-9-1975 (अपराह्न) तक और अधिक काल के लिये इसी अनुसंधान केन्द्र में स्थानापन्न सुरक्षा अधिकारी नियुक्त करते हैं।

वेद प्रकाश चौपड़ा
उप स्थापना अधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

क्रय एवं भंडार निदेशालय

बम्बई-400001, दिनांक 30 अक्टूबर 1975

सं० डी० पी० एस०/पी०/18/प्रशासन-6641/1239—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न भंडारी, श्री रंजल नारायण प्रभु को, श्री के० के० शर्मा, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 5 नवम्बर, 1975 (पूर्वाह्न) से 6 दिसम्बर, 1975 (अपराह्न) तक उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

सं० डी० पी० एस०/एस०/16/प्रशासन-6634/1230—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक, इस निदेशालय के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक तथा स्थानापन्न भंडारी श्री मज्जाहल्ली अब्दुल्ला शेख को, श्री साइमन डिसूजा, सहायक भंडार अधिकारी, जिन्हें छुट्टी प्रदान की गई है, के स्थान पर 15 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से 17 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) तक उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपये के वेतनमान में सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

दिनांक 1 नवम्बर 1975

सं० डी० पी० एस०/ए/11013/64/75-स्थापना-1231—परमाणु ऊर्जा विभाग के क्रय एवं भंडार निदेशालय के निदेशक—परिवर्ति ऊर्जा साइक्लोट्रॉन परियोजना, कलकत्ता के भंडार यूनिट (क्रय एवं भंडार निदेशालय) के स्थानापन्न भंडारी श्री परारी किजावकोडन राधाकृष्णन को 18-9-1975 से 29-2-1976 तक की अवधि के लिये उसी निदेशालय में 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 रुपये के वेतनमान में तदर्थ आधार पर सहायक भंडार अधिकारी नियुक्त करते हैं।

के० पी० जोसफ
प्रशासन अधिकारी

भारी पानी परियोजनाएं

बम्बई-400008, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

संदर्भ सं० भापाप/स्थापना/1/एस-111/7213—भारी पानी परियोजनाओं के विवेक कार्य अधिकारी, भाभा परमाणु अनुसंधान

केन्द्र के स्थायी उच्च श्रेणी लिपिक श्री केशव जनादेन सोहनी तथा भारी पानी परियोजनाएं (मुख्य कार्यालय) के स्थानापन्न वरण्य श्रेणी लिपि को उसी कार्यालय में श्री वसंत बालकृष्ण जोशी, सहायक कार्मिक अधिकारी जो छुट्टी पर हैं, के स्थान पर 3 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से 29 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) तक के लिये स्थानापन्न रूप से सहायक कार्मिक अधिकारी नियुक्त करते हैं।

टी० सी० सत्यकीर्ति,
वरिष्ठ प्रशासन अधिकारी

मद्रास परमाणु विद्युत् परियोजना

कलकत्ता-603 102, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० एम० ए० पी० पी०/3(1076)/75-प्रशासन-1237—विद्युत् परियोजना इंजीनियरी प्रभाग के निदेशक, श्री जय प्रकाश को 1 अक्टूबर, 1975 के पूर्वाह्न से आगामी आदेश तक के लिये उसी परियोजना में अस्थायी रूप से विज्ञान-अधिकारी/इंजीनियर ग्रेड 'एस० बी' नियुक्त करते हैं।

के० बालकृष्णन,
प्रशासन अधिकारी

राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना

अणुशक्ति दिनांक 6 नवम्बर 1975

क्रमांक सं० रा० प० वि० प०/00101/75-प्रशा०/भर्ती/स्था०-499—राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना के मुख्य परियोजना अभियन्ता, निम्नलिखित (बी) श्रेणी के अर्द्ध-स्थायी वैज्ञानिक सहायकों को इसी परियोजना में दिनांक 1 अगस्त, 1975 से अगले आदेश होने तक के लिये अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री डी० एल० यादव
2. श्री जे० एस० के० अग्रवाल
3. श्री सी० पी० सुखवाल

सं० रा० प० वि० प०/00101/75-प्रशा०/भर्ती/स्था०-500—मुख्य परियोजना अभियन्ता, राजस्थान परमाणु विद्युत् परियोजना निम्न अर्द्ध-स्थायी फोरमैन को इसी परियोजना में दिनांक 1 अगस्त, 1975 से अगले आदेश होने तक के लिये अस्थायी रूप से वैज्ञानिक अधिकारी/इंजीनियर एस० बी० के पद पर नियुक्त करते हैं।

1. श्री ओ० पी० साहनी
2. श्री ए० बी० माडगी
3. श्री के० एम० दामोदरन
4. श्री गनपतलाल सेन

गोपाल सिंह,
प्रशासन अधिकारी (स्थापना)

अन्तरिक्ष विभाग

विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

त्रिवेन्द्रम-695022, दिनांक 22 अक्टूबर 1975

सं० बी० एस० एस० सी०/ई० एम० टी०/01-37—भारतीय अन्तरिक्ष अनुसंधान संगठन के दिनांक 1 अप्रैल, 1975 से एक सरकारी निकाय के रूप में वदल जाने के परिणामस्वरूप अनुबन्ध में दिए गए निम्नलिखित अधिकारियों को, उनके नामों के सामने दिए गए पदों पर दिनांक 1-4-1975 से विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र, त्रिवेन्द्रम में नियुक्त किया जाता है।

अनुबन्ध

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	ग्रेड
1.	श्री जी० एन० पेरियर	इंजीनियर एस० बी०	650-30-740-35-880- द० रो०-40-960/-
2.	श्री के० एन वासुदेवन उन्नी	"	"
3.	श्री के० एम० जेवियर जेम्स	"	"
4.	श्री ओ० धर्म राज	"	"
5.	श्री सी० टी० पी० उन्नीकम्पु	"	"
6.	श्री सी० ओ० योहान्नन	"	"
7.	श्री के० ई० थोमस	"	"
8.	श्री पी० विवाकरण	"	"
9.	श्री टी० के० बालाकृष्णन नायर	वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी०	"
10.	श्री राम स्वामी राव जाकटी	"	"
11.	श्री ए० जे० कुरियन	"	"
12.	श्री एल० पी० पान्डुरंग	"	"
13.	श्री एन० प्रभाकरण	"	"
14.	श्री के० एम० ओम्मन	"	"
15.	श्री पी० कोशी चेरियन	"	"
16.	श्री जकरिया कोशी	"	"
17.	श्री सोलोमन थोमस	"	"
18.	श्री पी० आई० वरगिश	"	"
19.	श्री पी० उथमान	इंजीनियर एस० बी०	"
20.	श्री के० आर० सत्यनारायण	"	"
21.	श्री एस० जी० राव	"	"
22.	श्री एम० के० भास्करन नायर	"	"
23.	श्री एस० अरुमुगम	"	"
24.	श्री के० ओ० तोली	"	"
25.	श्री के० एच० स्टेनीसलोस सेमसन	"	"
26.	श्री एम० ए० देवस्ती	"	"
27.	श्री एम० सी० जार्जकुट्टी	"	"
28.	श्री एम० कोशी	"	"
29.	श्री पी० वी० बालाचन्द्रन उन्नी	"	"
30.	श्री के० अनन्तानारायणन	"	"
31.	श्री सी० जानसन	"	"
32.	श्री एच० सोमासुन्दरम	"	"
33.	श्री एन० रविन्द्रनाथन नायर	"	"
34.	श्री के० बी० रामाचन्द्रन	"	"
35.	श्री एम० श्रीनिवासन	"	"
36.	श्री पी० एम० वरगिश	"	"

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	ग्रेड
37.	श्री आर० लक्ष्मी नारायण शर्मा	इंजीनियर एस०बी०	650-30-740-35-880-
38.	श्री ए० पी० आर० उन्नी	"	द० रो०-40-960/-
39.	श्री के० सुकुमारन नायर	"	"
40.	श्री एम० गोपालन नायर	"	"
41.	श्री के० एन० श्रीकुमार	"	"
42.	श्री आर० राधाकृष्णन नायर	"	"
43.	श्री एन० एस० नायर	"	"
44.	श्री थोमस वरगिश	"	"
45.	श्री पीटर जार्ज	"	"
46.	श्री पी० के० नारायण मेनन	"	"
47.	श्री एस० पंकजक्षण नायर	"	"
48.	श्री पी० पी० पोथन	"	"
49.	श्री सी० डी० प्रसाद	"	"
50.	श्री एन० एम० राधाकृष्णन	"	"
51.	श्री आर० चित्रन	"	"
52.	श्री जी० एस० आर० गप्ता	"	"
53.	श्री ई० आर० गोपी	"	"
54.	श्री सी० गोपीनाथन नायर	"	"
55.	श्री जेफ्रज जान	"	"
56.	श्री पी० राधाकृष्ण पाणीकर	"	"
57.	श्री एन० विश्वनाथ पिल्ले	"	"
58.	श्री ए० डी० बेलायुद्धन	"	"
59.	श्री टी० ए० बालन	"	"
60.	श्री एम० एन० परमेश्वरन पिल्लै	"	"
61.	श्री के० एन० शिवरामन नायर	"	"
62.	श्री सी० वी० श्रीधरण	"	"
63.	श्री के० वी० श्रीनिवासन	"	"
64.	श्री एस० एन० थम्पी	"	"
65.	श्री सी० एम० शंकू मेनन	"	"
66.	श्री के० पी० जोसेफ	"	"
67.	श्री के० माधवन नायर	"	"
68.	श्री रविन्द्र नाथ दास	"	"
69.	श्री ए० मोहम्मद मली	"	"
70.	श्री समीरन रे	"	"
71.	श्री के० वीरास्वामी	"	"
72.	श्री वी० के० कृष्णनकुट्टी	"	"
73.	श्री के० एम० अब्दुला	"	"
74.	श्री एस० नारायणन कुट्टी	"	"
75.	श्री एन० के० अलेक्स	"	"
76.	श्री वी० मोहम्मद रफी	"	"
77.	श्री एन० एस० प्रभाकरण नायर	"	"
78.	श्री ए० केशवन उन्नी नायर	"	"
79.	श्री ई० सुब्राह्मणियन	"	"

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	ग्रेड
80.	श्री बी० एस० आनन्व मूर्ति	इंजीनियर एस० बी०	650-30-740-35-880-
81.	श्री एल० जे० जयकुमार	"	द० रो०-40-960/-
82.	श्री के० एम० जार्ज	"	"
83.	श्री टी० गणपति आचार्य	"	"
84.	श्री बी० रामाकृष्णन नायर	"	"
85.	श्री पी० के० मुरलीधरण	"	"
86.	श्री वी० माधवन कुट्टी नायर	"	"
87.	श्री जेफ़ब विलियम	"	"
88.	श्री के० वाई० दासन	"	"
89.	श्री पी० डोमिनिक नेट्टी	"	"
90.	श्री पी० सी० जोसेफ	"	"
91.	श्री आर० परमेश्वरन पिल्लै	"	"
92.	श्री के० आर० रविन्द्रन नायर	"	"
93.	श्री के० नारायणन	"	"
94.	श्री के० एन० कुरुणाकरणा आचार्य	"	"
95.	श्री ए० जी० वेलायुडन	"	"
96.	श्री एम० विजयाकुमारन नायर	"	"
97.	श्री एस० टी० सिरसी	"	"
98.	श्री के० रामाचन्द्रन	"	"
99.	श्री एन० एस० रामाचन्द्रन नायर	"	"
100.	श्री सी० माधवन	"	"
101.	श्री बी० रविन्द्रन	"	"
102.	श्री के० एम० कल्याण सुन्दरम	"	"
103.	श्री पी० के० जोसेफ	"	"
104.	श्री के० पी० गोविन्दराजुलु	"	"
105.	श्री आर० बालाचन्द्रन	"	"
106.	श्री समुहल वर्मा	"	"
107.	श्री एम० वरगिश मैथ्यू	"	"
108.	श्री एस० सिल्वाराज	"	"
109.	श्री डी० अरुमगापिरुमल	"	"
110.	श्री एम० शंकरानारायणन नायर	"	"
111.	श्री ए० विजयन	"	"
112.	श्री के० विनयचन्द्रन नायर	"	"
113.	श्री ए० नारायणन कुट्टी	"	"
114.	श्री पी० सी० जार्ज	"	"
115.	श्री वाई० नरसैय्या	"	"
116.	श्री के० श्रीधरण आचार्य	"	"
117.	श्री एस० अरुमुगम	"	"
118.	श्री के० जे० एन्टोनी	"	"
119.	श्री पी० के० पी० पिल्लै	"	"
120.	श्री के० पी० विजयन	"	"
121.	श्री अब्राहम आर्च० मैथ्यू	वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी०	"
122.	श्री के० मोहन	इंजीनियर एस० बी०	"
123.	श्री पी० एन० जननार्दनन पिल्लै	"	"

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	ग्रेड
124.	श्री एम० प्रभाकरन	इंजीनियर एस० बी०	650-30-740-35-880-
125.	श्री पी० डी० जान	"	द० रो०-40-960/-
126.	श्री के० मुब्बा राव	"	"
127.	श्री पी० टी० सदाशिवन	"	"
128.	श्री वी० के० कुमारन	"	"
129.	श्री एम० कृष्णा स्वामी	"	"
130.	श्री पी० ए० कुरियन	"	"
131.	श्री पी० एन० केणवन नायर	"	"
132.	श्री पी० के० मुकुमारन नायर	"	"
133.	श्री के० पी० एस० पाणीकर	"	"
134.	श्री एस० गोपाला पिल्लै	"	"
135.	श्री सी० नारायणकुट्टी मेनन	"	"
136.	श्री वी० वेणुगोपालन	"	"
137.	श्री जी० फर्नांडेज	"	"
138.	श्री वी० विश्वनाथन	"	"
139.	श्री पी० वी० कोछायन	"	"
140.	श्री वार्ड० मथनी	"	"
141.	श्री के० कुरियन	"	"
142.	श्री के० सुभाष चन्द्र बोस	"	"
143.	श्री सी० टी० जैकब	"	"
144.	श्री एस० कृष्णामूर्ति	"	"
145.	श्री के० श्रीनिवास भट	"	"
146.	श्री पी० पद्मकुमारन	वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी०	"
147.	श्री पी० शर्मा कृज	इंजीनियर एस० बी०	"
148.	श्री पी० एन० प्रभाकरन	"	"
149.	श्री पी० सैम जैकब	"	"
150.	श्री के० धंजयन	"	"
151.	श्री के० मैथ्यू	"	"
152.	श्री के० वी० राखवन वारियर	"	"
153.	श्री के० के० धनदेवन	"	"
154.	श्री के० रामचन्द्र	"	"
155.	श्री के० रामचन्द्र कुरुप	"	"
156.	श्री टी० श्रीधरण	"	"
157.	श्री वी० शिवरामकृष्णन	"	"
158.	श्री जी० माधवन पिल्लै	"	"
159.	श्री एन० गिरिजन	"	"
160.	श्रीमती राजालक्ष्मी गोपाल	वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी०	"
161.	श्री के० कृष्णन उन्नीथन	"	"
162.	श्री एम० करुणाकरण	"	"
163.	श्री वी० शशिन्द्रन	"	"
164.	श्री ए० वी० कृष्णन	"	"
165.	श्री एम० आर० आर० प्रसाद	"	"
166.	श्री के० एम० मैथ्यू	"	"
167.	श्री के० जे० पोलूस	इंजीनियर एस० बी०	"

क्रम संख्या	नाम	पदनाम	ग्रेड
168.	श्री एस० परमेश्वरन थम्मी	वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी०	650-30-740-35-880 द०रो०-40-960/-
169.	श्री एच० वेंकटेश्वर अय्यर	इंजीनियर एस० बी०	"
170.	श्री एस० गोपालाकुण्ठन नायर	वैज्ञानिक अधिकारी एस० बी०	"
171.	श्री के० चेन्नीयाप्पन	इंजीनियर एस० बी०	"
172.	श्री के० हरिदास	"	"
173.	श्री एम० लक्ष्मणन	"	"
174.	श्री सी० शशिधरण नायर	"	"

राजन बी० जार्ज
प्रशासन अधिकारी-II
कृते निदेशक
विक्रम साराभाई अन्तरिक्ष केन्द्र

पर्यटन और नागर विमानन मंत्रालय

भारत मौसम विज्ञान विभाग

नई दिल्ली-3, दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० ई० (1) 03849—वेधशालाओं के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के अधीन मौसम कार्यालय, अमर-तल्ला के व्यावसायिक सहायक श्री एन० आर० चक्रवर्ती को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री एन० आर० चक्रवर्ती कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के अधीन मौसम कार्यालय, अमरतल्ला में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04397—वेधशालाओं के महानिदेशक उपकरण, पूना के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एन० शंकरनारायणन्, को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एन० शंकरनारायणन् उपकरण, पूना के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04269—वेधशालाओं के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक, श्री पी० एम० घोष को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री पी० एम० घोष कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 12 नवम्बर 1975

सं० ई० (1) 04217—वेधशालाओं के महानिदेशक पूना के वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (जलवायु विज्ञान और भू-भौतिकी), कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री वाई० एस० कोल्हातकर को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री वाई० एस० कोल्हातकर, पूना कृषि मौसम विज्ञान के निदेशक के कार्यालय में तैनात किये गये हैं।

सं० ई० (1) 04207—वेधशालाओं के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री जे० नन्दी को 15 सितम्बर, 1975 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री जे० नन्दी कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 03496—वेधशालाओं के महानिदेशक पूना के वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान), के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक श्री एन० एम० सुन्दरम् को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री एन० एम० सुन्दरम् पूना, कृषि मौसम विज्ञान के निदेशक के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (1) 07548—वेधशालाओं के महानिदेशक पूना उपकरण के निदेशक के कार्यालय के स्थानापन्न व्यावसायिक सहायक श्री बी० सी० पवार को 29 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री बी० सी० पवार बम्बई प्रादेशिक मौसम केन्द्र के निदेशक के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

सं० ई० (1) 06323—वेधशालाओं के महानिदेशक उपकरण, पूना के निदेशक के कार्यालय के व्यावसायिक सहायक (फोरमैन) श्री मुहम्मद इकबाल अली को 15 सितम्बर, 1975 के पूर्वाह्न से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री मुहम्मद इकवाल अली उपकरण, पूना के निदेशक के कार्यालय में ही तैनात रहेंगे।

दिनांक 13 नवम्बर 1975

सं० ई० (1) 04064—वेधशालाओं के महानिदेशक कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, भुवनेश्वर के व्यवसायिक सहायक श्री ए० के० सेन गुप्ता को 15 सितम्बर, 1975 से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करते हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ, श्री ए० के० सेन गुप्ता, कलकत्ता प्रादेशिक मौसम केन्द्र, के निदेशक के अधीन मौसम केन्द्र, भुवनेश्वर में ही तैनात रहेंगे।

सं० ई० (1) 04249—वेधशालाओं के महानिदेशक, पूना वेधशालाओं के उप-महानिदेशक (पूर्वानुमान) के कार्यालय के व्यवसायिक सहायक श्री पी० शिवरमन को 15 नितम्बर, 1975 के पूर्वार्द्ध से और आगामी आदेशों तक स्थानापन्न रूप में सहायक मौसम विशेषज्ञ नियुक्त करने हैं।

स्थानापन्न सहायक मौसम विशेषज्ञ श्री सी० शिवरमन, पूना के कृषि मौसम विज्ञान के निदेशक के कार्यालय में तैनात किए गए हैं।

एम० आर० एन० मनियन, मौसम विशेषज्ञ कृते वेधशालाओं के महानिदेशक

महानिदेशक नागर विमानन का कार्यालय

नई दिल्ली, दिनांक 31 अक्टूबर 1975

सं० ए० 32013/9/74-ई० एस०—राष्ट्रपति ने निम्न-लिखित विमान निरीक्षकों को उनके नामों के सामने दी हुई तारीखों से तथा अगले आदेश होने तक, नियमित आधार पर स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ विमान निरीक्षक के पद पर नियुक्त किया है :—

क्रमांक	अधिकारी का नाम	पदोन्नति की तारीख	वर्तमान तैनाती स्टेशन
1	2	3	4
1.	श्री ए० एन० चक्रवर्ती निरीक्षण कार्यालय, नई दिल्ली	22-9-75 (पूर्वाह्न)	निरीक्षण कार्यालय, नई दिल्ली
2.	श्री एस० आर० दास, निरीक्षण कार्यालय, कलकत्ता	24-9-75 (अपराह्न)	निरीक्षण कार्यालय, कलकत्ता
3.	श्री एल० पी० अरोड़ा, निरीक्षण कार्यालय, लखनऊ	18-10-75 (पूर्वाह्न)	निरीक्षण कार्यालय, ब्रेगमपेट

1	2	3	4
4.	श्री आर० एन० दोसाझ, निरीक्षण कार्यालय, नई दिल्ली	4-10-75 (पूर्वाह्न)	निरीक्षण कार्यालय, नई दिल्ली
5.	श्री सी० डी० कोल्हे, निरीक्षण कार्यालय, नई दिल्ली	22-9-75 (पूर्वाह्न)	निरीक्षण कार्यालय, नई दिल्ली
6.	श्री एस० एस० दास, निरीक्षण कार्यालय, बम्बई	8-10-75 (पूर्वाह्न)	निरीक्षण कार्यालय, बम्बई

हरवंस लाल कोहली, उप निदेशक प्रशासन

नई दिल्ली, दिनांक 4 नवम्बर 1975

सं० ए० 32013/7/75-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री के० बी० के० खन्ना, सहायक विमानक्षेत्र अधिकारी को तदर्थ आधार पर 1 नवम्बर, 1975 (अपराह्न) से 6 महीने की अवधि के लिए अथवा उन के द्वारा धारित पद के नियमित आधार पर भरे जाने तक, इनमें से जो भी पहले हो, नागर विमानन विभाग में विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। उन्हें दिल्ली एयरपोर्ट, पालम पर तैनात किया गया है।

दिनांक 7 नवम्बर 1975

सं० ए० 32017/2/74-ई० ए०—राष्ट्रपति ने श्री पी० सी० वरगीस, विमानक्षेत्र अधिकारी को 25 अक्टूबर, 1975 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश होने तक नागर विमानन विभाग में स्थानापन्न रूप में वरिष्ठ विमानक्षेत्र अधिकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है। श्री वरगीस को हैदराबाद एयरपोर्ट, हैदराबाद में तैनात किया जाता है।

विश्व विनोद जौहरी, सहायक निदेशक के प्रशासन

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा शुल्क के समाहर्ता का कार्यालय

गुन्टुर-4, दिनांक 23 सितम्बर 1975

केन्द्रीय उत्पादन शुल्क विभाग

सं० 10—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के निम्नलिखित स्थानापन्न कार्यालय अधीक्षकों को, अगला आदेश होने तक, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के गुन्टुर स्थित समाहर्तालय में स्थानापन्न प्रशासनिक अधिकारी, श्रेणी-II के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने प्रत्येक

के नाम के सामने दिखायी गई तारीख से केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के प्रशासनिक अधिकारी श्रेणी-II का कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की जगह	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क में श्रेणी-II के प्रशासनिक अधिकारी के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
----------	----------------	-----------------	--

सर्वश्री

1. एस० सुन्दर राजन्	प्रशासनिक अधिकारी, आई० डी० ओ०, विशाखापत्तनम	30-7-75
2. एस० गौस मोहिउद्दीन	प्रशासनिक अधिकारी, आई० डी० ओ०, राजमुन्दी।	12-8-75

सं० II—केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के, स्थायी, वरिष्ठ ग्रेड के, निरीक्षकों को अगला आदेश होने तक, गुन्टूर स्थित केन्द्रीय उत्पादन शुल्क समाहर्ता में स्थानापन्न अधीक्षक श्रेणी-II के रूप में नियुक्त किया गया है। उन्होंने अपने नाम के सामने दिखायी गई तारीखों से, अधीक्षक श्रेणी II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, के रूप में कार्यभार सम्भाल लिया है।

क्रम सं०	अधिकारी का नाम	नियुक्ति की जगह	केन्द्रीय उत्पादन शुल्क के श्रेणी-II के अधीक्षक के रूप में कार्यभार ग्रहण करने की तारीख
----------	----------------	-----------------	---

1	2	3	4
	सर्वश्री		
1.	एम० मुजीबुर्रहमान	अधीक्षक, एम० ओ० आर०, पैडनादिपद	25-7-75
2.	बी० साम्ब सदाशिवराव	अधीक्षक, आई० डी० ओ०-II, विशाखापत्तनम ।	21-7-75
3.	श्री मुहम्मद नयीमुद्दीन	अधीक्षक, आई० डी० ओ०-I, विशाखापत्तनम ।	28-7-75

1	2	3	4
4. के० ए० हमीदखान	अधीक्षक, विशेष पी० एवं आई० कोठापेट	3-8-75	अपराह्न
5. मु० गौस	अधीक्षक, आई० डी० ओ०, अंगोल	11-8-75	
6. एन० श्री रामुलु	अधीक्षक, एम० ओ० आर०, तडिकोडा।	10-8-75	
7. पी० सोरी रेड्डी	अधीक्षक, निवारक एवं आसूचना, आई० डी० ओ०, गुन्टूर।	3-9-75	
8. के० वेंकटा	अधीक्षक, निवारक एवं आसूचना	3-9-75	अपराह्न

सं० 12—श्री एन० गोविंदस्वामी, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, आई० डी० ओ०, राजमुन्दी के स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी-II, 31 जुलाई, 1975 के अपराह्न से वार्धक्य के कारण सेवा निवृत्त हो गए हैं।

सं० 13—सर्वश्री एस० शेषगिरिराव, स्थानापन्न अधीक्षक, श्रेणी-II, केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, विशाखापत्तनम, आई० डी० ओ० आई०-I, की एम० ओ० आर०-I विशाखापत्तनम, और एम० एस० हरिश्चन्द्रराव, स्थायी अधीक्षक, श्रेणी-II (मूल्य निर्धारण-i) केन्द्रीय उत्पादन शुल्क, मुख्यालय गुन्टूर (मूल अधिनियम 56 जे०) के उपबंधों के अधीन दिनांक 25 अगस्त, 1975 के दोपहर पूर्व से सेवा निवृत्त हो गए।

आई० जे० राव,
समाहर्ता

शिलांग, दिनांक 23 सितम्बर, 1975

सं० 7/75—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर, शिलांग के स्थायी-निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्रीरसमय दत्त के अगले आदेश जारी होने तक, स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी अधीक्षक (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्रीरसमय दत्त ने केन्द्रीय आबकारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 20-10-75 (पूर्वाह्न में घुबड़ी में कार्यभार संभाला।

सं० 9/75—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री इन्द्रेश्वर दत्त के अगले आदेश जारी होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आबकारी अधीक्षक (श्रेणी-II) नियुक्त किया गया। श्री इन्द्रेश्वर दत्त के केन्द्रीय आबकारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 6-8-1975 (F.N.) पूर्वाह्न में तेजपुर में कार्यभार संभाल लिया।

सं० 8/75—केन्द्रीय आबकारी कलक्टर शिलांग के स्थायी निरीक्षक (चुनाव ग्रेड) श्री मि० बुचड्या को अगले आदेश जारी

होने तक स्थानापन्न रूप में केन्द्रीय आवकारी अधीक्षक (श्रेणी I) नियुक्त किया गया। श्री बुचईया ने केन्द्रीय आवकारी के अधीक्षक के रूप में दिनांक 20-10-75 पूर्वाह्न में जोड़हाट में कार्यभार संभाला।

एस० सी० नियोगी
कलक्टर

नारकोटिक्स विभाग

ग्वालियर-26, दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० 35—श्री एन० जी० भटनागर, अधीक्षक, केन्द्रीय उत्पादनशुल्क, श्रेणी-II, को, जो वर्तमान में बाराबंकी प्रभाग में जिला अफीम अधिकारी के रूप में तैनात है, दिनांक 1 फरवरी, 1975 से रु० 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 के वेतनमान में, 810.00 रु० के चरण पर दक्षतारोध पार करने की अनुमति दी जाती है।

अभिलाष शंकर,
नारकोटिक्स आयुक्त।

केन्द्रीय जल आयोग

नई दिल्ली-22, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

सं० क०-19012/505/74-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग एतद्वारा श्री एच० एस० चौधरी, पर्यवेक्षक, केन्द्रीय जल आयोग को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 20-9-1974 के पूर्वाह्न से पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री चौधरी ने उपर्युक्त तारीख तथा समय से गंगा बाढ़ नियंत्रण आयोग, केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

दिनांक 11 नवम्बर 1975

सं० क०-32012/4/70-प्रशा० 5—इस आयोग की अधि-सूचना सं० क०-19012/530/75-प्रशा० 5, दिनांक 10-7-75 के अनुक्रम में अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग अपने प्रसाद से श्री एस० के० उकील, अनुसंधान सहायक को केन्द्रीय जल आयोग में सहायक अनुसंधान अधिकारी (वैज्ञानिक-रसायन गुण) के पदक्रम में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 4-9-75 से 31-12-75 तक की आगामी अवधि के लिए अथवा इस ग्रेड में इन पदों के नियमित रूप से भरे जाने तक जो भी पूर्व हो, पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ आधार पर नियुक्त करते हैं।

सं० क०-19012/538/75-प्रशा०-5—अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग, एतद्वारा श्री मनोहर खुशलानी, अभिकल्प सहायक, केन्द्रीय जल आयोग को केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर/सहायक अनुसंधान अधिकारी (इंजीनियरी) के रूप में स्थानापन्न क्षमता में 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रुपये के वेतनमान में 15-3-75 के अपराह्न से पूर्णतः अस्थायी तथा तदर्थ रूप में नियुक्त करते हैं।

श्री खुशलानी ने उपर्युक्त तारीख तथा समय से केन्द्रीय जल आयोग में अतिरिक्त सहायक निदेशक के पद का कार्यभार संभाल लिया है।

के० पी० बी० मेनन
अवर सचिव
कृते अध्यक्ष, केन्द्रीय जल आयोग

केन्द्रीय भूमि जल बोर्ड

फरीदाबाद-121001, दिनांक 10 नवम्बर 1975

सं० 3-387/75-सी० एच० (ई०)—श्री एस० पी० वागडे को कनिष्ठ जल वैज्ञानिक वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर वेतनमान 650-30-640-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत अस्थायी आधार पर मुख्यालय चण्डीगढ़ के साथ दिनांक 27-9-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

सं० 3-389/75-सी० एच० (ई०)—श्री मन मोहन लाल सहगल को कनिष्ठ भूवैज्ञानिक वर्ग-II (राजपत्रित) के पद पर अस्थायी रूप से रुपये 810/- प्रति माह एवं अन्य भत्तों के साथ वेतनमान 650-30-740-35-810-ई० बी०-35-880-40-1000-ई० बी०-40-1200 के अन्तर्गत मुख्यालय चण्डीगढ़ के साथ दिनांक 9-10-75 (पूर्वाह्न) से अगले आदेश तक नियुक्त किया जाता है।

डी० एस० देशमुख,
मुख्य जल भू-विज्ञानी

केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण

नई दिल्ली-110022, दिनांक 1 नवम्बर 1975

सं० 6/2/75-प्रशा०-2—अध्यक्ष, केन्द्रीय बिजली प्राधिकरण, निम्नलिखित तकनीकी सहायकों/स्नातक पर्यवेक्षकों को केन्द्रीय विद्युत् इंजीनियरी श्रेणी-2 सेवा के, अतिरिक्त सहायक निदेशक/सहायक इंजीनियर ग्रेड में उनके नामों के सामने दिखायी गई तारीखों से, अन्य आदेश होने तक, नियुक्त करते हैं :—

- | | |
|----------------------------|--------------------|
| 1. श्री डी० वी० लक्ष्मीपति | 3-10-75 (अपराह्न) |
| 2. श्री रईस अहमद सिद्दिकी | 18-10-75 (अपराह्न) |

3. श्री सतीश कुमार जैन 10-10-75 (पूर्वाह्न)
 4. श्री खुशी राम जैन 24-9-75 (अपराह्न)
 5. श्री सतीश चन्द्र 23-10-75. (पूर्वाह्न)
 जंगशेर सिंह, अवर सचिव
 कृते अध्यक्ष ।

कम्पनी कार्य विभाग

कम्पनियों के रजिस्ट्रार का कार्यालय
 कम्पनी अधिनियम 1956 और प्योर मिल्क सप्लाय कम्पनी
 लिमिटेड (लिक्विडेशन) के विषय में

जालन्धर, दिनांक 5 नवम्बर 1975

सं० स्टेट०/लिक०/8546—प्योर मिल्क सप्लाय कम्पनी लिमिटेड (लिक्विडेशन) कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (4) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर "प्योर मिल्क सप्लाय कम्पनी लिमिटेड" (लिक्विडेशन) का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

प्रभु शंकर माथुर,
 कम्पनियों का पंजीकार

कम्पनी अधिनियम 1956 और कजेरिया इंजीनियरिंग कम्पनी लिमिटेड के विषय में

जयपुर, दिनांक 7 नवम्बर, 1975

सं० स्टेट०/1273/8785—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है । कि इस तारीख से तीन मास अवसान पर कजेरिया इंजीनियरिंग कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

ह० अपठनीय
 पंजीयक समवाय

मद्रास-600006, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

सं० 2309/लिकन०/एस० 560/75—यतः दि रासिपुरम मिल्स लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय मुमरीतिलैया, हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है ।

और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः क्रमवत्ता मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसार में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दि रासिपुरम मिल्स लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

3—356 GI/75

दिनांक 12 नवम्बर, 1975

सं० 2541/लिख/सः 247/75—दि साऊथ आर्काट वीरनारायनि प्रोड्यूस अंड कामर्स लिमिटेड यतः (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय रपन्निधिमली, कट मन्नार कोडक चिदंबरम हजारीबाग, कोडरमा में है, का समापन किया जा रहा है । दि साऊथ आर्काट वीरनारायनि प्रोड्यूस अंड कामर्स लिमिटेड और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः क्रमवत्ता मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर दि साऊथ आर्काट वीरनारायनि प्रोड्यूस अंड कामर्स लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

सं० 1919/लिख/सः 560/75—नेल्लै वीनस लिमिटेड यतः (इन लिक्विडेशन) जिसका रजिस्ट्रीकृत कार्यालय 1/24 है रोड दिस्नेलवेली टौन में है, का समापन किया जा रहा है । नेल्लै वीनस लिमिटेड और यतः अधोहस्ताक्षरित यह विश्वास करने का युक्ति युक्त हेतुक रखता है कि कोई समापक कार्य नहीं कर रहा है और यह कि लेखा-विवरणियों से समापक द्वारा दिये जाने के लिये अपेक्षित है, यह छः क्रमवत्ता मास के लिये नहीं दी गई है, अतः जब कम्पनी अधिनियम 1956 (1956 का) की धारा 560 की उपधारा (4) के उपबन्धों के अनुसरण में एतद्वारा सूचित किया जाता है कि इस सूचना की तारीख से तीन मास के अवसान पर नेल्लै वीनस लिमिटेड (इन लिक्विडेशन) का नाम यदि इसके प्रतिकूल हेतुक दर्शित नहीं किया जाता है तो, रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

पि० अक्षपूर्णा,
 कम्पनियों का रजिस्ट्रार
 मद्रास ।

कम्पनी अधिनियम 1956 और दरभंगा मोटर सर्विस प्राइवेट लि० के विषय में

पटना, दिनांक 2 नवम्बर, 1975

सं० 3(704) 74-75/4162—कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर दरभंगा मोटर सर्विस प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दर्शित न किया गया तो रजिस्ट्रार से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी ।

सत्य प्रकाश सायल,
 कम्पनी निबंधक
 बिहार, पटना

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 नवम्बर 75

निर्देश सं० राज०/सहा० आय० अर्जन/285 :—यतः मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० एफ० का अखण्ड है तथा जो रातानाड़ा क्षेत्र जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध, अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 26 अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

- (1) श्री मुकन सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह निवासी बाईजी का तालाब, जोधपुर—प्रतिनिधि:— (अ) श्री अजय सिंह, नाबालिग (ब) श्री शैलेन्द्र सिंह, नाबालिग
- (2) श्री जबर सिंह पुत्र श्री मुकन सिंह निवासी बाईजी का तालाब, जोधपुर, पिता एवं स्वाभाविक संरक्षक (अ) श्री अजय सिंह (ब) श्री शैलेन्द्र सिंह

(अन्तरक)

- (2) श्रीमति मानादेवी पति श्री गणेश जी निवासी जांगीवाड़ा, पाली

(अन्तरिती)

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एफ० पर -डिफेन्स रोड, रातानाड़ा क्षेत्र, आठ थम्बा के पास, स्थित सम्पत्ति का 'अ' खण्ड जो उप पंजियक, जोधपुर के कार्यालय में 25-4 -75 को प्रस्तुत एवं 26-4-75 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में साथ संलग्न किए नक्शों में 'ए०, बी०, [सी० डी०, ई०, एफ०]' से चिन्हित किया गया है।

सी एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 10-11-75
मोहर :

रूप आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269(ब) (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश संख्या राज० सहा० आयु० अर्जन /286 :—यतः मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० एफ का डी खण्ड है जो रातानाड़ा क्षेत्र जोधपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जोधपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 29 अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- (1) श्री मुकन सिंह पुत्र श्री गुलाब सिंह निवासी बाईजी का तालाब, जोधपुर प्रतिनिधि :—(अ) श्री अजय सिंह, नाबालिग (ब) श्री शैलेन्द्र सिंह, नाबालिग
- (2) श्री जबर सिंह पुत्र श्री मुकन सिंह निवासी बाई जी का तालाब, जोधपुर पिता एवं स्वाभाविक संरक्षक:—(अ) श्री अजय सिंह (ब) श्री शैलेन्द्र सिंह (अन्तरक)

- (2) श्रीमती जमुना देवी पति श्री श्रीकिशन नाडोला निवासी थलियों का बास, जोधपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० एफ ० पर डिफेंस रोड, रातानाड़ा क्षेत्र, आठ थम्बा के पास स्थित सम्पत्ति का 'डी' खण्ड जो उप पंजियक, जोधपुर के कार्यालय में 1-4-75 को प्रस्तुत एवं 29-4-75 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र के साथ संलग्न किए गए नक्शे में 'ए०, बी०, सी०, डी०, ई०, एफ०, जी०, एच०' से चिह्नित किया गया है।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जोधपुर।

दिनांक : 10-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/299—यतः मुझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 238/63 है तथा जो चक 11 ए,
अनूपगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1 अप्रैल, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परमात्मासिंह पुत्र श्री लाभसिंह साकिन मलकाना
तहसील करणपुर जिला श्री गंगानगर

(अन्तरक)

(2) श्री हरपाल सिंह पुत्र श्री शेर सिंह निवासी ग्राम चक
11-ए० तहसील अनूपगढ़ जिला श्री गंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के
अर्जन के लिए कार्यवाहिका करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोदस्ताभरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उप पंजीयक अनूपगढ़ द्वारा 1-4-75 को क्रम संख्या 187 पर
पंजिबद्ध मुरब्बा नं० 238/63 की 12 बीघा कृषि भूमि जिसके
नं० 3, 8, 4, 7, 14, 17, 24, 5, 6, 15, 16, और 13 है
सभा चक नं० 11 ए०, तहसील अनूपगढ़ में स्थित है।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी,

(सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जोधपुर।

तारीख : 15-11-75

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/298 :—यतः मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 238/54 है तथा जो चक 11 ए०, अनूपगढ़ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16), के अधीन, तारीख 1 अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिणी (अन्तरिणियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिणी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री परमात्मा सिंह पुत्र श्री लाभसिंह, ग्राम मलकाना तहसील करणपुर जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरक)

(2) श्री राजेन्द्र सिंह पुत्र श्री सुखदेव सिंह निवासी ग्राम 11 ए, तहसील अनूपगढ़, जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरिणी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप पंजिक, अनूपगढ़ द्वारा 1-4-75 को क्रमसंख्या 188 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विवरण किए अनुसार मुरब्बा नं० 238/54 को 13 बीघा कृषि भूमि जो चक नं० 11 ए तहसील अनूपगढ़ में स्थित है और जिसके नं० 1, 10, 11, 20, 21, 2, 9, 12, 19, 22, 23, 18 और 13 है।

एस० सी० जैन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-11-65

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15-11-1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/297—यतः मुझे,
सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
जिसकी सं० मुरब्बा नं० 238/63 है तथा जो चक 11 ए,
अनूपगढ़ में स्थित है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
अनूपगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16),
के अधीन, तारीख 1 अप्रैल, 1975 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से
कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्तियों, को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम;
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग
के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री परमात्मा सिंह पुत्र श्री लाभसिंह, ग्राम मलकाना,
तहसील करणपुर जिला श्रीगंगानगर
(अन्तरक)

(2) श्री गुरवीप सिंह पुत्र श्री अर्जुन सिंह निवासी ग्राम 11 ए
तहसील अनूपगढ़, जिला श्रीगंगानगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उप वंजियक, अनूपगढ़ द्वारा 1-4-75 को क्रमसंख्या 186 पर
वंजियद्वज शिफ्रय पत्र में विवरण किए अनुसार मुरब्बा नं० 238/63
की 13 बीघा कृषि भूमि जो चक नं० 11 ए०, तहसील अनूपगढ़
में स्थित है और जिसके नं० 1, 10, 11, 20, 21, 2, 9, 12,
19, 22, 23, 18 और 25 हैं।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) श्री परमात्मासिंह पुत्र श्री लाभसिंह, साकिन मलकाना,
तहसील करणपुर जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरक)

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1975

(2) श्री बलराज सिंह पुत्र श्री सुखपाल सिंह निवासी 11 ए,
तहसील अनूपगढ़ जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/296 :— यतः मुझे,
सी० एस० जैन,प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक हैऔर जिसकी सं० मुरब्बा नं० 238/55 है तथा जो चक 11 ए,
अनूपगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप
से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपगढ़ में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1 अप्रैल, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख
के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजारमूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,'
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम,' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मुरब्बा नं० 238/55 में 12 बीघा कृषि भूमि, जिसके क्रम
संख्या 3, 8, 4, 7, 14, 17, 24, 5, 6, 15, 16, 25 है तथा
जो चक नं० 11 ए०, तहसील अनूपगढ़ में स्थित है, जिसे उप
पंजियक, अनूपगढ़ द्वारा 1-4-75 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र क्रम
संख्या 185 में विवरण किया गया है।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम,' की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 1-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15 नवम्बर 1975

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/295 :— यतः मुझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 238/54 है तथा जो चक 11 ए, अनूपगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अनूपगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1 अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है

और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसूचकों में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री परमात्मा सिंह पुत्र श्री लाभसिंह, ग्राम मलकाना, तहसील करणपुर जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरक)

(2) श्री हरदेव सिंह पुत्र सी सुखदेव सिंह निवासी ग्राम 11 ए, तहसील अनूपगढ़, जिला श्रीगंगानगर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्द्वारा कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप पंजिक, अनूपगढ़ द्वारा 1-4-75 को क्रम संख्या 184 पर पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विवरण किए अनुसार चक नं० 11 ए, तहसील अनूपगढ़ में स्थित 12 बीघा कृषि भूमि जिसके नं० 3, 8, 4, 7, 14, 17, 24, 5, 6, 15, 16, और 25 हैं।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15-11-75

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/294 :—यतः, मुझे,
सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० मुरब्बा नं० 238/55 है तथा जो चक 11 ए
अनूपगढ़ में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अनूपगढ़
में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 1 अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

4—356 GI/75

(1) श्री परमात्मा सिंह पुत्र श्री लाभसिंह साकिन मलकाना
तहसील करणपुर जिला श्री गंगानगर (अन्तरक)

(2) श्री शिवराज सिंह पुत्र श्री सुखपाल सिंह निवासी गांव
11-ए, तहसील अनूपगढ़, जिला श्री गंगानगर
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति
में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप पंजिक, अनूपगढ़ द्वारा 1-4-75 को क्रमांक 183 से
पंजिक विक्रय पत्र में विवरण किए अनुसार चक नं० 11 ए तहसील
अनूपगढ़ के मुरब्बा नं० 238/55 की 13 बीघा कृषि भूमि जिसके
नं० 1, 10, 11, 20, 21, 2, 9, 12, 19, 22, 23, 18 एवं
13 हैं।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-11-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15-11-75

निर्देश सं० राज/सहा० आ० अर्जन/291 :— यतः मुझे,
सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० नगरपालिका सं० 748/3 है तथा जो रास्तादरी
बापान जयपुर में स्थित है, (और इससे उदात्त अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 14 अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने को कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति भंवर बाई पत्नि श्री हरीनारायण पारीक,
निवासी चौकड़ी तोपताना हुजुरी, रास्ता ठाकुर साहब
परनाला, सूरजपोल बाजार, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री पदम चन्द जैन पुत्र श्री कूर चन्द जी भौसा, मकान
नं० 748/4, चौकड़ी रामचन्द्र जी मोहल्ला बक्षी हेम-
राजजी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप पंजिक, जयपुर द्वारा 14-4-75 को पंजिबद्ध विक्रय
पत्र संख्या 969 में विवरण किए अनुसार मकान म्यूनिसिपल नं०
748/3 का हिस्सा, जो रास्ता दरीबापान, मोहल्ला बक्षी हेमराजजी,
जयपुर में स्थित है।

सी० एस० जैन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन, रेंज जयपुर

जयपुर, दिनांक 15-11-75

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/292:— यतः, मझे, सी० एस० जैन, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म्यूनिसिपल नं० 748/3 है तथा जो रास्ता-दरीबापान जयपुर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

(1) श्रीमति भंवर बाई पत्नि श्री हरीनारायण पारीक, निवासी चौकड़ी तोपखाना हुजुरी, रास्ता ठाकुर साहब परनाला, सूरजपोल बाजार, जयपुर (अन्तरक)

(2) श्री कपूर चन्द भौसा पुत्र श्री भूरामल जी भौसा, मकान नं० 748/3, चौकड़ी रामचन्द्रजी, मोहल्ला बक्षी हेमराजजी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

उप पंजीयक, जयपुर द्वारा 14-4-75 को क्रमांक 970 पर पंजीबद्ध विक्रय पत्र में विवरण किए अनुसार, मकान म्यूनिसिपल नं० 748/3 का हिस्सा जो रास्ता दरीबापान, मोहल्ला बक्षी हेमराजजी, जयपुर में स्थित है ।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 15-11-75

निर्देश सं० राज०/सहा० आ० अर्जन/293 :—यतः मुझे,
सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म्यूनिसिपल नं० 748/3 है तथा जो रास्ता दरीबापान जयपुर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 14 अप्रैल, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमती भंवर बाई पति श्री हरीनारायण पारीक, निवासी चौकड़ी तोपखाना हुजुरी, रास्ता ठाकुर साहेब परनाला, सूरजपोल बाजार, जयपुर (अन्तरक)

(1) श्री कैलाशचन्द जैन पुत्र श्री कपूर चन्द जैन, मकान नं० 748/3, चौकड़ी, रामचन्द्रजी, रास्ता दरीबापान, मोहल्ला बक्षी हेमराजजी, जयपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप पंजीयक, जयपुर द्वारा 14-4-75 को क्रमांक 971 से पंजीबद्ध किए गए विक्रय पत्र में विवरण किए अनुसार म्यूनिसिपल नं० 748/3 का हिस्सा रास्ता दरीबापान, मोहल्ला बक्षी हेमराजजी, जयपुर।

सी० एस० जैन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 15-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 नवम्बर 75

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/287 :— यतः मझे,
सी० एस० जैन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 83 स्कीम नं० 1 है तथा जो अलवर में स्थित
है, (और इससे उपाबद्ध अनसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलवर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 22 मार्च,
1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति सुरजी देवी विधवा श्री शिवनाथ अग्रवाल (2)
श्री श्रीनिवास पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल (3) श्री
श्रवण कुमार पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल (4) श्री
महेशचन्द पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल (5) श्री
रामकिशन पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल
श्री शिवनाथ अग्रवाल एण्ड सन्स, अलवर के साझेदार
निवासी स्कीम नं० 1, अलवर. (अन्तरक)

(2) श्रीमति मणीदेवी पत्नि श्री श्रवणकुमार अग्रवाल निवासी
स्कीम नं० 1, प्लॉट नं० 83, अलवर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

उप पंजियक, अलवर द्वारा 22-3-75 की बंजिबद्ध विक्रय
पत्र में विवरण किए अनुसार मकान नं० 83, स्कीम नं० 1, अलवर
का भाग

सी० एस० जैन

सक्षम अधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/ 288:—यतः मझे, सी० एस० जैन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 83, स्कीम नं० 1 है तथा जो अलवर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 31 मार्च, 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये रजिस्ट्रीकृत विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति सुरजी देवी विधवा श्री शिवनाथ अग्रवाल (2) श्री निवास पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल (3) श्री श्रवणकुमार पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल (4) महेशचन्द्र पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल (5) श्री राम-किशन पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल
श्री शिवनाथ अग्रवाल एण्ड सन्स, अलवर के साझेदार निवासी स्कीम नं० 1, अलवर (अन्तरक)

(2) श्री रविन्द्र कुमार पुत्र श्री श्रवण कुमार निवासी स्कीम नं० 1, प्लॉट नं० 83, अलवर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आपेक्ष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप पंजियक, अलवर द्वारा 31-3-1975 को पंजिबद्ध विक्रय पत्र में विवरण किए अनुसार भूकान नं० 83, स्कीम नं० 1, अलवर का भाग.

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन /289:—यतः

मुझे, सी० एस० जैन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 83, स्कीम नं० 1 है तथा जो अलवर में स्थित
है, (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है)
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की

गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्रीमति सुरजी देवी विधवा श्री शिवनाथ अग्रवाल
2. श्री श्रीनिवास पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल 3. श्री
श्रवणकुमार पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल 4. श्री महेश-
चन्द्र पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल 5. श्री रामकिशन
पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल श्री शिवनाथ अग्रवाल एण्ड
सन्स, अलवर के साझेदार निवासी स्कीम नं० 1, अलवर
(अन्तरक)

(2) श्री देवेन्द्र कुमार पुत्र श्री श्रवणकुमार निवासी स्कीम
नं० 1, प्लॉट नं० 83, अलवर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

उप पंजिक, अलवर द्वारा माह मार्च, में पंजिबद्ध किए गए
विक्रय पत्र में विवरण किए अनुसार मकान नं० 83, स्कीम नं० 1,
अलवर का भाग।

सी० एस० जैन
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-11-75

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश संख्या राज०/सहा० आ० अर्जन/290 :—यतः
मुझे, सी० एस० जैन
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 83, स्कीम नं० 1 है तथा जो अलवर में स्थित
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अलवर में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, 28 मार्च 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों), और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्रीमति सुरजी देवी विधवा श्री शिवनाथ अग्रवाल,
2. श्री श्रीनिवास पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल 3. श्री
श्रवण कुमार पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल 4. श्री महेश-
चन्द पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल 5. श्री रामकिशन
पुत्र श्री शिवनाथ अग्रवाल श्री शिवनाथ
अग्रवाल एण्ड संस, अलवर के साझेदार निवासी स्कीम
नं० 1, अलवर (अन्तरक)

(2) श्रीमति मणीदेवी संरक्षक श्री अनिल कुमार पुत्र श्री
श्रवण कुमार, (नाबालिग) निवासी स्कीम नं० 1,
प्लॉट नं० 83 अलवर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

उप पंजियक, अलवर द्वारा 28-3-75 की पंजिबद्ध विक्रय
पत्र में विवरण किए अनुसार मकान नं० 83 स्कीम नं० 1, अलवर
का भाग।

सी० एस० जैन,
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 14-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

(1) श्री नारायण चन्द्र मुखर्जी

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

(2) श्रीमती शरजु बाला पाल

(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज-5, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निदेश सं० एसी० - 26/ अर्जन रेंज -5 /कैल /75-76 :—
अतः मुझे एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 40/1 है तथा जो ब्रोजनाथ लाहीरी लेन, हावरा में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्त अधिकारी के कार्यालय, हावरा में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 14-3-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—
5—356GI/75

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आपेक्ष :—
(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

9 कठ्ठा 20 स्कवे० फीट भूमि एवं मकान 40/1 ब्रोजनाथ
लाहीरी लेन, पी० एस० शीवपुर जि० हावरा स्थित डीउ सं० 978
ता० 14-3-75 को सब रजिस्ट्रार हावरा में रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, 54, रफी अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एस० 27 /अर्जन रेंज-5 /कैल /75-76:—

अतः मुझे, एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 162 /डी/705 है तथा जो लेक गार्डन्स, पी०
एस० टौली गन्ज, कलकत्ता-45 में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर सदर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, 7-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ब के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1)
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) एसोसिएटेड प्रोजेक्ट इन्जीनियर्स

(अन्तरक)

(2) श्रीमती गीता दत्त

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कठ्ठा 14 छिटांक 27 स्क्वेयर फीट भूमि पर मकान सं०
162 /डी/ 705, लेक गार्डन्स, पी० एस० टौली गन्ज, कलकत्ता-
45, डीड सं० 1271 ता० 7-3-75 से रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, 54 रफी अहमद क़िदवाई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 नवम्बर 1975

निदेश सं० ए०सी० -29/ अर्जन रेंज-5 /कैल /75-76:-

अतः मुझे एस० एस० ईनामदार

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार, मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 49 है तथा जो पीयरी मोहन सुर गार्डन लेन में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सीआल्डाह में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 5-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जीतेन्द्र नाथ मित्रा

(अन्तरक)

(2) श्री सुखदेव गोस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कट्ठा, 8 छिटोक 9 स्क्वे० फीट जमीन पर मकान जो कि 49 पीयरी मोहन सुरगार्डन लेन पी० एस० बेलीयाघाट में स्थित में आधा हिस्सा डी० सं० 1-418 ता० 5-3-75 से रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-5, 54 रफी अहमद किदवई रोड कलकत्ता-16।

तारीख : 17-11-75

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०— ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय,
अर्जन रेंज-V, कलकत्ता

कलकत्ता-16, दिनांक 17 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए०सी० -28 /अर्जन रेंज 5 /कैल /75-76:—
प्रतः मुझे, एस० एस० ईनामदार
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 49 है तथा जो पीयरी मोहन सुर गार्डन लेन में
स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अलीपुर में, रजिस्ट्री-
करण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
5-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन,
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री जीतेन्द्र नाथ मित्रा

(अन्तरक)

(2) श्रीमती भारती गोस्वामी

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1 कठ्ठा, 8 छटांक 6 स्क्वे० फीट जमीन पर मकान जो कि 49
पीयरी मोहन सुर गार्डन लेन, पी० एस० बेलियाघाट में स्थित में
आधा हिस्सा डीड सं० 1-1622 ता० 5-3-75 को रजिस्ट्रीकृत।

एस० एस० ईनामदार

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-5, 54, रफी अहमद कदवई रोड, कलकत्ता-16

तारीख : 17-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 4 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एल डी एच०/सी०/59/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961

का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट

नं० 4-ए० पी० क्षेत्रफल 902 1/9 वर्ग गज है, तथा जो गुप्ता रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया, 'ए', लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975 को पूर्वांकित

सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वांकित सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मुख्य अधिकारी, मै० कामन वैलथ स्पनिंग एण्ड निटिंग मिल्स प्राइवेट लिमिटेड, इण्डस्ट्रियल एरिया 'ए', लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री जगन नाथ कुंवरा, मकान नं० बी०-II/1329 आर्य मोहल्ला, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वांकित सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वांकित व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 4-ए० पी० क्षेत्रफल 902-1/9 वर्ग गज जो कि गुप्ता रोड, इण्डस्ट्रियल एरिया, 'ए' लुधियाना में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकरण के विलेख नं० 1577, मई 1975 में सब-रजिस्ट्रार लुधियाना के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 4 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० एल डी एच०/सी०/595/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिनोच्चा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल, 7 मरले है तथा जो तरफ कारा बारा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. श्री बलकार सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी तरफ कारा बारा, तहसील लुधियाना। (अन्तरक)

2. श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री दबी सरन, निवासी सावन बाजार, लुधियाना। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल, 7 मरले, जोकि तरफ कारा बारा तहसील लुधियाना में स्थित है।

खसरा नं० 18/10/3-7, जमाबन्दी 1970-71।

(भूमि जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 1240 मई, 1975 में सब-रजिस्ट्रार, लुधियाना (शहरी) के कार्यालय में लिखा है।)

विवेक प्रकाश मिनोच्चा

सक्षम प्राधिकारी,

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख: 28-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 28 अक्तूबर, 1975

निर्देश सं० एल डी एच०/सी०/596/75-76—अतः मुझे,
विवेक प्रकाश मिनोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और

जिसकी सं० भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल और 7½ मरले है, तथा जो
तरफ कारा बारा, तहसील लुधियाना में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, मई 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे
अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री बलकार सिंह पुत्र श्री केहर सिंह, निवासी तरफ कारा
बारा, तहसील लुधियाना । (अन्तरक)

2. श्री बाल कृष्ण पुत्र श्री देवी सरन, निवासी साबन बाजार,
लुधियाना । (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि; जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 3 कनाल, 7-3/4 मरले जोकि तरफ कारा
बारा, तहसील लुधियाना में स्थित है ।

खसरा नं० 18/10/3-7-3/4, जमाबन्दी 1970-71 ।
(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 1333, मई 1975 में
सब-रजिस्ट्रार, लुधियाना (शहरी) के कार्यालय में लिखा है ।)

विवेक प्रकाश मिनोचा
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज चण्डीगढ़ ।

तारीख : 28-10-1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

चण्डीगढ़, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० पी टी ए०/आर०/2/75-76—अतः मुझे विवेक प्रकाश मिन्तोचा, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी

सं० भूमि क्षेत्रफल 71 कनाल, 4 मरले जो कि गांव सुनियारहेड़ी उर्फ गोबिन्दपुर है, तथा जो गांव सुनियारहेड़ी में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, मई, 1975

को, पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अन्तर्गत, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती मोहनो पुत्री श्री विमल दास पुत्र श्री राम दास, निवासी दिल्ली अब माडल टाउन, पटियाला। (अन्तरक)

2. सर्वश्री जसपाल सिंह तथा हरजिन्दर सिंह, पुत्र श्री सुखदेव सिंह सेखों, तोपखाना मोड़, पटियाला। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि क्षेत्रफल 71 कनाल, 4 मरले जो कि गांव सुनियारहेड़ी उर्फ गोबिन्दपुर में स्थित है।

(जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 321, मई, 1975 में सब-रजिस्ट्रार पटियाला के कार्यालय में लिखा है)।

विवेक प्रकाश मिन्तोचा

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, चण्डीगढ़

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा,
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/191/75-76—यतः मुझे बी०
आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट नं० 71 है तथा जो रानी का बाग, अमृतसर
में स्थित है (और इससे उपायधन अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख मार्च, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के

उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्त-
रकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
प्राप्ति को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

6—356GI/75

1. श्री जगदीश चन्द्र सुपुत्र श्री चमन लाल, 132, रानी का
बाग, अमृतसर। (अन्तरक)

2. श्रीमती सुखबिंदर कौर पत्नी श्री चमन सिंह, गांव हर-
चोवाल, बटाला। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा किराएदार यदि हों। (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख
से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों
पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि,
जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर
पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

भूमि का प्लॉट नं० 71, रानी का बाग अमृतसर, जैसा कि
रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 3880 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

तारीख : 15-11-1975

मोहर :

प्रकृष आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 15 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० ए० एस० आर०/192/75-76—प्रतः मुझे बी०

आर० सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 692/10 तथा 2265 है तथा जो बाजार सिरकी बंदी, अमृतसर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अमृतसर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च, 1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए :—

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री किशोर चन्व सुपुत्र श्री बुद्धमल बासी 115 ई कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्रीमती प्रकाश कौर, पत्नी श्री हरनाम सिंह, चावल मण्डी, अमृतसर। (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है, तथा श्री नरेश कुमार तथा श्री राम सहाय मेहरा, किराएदारान (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

4. कोई व्यक्ति जो सम्पत्ति में रुचि रखता है। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करवा हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 692/10 तथा 2265 बाजार सिरकी बंदी, अमृतसर, जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4070, मार्च 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी अमृतसर में है।

बी० आर० सगर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, अमृतसर।

तारीख : 15-11-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, अमृतसर

अमृतसर, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० फगवाड़ा/193/75-76—यतः मुझे बी० आर०
सगर,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० सम्पत्ति है तथा जो सतनामपुरा, फगवाड़ा में
स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फगवाड़ा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख मार्च,
1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत,
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री रतन सिंह सुपुत्र श्री उत्तम सिंह वासी सतनामपुरा
फगवाड़ा । (अन्तरक)

2. श्री महिन्द्र सिंह सुपुत्र श्री तारा सिंह, वासी संगत पुरा,
फगवाड़ा । (अन्तरिती)

3. जैसा कि नं० 2 में है तथा किराएदार यदि हों । (वह
व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है) ।

4. कोई व्यक्ति, जो सम्पत्ति में रुचि रखता है । (वह
व्यक्ति, जिनके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में
हितबद्ध है) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी
के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

सम्पत्ति, सतनामपुरा फगवाड़ा में जैसा कि रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 2125 मार्च, 1975 को रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी फगवाड़ा में
है ।

बी० आर० सगर,

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अमृतसर ।

तारीख : 14 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जेंट रेंज, पूना

पूना-411004, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/मार्च '75/बम्बई/(सतारा)/252/75-76—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० नं० 47/1, 42/5, 42/2, 42/ए, 41/1, 43/4, 45/16 है तथा जो भिलर, जिला सतारा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 19-3-1975 को को पूर्वाक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वाक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

1. (1) श्री जमशेद सोराबशाहा काम, (2) श्री फिरोज केशु इरानी, (3) श्री अर्देशर करसेठजी मानेकजी करसेठजी, (4) श्री जमशेद जी दोराबजी अश्वरुनर, (5) श्री खनीरकांत रतीलाल पटेल, (6) श्री केकी खस्तुमजी अलपई वाला सभी मंचरजी नीरोजी बानाजी और करसेठजी मंचरजी बानाजी चौरिटी ट्रस्ट के 'ट्रस्टी' द्वारा—मैं ईस्टले लैम एण्ड कं०, जहांगीर बिल्डिंग, 3रा फ्लोर, 133 महात्मा गांधी रोड, बम्बई-1 (अन्तरक)

2. श्री शिवचन्द्र रामलाल बाजा, मोहोनजोदारो, 29 सुवरनगर, मार्केट, न्यू दिल्ली-3। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वाक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वाक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जमीन का एक टुकड़ा, पुराना बंगला और आउट हाउस और चोकुएँ, जिस जमीन में स्थित है। यह जमीन देहात भिलार में तहसील बहाबलेश्वर, जिला सतारा, रजिस्ट्रेशन सब डिस्ट्रिक्ट आई जिला सतारा है। क्षेत्रफल 37 एकड़, 1 गुंठा (करीब 1,41,474. 17 वर्ग मीटर) जिसका सर्वे क्रमांक और हिस्सा क्रमांक नीचे के अनुसार:—

सर्वे क्र०	हिस्सा क्र०	क्षेत्रफल एकड़—गुंठा
47	1	5—6
42	5	14—32
42	2	1—39
42	ए	1—18
41		14—21
43	4	8—29
48	16ए	0—16
		37—01

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख नं० 5853 मार्च में सब रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जेंट रेंज, पूना।

तारीख : 10-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-60/61 एरंडवना, कर्वे रोड, पूना-411004

पूना-411004, दिनांक 12 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० सी० ए०/5/मार्च/हवेली/II (पूना)/253/
7576—यतः मुझे एच० एस० श्रीलक्ष्म

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी संख्या सर्वे क्रमांक 164/7 है तथा जो चिचवड (पूना)
में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, हवेली-II (पूना) में,
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन,
तारीख 19-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिये; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री आनंदराव हरी गालडे, (2) श्री लक्ष्मण ए० गावडे,
(3) श्री हरीभाऊ ए० गावडे, (4) श्री मर्चिन्द्र ए० गावडे,
(5) श्री गोरख ए० गावडे। (अन्तरक)

2. श्री जयकुंवर एम० चोरडिया, 199-बी०, चिचवड।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

फ्री-होल्ड खुली जमीन, सर्वे क्रमांक 164/7 चिचवड, पूना-19
क्षेत्रफल-2 एकड़, 33 गुंठे।

(जैसा कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क्रमांक 431 मार्च में
सब-रजिस्ट्रार, हवेली-II (पूना) के दफ्तर में लिखा है)।

एच० एस० श्रीलक्ष्म
सक्षम प्राधिकारी,
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना का कार्यालय

पूना-411004, दिनांक 19 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० सी० ए० 5/मार्च '75/बम्बई (मावल) 254/75-76—यतः मुझे एच० एस० श्रीलख
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे क्रमांक 194 ए/1, म्युनिसिपल नं० 7 और 8ए है, तथा जो खंडाला, जिला पूना में स्थित है (और इससे उपा-बद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बम्बई में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 1-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरिस् की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति नरगिस मोनू मेहता, "आशीशवर्ग", 72 सर पोचखनवाला रोड, बरली, बम्बई-25। (अन्तरक)

2. श्री मोनू फारोश डी० मेहता, डा० रायटर्स चॉकलेट एन्ड कैंनिंग कं०, डा० भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28। (अन्तरिती)

3. डा० रायटर्स चॉकलेट एन्ड कैंनिंग कम्पनी, डा० भवानी शंकर रोड, दादर, बम्बई-28। (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहिया शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-नियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

फ्री-होल्ड जमीन का टुकड़ा—जो खंडाला देहात में, तहसील मावल, रजिस्ट्रेशन सब डिस्ट्रिक्ट, मावल, जिला पूना में तथा सोनावला म्युनिसिपल कौन्सिल के कक्षा में स्थित है। जिसका सर्वे क्रमांक 194/ए/1 और 2, 220 और 10 बी/1/1 ए/1 बी०-1, प्लॉट क्रमांक 1 है और जो कलेक्टर पूना के आर्डर क्र० एल० एन० डी०-डब्ल्यू० एस०-आई० 2037-68 और असिस्टेंट डायरेक्टर टाउन प्लानिंग का क्रमांक एल० वाई० टी०-एल० एन० ए०-16-67-793 दिनांक 18-8-1967 के मृताविक पास हुआ है। म्युनिसिपल घर क्रमांक 7 और 8-ए है।

क्षेत्रफल—11321 वर्ग मीटर्स (याने 13585 वर्ग गार्डस), (जैसे कि रजिस्ट्रीकृत के विलेख क्र० 946, मार्च, 1975 में सब-रजिस्ट्रार बम्बई के दफ्तर में लिखा है।)

एच० एस० श्रीलख

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, पूना।

तारीख : 19-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 27 अक्टूबर 1975

निर्देश सं० 27-जे० अर्जन—अतः मुझे विशम्भर नाथ

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 220-ए है तथा जो गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 19-11-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति

के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती रानी कमला देवी। (अन्तरक)

2. श्रीमती जस्ती बी० मलकानी व अन्य। (अन्तरिती)

3. विजय गोमाल (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक बंगला नं० 220-ए० जो गोखले मार्ग, लखनऊ में स्थित है, जिसका क्षेत्रफल 1676 वर्गफीट है।

विशम्भर नाथ

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख : 27-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री जोगेन्द्र सिंह (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. कुमारी रघवीर कौर व अन्य। (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 13 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 72-एस/अक्षवी—अतः मुझे विशम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० 145 है, तथा जो ग्राम मुक्तसौरा, जिला रामपुर
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बिलासपुर में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख
मई, 1975 को

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए ; और/या

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अनुसूची

कृपि भूमि नं० 145 जो कि ग्राम भुक्तसौरा पो० व तहसील
बिलासपुर, जिला, रामपुर में स्थित है।

विशम्भर नाथ,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 13-11-1975।

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री ज्योति पत राम ।

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री शम्भू नाथ साहू ।

(अन्तरिती)

भारत सरकार

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 13 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 91-एस०/अर्जन—अतः मुझे विणम्भर नाथ
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० शाप नं० 98999 है तथा जो रकाबगंज, फैजाबाद
में स्थित है (और इससे उपबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, फैजाबाद में रजिस्ट्री-
करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख
12-6-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं,
उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

7—356 GI/75

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन्त किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

दो दुकान नं० 98 व 99 जो कि रकाबगंज, जिला फैजाबाद
में स्थित है ।

विणम्भर नाथ

सक्षम अधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, लखनऊ ।

तारीख : 13-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —————

1. श्री एस० एन० वादवा (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

2. श्री अशोक कुमार टन्डन, (अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

अर्जन रेंज, लखनऊ

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

लखनऊ, दिनांक 13 नवम्बर, 1975

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

निर्देश सं० 54-ए/अर्जन—अतः मुझे विश्वम्भर नाथ आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० बी०-38 है, तथा जो निरालानगर, लखनऊ में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 9-4-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

अनुसूची

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

प्लॉट नं० बी०/38, जिसका क्षेत्रफल 11490 वर्ग फीट है, जो कि चांद गंज, निरालानगर, लखनऊ में स्थित है।

विश्वम्भर नाथ
सक्षम अधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, लखनऊ।

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

तारीख : 13 नवम्बर, 1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री पी० पी० मुत्तु कुमार

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

2. श्री टी० पी० सुब्रमनिय गौण्डर करुप्पन गौण्डर ।
(अन्तरिती)

भारत सरकार

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण) का कार्यालय
अर्जन रेंज, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1975

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

निर्देश सं० एफ० 2443/75-76—यतः, मुझे जी० बी०
सावक,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 9.96 एकड़ की भूमि है, जो पेरुमुचै गांव, एस०
सं० 513-सी० में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोपि-
चेट्टिपालयम (डाकुमेण्ट सं० 846/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोपिचेट्टिपालयम तालुका, पेरुमुचै गांव में 9.96 एकड़ की
भूमि जिसका एस० सं० 513 सी।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा
प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए;

जी० बी० सावक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास।

प्रतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

1. श्री ई० एन० पलनिसामी (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

2. श्री सुब्रमनिय गौण्डर, करुप्पन गौण्डर (अन्तरिती)

269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एफ० 2443/75-76—यतः, मुझे जी० वी०

झाबक,

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 4.25 एकड़ की भूमि, पेरुमुचै गांव, 'एस० सं० 490-सी०' में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, गोपिचेट्टिपालयम (डाकु मेण्ड सं० 847/75) में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 29-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

गोपिचेट्टिपालयम तालूका, पेरुमुचै गांव में 4-25 एकड़ की भूमि जिसका एस० सं० 490 सी०।

जी० वी० झाबक,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, मद्रास

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अन्तरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269 घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार
कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1975

1. श्री आर० लक्ष्मणन् (अन्तरक)

2. श्री बी० चेल्लप्पन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

कोयम्बतूर, क्रास कट रोड, सैट सं० 11 में 6 सेन्ट और 386 स्क्वेयर फीट की भूमि (मकान के साथ), जिसका टी० एस० सं० 9/7/2

जी० बी० झाबक,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-II, मद्रास

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एक्स एक्स/3/100/74-75—यतः मुझे, जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे सं० 9/4, 9/5 और 9/6 तुक्कापेट्टे
गांव (और इससे उपाबद्ध अनुसूची
म और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
चेंगम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन मार्च 1975 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण
के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री वरदरामन, तिरुपतूर। (अन्तरक)

2. श्री सेवियर कडियम कट्टीयल कोरटामपट्टी। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुक्कापेट्टे गांव सर्वे सं० 9/4 (1.04 एकड़), 9/5 (50
सेंट्स), और 9/6 (2.77 एकड़) में 4.31 एकड़ खेती की
भूमि।

जी० रामनातन,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

1. श्री वरदरामन, तिरुपत्तूर (अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

2. श्री सेवियर कडियम कट्टीयल कोरट्टामपट्टी
(अन्तरिती)

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० एक्स एक्स/3/101/74-75—यतः मुझे जी० रामनातन,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम अधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे 9/4, तुक्कापट्टै है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चेंगम में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप —

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

तुक्कापट्टै गांव सरवे सं० 9/4 में 2 एकड़ खेती की भूमि (पत्र सं० 477/74)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 14-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, मद्रास

मद्रास, दिनांक 15 नवम्बर 1975

निर्देश सं० IX/1/112/74-75—यतः मुझे जी० रामनातन आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सर्वे सं० 458/1, अम्मनूर गांव, वेलूर जिला है, (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, मद्रास में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1975 को को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:-

1. श्री वेकटकशृषण रेड्डी और आदी, परितिपुतुर गांव, वेलूर जिला। (अन्तरक)

2. श्री ए० एम० वेलू मुदलियार, 45, बोरडिनपेट्टे स्ट्रीट, शोलिंगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वेलूर जिला, अम्मनूर गांव, सर्वे सं० 458/1 में 66-1/2 सेन्ट्स की भूमि और मकान (प्लॉट सं० 1803/75)।

जी० रामनातन,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज-I, मद्रास।

तारीख : 15-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2 बम्बई

दिनांक 12 नवम्बर 1975

निवश सं० आई2/2004/3246/75-76 :—अतः मुझे
एम० जे० माथन

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात उक्त अधिनियम, कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि अस्थायी सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी
सं० एन० ए० एस० नं० 98, सी० एस० नं० सी/1352, सी/1353,
सी/1354, सी/1355, है, जो दांडा में स्थित है (और इससे
उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधि-
कारी के कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 11-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत अधिक और है यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमति श्रैवान नीलम गिडवानी (अन्तरक)
2. श्री पाली हिल पंचशील को हाउसिंग सोसायटी लिमि० (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

8—356G/75]

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह समूचा भू-भाग, जो पैमाइशी में (सेक्रेटरी आफ स्टेट फार
इण्डिया इन काउंसिल के साथ हुए 'बिल्डिंग साइट' करार के अनुसार
दो हजार पांच सौ सत्तरह वर्गगज या उसके समकक्ष है तथा भू-
अधिकार और नगर सर्वेक्षण उद्बहरण के अनुसार दो हजार छः
सौ एकतीस वर्गगज (यानी 2199.85 वर्गमीटर) यथार्थतः
पैमाइश पर आधृत 2596.66 वर्गगज (यानी 2171.15
वर्गमीटर) और भू-राजस्व समाहर्ता के अभिलेखों में दक्षिण साल
सत्ते तालुका में डांडा के सर्वेक्षण संख्या 98 की गैरकृषिक भूमि के
अन्तर्गत पंजीकृत है, जो पहले जिला थाना और थाना समाहर्तालय में
आता था किंतु अब बृहत् बम्बई में (जो पहले अंशतः दांडा के सर्वेक्षण
संख्या 251 और अंशतः सर्वेक्षण संख्या 256 के अन्तर्गत पंजीकृत
था) है और जिसका वर्तमान सर्वेक्षण संख्या सी/1352,
सी/1353, सी/1354 और सी/1355 है, उस पर यथानिर्मित
आवास गृह और संरचनाओं (स्ट्रक्चर) समेत, जिसका मूल्यांकन
बान्द्रा नगर पालिका द्वारा पहले डी-वार्ड संख्या 22 तत्पश्चात सी-
वार्ड संख्या 22 के अन्तर्गत किया गया था किन्तु अब बृहत् बम्बई
महापालिका द्वारा एच वार्ड नं० 2120 स्ट्रीट नं० 22 पाली हिल
के अन्तर्गत किया गया है, तथा वे कथित परिसर बम्बई नगर और
बम्बई उपनगर जिले और पंजीकरण उपजिले में स्थिति तथा निम्न-
सीमांति है, यानी पूर्व में अथवा पूर्व दिशा की ओर पाली हिल रोड से,
पश्चिम में अथवा पश्चिम दिशा की ओर एच० ए० डिसिप्पा तथा
अन्य भी निवर्तमान भूमि से और अब पैरिरी ट्रस्ट लिमिटेड जिसका
एन० ए० नं० 99 है, से उत्तर में अथवा उत्तर की ओर दामो-
दरदास तापीवास वृजदास की निवर्तमान सम्पत्ति से और अब एन०
ए० नं० 99 धारित उपर्युक्त ट्रस्ट लिमि. से, तथा दक्षिण में या दक्षिण
दिशा की ओर मिसेज शिरीन निवशिरवान पैटीगरा और कावाज
नवशिरवान पैटीगरा की एन० ए० नं० 96 की सम्पत्ति से घिरे है,
जिसका पुनः सीमांकन अनुबंधित बिक्री पत्र दिनांक 9 अगस्त,
1974 में किया गया है।

एम० जे० माथन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, बम्बई

तारीख 12-11-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 बम्बई,

दिनांक 7 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० आई 3/700/मार्च 75 :—अतः मुझे आर० जी० नेहरूकर,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है)
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 263/अंश और सी० टी० एस० नं० 8
है, जो मालवती में स्थित है (और उससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
सब-रजिस्ट्रार का कार्यालय, बम्बई में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 6-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरिस्तिमें)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के लिए
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य वास्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः, अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसार
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति अनु लोरेस मेंडीस
2. श्री ग्रेगोरीएल फ्रांसीस मेंडीस खरोडी
3. श्री अन्तोनि फ्रांसीस मेंडीस
4. श्री असलेम फ्रांसीस मेंडीस मार्ब रोड मालाड बम्बई
5. श्रीमति जोहाना जेम्स ग्रेगोरीअस
6. श्री ओल्गा सबस्टीयन रोड्रीक्स, बम्बई 64
7. पीलीन जानपरेल 533 ए, बांद्रा बजार, गेट क्रॉस रोड,
बम्बई 50। (अन्तरक)
2. मेसर्स बफीरा बिल्डर्स प्रा० लि० नेफ्थ्यून फोर्ट नेपीयन सी
रोड, बम्बई 400006। (अन्तरिती)

को, यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

एवम्बुद्धि :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त-
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

नूतन बम्बई में बांद्रा उप-पंजीकरण जिले के अंतर्गत मालवती
बम्बई नगर और उपनगर जिले में स्थित, यथावत यथा अवस्थित
लगभग 89450 वर्गगज (यानी लगभग 74459 वर्गमीटर के
बराबर) निम्न सीमांकित, सर्वेक्षण संख्या 263 (आंशिक) सी०
टी० एस० नं० 8 के वे समूचे भू-भाग, भू-खंड अथवा भू-अंश या
भू-स्थल जो उपरोक्त अनुसूची में दी गई भूमि के भाग हैं :—

पश्चिम और उत्तर में अथवा पश्चिमोत्तर दिशा की ओर
सर्वेक्षण संख्या 263 (आंशिक) की कृषिक भूमि के एक अन्य भाग
के, दक्षिण में मालाड-मार्ब रोड से और पूर्व में अथवा पूर्व दिशा
की ओर सर्वेक्षण संख्या 273 (आंशिक) की कृषिक भूमि से घिरे
हैं।

आर० जी० नेहरूकर
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 7-11-1975
मोहर :

प्रारूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

दिनांक 7 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० अ० ई०-3/780/मार्च 75 :—अतः मुझे, आर० जी०
नेहरूकर आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/र० से अधिक है और जिसकी सं० सी० टी० एम० नं० 588 (अंश) सर्वे सं० 2215 (अंश) है, जो बोरीवली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जोइन्ट सब रजिस्ट्रार बोर्ला भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1975 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ्य पोषा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य प्राप्ति की, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनों के अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रार्थीतः—

1. जेसेफ बिजुजा और अदर्स 136 आर्लेम, गोथान, आर्लेम
मालाड (पश्चिम) बम्बई-64 (अन्तरक)

2. श्रीमति पुष्पाबेन मोतीभाई पटेल और अन्य पार्टनर्स
ओफ मेसर्स श्रीराम फाउंडरी द्वारा अलका मार्वे रोड,
मालाड (पश्चिम), बम्बई-64।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से, किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मालाड के निकट बालनई ग्राम, तालुका बोरीवली, जिला बम्बई उपनगर में स्थित, यथावत तथा अवस्थित लगभग 1376 वर्गगज, यानी लगभग 1150.51 वर्गमीटर के बराबर, निम्न सीमांकित, सर्वेक्षण संख्या 22 हिस्सा नं० 5 (भाग) नगर सर्वेक्षण संख्या 588 (भाग) की अप्रोच रोड और वंशानुक्रम के बिना पड़ी खाली भूमि का वह समूचा भू-भाग, भू-खंड अथवा भू-अंश या भू-स्थल, जो पहले बम्बई उपनगर जिले के बांद्रे पंजीकरण उपजिले में था किंतु अब बम्बई नगर और बम्बई उपनगर जिले एवं उपपंजीकरण जिले में है :—

उत्तर में अथवा उत्तर दिशा की ओर सी० टी० एम० नं० 583 (सं० नं० 22/1)।

दक्षिण में अथवा दक्षिण दिशा की ओर सी० टी० एम० नं० 595 (सं० नं० 22/10) और अंशतः सी० टी० एम० सं० 596 (सं० नं० 22/12 और 13) और अंशतः सी० टी० एम० नं० 587 (सं० नं० 22/9) और पूर्व में या पूर्व दिशा का ओर सी० टी० एम० नं० सं० 589 (22/7) और अंशतः सी० टी० एम० नं० 595 (सं० नं० 22/10) और पश्चिम में या पश्चिम दिशा की ओर सी० टी० एम० सं० 584 (सं० नं० 23/15) और अंशतः सी० टी० एम० सं० 360 (सं० सं० 23/5) और अंशतः सी० टी० एम० सं० 587 (सं० नं० 22/9) से घिरा हुआ है।

आर० जी० नेहरूकर

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, बम्बई

तारीख : 7-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली-1 4/14ए., असफअली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० एम्पु० 111/एस० आर०-II
अप्रैल/829 (12)/75-76 :—यतः मझे, एस० सी० परोजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
और जिसकी सं० जायदाद नं० 11-सी, नार्थ वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी
बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण
रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 29-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत
विलेख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1).
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. अमर सिंह कालरा पुत्र श्री आया सिंह निवासी 11, सी-

नार्थ वेस्ट एवेन्यू, पंजाबी बाग, दिल्ली (अन्तरक)।

2. (1) चौधरी राम पुत्र श्री फकीर चन्द निवासी एफ-4,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली

(2) श्री गुलशन कुमार पुत्र श्री देश राज निवासी
8057 गली नं० 8, मुलतानी ढाडा, पहारगंज,
नई दिल्ली

(3) श्री देश राज पुत्र श्री फकीर चन्द निवासी एफ-4,
राजौरी गार्डन, नई दिल्ली और

(4) श्री हंस राज पुत्र श्री चौधरी राम निवासी नं०
8057 गली नं० 8, मुलतानी ढाडा, पहार गंज,
नई दिल्ली (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजली जायदाद नं० 11 सी प्लाट का क्षेत्रफल 555.55
वर्ग गज (100' × 50') जोकि नार्थ एवप्लाट का पंजाबी बाग दिल्ली
के गांव मावोपुर, दिल्ली में है तथा निम्न प्रकार से घिरी हुई है :—

उत्तर : वेस्ट एवेन्यू मार्ग

पूर्व : प्लाट नं० 9-सी

दक्षिण :—सबिस लेन

पश्चिम जायदाद नं० 13-सी

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3, दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख 12-11-1975

मोहर :

प्रारूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली-1 4/14ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

तारीख 12-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० एन्यू० III/एस० आर० 11/अप्रैल/820(13)/75-76 :—यतः, मुझे एस० सी० परोजा आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग जायदाद नं० 17/43 है, जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पञ्चद्वु प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या ग्रन्थ आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. सुखचैन सिंह काशविया पुत्र श्री साधु सिंह काशविया मं० नं० 596/40-41, मोहल्ला सुभाष, गांधी नगर, दिल्ली-31 आजकल 16/43 पंजाबी बाग, दिल्ली-1 (अन्तरक)

2 (1) श्री चिरंजी लाल पुत्र श्री खुशी राम निवासी 3676 नारंग कालोनी 4 त्रि नगर, दिल्ली-35 (अन्तरिती) ।

(2) श्रीमति कौशल्या रानी पत्नी श्री चिरंजी लाल निवासी 3676 नारंग कालोनी, त्रि नगर, दिल्ली-35 (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग एक मंजिली जायदाद नं० 17, सड़क नं० 43 कलाश-डी जो कि निवासी कालोनी पंजाबी बाग, दिल्ली के गांव मादीपुर, दिल्ली में है जिसका 1/2 भाग का क्षेत्रफल 277.08 वर्ग गज है जो कि निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर : जायदाद नं० 15

पूर्व : सड़क नं० 43

दक्षिण :— मं० नं० 17-ए

पश्चिम :—सर्विस लैन

एस० सी० परोजा
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 3 दिल्ली-14/14ए आसक अली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 12 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III एस० आर० 11/
अप्रैल/827(8)/75-76 यतः मझे एस० सी० परोजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है) के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० 1/2 अविभाजित भाग जायदाद नं० 17/43 है,
जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची
में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 25-4-1975

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सुखचैन सिंह काशविया पुत्र श्री साधु सिंह काशविया
निवासी 17/43 पंजाबी बाग, दिल्ली (अन्तरक)।

2 (1) श्री सोहन लाल पुत्र श्री खुशी राम निवासी 3676
नारंग कालोनी, त्रि नगर, दिल्ली और

(2) श्रीमती जनक दुलारी पत्नी श्री सोहन लाल निवासी
3676 नारंग कालोनी, त्रि नगर, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

1/2 अविभाजित भाग एक मंजिली जायदाद का नं० 17 सड़क
नं० 43 कलास-डी जो कि निवासी काशोनी पंजाबी बाग, दिल्ली
के गांव मावोपुर, दिल्ली में है जिसका 1/2 अविभाजित भाग
जिसका क्षेत्रफल 277.08 वर्ग गज जो कि निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर : जायदाद नं० 15

पूर्व : सड़क नं० 43

दक्षिण : मकान नं० 17-ए

पश्चिम : सर्विस लैन

एस० सी० परोजा
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० ए० एस०—

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3 दिल्ली-1 4/14ए आसफअली रोड नई दिल्ली

दिनांक 12 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० ए० III/एस० आर० III/अप्रैल/240 (1)/75-76 :—यतः मझे एस० सी० परोजा धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 5117 (1/2 भाग) प्लॉट नं० 25/ब्लाक-डी है, जो कृष्णा नगर, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए और/या

(ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अन्न उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री तिलक राज पाहवा पुत्र श्री घसीट राम निवासी म० नं० 5117 गली नं० 2, कृष्णा नगर, (अन्तरक)।
2. (1) श्रीमति जानकादेवी पत्नी श्री राम धारी
(2) श्री सुभाष चन्द
(3) श्री नरिन्दर कुमार
(4) श्री क्रिशन लाल
(5) श्री मदन लाल सुपुत्रगण श्री राम धारी जो कि जानकी देवी को संरक्षिता में है निवासी 4560 आर्य समाज रोड करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी अपक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग आई मंजिली जायदाद जो कि लोजहोल्ल पर जिसका नं० 5117 बार्ड नं० 16 प्लॉट नं० 25 प्लॉट-डी जिसका क्षेत्रफल 150 वर्गगज (1/2 75 वर्गगज) जो कि गली नं० 2 कृष्णा नगर, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है :—

पूर्व : म० नं० 5116

उत्तर : गली

पश्चिम : म० नं० 5118

दक्षिण : गली

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक धायकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एम० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III दिल्ली-1, 4/14ए, असफअली रोड, नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निर्देश सं०आई० ए० सी०/एक्यू० III/एस० आर० III/
अप्रैल/241(2)/75-76 :—यतः मुझे एस० सी० परोजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० जायदाद नं० 5117/(1/2 भाग) प्लॉट नं० 251
ब्लाक डी है, जो कृष्णा नगर, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्री-
कर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 2-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्यामा रानी पत्नी तिलक राज पुत्री श्री देवा राम निवासी
मं० नं० 5117 गली नं० 2 कृष्णा नगर, करोल बाग
नई दिल्ली (अन्तरक)
2. श्री रामफल और विशन सरूप पुत्रगण श्री राम धारी
निवासी 4512 आर्यसमाज रोड, करोल बाग,
नई दिल्ली (अन्तरिती)।
3. नारायण दास पुत्र श्री गियानी राम मं० नं० 5117 प्लॉट
नं० 251 ब्लाक डी कृष्णा नगर करोल बाग, नई दिल्ली
(वह व्यक्ति जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आशेष :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग ढाई मंजिली जायदाद का जो कि लीज होल्ड प्लॉट
पर 5117 नं० वार्ड नं० 16 प्लॉट नं० 251 डी जिसका
क्षेत्रफल 150 वर्ग गज 1/2 भाग 75 वर्ग गज है जो कि गली नं०
2 कृष्णा नगर, करोल बाग, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से विभाजित है :—

पूर्व : मं० नं० 5116

उत्तर : गली

पश्चिम : मं० नं० 5118

दक्षिण : गली

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज III, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 3 दिल्ली 4/14ए, आसफअली रोड़ नई दिल्ली
नई दिल्ली, दिनांक 12 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०III/एस० आर० III/
अप्रैल/254 (19)/75-76 यतः मुझे एस० सी० परोजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 289-ख (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है
और जिसकी सं० जायदाद नं० 7 ब्लाक नं० 25 बी है, जो डब्ल्यू
ई० ए०, रोहतक रोड़, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, नई दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908) (1908 का 16) के अधीन 11-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
सय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा-269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-

- 1 (1) श्री गुरचरन सिंह
(2) श्री मोहिंदर सिंह पुत्रगण श्री प्रीतम सिंह
(3) श्रीमती स्वर्ण कौर पत्नी श्री प्रीतम सिंह निवासी
7448 ब्लाक नं० 025-बी डब्ल्यू, ई० ए०
रोहतक रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली और
(4) श्रीमति अवतार कौर पुत्री श्री प्रीतम सिंह पत्नी श्री
हरदलीप सिंह निवासी फौजी कालोनी, जहांगीर
फार्म, गांध बाजपुर, जि० नैनीताल (यू०पी०)
(अन्तरक)

2. सर्वश्री राज कुमार गुप्ता और जतिन्दर कुमार गुप्ता पुत्र-
गण श्री प्रकाश चन्द निवासी म० नं० 7448 ब्लाक नं०
16 ब्लाक नं० 25-बी डब्ल्यू ई० ए० रोहतक रोड़,
करोल बाग, नई दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाध में
समाप्त होती हो के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ढाई मंजिली पक्की कारपोरेशन से पास जायदाद जिसका नं०
7448 ब्लाक नं० 16 लीज होल्ड प्लॉट नं० 7 खसरा नं०
1415/153, ब्लाक नं० 25-बी क्षेत्रफल 316.29 वर्ग गज जो
कि डब्ल्यू ई ए रोहतक रोड़, करोल बाग, नई दिल्ली में स्थित है
तथा निम्न प्रकार से घिरा है :—

उत्तर : रोहतक रोड़
पूर्व : जायदाद प्लॉट नं० 6 पर
दक्षिण : सर्विस लैन
पश्चिम : प्लॉट नं० 8 पर जायदाद

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज—III दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली 4/14ए, आसफअली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 12 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० Iएम० आर०III(9)/
अप्रल-1/696/75-76 :—यतः, मुझे सी० बी० गुप्ते
प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि
स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से
अधिक है

और जिसकी सं० 374/1, 374/2, 377/1 और 377/2 है, जो
गांव गदईपुर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली
में भारतीय रजिस्ट्रेशन अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन 31-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ
के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. भीम सिंह पुत्र श्री झंडू सिंह निवासी गांव खयाला, दिल्ली
(अन्तरक)

2. श्री जवाहर लाल फतेदार पुत्र श्री शंकर नाथ फतेदार
निवासी नं० 73, बिरला नगर, ग्वालियर (अन्तरिती) ।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामीन से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि जिसका क्षेत्रफल 9 बिघा 12 बिघा जिसका
खसरा नं० 374/1 (क्षेत्र 2 बिघा 8 बिघा), 374/2 (क्षेत्र
2 बिघा 8 बिघा), 377/1 (क्षेत्र 2 बिघा 8 बिघा) 377/2
(क्षेत्र 2 बिघा 8 बिघा) जो कि गांव गदईपुर दिल्ली में है ।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक प्रायकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली, नई दिल्ली

तारीख : 12-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज 1 दिल्ली 4/14ए आसफअली रोड, नई दिल्ली

दिनांक 12 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू० III/एस० आर०/694
(7)/75-76—यतः मुझे सी० बी० गुप्ते
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ख (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है), के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० खसरा नं० 414 और 376 है, जो गांव गदईपुर,
दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय नई दिल्ली में
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16)
के अधीन 1-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए
मुकर बनाना; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण म, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शिव नारायण पुत्र श्री झंडूसिंह गांव ख्याला, दिल्ली
(अन्तरक)
2. श्री जवाहर लाल फतेदार पुत्र श्री शंकर नाथ फतेदार
निवासी नं० 73 बिरला नगर, ग्वालियर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

कृषि योग्य भूमि 9 विघा 12 बिघा जिसका खसरा नं० 414
(क्षेत्रफल 4 विघा 16 बिघा) और नं० 376 (क्षेत्रफल 4 विघा
16 बिघा) जो कि गांव गदईपुर दिल्ली में है।

सी० बी० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 12-11-75

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/111/एस० आर० 111/-
मार्च/216 (17, /75 76 :— यतः, मुझे एस० सी० परोजा
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/रु० से अधिक है और
जिसकी सं० 1/2 भाग प्रो० नं० 5451, 5452 और 5464/1
है, जो रेगडपुरा, आर्यसमाज रोड, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे
उपाब्ध अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11), या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

यतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

(1) मैं० ए० अरुण एण्ड कम्पनी 33/30 ईस्ट पटेल नगर
नई दिल्ली द्वारा श्री केवल कुमार पुत्र लाला भगवान
दास खन्ना और श्रीमती सुदेश खन्ना पत्नी श्री विजय कुमार
खन्ना निवासी 33/30 ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली
(अन्तरक)

(2) (1) श्री कुन्दन लाल (2) श्री शिव प्रकाश (3) श्री
हरी किशन और (4) श्री राम बाबू पुत्रगण श्री भगवान
दास पहाडिया निवासी 1709, हिम्मत गढ़, बाजार
सीता राम, दिल्ली (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि
बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसाब
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधि-
नियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

1/2 भाग आई मंजिली जायदाद कच्ची बनी जिसका कारपोरेशन
का नं० 5451, 5452 और 5464/1 जो कि लोज होल्ड प्लॉट
नं० 423 ब्लॉक बी पर बनी है जिसका कुल क्षेत्रफल 150 वर्ग
गज (1/2 150 वर्गगज का 75 वर्गगज) जो कि रेगडपुरा, आर्य-
समाज रोड, दिल्ली में निम्न प्रकार से घिरा है :-

उत्तर : आर्य समाज रोड

दक्षिण : गली

पूर्व : मकान नं० 424

पश्चिम : जायदाद खसरा नं० 422 के प्लॉट पर बनी

एस० सी० परोजा

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-3, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

कार्यालय अर्जन रेंज, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यु० 1/एस० आर०-111/(29)

मई-11/75-76:—यतः, मुझे, च० वि० गुप्ते

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम-66 है, जो ग्रेटर कैलाश, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है,) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मं० डी० एल० एफ० यूनाइटेड लि० 40-एफ, कनाट-पलैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री गणपती नाथ भगत, सुपुत्र श्री० भगत गोबिन्द राम, निवासी एफ-81, कालका जी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 244.5 वर्गगज है और नं० एम-66 है, तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क

उत्तर : प्लॉट नं० एम-64

दक्षिण : प्लॉट नं० एम-68

च० वि० गुप्ते

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० ———

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14-11-1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यु/ 1/एस० आर० -111/ मई-11/(31)/ 75-76 :—यतः मुझे, चं० वि० गुप्ते आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् उक्त अधिनियम कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० एम० 43-ए है, जो ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 24-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) मै० डी० एल० एफ० यूनाईटेड लिम० 40-एफ०, कनाट पलैस, नई दिल्ली (अन्तरक)

(2) श्री गणपती नाथ भगत, सुपुत्र श्री भगत गोविन्द राम, निवासी एफ-81, कालकाजी, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 289 वर्गगज है और नं० 43-ए, ब्लॉक नं० 'एम' है तथा जोकि निवासी कालौनी ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सड़क
पश्चिम : सड़क
उत्तर : दुकान प्लॉट नं० एम-43
दक्षिण : दुकान प्लॉट नं० एम-44

चं० वि० गुप्ते
सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14-11-75

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1.

नई दिल्ली, दिनांक 14-11 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/1927 (927)/
75-76:— यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 33/13 का 1/2 भाग है, जो ईस्ट पटेल नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप से वर्णित है, रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 28-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे, दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के
बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तविक उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री चेला राम, सुपुत्र श्री भूरोमल, निवासी 13/10,
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली

(अन्तरक)

(2) श्री हेमन दास, सुपुत्र श्री० भूरोमल, निवासी 8/3,
ईस्ट पटेल नगर, नई दिल्ली :

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 100 वर्गगज
(कुल क्षेत्रफल 200 वर्गगज) है और नं० 33/13, ईस्ट पटेल,
नगर, नई दिल्ली है तथा जोकि निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व-दक्षिण : मकान नं० 14

पश्चिम-उत्तर : मकान नं० 12

उत्तर-पूर्व : लेन

दक्षिण-पूर्व : सड़क।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1.

तारीख : 14 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस० —

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० न्यू०/11/1960(926)/
75-76 :—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की
धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है।
और जिसकी सं० मुन्यसिपल नं० 6007, प्लॉट नं० 37 सी०
तथा 38 ए, जवाहर नगर दिल्ली में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के
कार्यालय, दिल्ली में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 30-4 1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन
कर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयो-
जनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण
में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती राम प्यारी, पत्नी श्री देवकी नन्दन, निवासी
37-यू० ए०, जवाहर नगर, नई दिल्ली (अन्तरक)

2. श्री गियान चन्द बंसल, सुपुत्र श्री काली राम
निवासी 2671, गली अनार, किनारी बाजार, दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का,
जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दुमंजिला मकान जोकि प्लॉट की भूमि पर जिसका
क्षेत्रफल 95 वर्ग गज है और मुन्यसिपल नं० 6007, बार्ड
नं० 12 है, प्लॉट नं० 37 सी० तथा 38 ए, ब्लॉक नं०
यू० ए० है तथा जोकि जवाहर नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से
स्थित है:—

पूर्व : महीन्दर नाथ का मकान

पश्चिम : विमान चन्द का मकान

उत्तर : किणोरी लाल के मकान के साथ साझी दीवार

दक्षिण : सड़क।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14 नवम्बर 1975

मोहर :

प्रारूप—आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, 4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 15 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/291(930)/75-76/—यतः, मुझे एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और और जिसकी सं० जे०-2/9 का पश्चिम भाग है, जो गोंडली गांव, कृष्ण नगर, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बावत, 'उक्त अधिनियम,' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम,' या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—
10—356 GI/75

1. श्रीमती लछू रानी सेठी, पत्नी श्री बृज लाल सेठी, निवासी मिनी आइस क्रीम, आदर्श कालोनी, सिविल लाइन्स, रामपुर (यू० पी०)। (अन्तरक)

2. श्री केहर सिंह, सुपुत्र एस० प्रताप सिंह, निवासी, 10/123, वैस्ट आजाद नगर, दिल्ली-51 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख के 45 दिन की अवधि तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम,' के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट की भूमि जिसका क्षेत्रफल 229.15 वर्ग गज है और नं० 9, ब्लाक नं० जे०-2 है, जोकि प्लॉट के पश्चिमी भाग पर है कुल क्षेत्रफल 458.3 वर्ग गज) है और खसरा नं० 506 है तथा जो कि गोंडली गांव, कृष्ण नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित हैः—

पूर्वः जे-2/9 का बाकी भाग

पश्चिमः प्लॉट नं० जे-2/8

उत्तरः सड़क

दक्षिणः प्लॉट नं० जे-3/7 तथा 8]

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1

तारीखः 15 नवम्बर 1975

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 2, दिल्ली-1

4/14-ए०, आसफ अली रोड, नई दिल्ली।

नई दिल्ली-1, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी०/क्यू०/11/1889(928)/
75-76/—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है,
और जिसकी सं० डी-66 का 1/2 भाग है, जो कीर्ती नगर,
नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय,
दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 7-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत
उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे
बचने में सुविधा के लिए; और/या,

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य
आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री शंकर दास, सुपुत्र श्री किरोरी राम, निवासी एम 40,
कीर्ती नगर, नई दिल्ली-15 श्री सूरज प्रकाश खरबन्दा, सुपुत्र
श्री० शान्ती लाल खरबन्दा, निवासी 690, जोशी रोड, करोल
बाग, नई दिल्ली के द्वारा (जरनल एडारनी) (अन्तरक)

2. श्री ओम प्रकाश खरबन्दा, सुपुत्र श्री शान्ती लाल
खरबन्दा, निवासी 690, जोशी रोड, करोल बाग, नई दिल्ली।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां, करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान का 1/2 भाग जोकि प्लॉट की भूमि
पर जिसका क्षेत्रफल 119 वर्ग गज (कुल क्षेत्रफल 238) है
तथा जोकि डी-66, कीर्ती नगर, नई दिल्ली में निम्न प्रकार
स्थित है :—

पूर्व : पार्क

पश्चिम : सर्विस लेन

उत्तर : प्लॉट नं० 66-ए

दक्षिण : प्लॉट नं० 67।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, नई दिल्ली-1।

तारीख : 14 नवम्बर 1975

मोहर :

प्रारूप आई० १० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज 2, दिल्ली 1

4/14-ए, आसफ अली रोड, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० आई० ए० सी० /एक्यू०/11/1890/(928)/75-76 :—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ए-2/115 जो राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में स्थित है (और इससे उपायद्व अनुसूची में पूर्ण और रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 7-4-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए,

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लाल भसीन, सुपुत्र श्री मूल चन्द भसीन, निवासी 3191, सोईवाली गली, मोरी गेट, दिल्ली-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती चाधन देवी पत्नी श्री राम लाल कालरा, 12-3610, रहगरपुरा, करोन बाग, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक मंजिला मकान जोकि प्लाट की भूमि पर जिसका क्षेत्रफल 258 वर्ग गज है और जोकि ए-2/115 पर, निवासी कालौनी राजोरी गार्डन, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :-

पूर्व : सड़क

पश्चिम : जायदाद नं० ए-2/116

उत्तर : जायदाद नं० ए-2/114

दक्षिण : सड़क।

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 14 नवम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू०-23-I-718(239)/1-1/
74-75--यतः, मुझे पी० एन० मिस्तल

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 269, एम०एस० नं० 149, खाडीया-3, है, जो पतासा की पोल, अहमदाबाद में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन मार्च 1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमति सुशीलाबेन कांतीलाल नानावटी, पत्थर कूबा, अहमदाबाद (अन्तरक)

2. श्री अजीतनाथ एपार्टमेंट को-ओप-हाउसिंग सोसायटी, की ओर से:—

(1) श्री अरविदकुमार नाराणदास, सुदशन सोसायटी, नाराणपुरा, अहमदाबाद-13।

(2) श्री नगीनदास चिमनलाल बंदनपारक सोसायटी, नवा-वाडज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वह समस्त भूमि का भाग अथवा खण्ड (बांधकाम सहित) जिसका सर्वे नं० 269, मियुनिस्पल सर्वे नं० 149, खाडीया- है और जिसका कुल क्षेत्रफल 67 वर्ग गज है और जो बांध काम के साथ है, और जो पतासा की पोल, गांधी रोड़, अहमदाबाद में स्थित है। जिसका पूर्ण वरणन बिक्री दस्तावेज में दिया गया है, जिसका रजिस्ट्री नं० 3046 है, और जो मार्च 1975 में, अहमदाबाद में रजिस्ट्री किया गया है।

पी० एन० मिस्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप० आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 11 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-554(240)/1-1/
75-76—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० सर्वे नं० 267, एम० एस० नं० 149,
खाडीया-3, है, जो पतासा की पोल्, अहमदाबाद में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, अहमदाबाद में
रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
15-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बाबत उक्त अधि-
नियम, के अधीन करने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री नितीन जगाभाई नानावटी, पत्थर कुवा, रिलीपी
रोड, अहमदाबाद। (अन्तरक)

2. श्री अजीतनाथ एपार्टमेंट को-ओप हाउसिंग सोसायटी
की ओर से:—

(1) श्री अरविद कुमार नाराणदास, सुदर्शन सोसायटी,
नारायणपुरा, अहमदाबाद-13।

(2) श्री नगीनदास चिमनलाल वंदना पारक सोसायटी,
नवा-वाडज, अहमदाबाद। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

वए समस्त भूमि का भाग अथवा खण्ड (बांध काम सहित)
जिसका सर्वे नं० 267, मियूनिस्पल सर्वे नं० 149, खाडीया-3
है और जिसका कुल क्षेत्रफल 142 वर्ग गज है और जो बांध-
काम सहित है, जो पतासा की पोल्, गांधी रोड, अहमदाबाद
में स्थित है। जिसका पूर्ण वर्णन बिक्री दस्तावेज नं० 4674
अप्रैल, 1975 में दिया गया है। और अहमदाबाद में रजिस्ट्र
किया गया है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख : 11-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० ए० सी० ब्यू० 23-I-578(241)/5-1/75-76—यतः, मुझे पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लोट नं० 575-ए और 575-बी, है, जो क्रेसेन्ट चाल के पास मावभावनगर, में स्थित है और इससे उपायध्व अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भावनगर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 29-3-75 और 30-4-75 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. (1) श्री हरीप्रसाद देवशंकर भट्ट,
(2) श्री मोहनलाल देवशंकर भट्ट,
(3) श्री विष्णूप्रसाद देवशंकर भट्ट,
(4) श्री मुकुंद राय देवशंकर भट्ट प्लोट नं० 576 क्रेसेन्ट चाल के पास, भावनगर। (अन्तरक)

2. आर० एल० कलधीया एण्ड कं० की ओर से भागीदार:—
श्री रतीलाल लालजी भाई कलधीया,
सवाशराइ, डायमंड चौक, भावनगर। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अभ्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका कुल क्षेत्रफल 608.16 वर्ग गज और 419 वर्ग गज है और जिसका प्लोट नं० 575-ए और 575-बी है और जो क्रेसेन्ट चाल के पास, भावनगर में स्थित है। (रजिस्ट्री 29-3-75 तथा 30-4-75) को की गयी है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, अहमदाबाद

तारीख: 14-11-1975

मोहर:

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 6 नवम्बर 1975

निर्देश सं० पी० आर० 225/ए० सी० म्यु०-23-348/198/75-76—यतः, मुझे, पी० एन० मित्तल, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है और जिसकी सं० म्यु० वाडं० नं० 2, नोंध नं० 1932 पैकी है तथा जो रिंग रोड, सूरत में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, सूरत में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. मैं० विश्वकर्मा लैण्ड कार्पोरेशन की ओर से उसके सहियारी:—

नानुभाई खंडूभाई देसाई, नाराबेन रतिलाल, चम्पक लाल खुनीलाल जीतवाला, यशवन्त खुनीलाल शाह, मुकुल नानुभाई देसाई, तुलसीभाई ठाकोरदार मानवाला, अमृतलाल ठाकोरदास मानवाला, चम्पकलाल ठाकोरदास मानवाला। (अन्तरक)

2. श्री डाह्यभाई नरोत्तमदास सोलंकी, धरमचन्द गुलाबचन्द परमार, ललिताबेन रामजीभाई डार्मी, नीता बेन नगीनदास शाह और रमेश चन्द सोमचन्द शाह, कमल कान्त मोहनलाल पटेल, मंजूसाबेन नटवरलाल त्रिवेदी, हेमलता चन्दुलाल बेलानी, नरेन्द्र रतिलाल देसाई, मीराबेन मनुभाई देसाई, अंजना चम्पक लाल जरीवाला मंछाराम गांडाभाई, परमार, अमृतलाल मगनभाई वाशी, गुरुचरण दास अर्जुनदास अरोरा, इन्दुबेन शरद चन्द्र देसाई, अतुलचन्द्र नटवरलाल पथरवाला, टी० डी० आडवानी, मीना के० देसाई, विजेन्द्र धीरूभाई देसाई। (अन्तरिती)

4. मैं मोना एन्टरप्राइज, सूरत की ओर से उसके सहियारी :—इन्दुबेन शरदचन्द्र देसाई

(यह व्यक्ति, जिसके बारे में अधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन नोंध नं० 1932 पैकी, म्यु० वाडं० नं० 2 जिसका कुल माप 347.5 वर्ग गज है और जो रिंग रोड के पास मजूरा गेट के सामने, सूरत में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी, सूरत के रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 4438 से 4440 (1974) और अप्रैल 1975 के नये नं० 1851 से 1853 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 6 नवम्बर 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज 1, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निदेश सं० ए० सी० क्यू०-23-I-616(242)/12-2/75-76—यतः मुझे जे० कथूरिया,

आयकर अधिनियम, 1961

(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० प्लॉट नं० 5, वार्ड नं० 9, है, जो अस्पताल रोड़ के पास, सरदार-कैम्प भुज, में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भुज में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 27-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री पटेल धनजी रामजी, खोथराह, ग्राम—कैरा, बलेडिया के पास, तालूका—भुज (कच्छ) (अन्तरक)

(2) श्रीमती देवका बाई मेघजी, श्री मेघजी मोन्सी शाह की पत्नी, 173, पितने पाया, सियान, बम्बई-400 002 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिये कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक दो मंजिले वाली अचल सम्पत्ति जो 4770 वर्ग फुट भूमि पर स्थित है और जिसका प्लॉट नं०-5, वार्ड नं०-9, और सदर कैम्प के पास, भुज में स्थित है।

जे० कथूरिया

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-1, अहमदाबाद

तारीख : 19-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 162/ए०सी० क्यू०-23-499/6-1/75-76:-
यतः, मुझे पी० एन० मिश्र,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिस इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति,
जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० रे० सर्वे नं० 1032 और 1034, पैकी है, जो
गोखा एस्टेट, गोखा रोड़, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 17-4-1975 को पूर्वोक्त
सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए
अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है
कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक
है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :-

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में
सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसे किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को,
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, या छिपाने में
सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

11-356GI/75

1. मै० बड़ोदा इन्डस्ट्रीयल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि०
गोखा रोड़, बड़ोदा (अन्तरक)

2. श्रीमती इन्दुमनी बेन कान्तीलाल कडकिया मार्फत :
कान्ती लाल सी० कडकिया सेकन्ड कैलाश नगर, पहला माड,
भाटिया हास्पिटल के सामने 658, तारदेव, बम्बई-7 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :-

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

जमीन, जिसका सर्वे नं० 1032 और 1034 और म्यू० नं०
114/40 है और सयानी गंज में स्थित है, जमीन का कुल माप
6524 वर्ग फुट और उस पर 2427 वर्ग फुट बांध काम है जो इन्ड-
स्ट्रीयल एरिया टाईप-ए, ब्लॉक नं० 2/1, गोखा रोड़ बड़ोदा में है।

पी० एन० मिश्र

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 13 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 263/ए०सी० क्यू० 23-500/6-1/75-76—
अतः मुझे पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम अधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
जिसकी सं० रे० सं० नं० 1032 है और 1034 पैकी है, तथा जो
गोखा एस्टेट, गोखा रोड, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध
अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908
का 16) के अधीन 17-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पञ्चद्व प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं
किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

(1) मै० बड़ोदा इन्डस्ट्रियल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन लि०
गोखा रोड, बड़ोदा (अन्तरक)

(2) श्रीमती स्वर्ण पावाह 67-एन कनाट सर्कस, नई दिल्ली
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभा-
षित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में
दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सर्वे नं० 1032 और 1034 क्यू०
नं० 114/43 है और जो सयाजी गंज में स्थित है जिसकी जमीन
का माप 6524 वर्ग फुट है जिस पर 2427 वर्ग फुट बांध काम है
जो इन्डस्ट्रियल रोड 'ए' टाइट ब्लॉक नं० 2/2 गोखा रोड, बड़ोदा
से प्रख्यात है।

पी० एन० मित्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 13-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज -II, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 264/ए०सी० क्यू० 23-501/6-2/74-75—
अतः, मुझे, पी० एन० मिस्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/ रु० से अधिक है
और जिसकी सं० रे० सं० नं० 532 प्लोट नं० 66 है, जो विश्वास
कालोनी, बड़ोदा में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और
पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा
में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन
19 और 22-4-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-
फल, निम्नलिखित उद्देश्य से अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम',
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) श्री मेहता नरेन्द्रभाई मफतलाल की ओर से उसके कुल
मुस्तार ड० आनन्दलाल बी० कोठारी संपतराय कालोनी, न्यू
इन्दिया मिल के सामने, बड़ोदा (अन्तरक)

(2) श्री डा० सतीशभाई नरधरभाई शाह डा० श्रीमती
दक्षा बेन तीशभाई शाह पहला भाग, समीर बिल्डिंग, कोठी के
पास, रायपुरा, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम' के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जिसका रे० सं० नं० 532, प्लोट नं० 66 जिसका
कुल माप 7150 वर्ग फुट (3575 वर्ग फुट क्रमशः दो का) जो
विश्वास कालोनी बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
बड़ोदा के अप्रिल 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेखों नं० 2571 और
2603 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मिस्तल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख: 14-11-1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, अहमदाबाद

अहमदाबाद, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निर्देश सं० 265/ए० सी० क्यू० 23-502/6-2/75-76--
अतः मुझे, पी० एन० मित्तल,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० सर्वे नं० 525 प्लॉट नं० 1 खुली जमीन है तथा
जो संपतराय कालोनी के पास, जेतलपुर रोड़, बड़ोदा में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है)
रजिस्ट्रीकृत अधिकारी के कार्यालय, बड़ोदा में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 9-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल
से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या घन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) श्री रमणभाई अंबालाल पटेल उत्तरसंडा, जि० कैरा
(खेड़ा) (अन्तरक)

(2) श्री बाबू लाल सवाजीभाई बाजारिया 85/ए संपतराय
कालोनी, बड़ोदा (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर, उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

खुली जमीन का प्लॉट जिसका सर्वे नं० 525 प्लॉट नं० 1
जिसका कुल माप 5438 वर्ग गज है तथा जो संपतराय कालोनी
के पास, जेतलपुर रोड़, बड़ोदा में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रीकृत
अधिकारी बड़ोदा के अप्रिल, 1975 के रजिस्ट्रीकृत विलेख
नं० 2317 में प्रदर्शित है।

पी० एन० मित्तल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-II, अहमदाबाद

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 24 नवम्बर 1975

निदेश सं० आय० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल-75-76-
अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा, 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 66 है, जो इन्दौर में स्थित है, (और
इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 19-3-75 को
पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल
के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय
पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित
में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सुशिला देवी ज० प्रताप सिंग डांगी मकान नं०
66 महावीर नगर, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री जत्तानसिंग डांगी पिता बगनलाल डांगी सेक्रेटरी
महालक्ष्मी हाउसिंग सोसायटी, महावीर नगर, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

मकान नं० 66 क्षेत्र 1700 स्कवेयर फुट महावीर नगर,
इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 24.11.1975
मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० सी०/भोपाल/75-76--
अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० इन्द्र भवन मकान है, जो बरवानी में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता प्राधिकारी के कार्यालय, बरवानी में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975
की पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार
मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि
यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित
नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए ।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. दि० बरवानी श्रीमो इन्डस्ट्रियल कंपनी भागीदार एच०
एच० श्री देविसिंग श्री रणजीतसिंग बरवानी (अन्तरक)

2. श्री बिसा निमा समान बरवानी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामिल से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है ।

अनुसूची

'इन्द्रभवन' मकान आगे और पीछ की जमीन कमरासहित ।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल-75-76--

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी, आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 43 है, जो जूनीकसेराकखल में स्थित है। (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार

मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री गेदालाल पिता कन्हैयालाल देवाग निवासी 43 जूनीकसेरा, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्रीमती कान्ताबाई पत्नी बद्री प्रसाद निवासी जूनी कसेरा कखल, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76-
अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने
का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० बुमजिला मकान है, जो सेधवा में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, सेधवा में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है;

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक
के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए
था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब के अनु-
सरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :-

1. श्री (1) बापू (2) श्री तुकाराम बराडी बालसह पश्चिम
निर्मड (अन्तरक)

2. श्रीमती महेन्द्र कुमारी पत्नी जगदीश चावा सेधवाह
पश्चिम निर्मड (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

बुमजिला मकान—अक्षेत्र 25' X 50' स्थित सेधवा देहात

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/74-75-

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० ब्लाक नं० 9 है, जो इन्दोर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दोर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-3-1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है।

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

12—356GI/75

1. (1) साधुराम पोखरदास (2) केशवदास पोखरदास
(3) श्रीमती चंद्राबाई पत्नी श्री ब्रिजलालजी निवासी पालसीपुर कालोनी
(4) श्री मोहन लाल पिता श्री ताहीलरामजी निवासी रामपुर (अन्तरक)

2. श्री घाशीराम पिता श्री मुराजी तेली बाखल इन्दोर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ब्लाक नं० 9 साधु बखल, इन्दोर

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/ए० सी०/क्यू०/भोपाल/75-76-

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 70, पिजरा बखल है, जो इन्दौर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री रामचन्द्रलाल उर्फ रामचन्दलाल पिता श्री बापूलाल मकान नं० 70 पिजरा बखल, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री गुलाम मुहम्मद पिता अक्षीम बक्स मकान नं० 29 लायब्रिया मेरु, धारा रोड, इन्दौर (भ० प्र०) (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

लिन मंजली मकान नं० 70 स्थित पिजरा बखल, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76-

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान नं० 2 है, जो इन्दौर में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री हरभजनसिंग पिता श्री दिवानसिंग 2/1 उत्तर राजमोहल्ला मोहल्ला, इन्दौर (अन्तरक)

2. श्री राधेश्यामजी बापू लालजी महेश्वरी 1/4 उत्तर राजमोहल्ला, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 2 गली नं० 1 राजमोहल्ला, तिनमंजिली मकान, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-11-1975

मोहर :

प्ररूप आर्द० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 14 नवम्बर 1975

निदेश सं० आर्द० ए० सी०/ए० सी० ब्यू०/भोपाल-75-76-
अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी आयकर अधिनियम, 1961 (1961
का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया
है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 295 है, जो जबलपुर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम
1908 (1908 का 16) के अधीन 3-5-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-
पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरको) और अन्तरिती (अन्तरितियों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) अनवर खां पिता छोटे खां निवासी घोडा निवास
छोटा मोहलपुर, जबलपुर

(2) गुलाम अहमद (3) गुलाम साकीर (4) गुलाम साबीद
पिता श्री गुलाम मुहम्मद (5) श्रीमती जेबुन्निसा पत्नी स्वर्गीय
गुलाम मुहम्मद निवासी कामनिया गेट, जबलपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती गुलाबराणी पत्नी श्री खुमनबालजी जैन निवासी
मकान नं० 852 पूर्व निमर्दगंज शहर जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क
में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा,
जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 295 दुमंजली स्थित गलगामा वार्ड, अंधेरदेव रोड,
जबलपुर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 14-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई० सी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर 1975

निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० व्यू०/भोपाल/75-76

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० म० नं० 1/6 है, जो यशवंत निवास में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से वर्णित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों, को जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्रीमती तूरजहां पति वदुर्मीन काजी 40 पूरजी रोड,
बन्दरा, वावई-50 (अन्तरक)

2. श्री खोशदाद पिता हिर्माजी दिश्रार वजदी दशहरा मैदान,
कालोनी (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिस-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/6 तथा नं० 3 यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्रख्य आई० टी० एन० एस०-----

1. श्रीमती नूरजहां काजी पति बद्धुर्धन काजी 40 पूरजी रोड,
बन्दरा बम्बई-50 (अन्तरक)आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1975

2. श्रीमती रतनबाई पति तुलसीराम खण्डे 415 एम० जी०
रोड, इन्दौर (अन्तरिती)को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल-75-76-
अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शीआयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम, कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और
जिसकी सं० म० नं० 1/6 है, जो यशवंत निवास में स्थित है,
(और इससे उपावृत्त अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित

बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित
की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे
अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:-(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-
नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में
कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन कर
अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1)
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष :-

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में
से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किये जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त अधि-
नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 1/6 नया नं० 3 यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एम०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76-

अतः मुझ, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० म० नं० 1/6 है, जो यशवंत निवास रोड में स्थित
है (और इससे उभावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 14-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय के बावत उक्त अधि-
नियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्रीमती नूरजहां पति वदुर्धीन काजी 40 पूरजी रोड,
बन्दरा, बम्बई-50 (अन्तरक)

2. श्री गोविन्दराम खण्डेलवाल पिता तुलसीराम खण्डेलवाल
415 एम० जी० रोड, इन्दौर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान न० 1/6 नया नं० 3 यशवंत निवास रोड, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 5 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76—
अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है
कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु०
से अधिक है

और जिसकी सं० भूमि है, जो खरगोन में स्थित है (और इससे उपावद्ध
अनुसूची के और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय खरगोन में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम 1908 (1908 का
16) के अधीन 8-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से
कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण
है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान
प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है
और यह कि अन्तरक (अन्तरक) और अन्तरिती (अन्तरितीयों)
के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्न-
लिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप
से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने
या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी इन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की
(उपधारा 1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. फर्म बिनोदीराम बालचंद्र एण्ड कंपनी ब्रिक्केलागण,
इन्दौर । (अन्तरक)

2. फर्म भंडारी जीलिंग फैक्ट्री तथा ग्राथल मिल खरगोन ।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियों करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
गमाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
व्यक्ति द्वारा अधोदस्ताअरी के माग लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
है वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

डायरटैंड भूमि मिली हुई 8.63 एकड़ साथ में तेल मशीन
और अलीडू मटेरियल, खरगोन ।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 5-11-1975
मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आह० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76-
अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० मकान बना हुआ है तथा जो जैन मंदिर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय भोपाल में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम,
1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-75

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल
के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरको)
और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधि-
नियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और / या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27)
के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में
सुविधा के लिए।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनु-
सरण में, मैं उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

13—356GI/75

1. श्रीमती अनुल रहमान बेवा असगर हुसैन व अख्तर हुसैन
व श्रीमती नोशावा खातून व श्रीमती विलकिसजहां पत्नी सैयद
युसुफअली निवास सिन्धी मार्केट, भोपाल। (अन्तरक)

2. श्रीमती पुष्पाबाई जैन पति पवन कुमार जैन निवासी
लोहा बाजार, भोपाल। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में
परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान बना हुआ मुनिष्पल वार्ड नं० 8 पास में मस्जिद मोहल्ला
जैन मंदिर, भोपाल।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76—

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक और जिसकी सं० एग्रीकलचरल भूमि है, जो गांम खजराना में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री चतरूमल भगवानदास लालवानी जाइन्ट फेमेली के सदस्य (1) भगवान दास पिता चाडूमल (2) चतरूमल पिता भगवानदास (3) पुतलीबाई पत्नी चतरूमल निवास काटजू कालोनी, मकान नं० 33, इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री मनोहरलाल पिता बिहारीमलजी (2) नारायण दास पिता बिहारीमल, माता हुजीबाई बेवा बिहारीमल 18 नीलकंठ, कालोनी, (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट नं० 38 मकान बना हुआ दो मंजिला सम्बाई 50'×30' काटजू कालोनी, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),
अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76---

अतः मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की
धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार
मूल्य 25000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० कृषि जमीन
18.43 एकड़ है, जो इन्दोर में स्थित है (और
इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता
अधिकारी के कार्यालय, इन्दोर में रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, 1908
(1908 का 16) के अधीन 17-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम
के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है
और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से,
ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह
कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य
से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया
गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया
था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. (1) बाबूलाल बोदरजी शर्मा (2) रामचन्द्र बोदरजी शर्मा
(3) उकारं प्रेमचन्द (4) नानालाल देवराम जोशी, 772 जेल रोड़,
इन्दोर। (5) घुसीलाल देवराम जोशी, 772 जेल रोड़, इन्दोर।
(अन्तरक)

2. मेसर्स कल्प कामधेनु, इन्दोर

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया
गया है।

अनुसूची

कृषि जमीन स्थित कारजी क्षेत्र 18.43 एकड़।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० आय० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76—
अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है
और जिसकी सं० म० नं० 1035 बी, है, जो राईट टाउन बार्ड
में स्थित है (और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में रजिस्ट्रीकृत
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 4-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधि-
नियम', के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने
में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम,
1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के
अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री सरदार बूटासिंह पिता सरदार ईश्वर सिंह म० नं०
1035 राईट टाउन मढ़ाताल, जबलपुर (अन्तरक)

2. श्रीमती पलो देवी पत्नी भोलानाथ कपूर सदर बाजार,
जबलपुर। श्रीमती उमादेवी पत्नी संतोष कपूर सदर बाजार,
जबलपुर (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त
अधिनियम', के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान नं० 1035 बी राईट टाउन बार्ड, जबलपुर।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आय० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76-

अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० मकान नं० 31/90 है, जो ग्वालियर में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है) रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-75 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम', की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री कृष्णगोपाल रामप्रसाद सोमानी सराफ बाजार लस्कर, ग्वालियर (अन्तरक)

2. श्री प्रकाशचन्द्र हरिश्चन्द्र मेहता मलबार हिल, 414 चंद्रलोक बिल्डिंग, बंबई (अन्तरिती)

3. दि पंजाब नेशनल बैंक, लस्कर, ग्वालियर (2) श्री सुरेश सक्सेना द्वारा ग्वालियर विद्यापीठ, ग्वालियर (वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति, द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 39/40 का भाग, लस्कर, ग्वालियर।

एम० एम० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निदेश सं० आय० ए० सी०/ए० सी० क्यू०/भोपाल/75-76-
अतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे
इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा
गया है) की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है और
जिसकी सं० मकान नं० 31/90 है, जो ग्वालियर में स्थित है
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, ग्वालियर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 20-3-75
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और
मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति
का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय को बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-घ
के प्रभुसंरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की
उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्—

1. श्री कृष्ण गोपाल राम प्रसाद सोमानी सराफ बाजार,
लस्कर, ग्वालियर (अन्तरक)

2. श्रीमती मिना कुमारी पत्नी प्रकाशचंद मेहता मलबार हिल
414 चौदलोक बिल्डिंग, बम्बई (अन्तरिती)

3. श्री हरिहर निवास दिवेदी प्रा० लि० जनरल पब्लिकेशन
2) श्री सुरेश सक्सेना के/ग्राफ ग्वालियर विद्यापीठ, ग्वालियर
(वह व्यक्ति, जिसके अधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन
के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया
है ।

अनुसूची

मकान नं० 31/90 का भाग लस्कर, ग्वालियर ।

एम० एफ० मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निर्देश सं० आइ० ए० सी०/ए सी व्यू०/भोपाल/75-76-
यतः, मसौ, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961
(1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम'
कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी
को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है
और जिसकी सं० मकान नं० 54 है, जो पुराना प्लासिया में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 28-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके
दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के
अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें
बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-
कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया
गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिए।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :—

1. श्री मंधाराम जैरामदास कृपलानी, 66 साकेत कालोनी,
इन्दौर। (अन्तरक)

2. श्री चांददार (2) कैशव (3) चमन लाल (4) देवदास
सभी पिता मोरन्दमल रामचन्द्र, 24 बकसी कालोनी, इन्दौर।
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पाम लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में यथाशरिभाषित है, वही
अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 54, स्ट्रीट नं० 1, पुराना प्लासिया, इन्दौर।

एम० एफ० मुन्शी,
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

भोपाल, दिनांक 10 नवम्बर, 1975

निदेश सं० आइ० ए० सी०/ए सी क्यू०/भोपाल/75-76-
यतः, मुझे, एम० एफ० मुन्शी
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ब
के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण
है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
र० से अधिक है
और जिसकी सं० प्लॉट और भूमि है, जो शिमला रोड में स्थित है
(और इससे उपावद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, भोपाल में रजिस्ट्रीकरण अधि-
नियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 13-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित
बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की
गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त
सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे
दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि
अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच
ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित
उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के
दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम,
1922 (1922 का 11) या उक्त
अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957
(1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती
द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना
चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के
अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-ब की
उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्रीमती सरोजदेवी पति रघुनन्दन, भोपाल टाकीज,
भोपाल (अन्तरक)

2. डा० नासिर फतमा रसीद सैय्यद खान इतिवारा,
भोपाल (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम के अध्याय 20-क में यथापरि-
भाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

प्लॉट और भूमि 60' × 140' बनी हुई शिमला रोड एम०
सी० वार्ड नं० 4, भोपाल।

एम० एफ मुन्शी

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, भोपाल

तारीख : 10-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन-रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 12 नवम्बर 1975

Acq. File No. 265/J. No. KR/157/75-76.—

यतः मुझे B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं०

26-16-28, Nageswara Rao Pantulu Street, Gandhinagar, है, तथा जो Vijayawada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908

(1908 का 16) के अधीन सा० 15-5-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत क्लिख के अनुसार अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथा-पूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पंद्रह प्रतिशत अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातः—

14—356GI/75

(1) Smt. Mekar Rajeswari Devi,
W/o Sri Meka Rangayya Apparao,
Vice-Chancellor, Andhra University,
Waltair, Visakhapatnam.

(अन्तरक)

(2) Sri D. Sambasivarao, S/o Kesavanarayana,
Vijayawada.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1501/75 of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight 15-5-75.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक : 12-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जुन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 252/J. No. I(31)/EG/74-75.—

यतः, मुझे, B. V. SUBBA RAO,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है और जिसकी सं० 2/8-21-1 है तथा जो Pullavari Street, Gandhinagar, Kakinada में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Kakinada, में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से काम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्नाह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

- (1) 1. Repaka Baburao S/o Kowstbam
2. Repaka Raja Gopal Rao S/o Baburao
3. Repaka Rajyalaxmi, W/o Baburao

(अन्तरक)

- (2) Smt. Datte Siva Kumari
W/o Kondaraju, Asst. Engineer, (Civil)
Vamachhara Project, Hiramandalam, Srikakulam
Dt.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 2356 of S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBA RAO,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जुन रेंज, Kakinada.

तारीख : 25 अक्टूबर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Sri Rao Venkataramana Murthy, S/o. Rama Rao,
Sitanagaram, Bobbili Taluk,
Srikakulam Dt.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 28 अक्तूबर 1975

Acq. File No. 256/J. No. 611/EG/74-75.—

यतः, मुझे, B. V. Subbarao,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 2-1-51; Asstt. No. 623; T.S. No. 312

है तथा जो Kakinada

में स्थित है (और इससे उपावृद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय Kakinada में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख 15-3-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(2) Smt. Bikkina Tulasamma,
W/o Bikkina Venkatarayanam,
Chelluru, Ramachendrapuram Taluk E.G. Dt.
(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में यथा-परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1614/75 of the SRO, Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 28-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 अक्तूबर 1975

Acq. File No. 254/J. No. 1(23)/KR/74-75.—

यतः, मझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 27-21-18 है, तथा जो Kaleswarao road, Governorpet, Vijayawada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन, 30-4-1975 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से अधिक नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, 'उक्त अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम' या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-घ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) Shri Vempati Subbarama Sarma,
S/o Venkateswara Sarma,
Vijayawada.

(अन्तरक)

(2) Kumari Nimmagadda Vimala
D/o V. Peddalah, Prakasam Road, Suryaraopeta,
Vijayawada-2.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेपः—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरणः—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो 'उक्त अधिनियम' के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1193/75 of
S.R.O., Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, Kakinada

तारीख : 25-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

(1) Shri Vempati Subbarama Sarma
S/o Venkateswara Sarma
Governorpeta, Vijayawada.

(अन्तरक)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 253/J. No. I(24)/KR/74-75.—

यतः, मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को,
यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं०
27-21-18 है तथा जो

Kaleswararao road, Governorpeta, Vijayawada

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध

अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी
के कार्यालय, Vijayawadaमें भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का
16) के अधीन 30-4-1975को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे
यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का
उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया
गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से
उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं
किया गया है :—(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त अधिनियम'
के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी
करने या उससे बचने में सुविधा के लिये;
और/या(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या 'उक्त अधिनियम', या
धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के
प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था
या किया जाता चाहिए था, छिपाने में सुविधा के
लिए;अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—(2) Shri Rughala Chinna rao, S/o Ramaswamy,
Yernagudem Village, Nidadavole post,
Kovvur Taluk.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी
अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-
वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
पास लिखित में किए जा सकेंगे।स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो
उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 1192 of S.R.O.
Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

तारीख : 21-10-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 250/J. No. 1(556)/KR/74-75.—

यतः, मुझे, B. V. Subba Rao

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43),
(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-
रु० से अधिक है और जिसकी सं०

23-18-5/3

है तथा जो

Satyanarayanapuram, Vijayawada

में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित
है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के Vijayawada में, कार्यालय
भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के
अधीन, तारीख 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में
वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम' के अधीन कर देने के अन्तरक के
वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा
के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
में, मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

(1) 1. Shri Peyyeti Subbaramaiah, S/o Suryarao 2.
Dasu Ravanamma, W/o Narasimharao, 3. Peyyeti
Hanumayamma, D/o Suryarao 4. Peyyeti Laxmana
Saibabu S/o Suryarao 5. Peyyeti Vijayalaxmi D/o
Suryarao 6. Peyyeti Sundaral D/o Suryarao.

(अन्तरक) ।

(2) Smt. Tutte Anasuya,
W/o Narasimharao.

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित
हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में
दिया गया है ।

अनुसूची

The schedule property vide document No. 789 of S.R.O.,
Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

Kakinada

तारीख : 25-10-1975

मोहर ;

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

(1) Smt. Meka Raja Rajeswari Devi
W/o Sri Meka Rangayya Apparao, Vice-Chancellor,
Andhra University, Waltair, Visakhapatnam.

(अन्तरक)

(2) Sri D. Sambasivarao,
S/o Kesavanarayana, Vijayawada.

(अन्तरिती)

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा, दिनांक 25 अक्टूबर 1975

Acq. File No. 251/J. No. I(557)/KR/74-75.—

यतः मुझे, B. V. SUBBA RAO

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह, विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 26-16-28 है तथा जो

Nageswararao Panthulu Road, Gandhinagar, Vijayawada में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, Vijayawada में भारतीय रजिस्ट्रीकृत अधिनियम, (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

The schedule property as per document No. 806/75 of the S.R.O., Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज,

Kakinada

अतः, अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

तारीख : 25-10-1975

मोहर :

प्ररूप आई०टी०एन०एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, वर्ल्ड रोड, पुना

पुना-411004, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निवेश सं० सी० ए० 5/हवेली-I/एप्रिल 75/255/75-76-

यतः मुझे, एच० एस० श्रीलख

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)

(जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० सी० एस० नं० 1139-ए है तथा जो भांबुडी, पुना में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय हवेली-I, पुना में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 14-4-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ;

अतः अब उक्त अधिनियम, की धारा 269-घ के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रतीत :—

1. मै० डी० चंपालाल एंड को० मनीलेडिंग फर्म पार्टनर्स (1) श्री भिकमचंद छत्रभान (2) नन्दनमल भिकमचंद (3) श्री धनराज भिकमचंद (4) चंपालाल भिकमचंद (5) श्री गदनलाल भिकमचंद सभी 120 मोलापुर, बक्षार, पुना-1 (अन्तरक)

2. श्रीमती सुलोचना ज्ञानेश्वर शेलार 378 सदाशिव पेठ, पुना-30 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

सि० सर्वे नं० 1139-ओ, भांबुडी, शिवाजीनगर, ता०-हवेली, पुना दो इमलेकी बिल्डिंग, क्षेत्रफल :—तकमजला-2850 वर्ग फीट पहिला मजला-2850 वर्ग फीट

[जैसे कि रजिस्ट्रीकृत विलेख नं० 409 एप्रिल 1975 में सब-रजिस्ट्रार, हवेली-I, पुना के दफ्तर में लिखा है]

एच० एस० श्रीलख
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज, पुना

तारीख : 19-11-1975

मोहर :

प्रकरण आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/933/75-76/4866-
यतः मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा
269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित
बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और
और जिसकी सं० 8/13 है, जो अलीपुर रोड, दिल्ली में स्थित है,
(और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजि-
स्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 31-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान
प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक
(अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के
लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण
लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त
अधिनियम, के अधीन कर देने
के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या
उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों
को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922
(1922 का 11) या उक्त अधिनियम,
या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957
का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरितों द्वारा प्रकट
नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने
में सुविधा के लिये।

अतः अब, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

15-356GI/75

1. म० एल० एन० गदोदिया एण्ड सन्स प्रा० लि०, 1112,
कूचा नटवन, चांदनी चौक, दिल्ली-6 श्री राम गोपाल गदोदिया
के द्वारा, सुपुत्र श्री सेठ लक्ष्मी नारायण गदोदिया, निवासी 8,
अलीपुर रोड, दिल्ली। (अन्तरक)

2. श्री प्रेम नारायण तथा श्री श्याम सुन्दर होलानी, सुपुत्र
श्री गणेश दास होलानी, तथा श्री गोरी शंकर होलानी, सुपुत्र
श्रीलाल होलानी, निवासी 1240, गली होलानी, वैद्यवाड़ा, माईवारा
नई सड़क, दिल्ली-6 (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के
लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना
की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाब
में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से
किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो
उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस
अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

दो मंजिला मकान जोकि प्लॉट की भूमि पर बना हुआ है जिसका
क्षेत्रफल 682 वर्ग गज है और जोकि 8/13, अलीपुर रोड, दिल्ली
में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: अलीपुर रोड

पश्चिम: आन्तरिक सड़क

उत्तर: बंगला नं० 8/12

दक्षिण: बंगला नं० 6

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 21 नवम्बर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०-----

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-घ (1) के अधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण),

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1

नई दिल्ली, दिनांक 21 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/932/(1816)/
75-76/4866—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा
269-घ के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का
कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य
25,000/- रु० से अधिक है

और जिसकी सं० डी-116 है, जो कमला नगर, दिल्ली में स्थित
है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्व रूप से वर्णित है),
रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण
अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 5-3-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए

अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य,
उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह
प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और
अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए
तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त
अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया
है:—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की वास्तव उक्त
अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बढ़ने में सुविधा के
लिए; और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया
जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन
निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

1. श्री नन्व किशोर गुप्ता, सुपुत्र श्री जैतू मल, निवासी
डी-126, कमला नगर, दिल्ली। (अन्तरक)
2. श्रीमती सुशीला देवी, पत्नी श्री प्रेम प्रकाश गुप्ता, निवासी,
174, दरीबा, कटरा मुशरू, दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आशेष:—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामील में 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित
में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण— इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-
नियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं,
वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक ढाई मंजिला मकान जो 166.7 वर्ग गज भूमि पर बना है
जिसका प्लॉट नं० 116, ब्लॉक नं० 'डी' है तथा जोकि कमला
नगर, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:—

पूर्व: प्लॉट नं० डी०-117 पर बिल्डिंग

पश्चिम: सड़क 15' चौड़ी

उत्तर: सड़क: 15'

दक्षिण: 30'

एस० एन० एल० अग्रवाल
सक्षम प्राधिकारी
सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)
अर्जन रेंज-2, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख: 21 नवम्बर, 1975

मोहर:

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2, दिल्ली-1, नई दिल्ली

नई दिल्ली, दिनांक 19 नवम्बर 1975

निदेश सं० आई० ए० सी०/एक्यू०/11/2241(931)/75-76/4866—यतः, मुझे, एस० एन० एल० अग्रवाल आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है और जिसकी सं० 14/85 का 1/2 भाग है, जो पंजाबी बाग, दिल्ली में स्थित है (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकारी अधिकारी के कार्यालय, दिल्ली में भारतीय रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 22-7-1975

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. श्री राम लाल खुराना, सुपुत्र श्री ठाकर दास, निवासी एच०-56, कीर्ती नगर, नई दिल्ली। (अन्तरक)

2. मै० औके खबर कार्पोरेशन, (2-जी) राम नगर, पहाड़ गंज, नई दिल्ली। (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक फ्रीहोल्ड प्लॉट का 1/2 अविभाजित भाग जिसका नं० 14 है, जोकि रोड नं० 85 पर है और जिसका क्षेत्रफल 633.33 वर्ग गज है तथा जोकि निवासी कालोनी, पंजाबी बाग, दिल्ली के बसाए दारापुर गांव, दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :—

पूर्व : सर्विस लेन

पश्चिम : सड़क नं० 85

उत्तर : प्लॉट नं० 12

दक्षिण : सड़क नं० 71

एस० एन० एल० अग्रवाल

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-2 दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 19 नवम्बर, 1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा
269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I, कलकता

कलकता, दिनांक 22 नवम्बर, 1975

निदेश सं० टी० एन०-4/सि० 4/कल०-1/75-76—
अतः मुझे, एस० के० चक्रवर्ती,
आयकर अधिनियम 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके
पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ब के अधीन
सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर
सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है
और जिसकी सं० 75 सी० (यूनिट नं० 5 सी०) है तथा जो पार्क स्ट्रीट,
कलकता में स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण
रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकरण अधिकारी के कार्यालय, 5 गवर्नमेंट
प्रेस नार्थ में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16)
के अधीन, तारीख 25-4-1975
को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के
दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह
विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित
बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,
निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक
रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त
अधिनियम', के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व
में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए;
और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को
जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922
का 11) या 'उक्त अधिनियम', या धन-कर
अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ
अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या
किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा
के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में,
मैं 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ब की उपधारा
(1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

1. रुवि कासटूकान कं० (अन्तरक)

2. श्री ज्योतिर्नय सेन (अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए
कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की
तामोल से 30 दिन की अवधि जो भी अवधि बाद में
समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी
व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45
दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी
अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में
किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त
अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा-
परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस अध्याय
में दिया गया है।

अनुसूची

75 सी, पार्क स्ट्रीट कलकता (प्रिमि सेसन) यूनिट नं० 5 सी,
में अवस्थित पांच तथा

एस० के० चक्रवर्ती,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज-I 54, रफी अहमद

किदवाई रोड, कलकता-16

तारीख : 22-11-1975

मोहर :

प्ररूप आई० टी० एन० एस०—

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की
धारा 269-ब (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, दिनांक 10 नवम्बर 1975

निर्देश संख्या राज/सहा० आय० आय० / 284—यतः

मुझे, सी० एस० जन,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम,' कहा गया है), की धारा 269-ब के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से अधिक है

जिसकी सं० प्लॉट नं० ए० है तथा जो मुमताज बाग एम० आई० रोड के पीछे स्थित है, (और इससे उपाबद्ध अनुसूची में और पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय जयपुर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 25 अप्रैल, 1975 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए रजिस्ट्रीकृत बिलेख के अनुसार अन्तरित की गई और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ध्र प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच तय पाया गया ऐसे अन्तरण के लिए प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में, वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :—

(क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए, और/या

(ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

अतः अब 'उक्त अधिनियम' की धारा 269-ग के अनुसरण में मैं, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ब की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :—

(1) 1 बशोरुन निशा 2 श्रीमति मनीषा खातुन उर्फ मुमताज दुल्हन 3. श्री मुनवर अली खां 4. मोहम्मद अब्दुल कादर खां, निवासी गर्बी मिर्जा इस्माइल रोड मुमताज बाग, जयपुर ।

(अन्तरक)

(2) श्री जमील अहमद निवासी तोपखाना देश रास्ता कल्याणजी, चान्दपोल बाजार, जयपुर ।

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ ।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप :—

(क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाव में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;

(ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है ।

अनुसूची

प्लॉट नं० ए०, मुमताजबाग, एम० आई० रोड के पीछे, जयपुर जिसका क्षेत्रफल 196 वर्गगज उस पर निर्माण सहित ।

सी० एस० जन

सक्षम प्राधिकारी

सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, जयपुर

तारीख : 10-11-75

मोहर :

सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

(परीक्षा स्कंध)

विज्ञप्ति

श्रेणी-II आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल, 1976।

सं० 13/7/75-प्रबन्ध—भारत के राजपत्र नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर, 1975 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कामिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार, केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी-III, (सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा की श्रेणी-III तथा भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों के उप-संवर्ग के श्रेणी-III में अस्थाई रिक्तियों में भर्ती के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध), द्वारा दिनांक 7 अप्रैल, 1976 को प्रारम्भ होने वाली बम्बई, कलकत्ता, दिल्ली, मद्रास, नागपुर, तथा विदेशों में स्थित कुछ घुने हुए भारतीय दूतावासों में एक प्रतियोगितात्मक परीक्षा ली जायेगी।

परीक्षा के केन्द्रों तथा प्रारम्भ होने की तारीख में संस्थान के विवेकाधिकार से तब्दीली की जा सकती है। परीक्षा में प्रवेश के लिए स्वीकृत किए गए उम्मीदवारों को सूचित किया जाएगा कि उन्हें कहां, किस समय और किस तारीख को उपस्थित होना है।

2. (क) इस परीक्षा के आधार पर विभिन्न सेवाओं में जिन रिक्तियों में भर्ती की जानी है, उनकी लगभग संख्या नीचे दी गई है:

- | | |
|--|-------|
| (क) केन्द्रीय सचिवालय आशुलिपिक सेवा,
श्रेणी-III | 100** |
| (2) सशस्त्र सेना मुख्यालय आशुलिपिक सेवा,
श्रेणी-III | * |
| (3) भारतीय विदेश सेवा (ख) के आशुलिपिकों
का उपसंवर्ग, श्रेणी-III | * |

**संख्या में परिवर्तन हो सकता है।

*बाद में निश्चित की जाएगी।

(ख) अनुसूचित जातियों और अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए भारत सरकार के निर्णय के अनुसार खाली स्थान आरक्षित किए जायेंगे।

3. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट बैग नं० 2, राम-कृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को आवेदन करना चाहिए। निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के काउंटर पर एक रुपया नकद देकर 20 जनवरी, 1976 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन-प्रपत्र एक रुपए के मूल्य के पोस्टल आर्डर जो 'रामकृष्णपुरम्, (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) को देय हों और 'केवल प्राप्त कर्ता लेखा' शब्दों द्वारा काटे गए हों, डाक द्वारा भेज कर भी 20 जनवरी, 1976 तक प्राप्त किए जा सकते हैं। आवेदन-पत्र प्राप्त करने के लिए

भेजे गए प्रार्थना-पत्रों पर परीक्षा का नाम श्रेणी-III आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा अप्रैल, 1976 स्पष्ट अक्षरों में लिखा होना चाहिए। पोस्टल आर्डर के साथ उम्मीदवार को साफ अक्षरों में अपने नाम तथा पते की तीन पंक्तियां भेजनी चाहिए। एक रुपए का पोस्टल आर्डर और उम्मीदवार तीन पंक्तियों की प्राप्ति पर आवेदन-पत्र तथा पूर्ण विवरण साधारण डाक से (डाक प्रमाण-पत्र के अधीन under certificate of posting) उम्मीदवार को भेज दिए जाएंगे। यदि कोई उम्मीदवार आवेदन-प्रपत्र तथा पूर्ण विवरण रजिस्ट्री डाक से मंगाना चाहता हो, तो उसे ऐसा स्पष्ट कर देना चाहिए तथा एक रुपए की अतिरिक्त राशि अर्थात् दो रुपए के पोस्टल आर्डर और नाम तथा पते की तीन पंक्तियां भेजनी चाहिए। पोस्टल आर्डर के स्थान पर मनीआर्डर या चैक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे। एक रुपए अथवा दो रुपए को यह राशि किसी भी हालत में वापिस नहीं की जाएगी।

विदेशों में रह रहे आवेदकों को आवेदन-पत्र की कीमत के भारतीय पोस्टल आर्डर भेजने चाहिए या यथास्थिति, भारत के उच्चायुक्त/राजदूत/प्रतिनिधि को यह कह कर उनके कार्यालय में 1.00 रुपये या 2 रुपये के बराबर की राशि जमा करवा देनी चाहिए, कि यह राशि लेखा शीर्ष "065-अन्य प्रशासनिक सेवाएं-सी-अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) —अन्य प्राप्ति—आवेदन-पत्रों की बिक्री" के खाते में डाल दें (जो महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोजनीय), उस कार्यालय से टी० आर०-5 प्रपत्र में रसीद प्राप्त करें और वह रसीद संस्थान को भेज दें। पोस्टल आर्डर/रसीद के साथ तीन पंक्तियां भी भेजनी चाहिए जिनमें साफ और बड़े अक्षरों में उम्मीदवार का नाम व पता लिखा हो।

नोट 1: उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि उन्हें श्रेणी-III आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र पर ही अपने आवेदन प्रस्तुत करने चाहिए। श्रेणी-III आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगितात्मक परीक्षा, अप्रैल, 1976 के लिए निर्धारित प्रपत्र के अतिरिक्त किसी अन्य प्रपत्र पर दिये गये आवेदनों पर विचार नहीं किया जाएगा। "केवल शासकीय प्रयोग के लिए" चिह्नित प्रपत्रों पर भी आवेदन स्वीकार नहीं किए जायेंगे।

नोट 2: आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूर्ण विवरण प्राप्त करने के लिए 20 जनवरी, 1976 के पश्चात् कोई प्रार्थना स्वीकार नहीं की जाएगी। विदेशों में रहने वाले अथवा अण्डमान और निकोबार द्वीप-समूह अथवा लक्षद्वीप के व्यक्तियों के लिए आवेदन-पत्र तथा परीक्षा के पूरे विवरण प्राप्त करने के लिए प्रार्थनाएं 3 फरवरी, 1976 तक भी स्वीकार कर ली जाएंगी।

4. भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध), सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, पोस्ट

बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 के पास 20 जनवरी, 1976 को या उसके पूर्व अनुबन्ध में दिये गये अनुदेशों के अनुसार आवश्यक दस्तावेजों के साथ अवश्य पहुंच जाना चाहिए। उस निश्चित तारीख के बाद मिलने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जायेगा।

विदेशों अथवा अंडमान और निकोबार द्वीप समूह अथवा लक्षद्वीप में 20 जनवरी, 1976 से पूर्व रहने वालों के आवेदन-पत्र 3 फरवरी, 1976 तक भी ले लिए जायेंगे।

नोट 1: आवेदन-पत्र की मांग में देरी अथवा आवेदन-पत्र देर से भेजने से होने वाली हानि की जिम्मेदारी उम्मीदवार की अपनी ही होगी।

नोट 2: जो उम्मीदवार अपने आवेदन-पत्र संस्थान के काउंटर पर दें, उन्हें उस लिपिक से जो उनसे आवेदन-पत्र लें, पावती-पत्र प्राप्त कर लेना चाहिए।

5. (i) निर्धारित शुल्क:—परीक्षा में प्रवेश के इच्छुक उम्मीदवारों को पूरित आवेदन-पत्र के साथ संस्थान को निम्नलिखित फीस अवश्य देनी होगी:—

8.00 रुपये (2.00 रुपये अनुसूचित जाति तथा अनुसूचित आदिम जाति के उम्मीदवारों के लिए)

(ii) पैरा 5(i) में बताए गए शुल्क का भुगतान रेखित भारतीय पोस्टल आर्डरों द्वारा होना चाहिए, जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) को देय हों। पोस्टल आर्डर नीचे दिए गए नमूने के अनुसार भरे जाने चाहिए:—

भारतीय पोस्टल आर्डर
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान
(परीक्षा स्कंध), नई दिल्ली को रामकृष्णपुरम्
(वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर दिया जाए।

संस्थान अन्य रीति से भुगतान स्वीकार नहीं करेगा।

(iii) यदि संस्थान संतुष्ट हो कि कोई उम्मीदवार बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) का विस्थापित व्यक्ति है तथा वह 1 जनवरी, 1964 को या इसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले) भारत में प्रविष्ट हुआ है अथवा वह बर्मा से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है और उसने 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है अथवा वह श्री लंका से वास्तविक प्रत्यावर्तित मूल भारतीय व्यक्ति है तथा वह 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् भारत में आया है और वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iv) उम्मीदवारों को ज्ञात होना चाहिए कि पोस्टल आर्डर को रेखित किए बिना अथवा सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध), रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली को देय किए बिना भेजना सुरक्षित नहीं है। आवेदन-पत्र के कालम 10 के सामने पोस्टल आर्डर के पूरे व्यौर भर देने चाहिए।

जिस आवेदन-पत्र के साथ निर्धारित शुल्क का रेखित भारतीय पोस्टल आर्डर नहीं होगा उसे तुरन्त अस्वीकार कर दिया जाएगा।

यह नियम उन बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) के विस्थापितों और बर्मा तथा श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय निवासियों पर लागू नहीं होगा जो क्रमशः 1 जनवरी, 1964 को या उसके पश्चात् (परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले), 1 जून, 1963 को या उसके पश्चात् तथा 1 नवम्बर, 1964 को अथवा इसके पश्चात् भारत में आए हैं और शुल्क न दे सकने की स्थिति में होने के कारण ऊपर के पैरा 5 (iii) के अनुसार निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं।

6. संस्थान को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी से सम्बद्ध किसी भी दावे को स्वीकार नहीं किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा। फीस तभी वापिस की जाएगी जबकि परीक्षा निरस्त हो जाए।

यदि कोई उम्मीदवार अपना-प्रार्थना पत्र देर में पहुंचाने के कारण संस्थान द्वारा परीक्षा में प्रविष्ट नहीं किया जाता तो पोस्टल आर्डरों सहित उसका आवेदन-पत्र उसे वापिस भेज दिया जाएगा।

7. आवेदन-पत्र के विषय में सभी पत्र व्यवहार उप-निदेशक, (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खण्ड-1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को सम्बोधित करने चाहिए तथा उसमें निम्नलिखित विवरण देने चाहिए:—

- (i) परीक्षा का नाम
- (ii) परीक्षा का महीना तथा वर्ष
- (iii) रोल नं० या जन्म तिथि (यदि रोल नं० सूचित न किया गया हो)
- (iv) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा सांफ अक्षरों में)
- (v) आवेदन-पत्र में दिया गया डाक का पता।

इन विवरणों रहित पत्रों पर शीघ्र ध्यान नहीं दिया जा सकेगा। इस परीक्षा के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) के साथ सभी पत्राचार में अपने लिफाफों पर उम्मीदवार "श्रेणी-III आशुलिपिक सीमित विभागीय प्रतियोगिता-तत्काल परीक्षा, अप्रैल, 1976" अवश्य लिख दें।

मदन लाल,
निदेशक (परीक्षा)
सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान

अनुबन्ध
उम्मीदवारों को अनुदेश

सूचना के पैरा 3 के अनुसार, इस परीक्षा से सम्बद्ध सूचना, नियमावली, आवेदन-पत्र तथा अन्य कागजात की प्रति उप-निदेशक (परीक्षा स्कंध) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान के कार्यालय से प्राप्त की जा सकती है। उम्मीदवारों को चाहिए कि आवेदन-पत्र भरने या निर्धारित शुल्क का भुगतान करने से पहले उन्हें ध्यान से पढ़कर देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं। निर्धारित शर्तों में किसी भी अवस्था में छूट नहीं जी जा सकती।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को सूचना के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक हो, अन्तिम रूप से चुन लेना चाहिए। सामान्यतः चुने हुए

स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा।

कोई उम्मीदवार जो विदेश स्थित भारतीय मिशन में परीक्षा देना चाहता हो उसे अपनी इच्छानुसार क्रम से दो अन्य भारतीय मिशनों (जहाँ वह रहता है उससे भिन्न दूसरे देशों में) के नाम भी वैकल्पिक केन्द्रों के रूप में देने चाहिए। प्रशिक्षण संस्थान अपने निर्णय से उसके द्वारा बताए गए तीनों मिशनों में अथवा किसी अन्य मिशन में किसी भी स्थान पर परीक्षा देने के लिए कह सकता है।

जो उम्मीदवार भारतीय मिशनों में परीक्षा देना चाहते हैं और नियमों के परिशिष्ट के पैरा 1 के अनुसार आशुलिपि की परीक्षा हिन्दी में देना चाहते हैं, उन्हें अपने निजी व्यय पर आशुलिपि की परीक्षा देने के लिए विदेश में किसी ऐसे भारतीय मिशन में, जहाँ ऐसी परीक्षाएं लेने के लिए आवश्यक प्रबन्ध हों, आना पड़ सकता है।

2. उम्मीदवार को आवेदन-पत्र और अपने नाम तथा पते की 6 पंक्तियों वाला कागज अपने हाथ से भरना चाहिए। सभी प्रविष्टियाँ/उत्तर शब्दों में होने चाहिए, रेखिका या बिन्दु आदि के द्वारा नहीं। भरा हुआ आवेदन-पत्र उप-निदेशक (परीक्षा विभाग) सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान, पश्चिमी खंड-1, विंग नं० 6, पोस्ट बैग नं० 2, रामकृष्णपुरम्, नई दिल्ली-110022 को भेजना चाहिए ताकि वह सूचना में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुँच जाए।

सूचना में निर्धारित अंतिम तारीख के बाद संस्थान को प्राप्त होने वाला कोई भी आवेदन-पत्र स्वीकार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीप समूहों में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से यदि संस्थान चाहे तो इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह सूचना के पैरा 4 के प्रथम उप-पैरा में निर्धारित तारीख के पहले से विदेशों में या अंशमान एवं निकोबार द्वीपसमूहों में या लक्षद्वीप में, जैसी भी स्थिति हो, रह रहा था।

उम्मीदवार को अपना आवेदन-पत्र सम्बद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर इस संस्थान को भेज देंगे। यदि कोई उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान में देर से पहुँचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अन्तिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई भी झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी तथ्य को छिपाएं।

4. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित कागजात आदि अवश्य भेजने चाहिए:—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर जो सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध), को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों।
- (ii) (क) अपनी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि;

(ख) दिनांक 1-1-1976 को समाप्त होने वाले पिछले 3 वर्षों की अवधि के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० × 7 सें० मी०) के फोटों की दो समान प्रतियाँ।

(iv) “उम्मीदवारों को अनुदेश” के पैरा 6 के अनुसार यदि लागू हो तो, फीस माफी और/अथवा आयु छूट के दावे के पक्ष में प्रमाण-पत्र की प्रमाणित प्रतिलिपि।

ऊपर की सब (i), (ii), (iii) तथा (iv) में दिए गए कागजात आदि का ब्योरा निम्नलिखित है:—

(i) निर्धारित शुल्क के रेखांकित भारतीय पोस्टल आर्डर:—

सभी पोस्टल आर्डरों पर जारी करने वाले पोस्टमास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर रहनी चाहिए। सभी पोस्टल आर्डर “केवल प्राप्तकर्ता लेखा” शब्दों द्वारा काटे गए हों और इस प्रकार भरे जाएँ:—“सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध) को रामकृष्णपुरम् (वितरण) डाकघर, नई दिल्ली पर देय हों”।

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे-फटे या ऐसे पोस्टल आर्डर जिनकी चालू रहने की अवधि समाप्त हो चुकी हो, स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

नोट:—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों वे निर्धारित शुल्क की राशि (रु० 8.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित आदिम जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 2.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्चायुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि, उस देश में जो भी हो, के कार्यालय में जमा करवाएं और उनसे कहा जाए कि वह इस राशि को लेखा शीर्ष “065—अन्य प्रशासनिक सेवाएं—सी—अन्य सेवाएं—सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान (परीक्षा स्कंध)—अन्य प्राप्तियाँ—परीक्षा शुल्क” (महालेखाकार केन्द्रीय राजस्व, नई दिल्ली द्वारा समायोजनीय) में जमा कर दें। उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें।

(ii) (क) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ उम्मीदवार नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग द्वारा उसकी सेवा पंजिका के प्रथम पृष्ठ की प्रमाणित प्रतिलिपि में उम्मीदवार का पूरा नाम, पिता का नाम (विवाहित स्त्री कर्मचारी की स्थिति में पति का नाम) राष्ट्रिकता, अनुसूचित जाति/आदिम जाति के उम्मीदवारों की अवस्था में उसकी जाति अथवा वर्ग का नाम, ईसवी सन् में जन्म तिथि (शब्द तथा अंक दोनों में) शैक्षणिक योग्यताएं तथा उम्मीदवार के हस्ताक्षर का नमूना दिया गया हो।

(ख) आवेदन-पत्र देते समय जहाँ वह नियुक्त है उस कार्यालय अथवा विभाग के प्रधान द्वारा 1-1-1976 को समाप्त होने वाले पिछले 3 वर्षों के सेवा विवरणों की प्रमाणित प्रतिलिपि में

चेतनमान सहित धारित पद तथा मौलिक, स्थानापन्न, स्थायी अथवा अस्थायी पद का रूप दिया हुआ हो।

नोट :—आवश्यक प्रतीति होने पर प्रशिक्षण संस्थान सेवा पंजिका अथवा अन्य लिखित प्रमाण मांग सकता है।

(iii) फोटो की दो प्रतियां:—उम्मीदवार को अपने हाल ही के फोटो की पासपोर्ट आकार (लगभग 5 से० मी० × 7 से० मी०) की दो समान प्रतियां आवेदन-पत्र में दिए गए उचित स्थान पर चिपकानी चाहिए। फोटो की प्रत्येक प्रति पर ऊपर की ओर उम्मीदवार के हस्ताक्षर हों। फोटों की प्रतियां संस्थान द्वारा वापस नहीं भेजी जाएंगी।

(iv) शुल्क माफी और/अथवा कम से कम निर्धारित सेवा का अनुमान लगाने, और/अथवा आयु छूट के दावे के पक्ष में वांछित कागजात की प्रमाणित प्रतिलिपि आवेदन-पत्र के साथ प्रस्तुत करनी चाहिए, अन्यथा फीस माफी अथवा आयु छूट की अनुमति नहीं दी जाएगी।

5. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र अधूरा या गलत भरा हुआ होगा या उसके साथ ऊपर के पैरा 4(i), 4(ii) तथा 4(iii) में उल्लिखित कोई कागजात आदि न लगे होंगे और उन्हें न भेजने का उचित स्पष्टीकरण भी नहीं दिया होगा तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है और इस अस्वीकृति के विरुद्ध कोई अपील नहीं सुनी जाएगी। यदि कोई कागजात आदि आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों, पर उनके न भेजने का स्पष्टीकरण दिया गया हो, तो उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और हर हालत में आवेदन-पत्र भेजने की अंतिम तारीख से 15 दिन के भीतर इस संस्थान के कार्यालय में पहुंच जाना चाहिए अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है। प्रमाण-पत्रों की सत्यापित प्रतिलिपियां संस्थान द्वारा वापस नहीं की जाएंगी।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि जो भी प्रमाण-पत्र आदि वे प्रस्तुत करें, उनकी किसी भी प्रविष्टि में वे कोई शुद्धि या परिवर्तन न करें न उनमें किसी अन्य प्रकार का फेर बदल करें, और न ही फेर बदल किए गए प्रमाण-पत्र आदि प्रस्तुत करें। यदि कोई ऐसी अशुद्धि हो अथवा ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों आदि में कोई विसंगति हो तो उस विसंगति के बारे में अलग स्पष्टीकरण देना चाहिए।

6.(i) बंगला देश (भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान) से विस्थापित व्यक्ति, जो नियम 5 (ii) अथवा 5 (iii) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है वह निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से प्रमाण-पत्र लेकर उसकी प्रमाणित प्रतिलिपि यह सिद्ध करने के लिए प्रस्तुत करे कि वह बंगला देश से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, जिसने 1 जनवरी, 1964 या उसके पश्चात् परन्तु 25 मार्च, 1971 से पहले भारत में प्रवेश किया है:—

(1) दण्यकारण्य प्रायोजना के पारगमन केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट अथवा विभिन्न राज्यों के सहायता केन्द्रों के कैम्प कमांडेंट;

(2) जह्म उम्मीदवार इस समय रहता है उस स्थान के डिजला मैजिस्ट्रेट;

(3) अपने जिले के शरणार्थी पुनर्वास से सम्बद्ध अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट;

(4) संबंधित सब-डिवीजन का सब-डिविजनल अफसर;

(5) पश्चिमी बंगाल के शरणार्थी पुनर्वास उप-आयुक्त/कलकत्ता में निदेशक (पुनर्वास)।

यदि वह नोटिस के पैरा 5 (iii) के अन्तर्गत शुल्क माफी का इच्छुक है तो उसे एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान सभा के सदस्य से प्रस्तुत करना चाहिए जिसमें यह कहा गया हो कि वह निर्धारित शुल्क देने की स्थिति में नहीं है।

(ii) श्री लंका से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो सूचना के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फीस माफी और/अथवा नियमों के पैरा 5 (iv) या 5 (v) के अन्तर्गत आयु छूट का इच्छुक है वह श्री लंका में भारतीय हार्ड कमीशन से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और अक्टूबर, 1964 के भारत-श्री लंका के समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके पश्चात् उसने भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी, सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iii) बर्मा से प्रत्यावर्तित मूल भारतीय जो सूचना के पैरा 5(iii) के अन्तर्गत फीस-माफी और/अथवा नियमों के पैरा 5 (viii) या 5 (ix) के अन्तर्गत आयु छूट चाहता हो वह रंगून में भारतीय दूतावास से मूल परिचय प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह एक भारतीय नागरिक है और उसने 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है, अथवा जहां वह रहता है उसके जिला मैजिस्ट्रेट से प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह बर्मा से प्रत्यावर्तित वास्तविक व्यक्ति है और उसने 1 जून, 1963 को अथवा इसके पश्चात् भारत में प्रवेश किया है। यदि वह फीस माफी चाहता हो तो वह एक मूल प्रमाण-पत्र जिलाधिकारी या सरकारी राजपत्रित अधिकारी अथवा संसद सदस्य या राज्य विधान मंडल के सदस्य से प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह निर्धारित फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है। यह प्रमाण-पत्र उम्मीदवार को वापस नहीं किया जाएगा।

(iv) संघ राज्य क्षेत्र गोआ, दमन तथा दीव का उम्मीदवार जो नियम 5 (vi) के अधीन आयु सीमा में छूट का दावा करे वह निम्न अधिकारियों में से किसी

एक से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि अपने दावे के पक्ष में प्रस्तुत करे :—

- (1) सिविल प्रशासन के निदेशक
- (2) कौन्सिलहोस के प्रशासक
- (3) मामलातदार

(v) कीनिया, उगाण्डा तथा संयुक्त गणराज्य तनजानिया (भूतपूर्व तांगानिका तथा जंजीबार) से प्रत्यावर्तित व्यक्ति जो नियम 5 (vii) के अधीन आयु में छूट का दावा करे वह जहां रहता है उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह उपर्युक्त देशों से प्रत्यावर्तित वास्तविक व्यक्ति है।

(vi) जो उम्मीदवार प्रतिरक्षा सेवाओं में रहते हुए विकलांग (अंगहीन) हो गया है और नियम 5 (x) 5 (xi) के अधीन आयु में छूट चाहे वह महानिदेशक, पुनर्वास, प्रतिरक्षा मंत्रालय से मूल प्रमाण-पत्र की एक सत्यापित प्रतिलिपि नीचे दिए गए फार्म में प्रस्तुत करे जिसमें यह दिखाया गया हो कि वह किसी विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में सैनिक सेवा करते हुए विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे विमुक्त कर दिया गया हो।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि श्री यूनिट रैंक नं० विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/अशान्तिग्रस्त क्षेत्र में* सैनिक सेवा करते हुए फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ जिसके परिणामस्वरूप उसे विमुक्त किया गया।

हस्ताक्षर
नाम
पदनाम
दिनांक

*जो लागू न हो उसे काट दें।

(vii) नियम 5 (xii) अथवा 5 (xiii) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाला ऐसा उम्मीदवार जो सीमा सुरक्षा दल में सेवा करते हुए विकलांग हुआ हो, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल से नीचे दिए गए निर्धारित फार्म पर प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति यह दिखाने के लिए प्रस्तुत करे कि वह 1971 के भारत-पाक संघर्ष में विकलांग हुआ और इसके परिणामस्वरूप विमुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किये जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट-----के रैंक नं०-----श्री-----सीमा सुरक्षा

दल में सेवा करते हुए भारत-पाक संघर्ष 1971 के दौरान विकलांग हुए और इस विकलांगता के परिणामस्वरूप विमुक्त हुए।

हस्ताक्षर-----
नाम-----
पदनाम-----
तारीख-----

7. ऊपर के पैरा 6 में मांगे गये प्रमाण-पत्रों की प्रतियां निम्नलिखित अधिकारियों में से किसी एक से सत्यापित की जानी चाहिए। व अधिकारी अपने नाम, पद, पूरा पता तथा सत्यापन की तिथि लिखें और अपनी सील/रबर की मुहर अपने हस्ताक्षर के नीचे लगा दें:—

- (क) केन्द्रीय या राज्य सरकार के राजपत्रित अधिकारी।
- (ख) संसद या राज्य विधान मंडल या दिल्ली महानगर परिषद के सदस्य
- (ग) सब-डिवीजनल मजिस्ट्रेट/अफसर
- (घ) तहसीलदार या नायब/उप-तहसीलदार
- (ङ) उच्च विद्यालय/उच्चतर माध्यमिक विद्यालय/कालेज-संस्थान के प्रधानाचार्य/प्रधानाध्यापक
- (छ) खंड विकास अधिकारी
- (ज) नगर निगम के सदस्य।

8. उम्मीदवारों को चाहिये कि वे अपने आवेदन-पत्रों को संस्थान में प्रस्तुत करने से पूर्व निम्नलिखित क्रमानुसार व्यवस्थित कर लें:—

- (i) पोस्टल आर्डर;
- (ii) फोटो की एक अतिरिक्त प्रति (फोटो की दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के प्रथम पृष्ठ पर चिपकानी है);
- (iii) विधिवत भरा हुआ आवेदन-पत्र;
- (iv) आवेदन करते समय वह जिस विभाग अथवा कार्यालय में नियुक्त हो, उसके प्रधान द्वारा अपनी सेवा-पंजी का के प्रथम पृष्ठ की अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति;
- (v) आवेदन करते समय वह जिस विभाग अथवा कार्यालय में काम कर रहा हो, उसके प्रधान द्वारा दिनांक 1-1-1976 को समाप्त हुये तीन वर्षों के दौरान उसकी सेवा-विवरणों की अधिप्रमाणित स्वच्छ प्रति;
- (vi) यह दिखाते हुए कि उम्मीदवार बर्मा, श्रीलंका, बंगला देश इत्यादि से प्रत्यावर्तित है — प्रमाण-पत्र की सत्यापित प्रति;
- (vii) यदि उम्मीदवार चाहे कि उसके सम्बन्ध में निर्धारित शुल्क साफ कर दिया जाये, तो यह दिखाते हुये कि उम्मीदवार फीस दे सकने की स्थिति में नहीं है— प्रमाण पत्र; और
- (viii) कोई अन्य प्रमाण-पत्र जो उम्मीदवार भेजना चाहे।

9. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत करने का यह बहाना स्वीकार नहीं होगा कि आवेदन-पत्र का फार्म ही अमुक तारीख को मिला। वस्तुतः आवेदन-पत्र की प्राप्ति से ही प्राप्तकर्ता परीक्षा में प्रवेश का पात्र नहीं बन जाता।

10. यदि किसी उम्मीदवार को जिसने अपना आवेदन-पत्र डाक द्वारा भेजा हो, आवेदन-पत्र प्राप्ति की अन्तिम तारीख से 15 दिन तक अपने आवेदन-पत्र का पावती-पत्र न मिले तो उसे तत्काल प्रशिक्षण संस्थान से सम्पर्क करना चाहिए।

11. इस परीक्षा में प्रविष्टि किए गए हर उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। परन्तु यह बताया सम्भव नहीं कि सूचना कब भेजी जाएगी। यदि किसी उम्मीदवार को परीक्षा आरम्भ होने की तारीख अर्थात् 22 अक्टूबर, 1975 से एक महीने पहले तक उसके आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से कोई पत्र प्राप्त नहीं होता तो उसे परिणाम के लिए शीघ्र प्रशिक्षण तथा प्रबन्ध संस्थान से सम्पर्क करना चाहिए। इस उपबन्ध के अनुपालन न करने पर उम्मीदवार अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से बंचित रह जायेगा।

12. उम्मीदवार परीक्षा में सम्मिलित होने के लिए सचिवालय प्रशिक्षण तथा प्रबंध संस्थान से कोई भी यात्रा भत्ता पाने के अधिकारी नहीं होंगे।

13. पते में परिवर्तन :—उम्मीदवार को इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि आवेदन-पत्र में दिए गए पते पर भेजे हुए पत्रादि आवश्यकता पड़ने पर उसके बदले हुए पते पर मिल जावें। पते में कोई तबदीली होने पर उसकी जानकारी सूचना के पैरा 7 में दिए गए विवरणों तथा मोटे अक्षरों में अपने रोल नम्बर/नाम तथा नये पते की 6 पत्रियों के साथ प्रशिक्षण संस्थान को यथाशीघ्र भेजनी चाहिए। यद्यपि प्रशिक्षण संस्थान इन परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा-पूरा यत्न करता है तो भी वह इस विषय में कोई जिम्मेदारी स्वीकार नहीं कर सकता।

संघ लोक सेवा आयोग

नोटिस

सहायक ग्रेड परीक्षा, 1976

नई दिल्ली, दिनांक 6 दिसम्बर 1975

स० एफ० 12/7/75 ई-1(बी)—भारत के राजपत्र दिनांक 6 दिसम्बर, 1975 में मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा प्रकाशित नियमों के अनुसार नीचे पैरा 2 में उल्लिखित सेवाओं/पदों पर भर्ती करने हेतु संघ लोक सेवा आयोग द्वारा अहमदाबाद, इलाहाबाद, बंगलौर, भोपाल, बम्बई, कलकत्ता, कटक, दिल्ली, दीसपुर (गोहाटी), हैदराबाद, जयपुर, मद्रास, नागपुर, पटियाला, पटना, शिलांग, शिमला, श्रीनगर तथा त्रिवेन्द्रम में 8 जून, 1976 से एक प्रतियोगिता परीक्षा ली जाएगी।

आयोग यदि चाहे तो, परीक्षा के उपर्युक्त केन्द्रों तथा उसके प्रारंभ होने की तारीख में परिवर्तन कर सकता है। परीक्षा में प्रविष्ट उम्मीदवारों को परीक्षा की समय सारणी तथा स्थान अथवा स्थानों के बारे में सूचित किया जाएगा। (देखिए उपाबंध-II, पैरा 10)।

2. इस परीक्षा परिणाम के आधार पर जिन सेवाओं/पदों पर भर्ती की जानी है उनके नाम और विभिन्न सेवाओं/पदों से

सम्बद्ध रिक्तियों की अनुमानित संख्या निम्नलिखित है :—

(i) भारतीय विदेश सेवा (ख) के सामान्य संवर्ग (सहायक) का ग्रेड-IV.

(ii) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा का ग्रेड-IV (सहायक) **6

(इनमें भूतपूर्व सैनिकों के लिए आरक्षित एक रिक्ति सम्मिलित है)

(iii) केन्द्रीय सचिवालय सेवा का सहायक ग्रेड—100 (इनमें 15 रिक्तियां अनुसूचित जातियों के उम्मीदवारों के लिए तथा 8 रिक्तियां अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)

(iv) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा का सहायक ग्रेड—54 (इनमें 8 रिक्तियां अनुसूचित जातियों तथा 4 रिक्तियां अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित हैं)

(v) भारत सरकार के ऐसे अन्य विभागों, संगठनों तथा सम्बद्ध कार्यालयों में सहायकों के पद जो भारतीय विदेश सेवा (ख)/रेल बोर्ड सचिवालय सेवा/केन्द्रीय सचिवालय सेवा/सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में सम्मिलित नहीं हैं —**3

*सरकार द्वारा रिक्तियां सूचित नहीं की गई हैं।

**अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या, यदि कोई हुई, तो सरकार द्वारा नियत की जाएगी।

उपर्युक्त संख्याओं में परिवर्तन किया जा सकता है।

3. कोई उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 2 में उल्लिखित किसी एक या एक से अधिक सेवाओं/पदों के सम्बद्ध में परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन कर सकता है।

यदि कोई उम्मीदवार एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिए परीक्षा में प्रवेश पाना चाहता हो तो भी उसे एक ही आवेदन-पत्र भेजने की आवश्यकता है। उपाबंध-I में उल्लिखित शुल्क भी उसे केवल एक ही बार देना होगा, उस प्रत्येक सेवा/पद के लिए अलग-अलग नहीं, जिसके लिए वह आवेदन कर रहा है।

ध्यान दें :—उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र में जिन सेवाओं/पदों के लिए वह विचार किए जाने का इच्छुक है, उनके सम्बन्ध में अपना वरीयता-क्रम स्पष्ट रूप से बताना चाहिए। उसे यह सलाह भी दी जाती है कि वह अपनी इच्छानुसार जितनी चाहे उतनी वरीयताओं का उल्लेख करे ताकि योग्यता-क्रम में उसके स्थान को ध्यान में रखते हुए नियुक्ति करते समय उसकी वरीयताओं पर भली भांति विचार किया जा सके।

आवेदन-पत्र में उम्मीदवार द्वारा आरम्भ में उल्लिखित सेवाओं/पदों के वरीयता-क्रम में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी भी अनुरोध पर तब तक विचार नहीं किया जाएगा जब तक कि ऐसा अनुरोध

संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्रों की प्राप्ति के लिए आयोग द्वारा निर्धारित अन्तिम तारीख को या उससे पूर्व प्राप्त न हो ।

4. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवार को निर्धारित आवेदन-प्रपत्र पर सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 को आवेदन करना चाहिए । निर्धारित आवेदन-प्रपत्र तथा परीक्षा से सम्बद्ध पूर्ण विवरण दो रुपये भेज कर आयोग से डाक द्वारा प्राप्त किए जा सकते हैं । यह राशि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को मनीआर्डर या सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली जनरल डाकघर पर देय भारतीय पोस्टल आर्डर द्वारा भेजी जानी चाहिए । मनीआर्डर/पोस्टल आर्डर के स्थान पर बैंक या करेंसी नोट स्वीकार नहीं किए जाएंगे । ये आवेदन-प्रपत्र आयोग के काउंटर पर नकद भुगतान द्वारा भी किए जा सकते हैं । दो रुपये की यह राशि किसी भी हाउस में वापस नहीं की जाएगी ।

नोट:—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे अपने आवेदन-पत्र सहायक ग्रेड परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित मुद्रित प्रपत्र में ही प्रस्तुत करें । सहायक ग्रेड परीक्षा, 1976 के लिए निर्धारित आवेदन-प्रपत्रों से इतर प्रपत्रों पर भरे हुए आवेदन-पत्रों पर विचार नहीं किया जाएगा ।

5. भरा हुआ आवेदन-पत्र आवश्यक प्रलेखों के साथ सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, के पास 27 जनवरी, 1976 को या उससे पहले (27 जनवरी, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप म रहने वाले उम्मीदवारों के मामले में 9 फरवरी, 1976 तक) अवश्य पहुंच जाना चाहिए । निर्धारित तारीख के बाद प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा ।

6. परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को उपाबन्ध-I में निर्धारित परीक्षा शुल्क का भुगतान उसमें निर्दिष्ट रीति से अवश्य करें ।

जिन आवेदन-पत्रों में यह अवस्था पूरी नहीं होगी उन्हें एकदम अस्वीकार कर दिया जाएगा । यह उन उम्मीदवारों पर लागू नहीं होता जो उपाबन्ध-I के पैराग्राफ 2 के अंतर्गत निर्धारित शुल्क से छूट चाहते हैं ।

7. उम्मीदवार द्वारा अपना आवेदन-पत्र प्रस्तुत कर देने के बाद उम्मीदवारी वापस लेने से सम्बद्ध उसके किसी भी अनुरोध को किसी भी परिस्थिति में स्वीकार नहीं किया जाएगा ।

एम० एस० प्रुथी

उप-सचिव,

संघ लोक सेवा आयोग

उपाबन्ध-I

1. इस परीक्षा में प्रवेश चाहने वाले उम्मीदवारों को चाहिए कि वे भरे हुए आवेदन-पत्र के साथ आयोग को शुल्क के रूप में रु० 28.00 (अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00) के रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डरों या स्टेट बैंक ऑफ इंडिया, नई दिल्ली में देय बैंक ड्राफ्टों द्वारा भुगतान अवश्य करें ।

आयोग उन उम्मीदवारों के मामलों को छोड़कर जो आवेदन पत्र, भेजते समय विदेशों में रह रहे हों, अन्य विधि से किए गए भुगतान को स्वीकार नहीं करेगा । ऐसे उम्मीदवार निर्धारित शुल्क की राशि सम्बद्ध भारतीय मिशनो में जमा कर सकते हैं ।

2. आयोग, यदि जाहे तो, उस स्थिति में निर्धारित शुल्क से छूट दे सकता है जब वह इस बात से संतुष्ट हो कि आवेदक या तो 1 जनवरी, 1964 को या उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 से पूर्व भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से भारत आया हुआ वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है, या बर्मा से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है या वह श्रीलंका से वास्तविक रूप में प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति है और 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है और निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है या वह नियम 2 के अनुसार भूतपूर्व सैनिक है ।

3. जिस उम्मीदवार ने निर्धारित शुल्क का भुगतान कर दिया हो किन्तु उसे आयोग द्वारा परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया गया तो उसे रु० 15.00 (अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के मामले में रु० 4.00) की राशि वापस कर दी जाएगी ।

उपर्युक्त उपबन्धित व्यवस्था को छोड़कर अन्य किसी स्थिति में आयोग को भुगतान किए गए शुल्क की वापसी के किसी दावे पर न तो विचार किया जाएगा और न ही शुल्क को किसी अन्य परीक्षा या चयन के लिए आरक्षित रखा जा सकेगा ।

उपाबन्ध-II

उम्मीदवारों को अनुवेश

1. इस नोटिस के पैरा 4 में उल्लिखित रीति द्वारा इस परीक्षा से सम्बद्ध नोटिस, नियमावली, आवेदन-प्रपत्र तथा अन्य विवरण संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय से प्राप्त किए जा सकते हैं ।

उम्मीदवारों को चाहिए कि वे आवेदन-प्रपत्र भरने से पहले नोटिस और नियमावली को ध्यान से पढ़ कर यह देख लें कि वे परीक्षा में बैठने के पात्र भी हैं या नहीं । निर्धारित शर्तों में छूट नहीं दी जा सकती है ।

आवेदन-पत्र भेजने से पहले उम्मीदवार को नोटिस के पैरा 1 में दिए गए केन्द्रों में से किसी एक को, जहाँ वह परीक्षा देने का इच्छुक है, अंतिम रूप से चुन लेना चाहिए । सामान्यतः चुने हुए स्थान में परिवर्तन से सम्बद्ध किसी अनुरोध पर विचार नहीं किया जाएगा ।

2. (i) उम्मीदवार को आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड अपने हाथ से ही भरने चाहिए। अधूरा या गलत भरा हुआ आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है।

(ii) भरा हुआ आवेदन-पत्र तथा पावती कार्ड सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजा जाना चाहिए ताकि वह उनके पास नोटिस में निर्धारित अंतिम तारीख तक अवश्य पहुंच जाए।

नोटिस में निर्धारित तारीख के बाद आयोग को प्राप्त होने वाले किसी भी आवेदन-पत्र पर विचार नहीं किया जाएगा।

विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रहने वाले उम्मीदवार से, आयोग यदि चाहे तो, इस बात का लिखित प्रमाण प्रस्तुत करने के लिए कह सकता है कि वह 27 जनवरी, 1976 से पहले की किसी तारीख से विदेशों में या अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह में या लक्षद्वीप में रह रहा था।

जो उम्मीदवार पहले से ही सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी हैसियत से अथवा आकस्मिक या दैनिक दर कर्मचारी से इतर कार्य प्रभारित कर्मचारी की हैसियत से कार्य कर रहे हों उन्हें अपने आवेदन-पत्र सम्बद्ध विभाग या कार्यालय के अध्यक्ष की मार्फत ही भेजना चाहिए जो आवेदन-पत्र के अन्त में दिए गए पृष्ठांकन को भर कर आयोग को भेज देगा। ऐसे उम्मीदवारों को स्वयं अपने हित में आवेदन-पत्रों की अग्रिम प्रतियां आयोग को सीधे भेजनी चाहिए। यदि ये आवेदन-पत्र निर्धारित शुल्क के साथ भेजे गए होंगे तो उन पर अन्तिम रूप से विचार कर लिया जाएगा किन्तु मूल आवेदन-पत्र साधारणतया अंतिम तारीख के बाद पन्द्रह दिन के अन्दर आयोग में पहुंच जाने चाहिए। यदि सरकारी सेवा में पहले से ही कार्यरत कोई व्यक्ति अपने आवेदन-पत्र की अग्रिम प्रति निर्धारित शुल्क के साथ नहीं भेजता है अथवा उसके द्वारा भेजा गया आवेदन-पत्र आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख को या उससे पहले प्राप्त नहीं होता है, तो उसके द्वारा अपने विभाग या कार्यालय के माध्यम से भेजा गया आवेदन-पत्र यदि आयोग के कार्यालय में अंतिम तारीख के बाद प्राप्त होता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा।

गैर-सरकारी नौकरी में लगे या सरकारी स्वामित्व वाले औद्योगिक उद्यमों या इसी प्रकार के अन्य संगठनों में काम करने वाले दूसरे सभी उम्मीदवारों के आवेदन-पत्र सीधे लिए जा सकते हैं। यदि कोई ऐसा उम्मीदवार अपना आवेदन-पत्र अपने नियोक्ता की मार्फत भेजता है और वह संघ लोक सेवा आयोग में देर से पहुंचता है तो उस पर विचार नहीं किया जाएगा, भले ही वह नियोक्ता को अंतिम तारीख से पहले प्रस्तुत किया गया हो।

3. उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के साथ निम्नलिखित प्रमाण-पत्र अवश्य भेजने चाहिए :—

- (i) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर या बैंक ड्राफ्ट (देखिए उपाबन्ध-I)।
- (ii) आयु के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iii) शैक्षिक योग्यता के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि।

(iv) उम्मीदवार के हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें० मी० x 7 सें० मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां।

(v) जहां लागू हो वहां अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति को होने के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 4)।

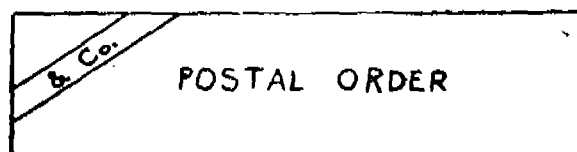
(v) जहां लागू हो वहां आयु/शुल्क में छूट के दावे के समर्थन में प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि (देखिए नीचे पैरा 5)।

नोट :—उम्मीदवारों को अपने आवेदन-पत्रों के साथ उपर्युक्त मद (ii), (iii), (v) तथा (vi) पर उल्लिखित प्रमाण-पत्रों की केवल प्रतिलिपियां ही प्रस्तुत करनी हों जो सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी द्वारा अभि-प्रमाणित हों अथवा स्वयं उम्मीदवारों द्वारा सही सत्यापित हों। जो उम्मीदवार परीक्षा परिणाम के आधार पर प्रवृत्ता प्राप्त कर लेते हों उन्हें लिखित परीक्षा के परिणाम घोषित किए जाने के तुरन्त बाद उपर्युक्त प्रमाण-पत्रों की मूल प्रतियां प्रस्तुत करनी होंगी। परिणामों के 1976 के दिसम्बर मास में घोषित किए जाने की संभावना है। उम्मीदवारों को इन प्रमाण-पत्रों को तैयार रखना चाहिए और परीक्षा-परिणाम की घोषणा के बाद शीघ्र ही आयोग को प्रस्तुत कर देना चाहिए। जो उम्मीदवार अयोग्य प्रमाण-पत्र मूल रूप में उस समय प्रस्तुत नहीं करेंगे उनकी उम्मीदवारी रद्द कर दी जाएगी और उनका आगे विचार किए जाने का दावा स्वीकार नहीं होगा।

मद (i) से (iv) तक उल्लिखित प्रलेखों के विवरण नीचे दिए गए हैं और मद (v) और (vi) में उल्लिखित प्रलेखों का विवरण पैरा 4 और 5 में दिया गया है :—

(i) (क) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित किए हुए भारतीय पोस्टल आर्डर :—

प्रत्येक पोस्टल आर्डर अनिवार्यतः इस प्रकार रेखांकित किया जाए :—



तथा इस प्रकार भरा जाए :—“Pay to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office”

किसी अन्य डाकघर पर देय पोस्टल आर्डर किसी भी हालत में स्वीकार नहीं किए जाएंगे। विरूपित या कटे फटे पोस्टल आर्डर भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे।

सभी पोस्टल ऑर्डरों पर जारी करने वाले पोस्ट मास्टर के हस्ताक्षर और जारी करने वाले डाकघर की स्पष्ट मुहर होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को यह अवश्य नोट कर लेना चाहिए कि जो पोस्टल ऑर्डर न तो रेखांकित किए गए हों और न ही सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को नई दिल्ली के जनरल डाकघर पर देय हों, उन्हें भेजना सुरक्षित नहीं है ।

(ख) निर्धारित शुल्क के लिए रेखांकित बैंक ड्राफ्ट

बैंक ड्राफ्ट स्टेट बैंक आफ इंडिया की किसी शाखा से प्राप्त किया जाए और वह सचिव, संघ लोक सेवा आयोग को स्टेट बैंक आफ इंडिया, पार्लियामेंट स्ट्रीट, नई दिल्ली में देय हो तथा विधिबद्ध रेखांकित किया गया हो ।

किसी अन्य बैंक में देय बैंक ड्राफ्ट किसी भी हालत में स्वीकृत नहीं किए जाएंगे । विरूपित या कटे फटे बैंक ड्राफ्ट भी स्वीकार नहीं किए जाएंगे ।

नोट :—जो उम्मीदवार आवेदन-पत्र भेजते समय विदेश में रह रहे हों, वे (निर्धारित शुल्क की राशि रु० 28.00 के बराबर और अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों के लिए रु० 7.00 के बराबर) उस देश में स्थित भारत के उच्च आयुक्त, राजदूत या प्रतिनिधि के कार्यालय में जमा करवा सकते हैं और उनसे कहा जाए कि वे उस राशि को लेखा शीर्ष "0.51—"PUBLIC SERVICE COMMISSION EXAM. FEES." में जमा कर दें । उम्मीदवार उस कार्यालय से रसीद लेकर आवेदन-पत्र के साथ भेजें ।

(ii) आयु का प्रमाण-पत्र:—

आयोग सामान्यतः जन्म की वह तारीख स्वीकार करता है जो मैट्रिकुलेशन के प्रमाण-पत्र या माध्यमिक विद्यालय छोड़ने के प्रमाण-पत्र या किसी भारतीय विश्वविद्यालय द्वारा मैट्रिकुलेशन के समकक्ष माने गए प्रमाण-पत्र या विश्वविद्यालय के समुचित प्राधिकारी द्वारा प्रमाणित विश्वविद्यालय के मैट्रिक पास छात्रों के रजिस्टर के उद्धरण में दर्ज की गई हो । जिस उम्मीदवार ने उच्चतर माध्यमिक परीक्षा अथवा समकक्ष परीक्षा उत्तीर्ण कर ली हो वह उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र अथवा समकक्ष प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत कर सकता है ।

अनुदेशों के इस भाग में आए मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र के अन्तर्गत उपर्युक्त वैकल्पिक प्रमाण-पत्र सम्मिलित हैं ।

कभी-कभी मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में जन्म की तारीख नहीं होती या आयु के केवल पूरे वर्ष या और महीने ही दिए जाते हैं । ऐसे मामलों में उम्मीदवारों को मैट्रिकुलेशन/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि के अतिरिक्त उस संस्था के हेडमास्टर प्रिंसिपल से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए जहां से उसने मैट्रिकुलेशन/उच्चतर

माध्यमिक परीक्षा उत्तीर्ण की हो । इस प्रमाण-पत्र में उस संस्था के दाखिला रजिस्टर में दर्ज की गई उसकी जन्म की तारीख या वास्तविक आयु लिखी होनी चाहिए ।

उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ इन अनुदेशों में निर्धारित आयु का पूरा प्रमाण नहीं भेजा गया तो आवेदन पत्र अस्वीकार किया जा सकता है । उन्हें यह भी चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र में लिखी जन्म की तारीख मैट्रिकुलेशन प्रमाण-पत्र/उच्चतर माध्यमिक परीक्षा प्रमाण-पत्र में दी गई जन्म की तारीख से भिन्न हो और इसके लिए कोई स्पष्टीकरण न दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है ।

नोट:—जित उम्मीदवार के पास पढ़ाई पूरी करके माध्यमिक विद्यालय छोड़ने का प्रमाण-पत्र हो, उसे उस प्रमाण-पत्र की केवल आयु से संबंध प्रविष्टि वाले पृष्ठ की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि ही भेजनी चाहिए ।

नोट:—उम्मीदवारों को ध्यान रखना चाहिए कि किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए उनके द्वारा जन्म की तारीख एक बार लिख भेजने और किसी परीक्षा में प्रवेश के लिए आयोग द्वारा उसके स्वीकृत हो जाने के बाद किसी अगली परीक्षा में उसमें कोई परिवर्तन करने की अनुमति सामान्यतः नहीं दी जाएगी ।

(iii) शैक्षिक योग्यता का प्रमाण-पत्र:—उम्मीदवार को प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भेजनी चाहिए ताकि इस बात का प्रमाण मिल सके कि नियम 7 में निर्धारित योग्यताओं में से कोई एक योग्यता उसके पास है । भेजा गया प्रमाण-पत्र उस प्राधिकारी (अर्थात् विश्वविद्यालय या किसी अन्य परीक्षा-निकाय) का होना चाहिए जिसने उसे वह योग्यता विशेष प्रदान की हो । यदि ऐसे प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि न भेजी जाए तो उम्मीदवार को उसे न भेजने का कारण अवश्य बताना चाहिए और अपेक्षित योग्यता से संबंध अपने दावे के प्रमाण में कोई अन्य साक्ष्य प्रस्तुत करना चाहिए । आयोग इस साक्ष्य के श्रोचित्य पर विचार करेगा, किन्तु वह उसे पर्याप्त मानने के लिए बाध्य नहीं है ।

नोट:—उन उम्मीदवारों को जो ऐसी परीक्षा में बैठ चुके हों जिसे उत्तीर्ण कर लेने पर आयोग की उक्त परीक्षा में बैठने के पात्र हो जाते हैं (किन्तु उन्हें उस परीक्षा का परिणाम सूचित न किया गया हो) तथा ऐसे उम्मीदवारों को भी जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठना चाहते हों, आयोग की इस परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा ।

(iv) फोटो की दो प्रतियां :—उम्मीदवार को अपने हाल ही के पासपोर्ट आकार (लगभग 5 सें 2 मी० × 7 सें 0 मी०) के फोटो की दो एक जैसी प्रतियां अवश्य भेजनी चाहिए । इनमें से एक प्रति आवेदन-पत्र के पहले पृष्ठ पर चिपका देनी चाहिए और दूसरी प्रति आवेदन-पत्र के साथ अच्छी तरह नत्थी कर देनी चाहिए । फोटो की प्रत्येक प्रति के ऊपर उम्मीदवार को स्याही से हस्ताक्षर करने चाहिए ।

ध्यान दें :—उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि यदि आवेदन-पत्र के साथ उपर्युक्त पैराग्राफ 3 (ii), 3 (iii) तथा 3 (iv) के अन्तर्गत उल्लिखित प्रमाण-पत्रों में से कोई एक संलग्न न होगा और उसे न भेजने का कोई उचित स्पष्टीकरण नहीं दिया गया हो तो आवेदन-पत्र अस्वीकार किया जा सकता है तथा इस अस्वीकृति के विरुद्ध किसी अपील पर विचार नहीं किया जाएगा। जो प्रमाण-पत्र आवेदन-पत्र के साथ न भेजे गए हों उन्हें आवेदन-पत्र भेजने के बाद शीघ्र ही भेज देना चाहिए और वे हर हालत में आयोग के कार्यालय में आवेदन-पत्र स्वीकार करने की अंतिम तारीख से एक सप्ताह के भीतर अवश्य पहुंच जाने चाहिए, अन्यथा आवेदन-पत्र रद्द किया जा सकता है।

4. यदि कोई उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का होने का दावा करे तो उसे अपने दावे के समर्थन में उस जिले के, जिसमें उसके माता पिता (या जीवित माता या पिता) आमतौर से रहते हों, जिला अधिकारी या उप मण्डल अधिकारी या निम्नलिखित किसी अन्य ऐसे अधिकारी, से जिसे संबंध राज्य सरकार ने यह प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी के रूप में नामित किया हो, नीचे दिए गए फार्म में प्रमाण-पत्र लेकर उनकी एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए। यदि उम्मीदवार के माता और पिता दोनों की मृत्यु हो गई हो तो यह प्रमाण-पत्र उस जिले के अधिकारी से लिया जाना चाहिए जहां उम्मीदवार अपनी शिक्षा से भिन्न किसी अन्य प्रयोजन से आम तौर पर रहता हो।

भारत सरकार के पदों पर नियुक्ति के लिए आवेदन करने वाले अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जन जातियों के उम्मीदवारों द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म:—

प्रमाणित किया जाता है कि श्री/श्रीमति/कुमारी*
 सुपुत्र/सुपुत्री* श्री _____ जो गांव/
 कस्बा* _____ जिला/राज्य/संघ राज्य क्षेत्र मण्डल* _____
 के/की है निवासी है _____

जाति/जन जाति* के/की है जिसे निम्नलिखित के अधीन अनुसूचित जाति/अनुसूचित जन जाति के रूप में मान्यता दी गई है।

संविधान (अनुसूचित जातियां) आदेश, 1950* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) आदेश, 1950* ।

संविधान (अनुसूचित जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951* ।

संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951* ।

अनुसूचित जातियां और अनुसूचित जन जातियां सूची (आशो-धन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम, 1966, हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 और उत्तरा पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम 1971 द्वारा यथा संशोधित ।

संविधान (जम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956* ।

संविधान (अंडमान और निकोबार द्वीपसमूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962* ।

संविधान (दादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1962* ।

संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964 ।

संविधान (अनुसूचित जन-जातियां) (उत्तर प्रदेश) आदेश, 1967* ।

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968* ।

संविधान (गोआ, दमन तथा दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968* ।

संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970* ।

2. श्री/श्रीमती/कुमारी* _____ और/
 या* उनका परिवार आम तौर से गांव/कस्बा* _____
 _____ जिला/मण्डल* _____ में
 राज्य/संघ* राज्य क्षेत्र _____ में रहते/
 रहती* हैं ।

हस्ताक्षर _____

**पदनाम _____

स्थान _____ (कार्यालय की मोहर)

तारीख : _____

राज्य _____

संघ राज्य क्षेत्र*

*जो शब्द लागू न हों उन्हें कृपया काट दें।

नोट:—जहां "आमतौर से रहते/रहती हैं" का अर्थ वही होगा जो "रिप्रेजेंटेशन आफ दि पीपुल ऐक्ट, 1950" की धारा 20 में है।

**अनुसूचित जाति/जन जाति प्रमाण-पत्र जारी करने के लिए सक्षम अधिकारी

(i) जिला मैजिस्ट्रेट/अतिरिक्त जिला मैजिस्ट्रेट/कलेक्टर/डिप्टी कमिशनर/एंडीशनल डिप्टी कमिशनर/डिप्टी कलेक्टर/प्रथम श्रेणी का स्टैंडपेंडरी मैजिस्ट्रेट/सिटी मैजिस्ट्रेट/सब डिविजनल मैजिस्ट्रेट/तालुक मैजिस्ट्रेट/एक्जीक्यूटिव मैजिस्ट्रेट/एक्स्ट्रा असिस्टेंट कमिशनर ।

(प्रथम श्रेणी का स्टैंडपेंडरी मैजिस्ट्रेट से कम ओहदा का नहीं) ।

(ii) चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/एंडीशनल चीफ प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट/प्रेसिडेन्सी मैजिस्ट्रेट ।

- (iii) रेवेन्यू अफसर, जिनका ओहदा तहसीलदार से कम न हो।
- (iv) उस इलाके का सब-डिवीजनल अफसर जहाँ उम्मीदवार और या उसका परिवार काम तौर से रहता हो।
- (v) ऐडमिनिस्ट्रेटर/ऐडमिनिस्ट्रेटर का सचिव/डेपुटी सचिव अफसर, लक्षद्वीप।

5. (i) नियम 6 (ग) (ii) अथवा 6 (ग) (iii) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से विस्थापित व्यक्ति को निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) से वास्तविक विस्थापित व्यक्ति है और 1 जनवरी, 1964 को अथवा उसके बाद किन्तु 25 मार्च, 1971 के पूर्व प्रजनन कर भारत आया है :—

- (1) डंडकारण्य परियोजना के टू जिट केन्द्रों अथवा विभिन्न राज्यों में स्थित सहायता शिविरों के कैम्प कमांडेंट।
- (2) उस क्षेत्र का जिला मजिस्ट्रेट जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है।
- (3) संबद्ध जिलों में शरणार्थी पुनर्वास कार्य के प्रभारी अतिरिक्त जिला मजिस्ट्रेट।
- (4) अपने ही कार्यभार के अधीन, संबद्ध सब-डिवीजनल अफसर।
- (5) उप शरणार्थी पुनर्वास आयुक्त, पश्चिमी बंगाल/निवेशक (पुनर्वास), कलकत्ता।

यदि वह उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभि-प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(ii) नियम 6 (ग) (iv) अथवा 6 (ग) (v) के अन्तर्गत आयु में छूट का दावा करने वाले श्रीलंका से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को श्रीलंका में भारत के उच्च आयुक्त के कार्यालय से लिए गए इस आशय के प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अन्तर्गत 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबंध 1 के पैरा 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मंडल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(iii) नियम 6 (ग) (vi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले कीनिया, उगांडा तथा संयुक्त गणराज्य टंजानिया से आए हुए उम्मीदवार को, उस क्षेत्र के जिला मजिस्ट्रेट से जहाँ वह इस समय निवास कर रहा है, लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभि-

प्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह वास्तव में उपर्युक्त देशों से आया है।

(iv) नियम 6 (ग) (vii) अथवा 6 (ग) (viii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट का दावा करने वाले बर्मा से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति को भारतीय राजदूतावास, रंगून द्वारा दिए गए पहिचान प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह एक भारतीय नागरिक है जो 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है, अथवा उसे जिस क्षेत्र का वह निवासी है उसके जिला मजिस्ट्रेट से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह बर्मा से आया हुआ वास्तविक प्रत्यावर्तित व्यक्ति है और 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत आया है।

यदि वह उपाबंध I के पैराग्राफ 2 के अन्तर्गत शुल्क में छूट चाहता है तो उसको किसी जिला अधिकारी से अथवा सरकार के किसी राजपत्रित अधिकारी से अथवा संसद या राज्य विधान मण्डल के किसी सदस्य से लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि भी यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह निर्धारित शुल्क दे सकने की स्थिति में नहीं है।

(v) नियम 6 (ग) (ix) अथवा 6 (ग) (x) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले ऐसे उम्मीदवार को, जो रक्षा सेवा में कार्य करते हुए विकलांग हुआ, महानिदेशक, पुनर्वासन, रक्षा मंत्रालय से नीचे दिए हुए निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में अथवा अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुआ और परिणामस्वरूप निर्मूलक हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि मूलतः—

के रक नं० — श्री —
रक्षा सेवाओं में कार्य करते हुए विदेशी शत्रु देश के साथ संघर्ष में/ अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्रवाई के दौरान विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मूलक हुए।

हस्ताक्षर—

पदनाम—

तारीख—

*जो शब्द लागू नहीं उसे कृपया काट दें।

(vi) नियम 6 (ग) (xi) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो 20 दिसम्बर, 1961 से पूर्व गोआ, दमन तथा दियू के भूतपूर्व पुर्तगाली क्षेत्रों का निवासी था, अपने दावे के समर्थन में निम्नलिखित प्राधिकारियों में से किसी एक से लिए गए प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करनी चाहिए :—

- (1) सिविल प्रशासन का निदेशक
- (2) कौंसिलहौस के प्रशासक
- (3) मामलातदार

(vii) नियम 6 (ग) (xii) या 6 (ग) (xiii) के अन्तर्गत आयु-सीमा में छूट चाहने वाले उम्मीदवार को, जो सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए विकलांग हुआ है, महानिदेशक, सीमा सुरक्षा दल, ग्रह मंत्रालय से नीचे निर्धारित फार्म पर लिए गए प्रमाण-पत्र की अभिप्रमाणित प्रमाणित/प्रतिलिपि यह दिखलाने के लिए प्रस्तुत करनी चाहिए कि वह सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुआ और उसके परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुआ।

उम्मीदवार द्वारा प्रस्तुत किए जाने वाले प्रमाण-पत्र का फार्म

प्रमाणित किया जाता है कि यूनिट —————

के रैंक नं० ————— श्री —————
सीमा सुरक्षा दल में कार्य करते हुए 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान फौजी कार्रवाई में विकलांग हुए और उस विकलांगता के परिणामस्वरूप निर्मुक्त हुए।

हस्ताक्षर —————

पदनाम —————

तारीख —————

(viii) नियम 6 (ख) के अन्तर्गत आयु सीमा में छूट चाहने वाले और/या उपाबंध I के पैरा 2 के अन्तर्गत शूक म छूट चाहने वाले भूतपूर्व सैनिक को अपने भूतपूर्व सैनिक होने के प्रमाण स्वरूप, थल सेना/वायु सेना/नौ-सेना प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए कार्य-मुक्ति प्रमाण-पत्र की एक अभिप्रमाणित/प्रमाणित प्रतिलिपि प्रस्तुत करने चाहिए। उक्त प्रमाण-पत्र में उसके सशस्त्र सेनाओं में भर्ती की सही तारीख तथा सशस्त्र सेनाओं से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की तारीख अथवा सशस्त्र सेनाओं से उसकी निर्मुक्ति अथवा सशस्त्र सेनाओं के रिजर्व में उसके स्थानान्तरण की प्रत्याशित तारीख का उल्लेख अवश्य होना चाहिए।

6. यदि किसी व्यक्ति के लिए पात्रता प्रमाण-पत्र आवश्यक हो तो उसे अभीष्ट पात्रता प्रमाण-पत्र प्राप्त करने के लिए भारत सरकार, मंत्रिमंडल सचिवालय (कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग) को आवेदन करना चाहिए।

7. उम्मीदवारों को चेतावनी दी जाती है कि वे आवेदन-पत्र भरते समय कोई झूठा ब्योरा न दें और न ही किसी महत्वपूर्ण सूचना को छिपाएं।

उम्मीदवारों को यह भी चेतावनी दी जाती है कि वे अपने द्वारा प्रस्तुत किए गए अथवा उसकी प्रतिलिपि की किसी प्रविष्टि को किसी भी स्थिति में न तो ठीक करें, न उसमें परिवर्तन करें, और न कोई फेरबदल करें और न ही फेरबदल किए गए/झूठे प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करें। यदि ऐसे दो या अधिक प्रमाण-पत्रों या उनकी प्रतियों में कोई अशुद्धि अथवा विसंगति हो तो विसंगति के संबंध में स्पष्टीकरण प्रस्तुत किया जाए।

8. आवेदन-पत्र देर से प्रस्तुत किए जाने पर देरी के कारण के रूप में यह तर्क स्वीकार नहीं किया जाएगा कि आवेदन-पत्र ही अमुक तारीख को भेजा गया था। आवेदन-पत्र का भेजा जाना ही स्वतः इस बात का सूचक न होगा कि प्रपत्र पाने वाला परीक्षा में बैठने का पात्र हो गया है।

9. यदि परीक्षा से संबंध आवेदन-पत्रों के पहुंच जाने की आखिरी तारीख से एक महीने के भीतर उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र की पावती (एकनालिजमेंट) न मिले तो उसे पावती प्राप्त करने के लिए आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए।

10. इस परीक्षा के प्रत्येक उम्मीदवार को उसके आवेदन-पत्र के परिणाम की सूचना यथाशीघ्र दे दी जाएगी। किन्तु यह नहीं कहा जा सकता कि परिणाम कब सूचित किया जाएगा। यदि परीक्षा के आरंभ होने की तारीख से एक महीने पहले तक उम्मीदवार को अपने आवेदन-पत्र के परिणाम के बारे में संघ लोक सेवा आयोग से कोई सूचना न मिले तो परिणाम की जानकारी के लिए उसे आयोग से तत्काल संपर्क स्थापित करना चाहिए। यदि उम्मीदवार ने ऐसा नहीं किया तो वह अपने मामले में विचार किए जाने के दावे से वंचित हो जाएगा।

11. पिछली पांच परीक्षाओं के नियमों और प्रश्न-पत्रों से संबंध पुस्तिकाओं की बिक्री प्रकाशन नियंत्रक, सिविल लाइन्स, दिल्ली (110006) के द्वारा की जाती है और उन्हें वहां से मेल आर्डर अथवा नकद भुगतान द्वारा सीधे प्राप्त किया जा सकता है। उन्हें (i) किताब महल, रिबोली सिनेमा के सामने, एम्पोरिया बिल्डिंग, "सी०" ब्लाक बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली-110001, (ii) प्रकाशन शाखा की बिक्री काउंटर, उद्योग भवन, नई दिल्ली-110001, संघ लोक सेवा आयोग का कार्यालय धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011 और (iii) गवर्नमेंट आफ इंडिया बुक डिपो, 8-के० एस० राय रोड़, कलकत्ता-1 से भी केवल नकद पैसा देकर खरीदा जा सकता है। ये पुस्तिकाएं विभिन्न मुफ़्तसल नगरों में भारत सरकार के प्रकाशन एजेंटों से भी प्राप्त की जा सकती हैं।

12. आवेदन-पत्र से संबंध पत्र-व्यवहार:—आवेदन-पत्र से संबंध सभी पत्र आदि सचिव, संघ लोक सेवा आयोग, धौलपुर हाउस, नई दिल्ली-110011, को भेजे जाएं तथा उनमें नीचे लिखा ब्योरा अनिवार्य रूप से दिया जाए:—

- (1) परीक्षा का नाम।
- (2) परीक्षा का महीना और वर्ष
- (3) रोल नंबर अथवा उम्मीदवार की जन्म तिथि, यदि रोल नंबर सूचित नहीं किया गया हो।
- (4) उम्मीदवार का नाम (पूरा तथा बड़े अक्षरों में)।
- (5) आवेदन-पत्र में दिया गया पत्र-व्यवहार का पता।

ध्यान दें:—जिन पत्रों आदि में यह ब्योरा नहीं होगा संभव है कि उन पर ध्यान नहीं दिया जाए।

13. पत्रों में परिवर्तन:—उम्मीदवार को इस बात की व्यवस्था कर लेनी चाहिए कि उसके आवेदन-पत्र में उल्लिखित पत्र पर भेजे गए पत्र आदि, आवश्यक होने पर, उसको बचले हुए पत्र पर मिल जाया करें। पत्रों में किसी भी प्रकार का परिवर्तन होने पर आयोग को उसकी सूचना, उपर्युक्त पैरा 12 में उल्लिखित ब्योरे के साथ यथाशीघ्र दी जानी चाहिए। यद्यपि आयोग ऐसे परिवर्तनों पर ध्यान देने का पूरा पूरा प्रयत्न करता है किन्तु इस विषय में वह कोई जिम्मेवारी स्वीकार नहीं करता।

SUPREME COURT OF INDIA

New Delhi, the 11th November 1975

No. F. 22/76-SCA (G).—In pursuance of sub-rule (3) of rule 4 of Order II of Supreme Court Rules, 1966 as amended, the Hon'ble the Chief Justice of India has been pleased to direct that the following days be observed as Court holidays during the year 1976:

Name of Holiday	Date and Month	Day of the week	No. of days
Muharram	14th January	Wednesday	1
Republic Day	26th January	Monday	1
Basant Panchami	5th February	Thursday	1
Holi	15th & 16th March	Monday & Tuesday	2
Ramnavami	9th April	Friday	1
Mahavir Jayanti	12th April	Monday	1
Baisakhi	13th April	Tuesday	1
Good Friday	16th April	Friday	1
Janmashtami	18th August	Wednesday	1
Dussehra	27th September to 1st October	Monday to Friday	5
Mahatma Gandhi's Birthday	2nd October	Saturday	1
Diwali	21st & 22nd October	Thursday & Friday	2
Guru Nanak's Birthday	6th November	Saturday	1
Id-uz-zuha (Bakrid)	3rd December	Friday	1
Christmas & New Year Holidays	20th December 1976 to 1st January 1977	Monday to Saturday	13

By Order
S. K. GUPTA
Registrar (Admn.)

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

New Delhi-110011, the 4th November 1975

No. P/1739-Admn.I.—On the expiry of his tenure as Deputy Secretary, Union Public Service Commission, the services of Shri R. M. Arora, an officer of Indian Railway Accounts Service, are replaced at the disposal of the Ministry of Railways (Railway Board) with effect from the afternoon of 4th November, 1975.

P. N. MUKHERJEE,
Under Secretary,
Union Public Service Commission.

CABINET SECRETARIAT

(DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADM. REFORMS)

CENTRAL BUREAU OF INVESTIGATION

New Delhi, the 4th November 1975

No. A-22013/2/75-AD-V.—The Director, Central Bureau of Investigation and Inspector General of Police, Special Police Establishment hereby appoints Shri K. Kasirajan, a deputationist Inspector of Police of Tamil Nadu State to officiate as Deputy Supdt. of Police in the Central Bureau of Investigation, Special Police Establishment with effect from the forenoon of 16.10.75, until further orders.

The 7th November 1975

No. T-8/72-AD.V.—Consequent on his repatriation, Shri T. R. Sriramulu, relinquished charge of the Office of Deputy Superintendent of Police, Central Bureau of Investigation, E.O.W. Madras on the afternoon of 15.10.75.

The 10th November 1975

No. S-29/72-AD-V.—Shri S. A. Shakur, Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation relinquished charge of the office of Deputy Supdt. of Police, Central Bureau of Investigation, FS(1) Branch, New Delhi, on the afternoon of 3.10.75 and proceeded 120 days L.P.R. with effect from 4.10.75 to 31.1.76.

He will retired from Govt. Service with effect from 31.1.1976.

G. L. AGARWAL,
Administrative Officer (E),
C.B.I.

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL CRP FORCE

New Delhi-110001, the 7th November 1975

No. O.II-1236/75-Estt.—In continuation of this Dte. General Notification No. P.VII-4/74-Estt dated 30.5.75, the President is pleased to appoint on promotion Shri Ramesh Gurbani as Dy. SP in the CRPF until further orders.

No. F.2/3/75-Estt.—The President is pleased to appoint on promotion Subedar Onkar Singh of 32nd Bn CRPF to the post of Dy. SP (Coy. Comdr/QM) in a temporary capacity until further orders.

2. He took over charge of the post of Dy. SP (Coy Comdr/QM) 51st Bn CRPF on the forenoon of 27th September, 1975

A. K. BANDYOPADHYAY,
Assistant Director (Adm.).

DIRECTORATE OF COORDINATION
(POLICE WIRELESS)

New Delhi-110001, the 4th November 1975

No. A.38/5/74-Wireless.—The ad hoc period of appointment of Shri P. J. Zachariah as Extra Assistant Director is extended upto 31st December, 1975 (AN) or till the post is filled on regular basis, whichever is earlier.

C. P. JOSHI, Director,
Police Telecommunications.

OFFICE OF THE INSPECTOR GENERAL
CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi-110003, the 28th October 1975

No. E-38013(3)/4/74-Ad.I.—Shri Ishwar Singh, Assistant Commandant, Durgapur Steel Plant with Headquarters at Sindri, relinquished the charge of the said post with effect from the Forenoon of 1st November, 1974 and assumed the charge of the post of Assistant Commandant No. 7 Bn/ CISF, with Headquarters at Fertilizer Corporation of India, Sindri with effect from the Forenoon of the same date.

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer from Khetri, Sh. SN Ganju assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force, Unit, Fertilizer Corporation of India, Gorakhpur with effect from the Afternoon of 27.9.75, vice Shri K. K. Kaul who on transfer to Bokaro Steel City, relinquished the charge of the said post with effect from the Afternoon of the same date.

No. E-38013(3)/8/75-Ad.I.—On transfer from Gorakhpur, Shri K. K. Kaul, assumed the charge of the post of Assistant Commandant, Central Industrial Security Force Unit, Bokaro Steel Limited, Bokaro Steel, City with effect from the Forenoon of 8th October, 1975.

L. S. BISHT, Inspector General

OFFICE OF THE REGISTRAR GENERAL, INDIA

New Delhi-110011, the 7th November 1975

No. 12/5/74-RG(Ad. 1).—The President is pleased to continue the *ad-hoc* appointment of Smt. Krishna Chaudhuri as Linguist in the office of the Assistant Registrar General (Language) for a further period of three months with effect from the 8th October, 1975 upto the 7th January 1976 or until further orders whichever is earlier.

The 10th November 1975

No. 25/27/72-RG(Ad. I).—In continuation of this office notification of even number dated the 29th May, 1975, the President is pleased to extend the *ad-hoc* appointment of Shri B. L. Bhan as Deputy Director of Census Operations in the office of the Director of Census Operations, Jammu & Kashmir, Srinagar for a further period of six months with effect from the 1st November, 1975 or till Shri Abdul Gani returns from his foreign assignment, whichever is earlier, on existing terms and conditions.

BADRI NATH,
Deputy Registrar General of India, &
ex-officio Deputy Secretary

MINISTRY OF FINANCE
(DEPARTMENT OF ECONOMIC AFFAIRS)
BANK NOTE PRESS

Dewas (M.P.), the 30th October 1975

F. No. BNP/C/57/75.—Shri R. K. Mehrotra, Asstt. Shop Superintendent (Electrical), Jamalpur, Eastern Railway is appointed on deputation as Assistant Engineer (Electrical) in the Bank Note Press, Dewas for a period of one year w.e.f. 28.10.1975 (Fore Noon).

D. C. MUKHERJEA,
General Manager.

OFFICE OF THE CONTROLLER OF INSURANCE

Simla-4, the 9th July 1975.

No. Ins.27(7)Adm/74.—Shri M. Srinivasan, officiating Assistant Controller of Insurance in the Office of the Controller of Insurance, having reached the age of superannuation has retired from Government service with effect from the 30th June 1975 (afternoon).

No. Ins.27(4)Adm/74.—Shri S. Krishnamurthy, officiating Deputy Controller of Insurance, in the Office of the Controller of Insurance, having reached the age of superannuation has retired from Government service with effect from the 30th June, 1975 (afternoon).

G. H. DAMLE,
Controller of Insurance.

INDIAN AUDIT AND ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL, CENTRAL
REVENUES

New Delhi-110001, the 11th November 1975

No. Admn.I/5-5/Promotion/O.O.585/1985.—The Accountant General Central Revenue has appointed Shri O. P. Chopra III, a permanent Section Officer of this office, to officiate as Accounts Officer in the time scale of Rs. 840—1200 w.e.f. 28.10.75 forenoon, until further orders.

H. S. DUGGAL,
Sr. Dy. Accountant General.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
KARNATAKA

Bangalore, the 27th October 1975

OFFICE ORDER

No. ES.I/A.4/451.—Shri N. S. Mani, Officiating Accounts Officer of the office of the Accountant General, Karnataka,

Bangalore is appointed in a substantive capacity in grade of Accounts Officer with effect from 1-9-75 in the same office.

D. H. VEERAAIAH,
Accountant General.

OFFICE OF THE ACCOUNTANT GENERAL,
ANDHRA PRADESH-I

Hyderabad-500004, the 6th November 1975

No. E.B.I/8-312/74-75.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri A. Bhimasankara Rao a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29.10.75 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B.I/8-312/74-75.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Shri D. Sivaramaiah a permanent Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29.10.75 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

No. E.B.I/8-132/74-75.—The Accountant General, Andhra Pradesh-I, has been pleased to promote Sri Ch. Anjanajulu Section Officer in the Office of the Accountant General, Andhra Pradesh, Hyderabad, to officiate as Accounts Officer in the scale of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 29.10.75 AN until further orders.

The promotion ordered is without prejudice to the claims of his seniors.

(Sd.) ILLEGIBLE,
Sr. Deputy Accountant General (Admn.)

DEFENCE ACCOUNTS DEPARTMENT
OFFICE OF THE CONTROLLER GENERAL OF
DEFENCE ACCOUNTS

New Delhi, the 11th November 1975

No. 40011(2)/75-AN-A—(1) The undermentioned Accounts Officers will be transferred to the pension establishment with effect from the afternoon of the date shown against each on their attaining the age of superannuation.

Serial No.	Name with Roster Number	Grade	Date from which transferred to pension establishment	Organisation
1	2	3	4	5
	Sarvashri			
1.	A.V. Joshi (P/389)	Permanent Accounts Officer.	31-1-76	Controller of Defence Accounts (Officers) Poona.
2.	S. Krishnamurthy (P/417)	Permanent Accounts Officer.	31-1-76	Controller of Defence Accounts (Air Force) Dehra-Dun.
3.	N. K. Bhattacharjee (P/465)	Permanent Accounts Officer.	31-12-75	Controller of Defence Accounts (Factories) Calcutta.

1	2	3	4	5
4.	S. S. Gupta (P/560)	Permanent Accounts Officer.	31-1-76	Controller of Defence Ac- counts Patna.
5.	P. V. Dango (0/214)	Officiating Accounts Officer.	31-1-76	Controller of Defence Ac- counts (Offi- cers) Poona.
6.	B.C. Bose (0/221)	Officiating Accounts Officer.	31-1-76	Controller of Defence Ac- counts Patna.
7.	Dina Nath Bhag- otra (0/334)	Officiating Accounts Officer.	31-12-75	Controller of Defence Ac- counts (Fa- ctories) Cal- cutta.
8.	J.S. Gupta (0/375)	Officiating Accounts Officer.	31-1-76	Joint Controller of Defence Ac- counts (Funds) Meerut.
9.	S.C. Chakravarty (N.Y.A.)	Officiating Accounts Officer.	31-12-75	Controller of Defence Ac- counts (Factori- es) Calcutta.

Shri N. K. Bhattacharjee has been granted earned leave for 85 days from 8-10-75 to 31-12-1975 pending retirement.

(2) Shri N. R. Ramaswamy, Permanent Accounts Officer (Roster No. P/89), serving in the organisation of the Controller of Defence Accounts (Navy) Bombay, will retire from service under the provisions of Article 459(h) Civil Service Regulations, Volume I. He will be transferred to the pension establishment with effect from the forenoon of 20th December, 1975.

(3) Shri R. V. S. Ramasarma, Officiating Accounts Officer (Roster No. 0/1) of the organisation of the Controller of Defence Accounts, Southern Command, Poona has been struck off the strength of this department with effect from the forenoon of 21st October 1975 i.e. after 7 years from the date of his reported missing.

(4) The following is added below sub para (b) to this department notification bearing No. 40011(2)/75-AN-A dated 22-8-75.

"Shri K. K. Malhotra, Officiating Accounts Officer has been granted leave as under :—

- (1) Earned leave for 22 days from 1-9-75 to 22-9-75 and half pay leave for 8 days from 23-9-75 to 30-9-75.
- (2) Half pay leave for 538 days from 1-10-75 to 21-3-77 under Rule 39(6) of CCS (Leave) Rules 1972."

S. K. SUNDARAM,
Addl. Controller General of Defence Accounts (AN)

MINISTRY OF DEFENCE

DIRECTORATE GENERAL, ORDNANCE FACTORIES INDIAN ORDNANCE FACTORIES SERVICES

Calcutta, the 28th October 1975

No. 41/75-G.—The President is pleased to appoint the undermentioned officers as Offg. General Manager Gr-I/ADGOF Gr-I with effect from the date shown against them, until further orders :—

- (1) Shri N. K. Padmanabhan, Pt. General Manager/Gr-II, 1st April 1974.
- (2) Shri S. G. Ranade, Pt. General Manager/Gr-II, 22nd September 1975.
- (3) Shri M. P. R. Pillai, Pt. ADGOF/Gr-II, 22nd September 1975.
- (4) Shri M. N. Shukla, Pt. ADGOF/Gr-II, 22nd September 1975.
- (5) Shri Y. C. Subrahmanya, Pt. Deputy General Manager 22nd September 1975.

R. M. MUZUMDAR,
Director General, Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE

New Delhi, the 31st October 1975

No. 94/1975(A/19011/39/72-E.I.).—The President is pleased to appoint Shri Jaswant Singh, officiating Senior Investigator in the Directorate of Exhibitions & Commercial Publicity, Ministry of Commerce to officiate as Assistant Director of Exhibitions, on ad-hoc basis, in the same Directorate, with effect from the forenoon of 6th October, 1975, for a period of three months or till the vacancy exists, whichever is earlier.

O. P. GUPTA,
Under Secy.

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-400020, the 11th November 1975

No. EST-I-2(636).—The Textile Commissioner is pleased to appoint with effect from the forenoon of the 1st October, 1974 and until further orders Shri P. D. Keny, Technical Investigator in the Office of the Textile Commissioner, Bombay, as Assistant Director Grade II (P&D) in the same office.

VIRENDRA B. VERMA,
Deputy Director.

MINISTRY OF INDUSTRY & CIVIL SUPPLIES (DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER (SMALL SCALE INDUSTRIES)

New Delhi-110011, the 7th November 1975

No. A-19018/6/73-Admn(G).—The Ministry of Industry & Civil Supplies (Department of Industrial Development) conveyed the sanction of the President to the withdrawal of resignation by Shri R. Viswanatha Rao, Assistant Director (Gr. II) in Small Industry Development Organisation.

2. Consequent upon withdrawal of resignation, the Development Commissioner, Small Scale Industries, has been pleased to post Shri R. Viswanatha Rao (a quasi permanent Small Industry Promotion Officer in the Small Industry Development Organisation) as Assistant Director (Gr. II) (in the scale of Rs. 650—960) in the Small Industries Service Institute, Madras, on *ad hoc* basis.

3. He assumed charge as Assistant Director (Gr. II) at Small Industries Service Institute, Madras, on the forenoon of 22.9.1975.

No. A-19018/140/74-Admn(G).—Consequent upon his deputation on foreign service terms to Small Industry Extension Training Institute, Hyderabad, for appointment as Associate Faculty Member, Shri M. L. Tandon relinquished charge of the post of Assistant Director (Grade II) at Small Industries Service Institute, New Delhi, on the afternoon of 22.9.1975, and assumed charge at Small Industry Extension Training Institute, Hyderabad, on the forenoon of 1st October, 1975.

K. V. NARAYANAN,
Director (Admn.)

MINISTRY OF STEEL AND MINES (DEPARTMENT OF STEEL) IRON AND STEEL CONTROL

Calcutta-700020, the 6th November 1975

No. EI-2(2)/71(.).—Shri Monimoy Ghosh, Asstt. Director (Admn) is hereby appointed to officiate in the post of Dy. Asstt. Iron & Steel Controller w.e.f. 5.11.75 (F.N.).

2. Shri B. B. Biswas, Dy Asstt Iron & Steel Controller is hereby appointed to officiate in the post of Asstt. Director (Administration) w.e.f. 5.11.75 (F.N.).

T. GHOSH,
Iron & Steel Controller.

(DEPARTMENT OF MINES)

Calcutta-700013, the 10th November 1975

No. 7099/B3(5)/71(TKS)/19B.—Shri Tuhin Kumar Sinha, M. Tech., is appointed as Assistant Geophysicist (Instrumentation) in the Geological Survey of India on pay of Rs. 650/- per month in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200/- in an officiating capacity with effect from the forenoon of 22nd September, 1975, until further orders.

V. K. S. VARADAN,
Director General.

INDIAN BUREAU OF MINES

Nagpur, the 31st November 1975

No. A.19011(118)/70-Estt.A.—On acceptance of the resignation tendered by Shri D. V. Chawala, officiating Deputy Controller of Mines, Indian Bureau of Mines, by the competent authority, Shri Chawala was relieved of his duties and struck off the strength of this department with effect from the afternoon of 15th September, 1975.

L. C. RANDHIR,
Administrative Officer,
for Controller.

SURVEY OF INDIA
SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 4th November 1975

No. C-5018/707.—Shri Ram Singh, Surveyor Sel, Grade in Class III Division I Service, is appointed to officiate as Officer Surveyor in Class II Service (Gazetted), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 18.7.75 (FN).

HARI NARAIN,
Surveyor General of India,

ARCHAEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

New Delhi-1, the 4th November 1975

No. 1/5/73-Ant.—In order to expedite the passing of articles, objects or things of export, which are not antiquities, under the Antiquities (Export Control) Act, 1947, the Director General, Archaeological Survey of India hereby sets up a Committee of Experts at Srinagar (J&K). The members of this Committee will be as under :—

Convener

1. Superintendent Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Frontier Circle, Srinagar.

Alternative Convener

2. Deputy Superintending Archaeologist,
Archaeological Survey of India,
Frontier Circle, Srinagar.

Members

3. Dr. S. M. Iqbal,
Director of Archaeology,
Museums and Library, Srinagar.
4. Shri P. N. Pushp,
Formerly Director of Archaeology,
Research and Museum, Srinagar.
5. Shri J. L. Bhan, Curator,
S.P.S. Museum, Srinagar.

N. R. BANERJEE,
Director (Antiquities),
for Director General.

DEPARTMENT OF SCIENCE AND TECHNOLOGY
(BOTANICAL SURVEY OF INDIA)

OFFICE OF THE DIRECTOR, INDIAN BOTANIC GARDEN

Howrah-711103, the 29th October 1975

No. BSI.66/97/75-Estt.—On recommendation of the UPSC, the Director-in-Charge, Botanical Survey of India, hereby appoints Dr. Vijendra Singh to the post of Botanist, Arid Zone Circle, Botanical Survey of India, at Jodhpur, vice Dr. G. L. Tewari, Botanist, Arid Zone Circle, Botanical Survey of India, resigned, in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—880—40—1000—EB—40—1200, plus usual allowances, as admissible under rules, with effect from the afternoon of 3rd October, 1975, until further orders.

J. C. BANERJEE,
Accounts Officer.

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO

New Delhi, the 31st October 1975

No. 12/7/73-Vig.—Shri J. N. Bhargava, relinquished charge of the post of Farm Radio Officer at All India Radio, Rampur, on the afternoon of October 15, 1975, consequent on his resignation from the post.

No. 12/1/75-Vig.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri Puran Mal B. Kuril, Agricultural Supervisor, Jalna, Aurangabad (Maharashtra State), as Farm Radio Officer in All India Radio, Poona w.e.f. the forenoon of the 11th September, 1975 in a temporary capacity until further orders.

HARJIT SINGH,
Deputy Director Administration,
for Director General.

New Delhi, the 11th November 1975

No. 5(36)/67-SI.—Shri D. N. Banerjee, Programme Executive, All India Radio, Port Blair relinquished charge of the post of Programme Executive on the forenoon of the 1st July, 1975 consequent on his reversion to the non-Gazetted post of Transmission Executive at the same Station.

The 16th November 1975

No. 13(2)/74-SI.—The Director General, All India Radio, hereby appoints Shri S. P. Saxena, Post Graduate Teacher of the Directorate of Education, Delhi Administration, Delhi as a Television Officer in the Television Centre, All India Radio, New Delhi, on deputation basis with effect from the 1st September, 1975 until further orders.

SHANTI LAL,
Deputy Director of Administration,
for Director General.

MINISTRY OF INFORMATION & BROADCASTING
DIRECTORATE OF ADVERTISING & VISUAL PUBLICITY

New Delhi, the 7th November 1975.

No. A.31014/4/75-Estt.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity hereby appoints Shri P. S. Narayanan substantively to the grade of Assistant Production Manager (PP) in this Directorate with effect from the 20th September, 1975.

The 10th November 1975

No. A.31014/1/75-EST.I.—The Director of Advertising & Visual Publicity is pleased to appoint the following Officers substantively to the grade of Assistant Distribution Officer in this Directorate with effect from the 16th October, 1975.

1. Shri J. R. Langan
2. Shri V. M. Duggal.

R. L. JAIN,
Deputy Director (Admn.),
for Director of Advertising and Visual Publicity.

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES

New Delhi, the 28th October 1975

No. F.9-35/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. Smt. Indu Arya to the post of Homoeopathic Physician in the Central Government Health Scheme under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 1st October, 1975, and until further orders.

The 7th November 1975

No. F.9-32/75-CGHS.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Dr. K. Shyam Mohan to the post of Ayurvedic Physician in the Central Government Health Scheme under this Directorate, on a purely *ad-hoc* basis, with effect from the forenoon of the 8th October, 1975, and until further orders.

No. 20/6(2)75-CGHS.I.—Consequent on the acceptance of his resignation, Dr. K. K. Misra relinquished charge of the post of Junior Medical Officer under C.G.H.S. Delhi, on 19th July, 1975 (A.N.).

K. VENUGOPAL,
Deputy Director Administration (CGHS)

New Delhi, the 13 November 1975

No. 13-16/75-CHS. I.—Consequent on their transfer the following Supertime Grade II Officers of the C.H.S. relinquished/assumed charge of their posts in the Directorate General of Health Services, New Delhi, with effect from the dates shown against each:—

Name	Relinquished charge of the post of.	Assumed charge of the post of.
1. Dr. B. N. Bhattacharjee	ADG. (PH) on the forenoon of the 21st October, 1975	ADG. (Cholera) on the forenoon of the 21st October, 1975
2. Dr. Mahendra Dutta.	AGD. (Cholera) on the forenoon of the 21st October, 1975.	ADG. (PH) on the forenoon of the 21st October, 1975.

The 6th November 1975

No. 34-18/75-CHS.I.—Consequent on his transfer Dr. P. N. Sarin relinquished the charge of the post of Junior Medical Officer under the Central Government Health Scheme, Delhi on the afternoon of the 20th September, 1975 and assumed charge in the same capacity on the existing terms and conditions, in the Willingdon Hospital, on the afternoon of the 20th September, 1975, until further orders.

R. N. TEWARI,
Deputy Director Administration (CHS).

New Delhi, the 6th November 1975

No. 1-22/74-Admn.I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri Amalendu Samanta to the post of Assistant Research Officer (Physiologist) at the All India Institute of Hygiene and Public Health, Calcutta, in a temporary capacity, with effect from the forenoon of the 29th September, 1975, and until further orders.

The 7th November 1975

No. 29-16/69-Admn.I (Vol. II).—The President is pleased to appoint Smt. Radha Narayan to the post of Sociologist at the National Tuberculosis Institute, Bangalore with effect from the forenoon of 22nd August, 1969 in a temporary capacity and until further orders.

The 10th November 1975

No. 12-1/75-Admn.I.—The President is pleased to appoint Shri H. C. Verma, a permanent Grade IV officer of the Central Civil Service to the post of Section Officer in the Directorate General of Health Services in an officiating capacity with effect from the forenoon of 27th October, 1975 until further orders.

S. P. JINDAL,
Deputy Director (Administration)

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE
(PERSONNEL DIVISION)

Bombay-400085, the 24th October 1975

No. PA/81(54)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Manukar Shankarrao Surve, a temporary Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

The 25th October 1975

No. PA/81(76)/75-R-IV.—The Director, Bhabha Atomic Research Centre, appoints Shri Anant Narasimhacharya Pyati, a permanent Draughtsman (B) and officiating Draughtsman (C) in the Bhabha Atomic Research Centre, as Scientific Officer/Engineer-Grade SB in the same Research Centre, in an officiating capacity with effect from the forenoon of August 1, 1975, until further orders.

P. UNNIKRISHNAN,
Dy. Establishment Officer (R)

Bombay-400085, the 29th October 1975

No. 1/1/71-Estt.XII/3846.—In continuation of this Research Centre notification No. 1/1/71-Estt.XII/2250, dated 21-7-1975, the Controller, BARC appoints Shri Krishnapuram Raman Pillai Venugopalan Nair, a permanent Assistant Security Officer to officiate as Security Officer in this Research Centre for a further period from 12-7-1975 (FN) to 28-9-1975 (AN).

V. P. CHOPRA,
Deputy Establishment Officer.

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY
DIRECTORATE OF PURCHASE AND STORES

Bombay-400001, the 30th October 1975

Ref. DPS/P/18/Adm/6641/1239.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Ranjal Narayana Prabhu, a permanent Upper Division Clerk and officiating Storekeeper of this Directorate to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1200 in the same Directorate from November 5, 1975 (FN) to December 6, 1975 (AN) vice Shri K. K. Sharma, Assistant Stores Officer granted leave.

Ref. DPS/S/16/Adm/6634/1230.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Mazrahalli Abdulla Sheikh, a permanent Upper Division Clerk and officiating Storekeeper of this Directorate to officiate as an Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the same Directorate from October 15, 1975 (FN) to November 17, 1975 (AN) vice Shri Simon D'Souza, Assistant Stores Officer granted leave.

The 1st November 1975

Ref. DPS/A/11013/64/75/Est/1231.—Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhakrishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an ad hoc basis in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—40—1200 in the same Directorate for the period from 18.9.1975 to 29.2.1976.

K. P. JOSEPH,
Administrative Officer.

HEAVY WATER PROJECTS

Bombay-400008, the 31st October 1975

Ref. No. HWPs/Estt/1/S-111/7213.—Officer-on-Special Duty, Heavy Water Projects, appoints Shri Keshav Janardan Sohoni, a permanent Upper Division Clerk of Bhabha Atomic Research Centre and officiating Selection Grade Clerk of Heavy Water Projects (Central Office), to officiate as Assistant Personnel Officer in the same office from October 3, 1975 (FN) to November 29, 1975 (AN) vice Shri Vasant Balakrishnan Joshi, Assistant Personnel Officer, granted leave.

T. C. SATHYAKEERTHY,
Senior Administrative Officer

MADRAS ATOMIC POWER PROJECT

Chingleput Distt., the 31st October 1975

No. MAPP/3(1076)/75-Admn/1237.—Director, Power Projects Engineering Division appoints Shri Jai Prakash as Scientific Officer/Engineer Grade 'SB' in this Project in a temporary capacity with effect from the forenoon of October 1, 1975 until further orders.

K. BALAKRISHNAN,
Administrative Officer.

RAJASTHAN ATOMIC POWER PROJECT

Rajasthan, the 6th November 1975

No. RAPP/00101/75-Adm/R/S/499.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following Quasi-permanent Scientific Assistant 'B' of this Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from 1st August, 1975 until further orders.

1. Shri D. L. Yadav
2. Shri J. S. K. Agarwal
3. Shri C. P. Sukhwai

No. RAPP/00101/75-Adm/R/S/500.—The Chief Project Engineer, Rajasthan Atomic Power Project is pleased to appoint the following Quasi-permanent Foremen of this Project as Scientific Officer/Engineer Grade SB in a temporary capacity in the same Project with effect from 1st August, 1975 until further orders.

1. Shri O. P. Sawhney
2. Shri A. V. Madgi
3. Shri K. M. Damodaran
4. Shri Ganpat Lal Sen.

GOPAL SINGH,
Administrative Officer (E).

DEPARTMENT OF SPACE

VIKRAM SARABHAI SPACE CENTRE

Trivandrum-695022, the 22nd October 1975

No. VSSC/EST/01-37.—Consequent on the conversion of the Indian Space Research Organisation into a Government body with effect from 1st April, 1973, the following Officers as per annexure are appointed to the posts shown against each with effect from 1-4-1975 in the Vikram Sarabhai Space Centre, Trivandrum.

ANNEXURE

Sl. No.	Name	Designation	Grade
1	2	3	4
1.	Sri G. N. Pereira	Engineer SB	650-30-740-35-880-EB-40-960/-,
2.	Sri K.N. Vasudevan Unni	"	"
3.	Sri K.M. Xavier James	"	"
4.	Sri O. Dharma Raj	"	"
5.	Sri C.T.P. Unnikammu	"	"
6.	Sri C.O. Yohannan	"	"
7.	Sri K. E. Thomas	"	"
8.	Sri P. Divakaran	"	"
9.	Sri T.K. Balakrishnan Nair	Sci. Officer S.B.	"
10.	Sri Ram Swami Rao Jakati	"	"
11.	Sri A.J. Kurian	"	"
12.	Sri L. P. Pandurang	"	"
13.	Sri N. Prabhakaran	"	"
14.	Sri K. M. Oommen	"	"
15.	Sri P. Koshy Cherian	"	"
16.	Sri Zachariah Koshy	"	"
17.	Sri Solomon Thomas	"	"
18.	Sri P.I. Varughese	"	"
19.	Sri P. Uthaman	Engineer S.B.	"
20.	Sri K.R. Sathyanarayana	"	"
21.	Sri S.G. Rao	"	"
22.	Sri M.K. Bhaskaran Nair	"	"
23.	Sri S. Arumugham	"	"
24.	Sri K. O. Pauly	"	"
25.	Sri K.H. Stanislaus Samson	Engineer S.B.	"
26.	Sri M.A. Devassy	"	"
27.	Sri M.C. Georgekutty	"	"
28.	Sri M. Koshy	"	"
29.	Sri P. V. Balachandran Unni	"	"
30.	Sri K. Ananthanarayanan	"	"
31.	Sri C. Johnson	"	"
32.	Sri H. Somasundaram	"	"
33.	Sri N. Ravindranaathan Nair	"	"
34.	Sri K. V. Ramachandran	"	"
35.	Sri M. Srinivasan	"	"
36.	Sri P.M. Varghese	"	"
37.	Sri R. Lakshmi Narayana Sharma	"	"
38.	Sri APR Unni	"	"
39.	Sri K. Sukumaran Nair	"	"
40.	Sri M. Gopalan Nair	"	"
41.	Sri K.N. Sreekumar	"	"
42.	Sri R. Radhakrishnan Nair	"	"
43.	Sri N. S. Nair	"	"
44.	Sri Thomas Varghese	"	"
45.	Sri Peter George	"	"
46.	Sri P. K. Narayana Menon	"	"
47.	Sri S. Pankajakshan Nair	"	"
48.	Sri P. P. Pothan	"	"
49.	Sri C. D. Prasad	"	"
50.	Sri N.M. Radhakrishnana	"	"

1	2	3	4	1	2	3	4
51. Sri R. Chitran	Engineer S.B.	650-30-740—35 880-E.B.-40-960/-		104. Sri K. P. Govindarajulu	Engineer S.B.	650-EB-30-740-	
52. Sri G.S.R. Gupta	"	"	"	105. Sri R. Balachandran	"	35-880-FB-40-	
53. Sri E.R. Gopi	"	"	"	106. Sri Shamhal Varma	"	960/-	"
54. Sri C. Gopinathan Nair	"	"	"				"
55. Sri Jacob John	"	"	"	107. Shri M. Varughese Mathew	"		"
56. Sri P. Radhakrishna Panicker	"	"	"	108. Sri S. Selvaraj	"		"
57. Sri N. Viswanatha Pillai	"	"	"	109. Sri D. Arumugaperumal	"		"
58. Sri A.D. Velayudhan	"	"	"	110. Sri M. Sankaranarayanan Nair	"		"
59. Sri T.A. Balan	"	"	"	111. Sri A. Vijayan	"		"
60. Sri M.N. Parameswaran Pillai	"	"	"	112. Sri K. Vinayachandran Nair	"		"
61. Sri K.N. Sivaraman Nair	"	"	"	113. Sri A. Narayanan Kutty	"		"
62. Sri C. V. Sreedharan	"	"	"	114. Sri P. C. George	"		"
63. Sri K.V. Sreenivasan	"	"	"	115. Sri Y. Narasaiah	"		"
64. Sri S. N. Thampy	"	"	"	116. Sri K. Sreedharan Achary	"		"
65. Sri C.M. Sanku Menon	"	"	"	117. Sri S. Arumugham	"		"
66. Sri K. P. Joseph	"	"	"	118. Sri K. J. Antony	"		"
67. Sri K. Madhavan Nair	"	"	"	119. Sri P.K.P. Pillai	"		"
68. Sri Rabindra Nath Das	"	"	"	120. Sri K.P. Vijayan	"		"
69. Sri A. Mohamed Sali	"	"	"	121. Sri Abraham I Mathew	Sci. Officer S.B.		"
70. Sri Samiran Ray	"	"	"	122. Sri K. Mohan	Engineer S.B.		"
71. Sri K. Veeraswamy	"	"	"	123. Sri P.N. Janardhanan Pillai	"		"
72. Sri V.K. Krishnankutty	"	"	"	124. Sri M. Prabhakaran	"		"
73. Sri K. M. Abdulla	"	"	"	125. Sri P.D. Johan	"		"
74. Sri S. Narayanan Kutty	"	"	"	126. Sri K. Subba Rao	"		"
75. Sri N.K. Alex	"	"	"	127. Sri P.T. Sadasivan	"		"
76. Sri V. Mohammed Rafee	"	"	"	128. Sri V.K. Kumaran	"		"
77. Sri N.S. Prabhakaran Nair	"	"	"	129. Sri M. Krishnaswamy	"		"
78. Sri A. Kesvan Unni Nair	"	"	"	130. Sri P. A. Kurian	"		"
79. Sri E. Subramanian	"	"	"	131. Sri P.N. Kesavan Nair	"		"
80. Sri B.S. Ananda Murthy	"	"	"	132. Sri P.K. Sukumaran Nair	"		"
81. Sri L. J. Jaikumar	"	"	"	133. Sri K.P.S. Panicker	"		"
82. Sri K. M. George	"	"	"				
83. Sri T. Ganapathy Achary	"	"	"	134. Sri S. Gopala Pillai	"		"
84. Sri V. Ramakrishnan Nair	"	"	"	135. Sri C. Narayanankutty Menon	"		"
85. Sri P.K. Muraleedharan	"	"	"	136. Sri V. Venugopalan	"		"
86. Sri V. Madhavankutty Nair	"	"	"	137. Sri G. Fernandez	"		"
87. Sri Jacob William	"	"	"	138. Sri V. Viswanathan	"		"
88. Sri K.Y. Dasan	"	"	"	139. Sri P.B. Kochappan	"		"
89. Sri P. Dominic Netto	"	"	"	140. Sri Y. Mathunni	"		"
90. Sri P.C. Joseph	"	"	"	141. Sri K. Kurian	"		"
91. Sri R. Parameswaran Pillai	"	"	"	142. Sri K. Subhash Chandra Bose	"		"
92. Sri K.R. Ravindran Nair	"	"	"	143. Sri C.T. Jacob	"		"
93. Sri K. Narayanan	"	"	"	144. Sri S. Krishnamurthy	"		"
94. Shri K. N. Karunakaran Achary	"	"	"	145. Sri K. Sreemivasa Bhat	"		"
95. Sri A.G. Velayudhan	"	"	"	146. Sri P. Padmakumaran	Sci. Officer S.B.		"
96. Sri M. Vijayakumaran Nair	"	"	"	147. Sri P. Tharma Cruz	Engineer S.B.		"
97. Sri S.T. Sirsi	"	"	"	148. Sri P.N. Prabhakaran	"		"
98. Sri K. Ramachandran	"	"	"	149. Sri P. Sam Jacob	"		"
99. Sri N.S. Ramachandran Nair	"	"	"	150. Sri K. Dhanajayan	"		"
100. Sri C. Madhavan	"	"	"	151. Sri K. Mathew	"		"
101. Sri B. Raveendran	"	"	"	152. Sri K.V. Raghavan Warrier	"		"
102. Sri K. M. Kalyana Sundaram	"	"	"	153. Sri K.K. Dhanadevan	"		"
103. Sri P.K. Joseph	"	"	"	154. Sri K. Ramachandra	"		"
				155. Sri K. Ramachandra Kurup	"		"
				156. Sri T. Sreedharan	"		"

1	2	3	4
157. Sri V. Sivaramakrishnan	Engineer S.B.	650-30-740-35 880-ER-40-960/-	
158. Sri G. Madhavan Pillai	"	"	"
159. Sri N. Girijan	"	"	"
160. Smt. Rajalakshmi Gopal	Sci. Officer S.B.	"	"
161. Sri K. Krishnan Unnithan	"	"	"
162. Sri M. Karunakaran	"	"	"
163. Sri V. Saseendran	"	"	"
164. Sri A. V. Krishnan	"	"	"
165. Sri M. R. R. Prasad	"	"	"
166. Sri K. M. Mathew	"	"	"
167. Sri K. J. Paulose	Engineer S.B.	"	"
168. Sri S. Parameswaran Thampi	Sci. Officer S.B.	"	"
169. Sri H. Venkiteswara Iyer	Engineer S.B.	"	"
170. Sri S. Gopalakrishnan Nair	Sci. Officer S.B.	"	"
171. Sri K. Chennilappan	Engineer S.B.	"	"
172. Sri K. Haridas	"	"	"
173. Sri M. Laxmanan	"	"	"
174. Sri C. Sasidharan Nair	"	"	"

RAJAN V. GEORGE,
Administrative Officer-II,
for Director, VSSC.

MINISTRY OF TOURISM & CIVIL AVIATION INDIA METEOROLOGICAL DEPARTMENT

New Delhi-3, the 7th November 1975

No. E(1)03849.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. R. Chakraborty, Professional Assistant, Meteorological Office, Agartala under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th September, 1975 and until further orders.

Shri N. R. Chakraborty, Offg. Assistant Meteorologist remains posted in the Meteorological Office, Agartala under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04397.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. Sankaranarayanan, Professional Assistant, Office of the Director, Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of 15th September, 1975 and until further orders.

Shri N. Sankaranarayanan, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Instruments, Poona.

No. E(1)04259.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri P. M. Ghosh, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September, 1975 and until further orders.

Shri P. M. Ghosh, Assistant Meteorologist remains posted in the Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

The 12th November 1975

No. E(1)04217.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Y. S. Kolhatkar, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Climatology & Geophysics), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September, 1975 and until further orders.

Shri Y. S. Kolhatkar, Offg. Assistant Meteorologist has been posted in the Office of the Director of Agriculture Meteorology, Poona.

No. E(1)04207.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri J. Nandy, Professional Assistant, Office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from 15th September 1975 and until further orders.

Shri J. Nandy, Officiating Assistant Meteorologist remains posted in the office of the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)034496.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri N. M. Sundaram, Professional Assistant,
18—356GI/75

Office of the Deputy Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September 1975, until further orders.

Shri N. M. Sundaram, Officiating Assistant Meteorologist has been posted in the Office of the Director of Agricultural Meteorology, Poona.

No. E(1)07548.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri B. C. Pawar, Officiating Professional Assistant, Office of the Director Instruments, Poona, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 29th September 1975 and until further orders.

Shri B. C. Pawar, Officiating Assistant Meteorologist has been posted in the office of the Director Regional Meteorological Centre, Bombay.

No. E(1)06323.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri Mohd. Iqbal Ali, Professional Assistant (Foreman), Office of the Director Instruments, Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September 1975 and until further orders.

Shri Mohd. Iqbal Ali, Offg. Assistant Meteorologist remains posted to the office of Director, Instruments, Poona.

The 13th November 1975

No. E(1)04064.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri A. K. Sen Gupta, Professional Assistant, Meteorological Centre, Bhubaneswar under the Director Regional Meteorological Centre, Calcutta, as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from 15th September 1975 and until further orders.

Shri A. K. Sen Gupta, Offg. Assistant Meteorologist remains posted at Meteorological Centre Bhubaneswar under the Director, Regional Meteorological Centre, Calcutta.

No. E(1)04249.—The Director General of Observatories hereby appoints Shri C. Sivaraman, Professional Assistant, Office of the Dy. Director General of Observatories (Forecasting), Poona as Assistant Meteorologist in an officiating capacity with effect from the forenoon of the 15th September, 1975 and until further orders.

Shri C. Sivaraman, Offg. Assistant Meteorologist has been posted in the office of the Director of Agricultural Meteorology, Poona.

M. R. N. MANIAN,
Meteorologist,
for Director General of Observatories.

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 31st October, 1975

No. A. 32013/9/74-ES—The President is pleased to appoint the following Aircraft Inspectors to officiate as Senior Aircraft Inspector, on a regular basis and until further orders, with effect from the date noted against each:—

S. No.	Name of the Officer	Date of Promotion	Station of present Posting
1.	Shri A. N. Chakraborty, Inspection Office, New Delhi.	22-9-1975 (F.N.)	Inspection Office New Delhi.
2.	Shri S. R. Das, Inspection Office, Calcutta.	24-9-1975 (AN)	Inspection Office, Calcutta.
3.	Shri L. P. Arora, Inspection Office, Lucknow.	18-10-1975 (FN)	Inspection Office Begumpet.
4.	Shri R. N. Dosajh, Inspection Office, New Delhi.	4-10-1975 (FN)	Inspection Office, New Delhi.
5.	Shri C. D. Kolhe, Inspection Office, New Delhi.	22-9-1975 (FN)	Inspection Office, New Delhi.
6.	Shri S. S. Das, Inspection Office, Bombay.	8-10-1975 (FN)	Inspection Office, Bombay.

H. L. KOHLI
Deputy Director of Administration,
for Director General of Civil Aviation.

New Delhi, the 4th November 1975

No. A.32013/7/75-EA.—The President is pleased to appoint Shri K. B. K. Khanna, Assistant Aerodrome Officer to the grade of Aerodrome Officer in the Civil Aviation Department, on *ad-hoc* basis, for a period of six months with effect from the 1st November, 1975 (A.N.) or till the post held by him is filled on regular basis, whichever is earlier. He is posted at Delhi Airport, Palam.

The 7th November 1975

No. A.32013/2/74-EA.—The President has been pleased to appoint Shri P. C. Verghese, Aerodrome Officer, to the grade of Senior Aerodrome Officer, in the Civil Aviation Department, in an officiating capacity, with effect from the 25th October, 1975 (AN) and until further orders. Shri Verghese is posted at Hyderabad Airport, Hyderabad.

V. V. JOHRI,
Assistant Director of Administration.

COLLECTORATE OF CENTRAL EXCISE AND CUSTOMS Guntur-4, the 23rd September, 1975

CENTRAL EXCISE DEPARTMENT

No. 10.—The Following Officiating Office Superintendents of Central Excise, have been appointed until further orders to officiate as Administrative Officers, Class II, in the Central Excise Collectorate Guntur. They have assumed charge as Administrative Officers of Central Excise, Class II with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Administrative Officer of Central Excise Class II.
1.	Shri S. Sundara Rajan	Administrative Officer IDO Visakhapatnam-II.	30-7-1975
2.	Shri S. Ghouse Mohiuddin	Administrative Officer Rajahmundry	12-8-1975

No. 11.—The following permanent senior Grade Inspectors of Central Excise, have been appointed until further orders to officiate as Superintendents of Central Excise, Class II in the Central Excise Collectorate Guntur. They have assumed charge as Superintendents of Central Excise, Class II with effect from the dates noted against each.

Sl. No.	Name of the Officer	Station	Date of assumption of charge as Superintendent of Central Excise, Class-II
1.	Shri M. Mujeebur Rehman	Supdt. M.O.R. Pedanandipad	25-7-1975
2.	Shri B. Sambasadasiva Rao	Supdt. IDO II Visakhapatnam	21-7-1975
3.	Md. Nayeemuddin	Supdt. IDO I Visakhapatnam	28-7-1975
4.	Shri K. A. Hameed Khan	Supdt. Spl. P. & I. Kothapeta	3-8-75 A.N.
5.	Md. Ghouse	Supdt. IDO Ongole	11-8-1975
6.	Shri N. Sreeramulu	Supdt. MOR Tadikonda	10-8-1975
7.	Shri P. Sowri Reddy	Supdt. (P. & I) IDO I Guntur	3-9-1975
8.	Shri K. Vankanna	Supdt. (P. & I.) IDO II Guntur	3-9-75 A.N.

No. 12.—Shri N. Govindaswamy, Officiating Superintendent of Central Excise, Class II, I.D.O. Rajahmundry has retired from service with effect from 31st July 1975 A.N. on attaining the age of Superannuation.

No. 13.—S/Shri S. Seshagiri Rao, Officiating Superintendent of Central Excise, Class-II, MOR I Visakhapatnam of IDO I. Visakhapatnam and M. S. Harischandra Rao, permanent Superintendent of Central Excise, Class II (Valuation-I) Hqrs. Office, Guntur have retired from service with effect from 25th August, 1975 Fore-noon under the provisions of F.R. 56-J.

I. J. RAO,
Collector.

Shillong, the 1st November 1975

No. 7/75.—Shri Rasamoy Dutta a permanent Inspector (SG) Customs & Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent (class II) until further orders. Shri Dutta assumed charge as Superintendent of Customs & Central Excise, Dhubri on 20.10.75 (F.N.).

No. 9/75.—Shri Indreswar Dutta a permanent Inspector (SG) Customs & Central Excise, Shillong Collectorate was appointed to officiate as Superintendent (Class II) until further orders. Shri Dutta assumed charge as Superintendent, Customs and Central Excise, Tezpur on 6.8.75 (F.N.).

No. 8/75.—On transfer from Central Excise Collectorate, Hyderabad, Shri V. Butchaiah, Assistant Collector of Central Excise took over charge of the office of the Assistant Collector of Customs and Central Excise, Jorhat on 20.10.75 (F.N.).

S. C. NIYOGI,
Collector of Customs & Central Excise,
Shillong.

NARCOTICS DEPARTMENT

Gwalior-6, the 10th November 1975

No. 35.—Shri N. G. Bhatnagar, Superintendent of Central Excise, Class II, presently posted as District Opium Officer, Barabanki-I, is allowed to cross the efficiency bar at the stage of Rs. 810/- in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the 1-2-1975.

A. SHANKER,
Narcotics Commissioner of India.

CENTRAL WATER COMMISSION

New Delhi-22, the 10th November 1975

No. A-19012/505/74-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri H. S. Choudhury, Supervisor, Central Water Commission, to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering), in the Central Water Commission, on a purely temporary and ad-hoc basis in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the forenoon of 20.9.1974.

Shri Choudhury took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Ganga Flood Control Commission, Central Water Commission with effect from the above date and time.

The 11th November 1975

No. A-32012/4/70-Adm.V.—In continuation of this Commission's notification No. A-19012/530/75-Adm.V. dated the 10th July, 1975, the Chairman, Central Water Commission is pleased to appoint Shri S. K. Ukil, Research Assistant to officiate in the grade of Assistant Research Officer (Scientific-Chemistry Group) in the Central Water Commission in the pay scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200, on a purely temporary and *ad-hoc* basis, for a further period from 4.9.1975 to 31.12.1975

or till such time as the posts in the grade are filled on a regular basis, whichever is earlier.

No. A-19012/538/75-Adm.V.—The Chairman, Central Water Commission hereby appoints Shri Manohar Khushkani Design Assistant in Central Water Commission to officiate as an Extra Assistant Director/Assistant Engineer/Assistant Research Officer (Engineering) in the Central Water Commission on a purely temporary and *ad-hoc* basis, in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from the afternoon of 15.3.75.

Shri Khushkani took over charge of the office of Extra Assistant Director in the Central Water Commission with effect from the above date and time.

K. P. B. MENON,
Under Secretary,
for Chairman, C.W. Commission.

CENTRAL GROUND WATER BOARD

Faridabad-121001, the 10th November 1975

No. 3-387/75-C.H.(Estt.)—Shri S. P. Bagade is hereby appointed as Junior Hydrologist, G.C.S. Class-II (Gazetted) on temporary basis in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in Central Ground Water Board with his headquarter at Chandigarh w.e.f. 27.9.1975 (F.N.) till further orders.

No. 3-389/75-C.H.(Estt.)—Shri Man Mohan Lal Sehgal is appointed as Junior Hydrologist G.C.S. Class-II (Gazetted) on the pay of Rs. 810/- (Rupees Eight Hundred ten only) per month plus allowances in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 in the Central Ground Water Board with his headquarter at Chandigarh with effect from 9.10.1975 (F.N.), till further orders.

D. S. DESHMUKH,
Chief Hydrogeologist & Member.

CENTRAL ELECTRICITY AUTHORITY

New Delhi-110022, the 1st November 1975

No. 6/2/75-Adm.II.—The Chairman, Central Electricity Authority hereby appoints the following Technical Assistants/Graduate Supervisors to the grade of Extra Assistant Director/Assistant Engineer of Central Power Engineering Class II Service with effect from the dates shown against their names, until further orders :—

1. Shri D. V. Lakshmipathy, 3-10-75 (A.N.)
2. Shri Rais Ahmed Siddiqui, 18-10-75 (A.N.)
3. Shri Satish Kumar Jain, 10-10-75 (F.N.)
4. Shri Khushi Ram Jain, 24-9-75 (A.N.)
5. Shri Satish Chander, 23-10-75 (F.N.)

JANGSHER SINGH,
Under Secretary,
for Chairman.

DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Pure Milk Supply Company Limited (In Liquidation).*

Julundur, the 5th November 1975

No. Stat/Liqn/8546.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (4) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Pure Milk Supply Company Limited (In Liquidation), unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

P. S. MATHUR,
Registrar of Companies,
Punjab, Himachal Pradesh & Chandigarh.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
M/s. Kajaria Engineering Company Private Limited.*

Jaipur, the 9th November 1975

No. Stat/1273/8785.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s. Kajaria Engineering Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

R. D. KUREEL,
Registrar of Companies,
Rajasthan, Jaipur.

Madras-600006, the 10th November 1975

No. 2309/Liqn/S.560/75.—Whereas The Rasipuram Mills Limited having its registered office at Attur Road, Rasipuram, Salem District is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe the affairs of the company have been completely wound up and that returns required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The Rasipuram Mills Limited, will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

The 12th November 1975

No. 2541/Liqn/S.247(4)/75.—Whereas The South Arcot Veerarayanani Produce and Commerce Limited having its registered office at Sannadhi Street, Kattumannar Koil, Chidambaram is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that statement of accounts required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months;

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 247(4) of the Indian Companies Act, 1913, notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of The South Arcot veerarayanani produce and Commerce Limited, will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

No. 1919/Liqn/S.560/75.—Whereas Nellai Venus Limited having its registered office at 1/24, High Road, Tirunelveli Town is being wound up;

And whereas the undersigned has reasonable cause to believe that no liquidator is acting and that statements of Account required to be made by the liquidator have not been made for a period of six consecutive months.

Now, therefore, in pursuance of the provisions of sub-section (4) of Section 560 of the Companies Act, 1956 notice hereby given that at the expiration of three months from the date of this notice the name of Nellai Venus Limited, will, unless cause is shown to the contrary, be struck off the register and the company will be dissolved.

P. ANNAPURNA,
Addl. Registrar of Companies,
Madras.

*In the matter of the Companies Act, 1956, and of
Darbhanga Motor Service Private Limited*

Patna, the 12th November 1975

No. 3(704)74-75/4162.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Darbhanga Motor Service Limited, unless cause is shown to the contrary will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

S. P. TAYAL,
Registrar of Companies,
Bihar, Patna.

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th November 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/285.—Whereas, I, C. S. Jain being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion A on plot No. F, situated at Ratanada area, Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 26th April 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

1. Shri Mukansingh S/o Shri Gulab Singh, resident of Baiji Ka Talab, Jodhpur representing
(a) Shri Ajay Singh, Minor, (b) Shri Shailendrasingh, minor.
2. Shri Jabarsingh S/o Shri Mukansingh, resident of Baiji Ka Talab, Jodhpur, Father and natural guardian of
(a) Shri Ajai Singh, (b) Shri Shailendrasingh.

(Transferors)

2. Shri Jabarsingh S/o Shri Mukansingh, resident of Baiji of Jangiwara, Pali.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned,

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said property able property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion A of the property on plot No. F, Defence Road, Ratanada area, Aath Thamba, demarcated as A,B,C,D,E,F in the plan attached to sale deed executed on 25th March 1975 registered on 26th April 1975, by Sub-Registrar, Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th November 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/286.—Whereas, I, C. S. Jain being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Portion D of plot No. F, situated at Ratanada area, Jodhpur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jodhpur on 29-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1. Shri Milkhasingh s/o Shri Gulab Singh, resident of Baiji Ka Talab, Jodhpur representing
(a) Shri Ajay Singh, Minor, (b) Shri Shailendrasingh, minor.
2. Shri Jabarsingh S/o Shri Mukansingh, resident of Baiji Ka Talab, Jodhpur, Father and natural guardian of
(a) Shri Ajay Singh, (b) Shri Shailendra Singh.
(Transferees)
- (2) Shrimati Jamuna Devi W/o Sh. Shri Kishan Nadola, resident of Thalion Ka Bas, Jodhpur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion D of the property on plot No. F, Defence Road, Ratanada area near Aath Thamba, demarcated as A.B.C.D. E,F,G,H in plan attached to the conveyance deed executed on 1-4-1975 and registered on 29-4-1975 by Sub-Registrar Jodhpur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date: 10-11-1975.

Seal:

FORM ITNS

(1) Shri Parmatma Singh S/o Shri Labh Singh Village Malkana, Tehsil Karnapur, District Sriganaganagar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Harpalsingh S/o Shri Shersingh resident of village 11-A, Tehsil Anupgarh, District Sri Ganganagar.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Jaipur, the 15th November 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/299.—Whereas, I, C. S. Jain being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 238/63, situated at Chak 11-A, Anupgarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908) (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupgarh on 1-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respecting persons, whichever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

12 bighas of agricultural land in Murabba No. 238/63 bearing S. No. 3, 8, 4, 7, 14, 17, 24, 5, 6, 15, 16, 13 situated at Chak No. 11-A, Tehsil Anupgarh as described in conveyance deed registered on 1-4-1975 at S. No. 187 by Sub-Registrar, Anupgarh.

C. S. PAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 15-11-1975.

Seal :

FORM I.T.N.S.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th November 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/298.—Whereas, I, C. S. Jain being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing No. Murabba No. 238/54, situated at Chak No. 11A, Anupgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupgarh on 1-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely—

- (1) Shri Parmatma Singh s/o Shri Labhsingh village Malkana, Tehsil Karanpur, District Sriganganagar. (Transferor)
- (2) Shri Rajendrasingh s/o Shri Sukhdevsingh resident of village 11-A, Tehsil Anupgarh, District Sriganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 bighas of agricultural land in Murabba No. 238/54 bearing S. No. 1, 10, 11, 20, 21, 2, 9, 12, 19, 22, 23, 18, 13 situated at Chak No. 11A, Tehsil Anupgarh as described in conveyance deed registered on 1-4-1975 at S. No. 188 by Sub-Registrar, Anupgarh.

C. S. JAIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th November 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/297.—Whereas, I, C. S. Jain being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 238/63, situated at Chak No. 11A Anupgarh (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupgarh on 1-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely : —

- (1) Shri Parmatma Singh S/o Shri Labhsingh Village Malkana, Tehsil Karranpur, District Sri Ganganagar. (Transferor)
- (2) Shri Gur Deep Singh S/o Shri Arjunsingh, resident of Village 11A, Tehsil Anupgarh, District Sri Ganganagar. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 bighas of agricultural land in Murabba No. 238/63 bearing S. No. 1, 10, 11, 20, 21, 2, 9, 12, 19, 22, 23, 18, 25 situated at Chak No. 11A, Tehsil Anupgarh as described in conveyance deed registered on 1-4-1975 at S. No. 186 by Sub-Registrar, Anupgarh.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-11-1975.
Seal :

(2) **Shri Balrajsingh s/o Shri Sukhpalsingh** resident of village 11-A, Tehsil Anupgarh, District Sriganganagar.
(Transferee)

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th November 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/295.—Whereas, I, C. S. Jain being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Murabba No. 238/54, situated at Chak 11A, Anupgarh (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupgarh on 1-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Parmatma Singh s/o Shri Labhsingh, Village Malkana, Tehsil Karanpur, District Sriganganagar.
(Transferor)

(2) Shri Hardevsingh s/o Shri Sukhdev Singh, resident of village 11-A, Tehsil Anupgarh, District Sriganganagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

12 bighas of agricultural land in Murabba No. 238/54 bearing S. No. 3, 8, 4, 7, 14, 17, 24, 5, 6, 15, 16, 25 situated at Chak No. 11A, Tehsil Anupgarh as described in conveyance deed registered on 1-4-1975 at S. No. 184 by Sub Registrar, Anupgarh.

C. S. JAIN

Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Parmatma Singh S/o Shri Labhsingh Village
Malkana, Tehsil Karanpur, District Sriganganagar.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shivraj Singh S/o Shri Sukhpalsingh resident of
village 11-A, Tehsil Anupgarh, District Sri Ganga-
nagar.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th November 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/294.—Whereas, I, C. S. Jain
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as
the said Act), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing

No. 238/55, situated at Chak 11A, Anupgarh
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Anupgarh on 1-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

13 bighas of agricultural land situated at Murabba No.
238/55 bearing S. No. 1, 10, 11, 20, 21, 2, 9, 12, 19, 22,
23, 18, 13 situated at Chak 11-A, Tehsil Anupgarh as describ-
ed in conveyance deed registered on 1-4-1975 at S. No. 183 by
the Sub Registrar, Anupgarh.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)****GOVERNMENT OF INDIA****OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR**

Jaipur, the 15th November 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/291.—Whereas, I, C. S. Jain being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Municipal No. 748/3, situated at Rasta Dariba Pan, Jaipur (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 14th April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shrimati Bhanwar Bai W/o Shri Harinarain Pareek resident of Chokri Toppkhana Hujuri, Rasta Thakur Saheb Parnala, Suraj Pole Bazar, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Padamchand Jain S/o Shri Kapoor chandji Bhonsa, House No. 748/4 Chowkri Ramchandraj, Mohalla Bakshi Hemrajji, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house bearing municipal No. 748/3 situated at Rasta Dariba Pan, Mohalla Bakshi Hemrajji, Jaipur as described in conveyance deed registered on 14-4-1975 at S. No. 969 by the Sub Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shrimati Bhanwar Bai W/o Shri Harinarain Parcek,
resident of Chokri Topkhana Hujuri, Rasta Thakur
Saheb Parnala, Surajpole Bazar, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Kapoorchand Bhonsa S/o Shri Bhuralal
Bhonsa, House No. 748/3, Chowkri Ramchandrajji,
Mohalla Bakshi Hemraj Ji, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th November 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/292.—Whereas, I, C. S. Jain being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Municipal No. 748/3, situated at Rasta Dariba Pan, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 14-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house bearing municipal No. 748/3 situated at Rasta Dariba Pan, Mohalla Bakshi Hemraj ji, Jaipur as described in conveyance deed registered on 14-4-1975 at S. No. 970 by the Sub Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Smt. Bhanwar Bai W/o Shri Harinarain Pareek,
resident of Chokri Topkhana Hujuri, Rasta Thakur
Saheb Parnala, Suraj pole Bazar, Jaipur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Shri Kailashchand Jain S/o Shri Kapoorchand Jain,
House No. 748/3, Chowkri, Ramchandrajji, Rasta
Dariba Pan, Mohalla Bakshi Hemrajji, Jaipur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 15th November 1975

Ref. No. Raj/IAC(ACQ.)/293.—Whereas, I, C. S. Jain, being the Competent Authority under section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Municipal No. 748/3 situated at Rasta Dariba Pan, Jaipur (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jaipur on 14-4-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house bearing municipal No. 748/3 situated at Rasta Dariba pan, Mohalla Bakshi Hemrajji, Jaipur as described in conveyance deed registered on 14-4-75 at S. No. 971 by the Sub Registrar, Jaipur.

C. S. JAIN,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 15-11-1975.
Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1975

Ref No. Raj/TAC(Acq.)/287.--Whereas, I, C. S. Jain being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83 Scheme No. 1, situated at Alwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 22-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons namely :—

- (1) 1. Smt. Suraji Devi, widow of Shri Shivnath Aggarwal.
2. Shri Srinivas, S/o Shri Shivnath Aggarwal.
3. Shri Sharvan Kumar S/o Shri Shivnath Aggarwal.
4. Shri Maheshchand S/o Shri Shivnath Aggarwal.
5. Shri Ram Kishan S/o Shri Shivnath Aggarwal.
Partners of Shri Shivnath Aggarwal & Sons, Alwar
Resident of Scheme No. 1, Alwar.

(Transferors)

- (2) Shrimati Mani Devi W/o Shri Shravan Kumar Aggarwal, Resident of Scheme No. 1 Plot No. 83, Alwar.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house property No. 83 in Scheme No. 1, Alwar as described in conveyance deed registered on 22-3-1975 by Sub Registrar, Alwar.

C. S. JAIN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date :14-11-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1975

Ref No Raj/TAC(Acq.)/288.—Whereas, I C. S. Jain being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83, Scheme No. 1, situated at Alwar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Indian Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alwar on 31-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) 1. Smt. Suraji Devi, widow of Shri Shivnath Aggarwal.
 2. Shri Srinivas, S/o Shri Shivnath Aggarwal.
 3. Shri Sharvan Kumar S/o Shri Shivnath Aggarwal.
 4. Shri Mahesh Chand S/o Shri Shivnath Aggarwal.
 5. Shri Ram Kishan S/o Shri Shivnath Aggarwal.
- Partners of Shri Shivnath Aggarwal & Sons, Alwar
Resident of Scheme No. 1, Alwar.

(Transferors)

- (2) Shri Ravindra Kumar S/o Shri Shravan Kumar Resident of Scheme No. 1 Plot No. 83, Alwar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house property No. 83 in Scheme No. 1, Alwar as described in conveyance deed registered on 31-3-1975 by Sub Registrar, Alwar.

C. S. JAIN
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) As per annexure 'A'.

ANNEXURE 'A'

To notice U/s 269D(i) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

Reference No. Raj./IAC(Acq.)/289.

Col. 1 Transferors as per list.

S. No.	Name of transferors
1.	Smt. Suraji Devi, widow of Shri Shivnath Aggarwal.
2.	Shri Srinivas, S/o Shri Shivnath Aggarwal.
3.	Shri Shravan Kumar S/o Shri Shivnath Aggarwal.
4.	Shri Maheshchand S/o Shri Shivnath Aggarwal.
5.	Shri Ram Kishan S/o Shri Shivnath Aggarwal.

Partners of Shri Shivnath Aggarwal & Sons, Alwar
Resident of Scheme No. 1, Alwar.

(Transferor)

(2) Shri Devandra Kumar S/o Shri Shravan Kumar
Resident of Scheme No. 1, Plot No. 83, Alwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the official Gazette or a period, of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house property No. 83 in Scheme No. 1, Alwar as described in conveyance deed registered in the month of March by Sub Registrar, Alwar.

C. S. JAIN,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-11-1975.

Seal :

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 14th November 1975

Ref No. Raj/IAC(Acq.)/289.—Whereas, I C. S. Jain being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 83, Scheme No. 1 situated at Alwar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Alwar on March, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act, to the following persons, namely :—

20—356GI/75

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur the 14th November 1975

Ref. No. Raj/IAC(Acq.)/290.—Whereas, I, C. S. Jain being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 83, Scheme No. 1 situated at Alwar (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering Officer at Alwar on 28-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or,

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act to the following persons, namely :

(1) As per annexure 'A'.

ANNEXURE 'A'

To notice U/s 269D(i) of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961).

Reference No. Raj./IAC,(Acq.)/290.

Col. 1 Transferors as per list.

S. No. Name of transferors

1. Smt. Suraji Devi, widow of Shri Shrivnath Aggarwal.
2. Shri Srinivas, S/o Shri Shrivnath Aggarwal.
3. Shri Sharavan Kumar S/o Shri Shrivnath Aggarwal.
4. Shri Maheshchand S/o Shri Shrivnath Aggarwal.
5. Shri Ram Kishan S/o Shri Shrivnath Aggarwal.

Partners of Shri Shrivnath Aggarwal & Sons, Alwar
Resident of Scheme No. 1, Alwar.

(Transferor)

- (2) Shrimati Mani Devi Guardian of Shri Anil Kumar S/o Shri Shrivnath Kumar, (Minor) Resident of Scheme No. 1 plot No. 83, Alwar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this Notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Portion of house property No. 83 in Scheme No. 1, Alwar as described in conveyance deed registered on 28-3-1975 by Sub Registrar, Alwar.

C. S. JAIN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Jaipur.

Date : 14-11-1975.
Seal ;

FORM ITNS

(1) Shri Narayan Chandra Mukherjee.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Saraju Bala Paul.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE V, CALCUTTA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Calcutta, the 12th November 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. AC-26/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 40/1, situated at Brojonath Lahiri Lane, Howrah (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Howrah on 14-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Land measuring 6 cottahs 20 sft. including structure situated at 40/1, Brojonath Lahiri Lane, Distt. Howrah, P.S. Shibpur, more particularly as per deed No. 978 dated 14-3-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

Date : 12-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/S. Associated Project Engineers, a co-partnership firm, 28/6, Bipin Pal Road, Extension, Calcutta-26.
(Transferor)

(2) Shrimati Geeta Dutta w/o, Sri Rabintra Nath Dutta, Military Diversion Road, P.O. Bangaon, Distt. 24-Parganas.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE V, CALCUTTA

Calcutta, the 14th November 1975

Ref. No. AC-27/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 162/D/705, situated at Lake Gardens, P.S. Tollygunge, Calcutta-45 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Alipore Sadar on 7-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 1 cottah 14 chittaks 27 sft. together with two storied building with foundation for three storied situated at premises No. 162/D/705, Lake Gardens, P.S. Tollygunge, Calcutta-45, more particularly as per deed No. 1271 dated 7-3-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Date : 14-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jitendra Nath Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Sukhdeb Goswami.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE V, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. AC-29/Acq.R-V/Cal/75-76.—Whereas, I, S. S.
Inamdhar
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
49, situated at Peary Mohan Sur Garden Lane, P.S.
Beliaghata
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Officer at Sealdah on 5-3-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth tax Act,
1957 (27 of 1957).

Undivided $\frac{1}{4}$ share of land measuring 1 cottah 8 chittaks 6
sft. and two storied building thereon situated at 49, Peary
Mohan Sur Garden Lane, P.S. Beliaghata, 24-Pgs. more parti-
cularly as per deed No. I-418 dated 5-3-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

Date : 17-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jitendra Nath Mitra.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrimati Bharati Goswami

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE V, CALCUTTA

Calcutta, the 17th November 1975

Ref. No. AC-28/Acq. R.V./Cal/75-76.—Whereas, I, S. S. Inamdar being the competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 49, situated at Peary Mohan Sur Garden Lane, P.S. Beliaghata (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registraton Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Alipore on 5-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Undivided $\frac{1}{2}$ share of land measuring 1 cottah 8 chittaks 6 sft. and two storied building thereon situated at 49, Peary Mohan Sur Garden Lane, P.S. Beliaghata, 24-Pgs. more particularly as per deed No. 1-1622 dated 5-3-1975.

S. S. INAMDAR
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range V,
54, Rafi Ahmed Kidwai Road, Calcutta-16.

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 17-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTION 9-B,

Chandigarh, the 4th November 1975

Ref. No. LDH/C/59/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 4-AP, measuring 902-1/9 sq. yds. Gupta Road, Industrial Area 'A', situated at Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the aforesaid property by the issue of this notice under following persons, namely :—

(1) The Principal Officer,
M/s. Common Wealth Spinning & Knitting Mills
Private Ltd;
Industrial Area 'A',
Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bal Krishan s/o Shri Jagan Nath Kundra,
House No. B-II/1329, Arya Mohalla,
Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 4-AP, measuring 902-1/9 sq. yds. situated on Gupta Road, Industrial Area 'A', Ludhiana.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1577 of May, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana, (C).)

V. P. MINOCHA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 4-11-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balkar Singh, s/o Shri Kehar Singh,
Resident of Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bal Krishan, s/o Shri Devi Saran,
Resident of Saban Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTION 9-B,

Chandigarh, the 28th October 1975

Ref. No. LDH/C/595/75-76.—Whereas, I, V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and Land, measuring 3 kanals 7 marlas, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, of the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 3 kanals 7 marlas, situated at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana.

Khasra No. 18/10/3-7 as per Jamabandi 1970-71.
(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1240 of May, 1975 of the Registering Officer, Ludhiana (C).)

V. P. MINOCHA
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-10-1975

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Balkar Singh, s/o Shri Kehar Singh,
Resident of Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri Bal Krishan, s/o Shri Devi Saran,
Resident of Saban Bazar, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Chandigarh, the 28th October 1975

Ref. No. LDH/C/596/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition
Range, Chandigarh,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No. Land, measuring 3 kanals and 7½ marlas,
situated at Taraf Kara Bara, Tehsil Ludhiana,
(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred

under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at
Ludhiana in May, 1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer; and/
or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

21—356GI/75

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

Land, measuring 3 kanals 7½ marlas, situated at Taraf
Kara Bara, Tehsil Ludhiana,
Khasra No. 18/10/3-7½ as per Jamabandi 1970-71.(Property as mentioned in the Registered Deed No. 1333
of May, 1975 of the Registered Officer, Ludhiana (C).

V. P. MINOCHA

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 28-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, CHANDIGARH
156, SECTOR 9-B,

Chandigarh, the 27th October 1975

Ref. No. PTA/R/2/75-76.—Whereas, I. V. P. Minocha, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Chandigarh, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Land, measuring 71 kanals 4 marlas situated at Village Suniarheri alias Gobindpur, situated at Village Suniarheri alias Gobindpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Patiala in May, 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Mohini, d/o Shri Bishan Dass, s/o Shri Ram Dass, Resident of Delhi Presently Model Town, Patiala,
(Transferor)

(2) Sarvshri (i) Jaspal-Singh, (ii) Harjinder Singh, sons of Shri Sukhdev Singh Sekhon, Top Khana Mor, Patiala.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 71 kanals and 4 marlas situated at Village Suniarheri alias Gobindpur.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 321 of May, 1975 of the Registering Officer, Patiala (R).

V. P. MINOCHA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Chandigarh

Date : 27-10-1975

Seal :

FORM ITNS—

(2) Smt. Sukhwinder Kaur w/o Shri Chanan Singh V.
Harchowal Batala.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSARObjections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

Amritsar, the 15th November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;Ref. No. ASR/191/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred
to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immov-
able property having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.Plot No. 71, situated at Rani Ka Bagh Amritsar
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Amritsar in March 1975for apparent consideration which is less than the fair market
value of the aforesaid property and I have reason to believe
that the fair market value of the property as aforesaid exceeds
the apparent consideration therefor by more than fifteen per
cent of such apparent consideration and that the considera-
tion for such transfer as agreed to between the Parties has
not been truly stated in the said instrument of transfer with
the object of—EXPLANATION :—The terms and expressions used here-
in as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning
as given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liabi-
lity of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

THE SCHEDULE

(b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not
been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the
Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957).Plot of Land No. 71 Rani Ka Bagh, Amritsar as mentioned
in the Registered Deed No. 3880 of March, 1975 of the
Registering Authority, Amritsar.Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—V. R. SAGAR
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Amritsar(1) Shri Jagdish Chander s/o Shri Chaman Lal, 132
Rani Ka Bagh, Amritsar.

Date : 15-11-1975

(Transferor)

Seal :

FORM ITNS.—

(1) Shri Kishore Chand s/o Shri Budhu Mal r/o 115E
Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT

COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 15th November 1975

Ref. No. ASR/192/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

H. No. 692/10 & 2265, situated at Bazar Sirki Bandan, Amritsar

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in office of the registering officer at Amritsar in March 1975

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disposed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (1 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Smt. Parkash Kaur w/o Shri Harnam Singh, Chawal Mandi, Amritsar.

(Transferee)

(3) As at S. No. above and Shri Naresh Kumar and Shri Ram Sahay Mehra, the tenants.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later ;

(b) by any of the person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 692/10 & 2265 Br. Sirki Bandan, Amritsar as mentioned in the Registered Deed No. 4070 of March, 1975 of the Registering Authority, Amritsar.

V. R. SAGAR

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Amritsar

Date : 15-11-1975

Seal : —

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 14th November 1975

Ref. No. Phg/193/75-76.—Whereas, I, V. R. Sagar being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Property, situated at Satnampura Phagwara (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Phagwara in March 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Rattan Singh s/o Shri Uttam Singh r/o
Satnampura, Phagwara.

(Transferor)

(2) Shri Mohinder Singh s/o Shri Tara Singh r/o
Sangatpura, Phagwara.

(Transferee)

(3) As at S. No. 2 above and tenant(s) if any.
(Person in occupation of the property)

(4) Any person interested in the property.
(Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property at Satnampura, Phagwara as mentioned in the Registered Deed No. 2125 of March, 1975 of the Registering Authority, Phagwara.

V. R. SAGAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar

Date : 14-11-75
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA KARVE
ROAD, POONA : 411 004.

Poona-411004, the 10th November 1975

Ref. No. CA/5/March/75/Bombay/(Satara)/252/75-76.—

Whereas, I H. S. Aulakh
being the Competent Authority under section 269B
of the Income-Tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter refer-
red to as the 'Said Act'), have reason
to believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
Nos. 47/1, 42/5, 42/2, 42/A, 41/1, 43/4, 45/16A situated
at Village Bhilar, Dist. Satara
(and more fully described in the
Schedule annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Bombay on 19-3-1975
for an apparent consideration which
is less than the fair market value of the aforesaid
property and I have reason to believe that the fair market
value of the property as aforesaid exceeds the apparent
consideration therefor by more than fifteen percent of such
apparent consideration and that the consideration for such
transfer as agreed to between the parties has not been truly
stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the said Act in res-
pect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
money's or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the pur-
poses of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of the notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

(1) (1) Shri Jamshed Sorabshah Kam, (2) Shri Phiroz
Kaikhushroo Irani, (3) Shri Atadeshir Cursetjee
Maneckjee Cursetjee, (4) Shri Jamshedji Dorabji
Ashburner, (5) Shri Chanirkant Ratilal Patel, (6)
Shri Kaiki Rustomji Alpalwala the trustees of the
Muncherji Nowrojee Banerjee and Cursetjee Mun-
cherjee Banaji Charity trust, C/o Messers Eastly
Lam and Co, Jehangir Building 3rd floor-133
Mahatma Gandhi Road, Bombay-1.

(Transferor)

(2) Shri Shivchandra Ramlal Batra,
Mohenjodaro, 29, Sundernagar Market,
New Delhi-3.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned.

(a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of 30 days
from the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable
property, within 45 days from the date of the publi-
cation of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those piece or parcels of land or ground with an old
bungalow and other outhouses and two wells standing thereon
situate lying and being at Village Bhilar, Taluka Mahablesh-
situate lying and being at Village Bhilar, Taluka Mahablesh-
war, District Satara in the registration Sub-district of Wai
and District Satara containing by admeasurement 37 acres
and 1 guntha or thereabouts (approximately equivalent to
1,41,474.17 square metres.) and bearing following survey
and hissa Nos.

Surve No.	Hissa No.	Area	
		Acres.	Gunthas.
47	1	5	6
42	5	14	32
42	2	1	39
42	A	1	18
41	1	4	29
43	4	8	21
45	16A	5	16
		37	01

(Property as mentioned in the Registered deed No. 5853
of March 75 of the Registering Authority Bombay.)

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, 60/61, ERANDAWANA KARVE
ROAD, POONA : 411 004.

Poona-411004, the 12th November 1975

Ref. No. CA/5/March/75/Haveli-II/(Poona)/253 of 75-76
Whereas, I H. S. Aulakh
being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 164/I situated at Chinchwad (Poona) (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Haveli II (Poona) on 17-5-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1)(1) Shri Anandrao Hari Gawade.
- (2) Shri Laxman A. Gawade.
- (3) Shri Haribhau A. Gawade.
- (4) Shri Machhindra A. Gawade.
- (5) Shri Gorakh A. Gawade.

(Transferor)

- (2) Shri Jaikumar M. Chordia,
199-B Chinchwad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold open land at Survey No. 164/7, Chinchwad, Poona-19.

Area :—2 acres, 33 gunthas.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 431 of March 1975 in the Registering Authority Haveli-II, Poona.).

H. S. AULAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant
Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 12-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
60/61, ERANDAWANA KARVE
ROAD, POONA: 411 004.

Poona-411004, the 19th November 1975

Ref. No. CA/5/March/75/Bombay/(Maval)/254 of 75-76.—Whereas, I. H. S. Aulakh being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 194A/1 and Municipal Nos. 7 and 8A Khandala, (Dist. Poona)

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Bombay on 1-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferor for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Smt. Nergis Minoo Mehta,
"Ashishwang" 72 Sir Pochkhanawala Road, Worli,
Bombay-25.
(Transferor)

(2) Shri Minoo Framroz D. Mehta,
Dr. Writer's Chocolates & Canning Co.
Dr. Bhavanishankar Road, Dadar, Bombay-28.
(Transferee)

(3) Dr. Writer's Chocolates & Canning Co.,
Dr. Bhavanishankar Road, Dadar, Bombay-28.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons which ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Free-hold, All that piece or parcel of land or ground situate, lying and being in the Revenue Village of Khandala, Taluka Maval, Registration Sub-District Maval, District Poona within the limits of the Lonavala Municipal Council which said land admeasures 11,321 square meters (equivalent to 13,585 square yards) or thereabouts and being Plot No. 1 of the Sub-Division sanctioned by the Collector Poona under Order No. LND-WS-I-2037-68 and sanctioned by the Assistant Director Town Planning under No. LYT-LNA/16/67/793 dated 18-8-1967 and bearing survey No. 194A/1 & 2, 220, and 108/1/1A/181, Together with the bungalow and structures standing thereon being Municipal Nos. 7 & 8A ward Khandala.

(Property as mentioned in the Registered Deed No. 946 of March 1975 in the Registering Authority, Bombay.)

H. S. AULAKH
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona

Date : 19-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Smt. Rani Kamla Devi.

(Transferor)

(2) Smt. Jassi B. Malkani and others.

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1), OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 27th October 1975.

No. 27-I/ACQ.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 220-A situated at Gokhley Carg, Lucknow, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 19-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, thereof, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of the section 269D of the Act, to the following persons, namely :—
22—356GI/75

(3) Vijai Gopal.

[Person in occupation of the property].

[Person whom the undersigned knows to be interested in the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One single storeyed Bunblow No. 220A measuring 1676 Sq. ft. situated at Gokhley Marg, Lucknow.

BISHAMBHAR NATH

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Lucknow.

Date : 27-10-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Jogendra Singh.

(Transferor)

(2) Kumari Raghbeer Kaur and others.
(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Lucknow, the 13th November 1975

Ref. No. 72-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 145 situated at Vill Bhiksora P.O. Bilaspur Distt. Rampur. (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Bilaspur on May 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land bearing No. 145 situated in Vill Bhiksora P.O. & Teh Bilaspur Distt. Rampur.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Joshi Pat Ram.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Shambhu Nath Sahu.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,

LUCKNOW.

Lucknow, the 13th November 1975

Ref. No. 91-S/Acq.—Whereas, I, BISHAMBHAR NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Shop No. 98 & 99 situated at Rakohganp, Faizabad, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Faizabad on 12.6.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two shops No. 98 and 99 situated at Rakabganp Distt. Faizabad.

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax
Acquisition Range, Lucknow.

Date : 13-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri S. N. Wadhwa.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ashok Kumar Tandon,

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE,
LUCKNOW.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Lucknow, the 13th November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. 54-A/Acq.—Whereas, I, BISHAMNATH NATH, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. B-38, situated at Nirala Nagar, Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 9.4.1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. B/38 measuring 11490 S.ft. situated at Chandganj, Niralanagar, Lucknow.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

BISHAMBHAR NATH
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th November 1975

Ref No. F.2443/75-76.—Whereas, I G. V. JHABAKH, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 513-C, situated at Perumughai Village, Gobichettipalayam Taluk (9.96 acres of land), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc. No. 846/75) on 29-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri E. P. Muthukamar, B.E., S/o Shri E. N. Palani-swamy, Erangkattu, Perumughai village, Gobichettipalayam Taluk, Coimbatore District.
(Transferor)

(2) Shri T. P. Subramania Gounder, S/o. Shri Palani Gounder, Kuttiravu Thottam, B. P. Agraharam, Erode-5, Shri Karuppana Gounder alias P. Raju, S/o Shri Pongianna Gounder, Mevani village, Gobichettipalayam Taluk.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

9.96 acres of land in Perumugai village bearing S. No. 513-C (with pump set, etc.)

G. V. JHABAKH
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 14-11-75.
Seal :

FORM I.T.N.S.———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE-II,
MADRAS-6.

Madras-6, the 14th November 1975

Ref. No. F. 2443/75-76.—Whereas, I G. V. JHABAKH, being the competent authority under Section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. S. No. 490-C, situated at Perumughai village, Gobichettipalayam Taluk (4.25 acres of land), (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gobichettipalayam (Doc No. 847/75) on 29-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri E. N. Palanisami, B.Sc., B.L., S/o Shri Nachiappa Gounder, Erangkatu, Perumughai village, Gobichettipalayam.

(Transferor)

(2) Shri T. P. Subramania Gounder S/o Shri Palani Gounder, Kuttiravu Thottam, B. P. Agraharam, Erode-5, Shri Karuppana Gounder alias P. Raju, S/o Shri Pongian Gounder, Mevani village, Gobichettipalayam Taluk.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

4.25 acres of land (with pump set, etc.) bearing S. No. 490-C, Perumughai village, Gobichettipalayam taluk.

G. V. JHABAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range-II,
Madras-6.

Date : 14-11-75.
Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri R. Lakshmanan, S/o Shri N. Rangaswamy, 79, Tatabad 11th St., Coimbatore-12.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri B. Chellappan, S/o Shri Balavenkatarama Chettiar, 21, Telugu Brahmin Street, Coimbatore-1.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANG-II,
MADRAS-6.

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th November 1975

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. F. 2420/75-76.—Whereas, I G. V. JHABAKH, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Site 11, situated at T. S. No. 9/7/2, Cross Cut Road, Coimbatore, (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at JSR III, Coimbatore (Doc. No. 1213/75) on 27-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269-C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 6 cents and 386 Sq. ft. (with building) situated at Site No. 11, Cross Cut Road, Coimbatore (T.S. No. 9/7/2).

G. V. JHABAKH
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Madras-6.

Date : 14-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Sri Varadaraman Son of Gopalakrishna Iyer, Varadier Street, Chengam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1,
MADRAS-6.

(2) Xavier Kadium Kuttiyal, Vincentian House, Kortampet.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Madras-6, the 14th November 1975

Ref. No. F.XX/3/100/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Land situated in Survey Nos. 9/4, 9/5 and 9/6 at Thukkappettai, North Arcot Dt.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Indian

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chengam on March 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 4.31 acres in Survey Nos. 9/4—1.04 acres, 9/5—0.50 acres, 9/6—2.77 acres at Thukkappettai, North Arcot Dt.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

G. RAMANATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-11-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Varadaraman, S/o Gopalakrishna Iyer, Tirupathoor.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Xavier Kadiyam Kuttial, Vincentiar House, Korattampatti.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-1, MADRAS-6.

Madrass-6, the 14th November 1975

Ref. No. XX/3/101/74-75.—Whereas, I, G. RAMANATHAN,

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey 9/4 situated at Thukkapettai, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Chengam on March, 1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269D of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

23—356GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in the Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 2 acres in Survey No. 9/4 at Thukkapettai covered by Doc. No. 477/75.

G. RAMANATHAN
Competent Authority,Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE I, MADRAS-6.

Madras-6, the 14th November 1975

Ref No. F.IX/1/112/74-75.—Whereas, I. G. RAMANATHAN, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25 000/- and bearing No. New Survey No. 458/1 situated at Ammanoor village, N.A. Dt., (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Madras on March 1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1958).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely,—

(1) Shri Venkatakrishna Reddy,
Shri P. Doraswamy Reddy,
Shri D. Jothi Narasimhan,
Shri D. Devanathan &
Shri D. Bhaskaran, Parithiputhur village, Vellore District.
(Transferor)

(2) Shri A. M. Velu Mudaliar, 45, Bordinpettai Street, Sholingar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 66½ cents and building known as Krishna Theatre in survey No. 458/1 situated at Ammanoor village, Vellore district. (Doc No. 1803/75).

G. RAMANATHAN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Madras-6.

Date : 14-11-75.
Seal :

FORM ITNS—
NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Pali Hill Panchashel Cooperative Housing Society
Ltd.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, BOMBAY.

Bombay-400020, the 12th November 1975

Ref. No. AR-II/2004/3246/75-76.—Where, I M. J. MATHAN.

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

NAS No. 98 C.S. Nos. C/1352, C/1353, C/1354 & C/1355 situated at Danda

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at

Bombay on 11-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that piece of land containing two thousand five hundred and seventeen square yards or thereabouts according to the Building Site Agreement with the Secretary of State for India in Council and two thousand six hundred and thirty one square yards (i.e. 2199.85 sq. metres) according to the Records of Rights and City Survey Planact and 25°5.65 sq. yds. (i.e. 2171.15 sq. metres) on actual measurement and registered in the Books of the Collector of Land Revenue under non-agricultural Survey No. 98 of Danda, Taluka South Saketie formerly District Thana and the Collectorate of Thana but now in Greater Bombay (formerly registered partly under Survey No. 251 and partly under Survey No. 256 of Danda) but now bearing City Survey Nos. C/1352, C/1353, C/1354 and C/1355 together with a dwelling house and all buildings and structures standing and lying thereon and assessed by the Municipality of Danda formerly under D Ward No. 22 and thereafter under C Ward No. 22 but now by the Municipal Corporation of Greater Bombay under H Ward No. 2128 Street No. 11 Pali Hill and which said premises are situate at Pali Hill, Danda Taluka, South Saketie in the Registration Sub-District and District Bombay City and Bombay Suburban and bounded as follows:—that is to say, On or towards the East by the Pali Hill Road, on or towards the West by the land formerly of H. A. D'Silva and others and now of Ferreira Trust Ltd. bearing N.A. No. 99—On or towards the North by the property formerly of Damodardas Tapidas Vrajdas and now of the said Ferreira Trust Ltd. bearing N.A. No. 99 and On or towards the South by the property of Mrs. Shirin Noshirwan Petigara and Cawas Noshirwan Petigara and bearing N.A. No. 96 and delineated on the plan annexed to the document of sale dt 9th Aug. 1974.

M. J. MATHAN

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II, Bombay.

(1) Smt. Avan Neelum Gidwani,

(Transferor)

Date : 12-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. K. KARVE MARG,
BOMBAY.

Bombay-400020, the 7th November 1975

Ref. No. AR/III/700/Mar. 75.—Whereas, I, Shri R. G. NERURKAR, being the competent authority under Section 269B of the income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Survey No. 263 (Part) C.T.S. No. 8 situated at Malvani, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at _____ on _____ for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefore by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

1. (1) Anu Lawrence Mendes (2) Gabriel Francis Mendes (3) Anton Francis Mendes (4) Anselm Frances Mendes (5) Johana James Gracious (6) Olga Sebastian Rodrigues, "Kharodji", Marve Road, Malad, Bombay-64. (7) Paulin John Patel, 533 A, Bandra Bazar Gate Cross Road, Bombay-50.
(Transferor)

(2) Bafhira Builders Pvt. Ltd. Neptune Court, Napean Sea Road, Bombay-400006.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All those pieces or parcels of agricultural land or ground situate lying and being at Village Malavani within Greater Bombay and in the Registration Sub-District Bandra, District Bombay City and Suburban bearing Survey No. 263 (Part) and C.T.S. No. 8 and admeasuring 89,450 square yards (equivalent to 74,450 square metres) or thereabouts forming part of the land described in the Schedule 'A' hereinabove written and bounded as follows; that is to say. On or towards the West and North by another portion of the agricultural land bearing Survey No. 263 (Part) On or towards the South by Malad Marve Road, and On or towards the East by Agricultural land bearing Survey No. 273 (Part).

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 7-11-1975.

Seal :

FORM ITNS -----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
AAYAKAR BHAVAN, M. K. KARVE MARG,
BOMBAY.

Bombay-400020, the 7th November 1975

Ref. No. AR/III/780/Mar. 75.—Whereas, I, Shri R. G. NERURKAR, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

C.T.S. No. 588 Pt (S. No. 22/5 (Part) situated at Borivli, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer, at Joint Sub-Registrars' Office, on 14-3-75 Bandra, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I has been transferred to under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Joseph F. D'Souza & Ors., 136, Orlem Goathan, Orlem, Malad (W), Bombay-64.
(Transferor)

(2) Smt. Pushpaben Motibhai Patel & Ors. Partners of M/s. Shreegram Foundry C/o. "Alka", Marve Road, Malad (W), Bombay-64.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

All that portion of vacant piece or parcel of land or ground without any approach road and hereditaments situate lying and being in the village Valnai near Malad in Borivli Taluka, Bombay Suburban District, formerly in the Registration Sub-District of Bandra, District Bombay Suburban but now in the Registration Sub-District and District of Bombay City and Bombay Suburban containing by admeasurement 1376 square yards or thereabouts equivalent to 1150.51 square metres or thereabouts and bearing Survey No. 22Hissa No. 5 part, City Survey No. 588 part and bounded as follows, that is to say on or towards the North by C.T.S. No. 583 (S. No. 22/1), on or towards the South by C.T.S. No. 595 (S. No. 22/10) and partly by C.T.S. No. 596 (S. No. 22/12 and 13) and partly C.T.S. No. 587 (S. No. 22/9) and on or towards the East : C.T.S. No. 589 (S. No. 22/6) and partly C.T.S. No. 595 (S. No. 22/10) and on or towards the West by C.T.S. No. 584 (S. No. 23/15) and partly C.T.S. No. 360 (S. No. 23/5) and partly C.T.S. No. 587 (S. No. 22/9).

R. G. NERURKAR,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, Bombay.

Date : 7-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR II/April/829(12)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARUA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing No.
Property No. 11-C, North West Avenue, situated at Punjabi
Bagh, Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the registering officer at
Delhi on 29.4.1975,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have reason
to believe that the fair market value of the property as
aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by
more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely:—

1. Shri Amar Singh Kalra s/o Shri Aya Singh r/o 11-
C, North West Avenue, Punjabi Bagh, New Delhi.
(Transferor)
 2. (1) Choudhri Ram s/o Shri Faqir Chand r/o F-4,
Rajouri Garden, New Delhi.
(2) Shri Gulshan Kumar s/o Shri Des Raj r/o
8057, Gali No. 8, Multani Dhanda Paharganj, New
Delhi.
(3) Shri Des Raj s/o Shri Faqir Chand r/o F-4,
Rajouri Garden, New Delhi. and
(4) Shri Hans Raj s/o Shri Chaudhri Ram r/o
H. No. 8057, Gali No. 8, Multani Dhanda, Pahar-
ganj, New Delhi.
(Transferee)
- H. No. 8057 Gali No. 8, Multani Dhanda, Pahar-
ganj, New Delhi

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immo-
vable property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A single storey building No. 11-C on a plot of land mea-
suring 555.55 sq. yds. (100' x 50') on North West Avenue
Road, Punjabi Bagh, Delhi. In the area of Village Madipur,
Delhi State, Delhi and bounded as under :—

North : West Avenue Road
South : Service lane
East : Plot No. 9-C
West : Property No. 13-C.

S. C. PARUA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12th November, 1975.

Seal :

FORM ITNS-----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/April/820(13)/75-76.--
Whereas, I, S. C. PARIJA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 undivided share of property No. 17/43, situated at Punjabi Bagh, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 15.4.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

1. Shri Sukhchain Singh Kasbia s/o Shri Sadhu Singh Kasbia r/o H. No. 596/40-41, Mohalla Subbash, Ganadhi Nagar, Delhi-31 at present r/o 17/43, Punjabi Bagh, Delhi.
(Transferor)
2. (1) Shri Charanji Lal s/o Shri Khushi Ram r/o 3676, Narang Colony, Tri Nagar, Delhi-35 and (2) Smt. Kaushalya Rani w/o Shri Charanji Lal, r/o 3676, Narang Colony, Tri Nagar, Delhi-35.
(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of single storey house bearing No. 17, on Road No. 43, Class D situated in residential colony known as 'Punjabi Bagh' Delhi, area of vilalge Madipur, Delhi 1/2 undivided share plot measuring 277.08 sq. yds. and bounded as under :—

North : Property No. 15
South : H. No. 17-A
East : Road No. 43
West : Service lane.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12th November, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Sukhchain Singh Kasbia s/o Shri Sadhu Singh Kasbia r/o 17/43, Punjabi Bagh, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.II/April/827(8)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

1/2 undivided share of Property No. 17/43, Punjabi Bagh, New Delhi,

(and more fully described in the Scheduled annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Delhi on 25.4.1975.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(2) Smt. Janak Dulari w/o Shri Sohan Lal r/o Narang Colony, Tri Nagar, Delhi and

(2) Smt. Janak Dulari w/o Shri Sohan Lal No. 3676, Narang Colony, Trinagar, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of single storey house bearing No. 17, on Road No. 43, Class D situated in residential colony known as 'Punjabi Bagh', area of Delhi village Madipur, Delhi on 1/2 undivided share of plot measuring 277.08 sq. vds. and bounded as under :—

North : Proper No. 15
South : H. No. 17-A
East : Road No. 43
West : Service Lane

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12th November, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/April/240(1)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under section 269B of
the Income Tax, Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the said Act), have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property No. 5117 (1/2 share) Plot No. 251, Block D,
situated at Gali No. 2, Krishan Nagar, Karol Bagh, New
Delhi,

(and more fully described in the schedule
annexed hereto) has been transferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer
at New Delhi on 2-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as afore-
said exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of
1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said
Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) or section 269D of the said Act, to the following persons
namely :—

24—356GI/75

- (1) Shri Tilak Raj Pabwa s/o Shri Ghasita Ram r/o
H. No. 5117, Gali No. 2, Krishan Nagar, Karol
Bagh, New Delhi.

(Transferor)

- (1) (1) Smt. Janki Devi w/o Shri Ram Dhari
(2) Shri Subhash Chand
(3) Shri Narinder Kumar
(4) Shri Krishan Lal
(5) Shri Madan Lal (m) s/o Shri Ram Dhari in
guardianship of their mother Smt. Janki Devi r/o
4560, Arya Samaj Road, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

- (3) Shri Narain Dass s/o Shri Giani Ram r/o H. No.
5117, Plot No. 251, Block-D, Krishan Nagar, Karol
Bagh, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of the
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein
as are defined in Chapter XXA of the said
Act shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of 24 storeyed house alongwith lease-hold rights
of property No. 5117, Ward XVI on plot No. 251, Block-D,
on a plot of land mg. 150 sq. yds. (1/2 share 75 sq. yds.)
situated in Gali No. 2, Krishan Nagar, Karol Bagh, New
Delhi and bounded as under :—

East : House No. 5116
West : H. No. 5118
North : Street
South : Street

S. C. PARIJA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12th November, 1975.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/April/241(2)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Property No. 5117 (1/2 share) Plot No. 251, Block-D, Gali
No. 2, Krishan Nagar, situated at Karol Bagh, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the
Registering Officer at
New Delhi on 2-4-1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons,
namely :—

(1) Smt. Shyama Rani w/o Shri Tilak Raj d/o Shri
Deva Ram r/o H. No. 5117, Gali No. 2, Krishan
Nagar, Karol Bagh, New Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Ram Phal and Bishan Sarup ss/o Shri Ram
Dhari r/o 4512, Arya Samaj Road, Karol Bagh,
New Delhi.

(Transferee)

(3) Shri Narain Dass s/o Shri Giani Ram r/o H. No.
5117, Plot No. 251, Block-D, Krishan Nagar, Ka-
rol Bagh, New Delhi.
[Person(s) in occupation of the property].

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said
Act, shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of 2½ storeyed house alongwith lease-hold rights
of property No. 5117, Ward No. XVI, on plot No. 251,
Block-D, on a plot of land measuring 150 sq. yds. (1/2 share
75 sq. yds.) situated in Gally No. 2, Krishan Nagar, Karol
Bagh, New Delhi and bounded as under :—

East : House No. 5116
West : H. No. 5118
North : Street
South : Street

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12th November, 1975,
Seal ;

FORM IINS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC.Acq.III/SR.III/April/254(19)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA,
being the competent authority under section 269B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter
referred to as the 'said Act'), have reason to believe that
the immoveable property having a fair market value ex-
ceeding Rs. 25,000/- and bearing
Property No. 7, Block-25B situated at WEA, Rohtak Road,
New Delhi,
(and more fully described in the Schedule
annexed hereto), has been transferred
under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the
office of the Registering Officer at
New Delhi on 11.4.1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11
of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957
(27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following persons,
namely :—

(1) (1) Shri Gurcharan Singh (2) Shri Mohinder Singh
ss/o Shri Pritam Singh (3) Smt. Swaran Kaur w/o
Shri Pritam Singh r/o 7448, Block No. 25-B, WEA,
Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi and (4)
Smt. Avtar Kaur d/o Shri Pritam Singh w/o Shri
Hardaleep Singh r/o Fauji Colony, Jahagir Farm,
Village Bajpur, Distt. Nainital (UP).

(Transferor)

(2) Svs. Raj Kumar Gupta and Jatinder Kumar Gupta
ss/o Shri Parkash Chand r/o H. No. 7748, Ward
No. XVI, Block No. 25-B, WEA, Rohtak Road,
Karol Bagh, New Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45
days from the date of publication of this notice in the
Official Gazette or a period of 30 days from the
service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property, within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
defined in Chapter XXXA of the said Act, shall
have the same meaning as given in that chap-
ter.

THE SCHEDULE

2½ storeyed pucca built building Municipal No. 7448, Ward
No. XVI, built on a lease-hold plot No. 7, Khasra No. 1415/
153, Block No. 25-B, area 316.29 sq. yds. situated in WEA,
Rohtak Road, Karol Bagh, New Delhi and bounded as un-
der :—

North : Rohtak Road
South : Service lane.
East : Property on plot No. 6.
West : Property on plot No. 8.

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of,
Income-tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

Date : 12th November, 1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Bhim Singh s/o Shri Jhandoo Singh r/o Village Khayalla, Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/(9)/April-I/696/75-76.—
Whereas, I, C. V. Gupte,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961 (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and
bearing

Khasra No. 374/1, 374/2, 377/1 & 377/2, situated at Village Gadaipur, New Delhi.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of
the Registering Officer at

New Delhi on 31.3.1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefore by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
monies or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax
Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following
persons, namely :—

(2) Shri Jawhar Lal Fotedar s/o Shri Shiv Shankar
Nath Fotedar r/o No. 73, Birla Nagar, Gwalior.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the said Act, shall have the same
meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural Land measuring 9 Bighas 12 Biswas, bearing
Bhasra No. 374/1 (area 2 Bighas 8 Biswas), 374/2 (area
2 Bighas 8 Biswas), 377/1 (area 2 Bighas 8 Biswas), 377/2
(area 2 Bighas 8 Biswas) at village Gadaipur, Delhi.

C. V. GUPTA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 12-11-75.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Shibi Narain s/o Sh. Jhandoo Singh r/o Village Khayalla, Delhi.

(Transferor)

**NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)**

(2) Jwahar Lal Fotedar S/o Sh. Shiv Shankar Nath
Fotedar. r/o No. 73, Birla Nagar, Gwalior.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

**OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 4/14A, ASAF ALI ROAD,
NEW DELHI.**

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRIII/694/(7)/75-76.—Whereas, I, C. V. GUPTA, being the Competent Authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Khasra No. 414 and 376 situated at Village Gadaipur, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 1.4.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 9 Bighas 12 Biswas bearing Khasra No. 414 (area 4 Bighas 16 Biswas) and No. 376 (area 4 Bighas 16 Biswas) of village Gadaipur, Delhi.

C. V. GUPTA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 12-11-75.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-III,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

(1) M/s. A. Arun & Company 33/30, East Patel Nagar, New Delhi through Sh. Kewal Kumar s/o Lala Bhagwan Dass Khanna and Smt. Sudesh Khanna w/o Sh. Vijay Kumar Khanna, r/o 33/30, East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

(1) (1) Shri Kundan Lal (2) Shri Shiv Parkash (3) Shri Hari Kishan and (4) Shri Ram Babu s/o Shri Bhagwan Dass Paharia r/o 1709, Himmat Garh, Bazar Sita Ram, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 12th November 1975

Ref. No. IAC/ACO.III/SR.III/March/216(17)/75-76.—
Whereas, I, S. C. PARIJA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 1/2 share of Prop. No. 5451 5452 and 5461/1 Regharpura, Arya Samaj Road, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at New Delhi on 15.3.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 share of 1½ storeyed kucha built house Municipal No. 5451, 5452 and 5464/1, built on a lease-hold plot No. 423 block No. 8, total area 150 sq. yds. (1/2 of 150 sq. yds. 75 sq. yds.) situated at Regharpura, Arya Samaj Road, New Delhi and bounded as under :—

North : Arya Samaj Road

South : Street

East : House on plot Khasra House No. 424

West : Property on plot Khasra No. 422.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957)

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Date : 12-11-75.
Seal :

S. C. PARIJA
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-III, New Delhi.

FORM ITNS—

(1) M/s. D.L.F. United Ltd., 40-F Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 of 1961)(2) Shri Ganpati Nath Bhagat S/o Sh. Bhagat Gobind
Ram, r/o F-81, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.I/SRI II/(29)/May-II/75-76.—Whereas,
I, C. V. GUPTE,being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as
the 'said Act'), have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

M-66 situated at Greater Kailash-II, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 24.5.1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reasons to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;(b) by any other persons interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act,
in respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).A plot of land measuring 244.5 sq. yds. bearing Plot No.
M-66, situated in the residential colony of Greater Kailash-
II, New Delhi and bounded as under :—North : Plot No. M/64
South : Plot No. M/68
East : Service Lane
West : RoadC. V. GUPTE,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner
of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act, to the following per-
sons, namely :—

Date : 14-11-75.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. D. L. F. United Ltd., 40-F Connaught Place,
New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Ganpati Nath Bhagat s/o Sh. Bhagat Gobind
Ram, r/o F-81, Kalkaji, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER
OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-I,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/Acq./SRM/May-II(31)/75.76—Whereas I,
C. V. GUPTE,being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.M-43-A situated at Greater Kailash-II, New Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
New Delhi on 24.5.1975.for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act, in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or which
ought to be disclosed by the transferee for the
purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of
1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957
(27 of 1957).Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said
act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(i) of section 269 D of the said Act, to the following
persons, namely :—Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of the notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter XXA of
the said Act, shall have the same meaning as
given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 289 sq. yds. bearing shop Plot
No. 43-A, Block 'M', Greater Kailash-II, New Delhi and
bounded as under :—North : Shop Plot No. M/43
South : Shop Plot No. M/44
East : Road
West : Road

C. V. GUPTE

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, New Delhi.

Date : 14-11-75.

Seal :

FROM ITNS

(1) Shri Chella Ram s/o Shri Bhuromal r/o 13/10,
East Patel Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Heman Dass s/o Shri Bhuromal, r/o 9/3, East
Patel Nagar, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/1927(927)/75-76.—Whereas, I. S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 33/13 (1/2 share) situated at East Patel Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 28.4.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957),

1/2th share of a plot of land measuring 100 sq. yds. (total measuring 200 sq. yds.) situated at No. 33/13, East Patel Nagar New Delhi & bounded as under :—

North-East : Lane
South-East : Road
East-South : Qr. No. 14
West-North : Qr. No. 12.

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—
25—356G1/75

Date : 14-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Ram Piari w/o Shri Devki Nandan r/o 37UA,
Jawahar Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Shri Gian Chand Bansal s/o Shri Kali Ram r/o
House No. 2671, Gali Anar, Kinari Bazar, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4-A/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/1960(926)/75-76—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority
under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of
1961), (hereinafter referred to as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property,
having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. 6007, Plot No. 37C & 38A situated at Jawahar Nagar,
Delhi,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the
Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at
Delhi on 30.4.1975,
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated
in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other persons interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transfer to pay tax under the 'said Act'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957);

A double storeyed house constructed on a plot of land mea-
suring 95 sq. yds. bearing Municipal No. 6007 Ward No.
XI built on plot No. 37C & 38A Block UA in Jawahar
Nagar, Delhi and bounded as under :—

North : Common Wall with House of Kishori Lal
South : Road
East : House of Mahinder Nath
West : House of Dewan Chand

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the said Act to the following
persons, namely :—

Date : 14-11-75.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th November 1975

Def. No. IAC/ACQ.II/291(930)/75-76.—Whereas, I, S. N. L. AGARWALA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-Tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing J-2/9(Western Portion) situated at Village Ghoundli, Krishan Nagar, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the registering officer at Delhi on 4.3.1975, consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C. of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely :—

(1) Smt. Lachho Rani Seth w/o Shri Brij Lal Sethi, r/o Mini Ice Cream, Adarsh Colony, Civil Lines, Rampur (UP).

(Transferor)

(2) Shri Kehar Singh s/o S. Partap Singh r/o 10/123, West Azad Nagar, Delhi-51.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A plot of land measuring 229.15 sq. wds. bearing plot No. 9 Block No. J-2, being the half western portion of the said plot of land out of the entire area of 458.3 sq. yds. out of Khasra No. 506 Village Ghundali, Krishan Nagar, Delhi & bounded as under :—

North : Road
South : Plot No. 3-3/7 & 8
East : Remaining half portion
West : Plot No. 3-2/9

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 15-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX, ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX, ACQUISITION RANGE-II,

4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

New Delhi, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/1889(928)/75-76.—Whereas I, S. N. L. AGARWALA, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. D-66 (1/2 portion) situated at Kirti Nagar, New Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 7.4.1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

(1) Shri Shanker Dass s/o Shri Kirori Ram r/o M-40, Kirti Nagar, New Delhi-15 through Shri Suraj Prakash Kharbanda s/o Shri Shanti Lal Kharbanda, r/o 690, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi General power of attorney. (Transferor)

(2) Shri Om Parkash Kharbanda s/o Shri Shanti Lal Kharbanda, r/o 690, Joshi Road, Karol Bagh, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 portion of a single storeyed house constructed on a plot of land measuring 119 sq. yds. out of 238 sq. yds. bearing No. D66, Kirti Nagar, New Delhi & bounded as under :—

North : Plot No. 66A
East : Park
South : Plot No. 67
West : Service lane

S. N. L. AGARWALA
Competent Authority

Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 14-11-75

Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Ram Lal Bhasin s/o Shri Mool Chand Bhasin,
r/o 3191, Soiwali Gali, Mori Gate, Delhi.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Chaman Devi w/o Shri Ram Lal Kalra r/o
12/3610/, Reharpura, Karol Bagh, New Delhi.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI.

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

New Delhi, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ.II/1990(928)/75-76.—Whereas, I,
S. N. L. AGARWALA,
being the competent authority under Section 269B of the
Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

A-2/115 situated at Rajouri Garden, New Delhi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Regis-
tering Officer at

Delhi on 7.4.1975.

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated

in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth Tax,
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons,
namely :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the immovable
property within 45 days from the date of the pub-
lication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A single storeyed house constructed on a plot of land
measuring 258 sq. yds. at No. A-2/115 situated in the resi-
dential colony known as Rajouri Garden, New Delhi and
bounded as under :—

North : Property A-2/114
South : Road
West : Property No. A-2/116
East : Road

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
New Delhi.

Date : 14-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Sushilaben Kantilal Nanavatl, Patharkuwa, Ahmedabad.
(Transferor)NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 10th November, 1975

Ref. No. Acq. 23-I-718(239)/1-1/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Survey No. 269, M.S. No. 149 of Khadia-3

situated at Phatasani Pole, Ahmedabad

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on March, 1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(2) Shri Ajitnath Apartment Co-op. Housing Society through :

(1) Shri Arvindkumar Narandas, Sudarshan Society, Naranpura, Ahmedabad-13.

(2) Shri Nagindas Chimanlal, Vandana Park Society, Nawa Wadej, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land and structure bearing Survey No. 269, Municipal Survey No. 149, of Khadia-3, land admeasuring 67 sq. yards situated at Phatasani Pole, Gandhi Road, Ahmedabad as fully described in sale-deed No. 3046 of March, 1975 of Registering Officer, Ahmedabad.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax Acquisition Range-I) Ahmedabad.

Date : 10-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nitin Jagabhai Nanavati, Patharkuwa, Relief Road, Ahmedabad (Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 11th November, 1975

Ref. No. Acq. 23-I-554(240)/1-1/74-75.—Whereas, I P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Survey No. 267, M.S. No. 149, of Khadia-III situated at Phatasani Pole, Ahmedabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ahmedabad on 15-4-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(2) Shri Ajitnath Apartment Co-op. Housing Society, through:

(1) Shri Arvindkumar Narandas, Sudarshan Society, Naranpura, Ahmedabad-13.

(2) Shri Nagindas Chimanlal, Vandana Park Society, New Wadeji, Ahmedabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall, have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property comprising of land & structure bearing Survey No. 267, M.S. No. 149, of Khadia-III, Land admeasuring 142 sq. yards situated at Phatasani Pole, Gandhi Road, Ahmedabad as fully described in the sale deed No. 4674 of April, 1975 of Registering Officer, Ahmedabad.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 11-11-1975.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 14th November, 1975

Ref. No. Acq. 23-I-587(241)/5-1/75-76.—Whereas, I P. N. Mittal, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. 575-A and 575-B situated at Near Crescent Chawk, Bhavnagar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Bhavnagar on 29-3-1975 & on 30-4-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) (1) Shri Hariprasad Devshanker Bhatt (2) Shri Mohanlal Devshanker Bhatt, (3) Shri Vishnuprasad Devshanker Bhatt, (4) Shri Mukundral Devshanker Bhatt.
Plot No. 576, Nr. Crescent Chawk, Bhavnagar.
(Transferor)

(2) R. L. Kaldhia & Co., through partner—Shri Ratilal Laljibhai Kaldhia, Swashral, Diamond Chawk, Bhavnagar.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open plot of land admeasuring 608.16 sq. yds. and 419 sq. yds bearing Plot Nos. 75-A and 575-B, situated Near Crescent Chawk, Bhavnagar (registered on 29-3-1975 and 30-4-1975 respectively).

P. N. MITTAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date : 14-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD-380009.

Ahmedabad-380009, the 6th November, 1975

Ref. No. PR. 225/Acq. 23-348/198/75-76.—Whereas, I,
P. N. Mittal,

being the competent authority under section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to
as the 'said Act') have reason to believe that the immovable
property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-
and bearing No.

Muni, Ward No. 2 Nondh No. 1932 Paiki situated at Ring
Road, Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at

Surat on 4-4-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer; and/
or

(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the wealth-tax Act,
1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-
section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following
persons, namely :—

26—356GI/75

(1) M/s. Vishwakarma Land Corporation through
Partners : Nanubhai Khandubhai Desai, Taraben
Ratilal, Champaklal Chunilal Jinwala, Yashwant
Chunilal Shah, Mukul Nanubhai Desai, Tulsibhai
Thakordas Manwawala, Amritlal Thakordas, Man-
wawala, Champaklal Thakordas Manwawala.
(Transferor)

(2) Dahyabhai Narottamdas Solanki, Dharamchand
Gulabchand Parmar, Lalitaben Ramjibhai Dabhi,
Nitaben Nagindas Shah and Rameshchandra Som-
chand Shah, Kamalkant Mohanlal Patel, Manjula-
ben Natverlal Trivedi Hemlata Chandulal Belani,
Narendra Ratilal Desai, Meeraaben Manubhai
Desai, Anjana Champaklal Jariwala, Mancharam
Gandabhai Parmar, Amritlal Maganlal Vashi, Guru-
charandas Arjundas Arora, Induben Sharadchandra
Desai, Atulchandra Natverlal Patharwala, T. D.
Advani, Meena K. Desai, Bijendra Dhirubhai
Desai.
(Transferee)

(3) Mona Enterprise, Surat, through its partner Shri
Induben Sharadchandra Desai.
(Person who the undersigned known to be interested
the property)

Objections if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned —

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'said Act', shall have the
same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land bearing Nondh No. 1932 Paiki Muni, Ward No. 2,
admeasuring 347.5 Sq. Yds. (total) situated near Ring Road,
Opp. Majura Gate, Surat as mentioned in the registered
deeds No. 4438 to 4440 of 1974 and New No. 1851 to
1853 of April, 1975 of the Registering Officer, Surat.

P. N. MITTAL

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,

Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Date : 6-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Patel Dhanji Ramji, Koothrai, Village: Kalra Near
Baledia, Taluka Bhuj (Kutch)
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Devkabai Meghji, w/o Meghji Monshi Shah,
173, Pithe Chaya Sion—Bombay 400 022.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-I, 2ND FLOOR
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 19th November 1975

Ref. No. Acq. 23-I-616(242)/12-2/75-76.—Whereas, I,
J. Kathuria,
being the Competent Authority under Section 269B of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'Said Act'), have reason to believe
that the immovable property, having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Plot No. 5, Ward No. 9, situated at Nr. Hospital Road,
Sadur Camp, Bhuj
(and more fully
described in the Schedule annexed hereto), has been trans-
ferred under the Registration
Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer
at Bhuj on 27-3-1975
for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration thereof by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument
of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act',
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act,
1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the
said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition
of the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the said Act to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period
of 45 days from the date of publication of this
notice in the Official Gazette or a period of
30 days from the service of notice on the res-
pective persons, whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A two storeyed building, standing on land, admeasuring
4770 sq. ft. bearing Plot No. 5, Ward No. 9, situated at Nr.
Sadur Camp Area, Bhuj.

J. KATHURIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I,
Ahmedabad.

Date: 19-11-1975.

Seal :

FORM ITNS

(1) M/s. Baroda Industrial Development Corporation Ltd., Gorwa Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Indumatiben Kantilal Kadakia, C/o Kantilal C. Kadakia, 2nd Kailas Nagar, 1st floor, Opp. Bhatia Hospital, 658, Tardeo, Bombay-7.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR,
HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 13th November, 1975

Ref. No. P.R. No. 262 Acq. 23-499/6-1/75-76.—Whereas, I, P. N. Mittal, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Revenue Survey No. 1032 & 1034 paiki situated at Gorwa Estate, Gorwa Road, Baroda (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 17th April, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and than the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other persons, interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay under the said act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said act or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Land bearing Revenue Survey No. 1032 and 1034 Municipal No. 114/40 in Sayaj Ganj Area—Land admeasuring in all 6524 sq. ft. alongwith structure on a built up area of 2427 sq. ft. in the form of an industrial shed known as Type 'A', Block No. 2/1, Gorwa Road, Baroda.

P. N. MITTAL

Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II,
Ahmedabad.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said act to the following persons, namely :—

Date : 13-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. Baroda Industrial Development Corpn. Ltd.,
Gorwa Road, Baroda.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Swarn Pawah, 67-N, Connot Circle, New
Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD,
AHMEDABAD.Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

Ahmedabad-380009, the 13th November 1975

Ref. No. P.R. No. 263 Acq. 23-500/6-1/75-76.—Whereas
I, P. N. MITTAL,being the competent authority under section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (here-
inafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe
that the immovable property having a fair market value
exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.
Revenue Survey No. 1032 & 1034 paiki situated at Gorwa
Estate, Gorwa Road, Baroda.(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of
1908) in the office of the Registering Officer at
Baroda on 17th April, 1975,for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more than
fifteen per cent of such apparent consideration and that the
consideration for such transfer as agreed to between the
parties has not been truly stated in the said instrument of
transfer with the object of :—(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons
whichever period expires later;(b) by any other person interested in the said
immovable property within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.EXPLANATION :—The terms and expressions used
herein as are defined in Chapter
XXA of the 'said Act' shall have the
same meaning as given in that Chapter.(a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or(b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth tax Act
1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

Land bearing Revenue Survey No. 1032 & 1034 Municipal
No. 114/43 in Sayaji Ganj area—Land admeasuring in all
6524 sq. ft. alongwith structure on a built up area of 2427
sq. ft. in the form of an industrial shed known as Type 'A',
Block No. 2/2, Gorwa Road, Baroda.

P. N. MITTAL

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons,
namely :—

Date : 13-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 14th November 1975

Ref. No. P.R. No. 264 Acq. 23-501/6-2/75-76.—Whereas I. P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Rev. S. No. 532, Plot No. 66 situated at Viswas Colony, Baroda, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 19 & 22-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Mehta Narendrabhai Mafatlal through power of attorney holder Dr. Anandlal B. Kothari, Sampat-rao Colony, Opp. New India Mill, Baroda.
(Transferor)
- (2) Dr. Satishbhai Natverbhai Shah Dr. Mrs. Daksaben Satishbhai Shah, 1st Floor, Samir Building, Near Kothi, Raopura, Baroda.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing R.S. No. 532, Plot No. 66 admeasuring 7150 Sq. ft. (3575 Sq. ft. each of two transfer) situated at Viswas Colony, Baroda as fully described in sale deeds registered under No. 2571 & 2603 of April, 1975 by registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 14-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ramanbhai Ambalal Patel, Uttarsanda, Dist. Kaira.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Babulal Savjibhai Bajarla, 85/A Sampatrao Colony, Baroda.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II, 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE, ASHRAM ROAD, AHMEDABAD.

Ahmedabad-380009, the 14th November 1975

Ref. No. P.R. No. 265 Acq. 23-502/6-2/75-76.—Whereas, I, P. N. MITTAL, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

S. No. 525 Plot No. 1, Open land situated at Near Sampatrao Colony, Jetalpur Road, Baroda, (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Baroda on 9.4.1975, for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An open plot of land bearing S. No. 525 Plot No. 1 ad-measuring 5438 Sq. ft. situated near Sampatrao Colony, Jetalpur Road, Baroda as fully described in sale deed registered under No. 2317 of April, 1975 by Registering Officer, Baroda.

P. N. MITTAL

Competent Authority

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Date : 14-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Susheeladevi W/o Shri Pratapsingh Dangi
House No. 66, Mahavir Nagar, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jattansingh Dangi S/o Shri Buganlal Dangi
Secretary Shri Mahalaxmi Housing Society, Maha-
vir Nagar, Indore, M.P.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Objections, if any, to the acquisition of the said prop-
erty may be made in writing to the undersigned—

Bhopal, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing house No. 66 area 1700 sq. ft. Mahavir Nagar, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred as per deed registered under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 19-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 66 area 1700 sq. ft. Mahavir Nagar, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1975.
Seal :

FORM ITNS

(1) The Barwani Agro Industrial Co. through its Partner H. H. Shri Devisingh S/o Shri Ranjitsingh Barwani.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Bisa Nima Samaj Barwani.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Building known as Indra Bhawan with front and back open land including rooms in dilapidated condition situated at Barwani,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Barwani on 31-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building known as Indra Bhawan with front and back open land including rooms in dilapidated condition.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

Date : 10-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Gendlal S/o Kanhaiyalal Dewang R/o 43, Juni Kesara Bakhal, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Kantabai W/o Shri Badriprasadi, R/o Juni Kesara Bakhal, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 43, Juni Kasera Bakhal, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

27—356GI/75

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House bearing No. 43 Juni Kasera Bakhal, Indore
32'6" × 19'

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Bapu 2. Shri Tukaram Baradi, Balsad West Nimard.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Mahendrakumari W/o Shri Jagdish Chandra R/o Sendhwa, West Nimard.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. two storeyed building—area 25' × 50' situated at Sendhwa, (and more fully described in the schedule annexed here to), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sendhwa on 31-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore in pursuance of section 269C, of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

2 storeyed building—area 25'×50' at village Sendhwa.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

- (1) Shri Sadharam S/o Pokhardas. 2. Keshavdas S/o Pokhardas and 3. Smt. Chandrabai W/o Shri Brijlal R/o Palsikar colony. 4. Shri Mohanlal S/o Sri Tahilramji R/o Raipur.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Block No. 9, Sadhu Nagar, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 22-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Block No. 9, Sadhu Nagar, Indore .

M. F. MUNSHI.

Competent Authority

Inspecting Assistant Commissioner of

Income-Tax,

Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 14-11-1975

Seal :

FORM ITNS ———

(1) Shri Ramchandralal alias Ramcharanlal S/o Shri Bapulal R/o H. No. 70, Pinjara Bakhhal, Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Gulam Mohd. S/o Ajim Bux, R/o H. No. 29 Labriya Bheru, Dhar Road, Indore, M.P.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 70, Pinjara Bakhhal, Indore situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Three storeyed house No. 70, at Pinjara Bakhhal, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely :—

Date : 14-11-1975
Seal :

FORM ITNS

(1) Shri Harbhajansingh S/o Dewansingh, 2/1 North Rajmohalla, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Radheshyamji Bapulalji Maheshwari, 9/4 North Raj Mohalla, Indore.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. House No. 2, Galli No. 1, North Rajmohalla, Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-3-1975

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes, of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 2, Galli No. 1, North Rajmohalla, 3 storeyed House, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-11-1975.

Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 14th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing House No. 295 Galla Ward, Jabalpur situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jabalpur on 3-5-1975, for apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) Shri Anwar Khan, S/o Chotekhan R/o Ghoda Nakas Chotta Gohalpur, Jabalpur. 2. Shri Gulam Ahmed, 3. Shri Gulam Sakir, 4. Shri Gulam Sabid, all sons of late Shri Gulam Mohd. 6. Smt. Jebunnisa Wd/o late Gulam Mohd. R/o Kamaniya Gate, Jabalpur.

(Transferor)

(2) Smt. Gulab Rani W/o Shri Khuman Balji Jain R/o House No. 852, East Nimardganj, city Jabalpur.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 295 double storeyed situated at Galgala ward, Andherdeoroad, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 14-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Noor Jehan W/o Shri Badruddin Kaji, R/o Noor Vila, 40 Perji Road, Bandra, Bombay-50.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Khodadad S/o Hermaji Diar Vajdi, R/o Vajdi Villa, Dashera Maidan Colony, Ujjain.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F.

Munshi,

being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

M. H. No. 1/6, New No. 3, Yeshwant Nivas Road, Indore situated at Indore,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 14-3-1975,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any Income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

M. H. No. 1/6, New No. 3, Yeshwant Niwas Road, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :

Date : 5-11-1975
Seal :

FORM JTNS

(1) Smt. Noorjahan Kaji Wo Shri Badruddin Kaji, R/o
Noor Villa, 40 Porji Road, Bandra, Bombay-50.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Smt. Ratanbai W/o Shri Tulsiram Khandelwal,
R/o 415, M.G. Road, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
BHOPAL

Bhopal, the 5th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269-B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25000/- and bearing No. House No. 1/6, New No. 3, Yeshwant Nivas Road, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Indore on 14-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 1/6, New No. 3, Yeshwant Nivas Road, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income-Tax, Acquisition Range, Bhopal.

Date : 5-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Noorjahan W/o Shri Badruddin Kaji R/o
Noor Villa, 40 Porji Road, Badnra, Bombay-50.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Govindram Khandelwal S/o Shri Tulsiram
Khandelwal R/o 415, M.G. Road, Indore.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons, which-
ever period expires later;

Bhopal, the 5th November 1975

(b) by any other person interested in the said
immovable property, within 45 days from the
date of the publication of this notice in the
Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 1/6, New No. 3, Yeshwant Nivas Road, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Indore on 14-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

THE SCHEDULE

House No. 1/6, New No. 3, Yeshwant Nivas Road, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely :—

28—356GI/75

Date : 5-11-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s Binodiram Balchand & Co., Indore.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) M/s Bhandari Ginning & Oil Mill, Khargone.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice of the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

Bhopal, the 5th November 1975

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. land measuring 8.63 acres alongwith Oil machinery and allied materials situated at Khargone, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Khargone on 8-3-75 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

THE SCHEDULE

Land measuring 8.63 acres alongwith oil machinery and allied materials; at Khargone.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely :—

Date : 5-11-1975
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA
OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated in municipal ward No. 8, Near Masjid Mohalla, Jain Mandir, Bhopal situated at Bhopal, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 4-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Smt. Amnul Rehman Wd/o Shri Asghar Hussain,
2. Shri Asghar Hussain S/o Shri Akhtar Hussain,
3. Smt. Noshan Khatun all R/o Gufarpura, Bhopal,
and Smt. Bilquis Jehan W/o Syed Yusuf all R/o
Mohalla Sindhi Market, Bhopal.

(Transferor)

(2) Smt. Pushpabai Jain W/o Shri Pawan Kumar Jain
R/o Lohar Bazar, Bhopal.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House situated in municipal ward No. 8 Near Masjid Mohalla, Jain Mandir, Bhopal.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-11-1975.
Seal :

FORM ITNS ———

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Ref. No. 1AC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority, under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. double storey house on plot No. 38, Katju colony, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10-3-1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any incomes arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Shri Bagwandas S/o Chadmalji, 2. Shri Chhatrumal S/o Bhagwandasji, 3. Smt. Putlibai W/o Shri Bhagwandasji, 4. Smt. Padmabai W/o Shri Chatrumalji r/o Katju colony, H. No. 33, Indore all members of Joint Family of Chatrumal Bhagwandas Lalwani.
(Transferor)

(2) Shri Manoharlal S/o Baharimalji, 2. Shri Narayandas S/o late Baharimalji minor through guardian Smt. Hujibai wd/o Baharimalji R/o 18, Neelkant colony, Indore.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later :

(b) by any other persons interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed house on plot No. 38, Katju colony, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax,
Acquisition Range, Bhopal

Date: 10-11-1975.

Seal:

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. agricultural land situated at Khajarana—area 18.43 acres situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferee to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

(1) Shri Babulal S/o Bonderji Sharma (Brahman) R/o Vill. Khajarana 2. Shri Ramchandra S/o Bonderji, 3. Shri Unkar S/o Shri Premchand, 4. Shri Nanalal S/o Devram Joshi 112, Jail Road, Indore, 5. Shri Chunnilal S/o Devram Joshi, 112, Jail Road, Indore.

(Transferee)

(2) M/s Kalap Kamdehenu, Indore.

(Transferee)

Objection, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'Said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Khajarana—area 18.43 acres.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-11-1975
Seal :

FORM I.T.N.S. _____

(1) Sardar Buta Singh S/o S. Ishwar Singh, H. No. 1035, Wright Town, Marhatal, Jabalpur.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) 1. Smt. Pannodevi W/o Shri Shri Bholu Nath R/o Sadar Bazar; Jabalpur, 2. Smt. Uma Devi W/o Shri Santosh Kumar R/o Sadar Bazar, Jabalpur.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. double storeyed building situated at Malviya Chouk, bearing house No. 1035-B, Wright Town, Jabalpur situated at Jabalpur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jabalpur on 4-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Double storeyed building situated at Malviya Chouk bearing House No. 1035-B, Wright Town, Jabalpur.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of H. No. 31/90 Lashkar Gwalior situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Gwalior on 28-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the Parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishnagopal S/o Ram prasad Somani, R/o Sarafa Baar, Lashkar, Gwalior.
(Transferor)
- (2) Shri Prakashchand S/o Hirachand Mehata, R/o Malbar Hill, 414 Chandralok, V. Building, Bombay.
(Transferee)
- (2) The Punjab National Bank, Lashkar, Gwalior 2. Shri Suresh Saxena, C/o Gwalior University Office, Gwalior.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of H. No. 31/90 Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-11-1975

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Part of H. No. 31/90 Lashkar, Gwalior situated at Gwalior, (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gwalior on 28-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

- (1) Shri Krishnagopal S/o Ramprasad Somani, R/o Sarafa Bazar, Lashkar, Gwalior.
(Transferor)
- (2) Smt. Minakumari W/o Prakashchand Mehta, R/o Malhar Hill, 414 Chandralok, V-Building, Bombay.
(Transferee)
- (3) Shri Hariharniwas Diwedi, Prop of Law General Publication 2, Shri Suresh Saxena, C/o Gwalior University Office, Gwalior.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of H. No. 31/90, Lashkar, Gwalior.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-11-1975.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Mangharam Jeramdas Kirpalani, 77, Saket Colony, Indore.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

(2) Shri Chandar, 2. Shri Keshar, 3. Shri Chimanlal, 4. Shri Devdas all S/o Morandmal Ramchandra, 24 Bakshi colony, Indore-4.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

Bhopal, the 10th November 1975

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I. M. F. Munshi, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House No. 5 street No. 1 Old Palasia, Indore situated at Indore, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 28-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

28—356GI/75

THE SCHEDULE

House No. 54, Street No. 1, Old Palasia, Indore.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date : 10-11-1975

Seal ;

FORM ITNS—

(1) Smt. Saroj Devi W/o Shri Raghunandan R/o Bhopal Talkies, Bhopal.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Dr. Mrs. Nisar Fatima W/o Shri Rashid Sayeed Khan, R/o Inside Itwara, Bhopal.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, BHOPAL

Bhopal, the 10th November 1975

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/75-76.—Whereas, I, M. F. Munshi, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot of land 60'×140' situated at Shimla Road, M.C. Ward No. 4, Bhopal situated at Bhopal,* (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bhopal on 13-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transferor; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

EXPLANATION :The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot of land 60'×140' situated at Shimla Road, M.C. Ward No. 4, Bhopal.

M. F. MUNSHI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

Date : 10-11-1975,
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shrimati Meka Raja Rajeswari Devi, W/o Sri Meka Rangayya Appa Rao, Vice-Chancellor, Andhra University, Waltair, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sri D. Sambasivarao, S/o Kesavanarayana, Vijayawada.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 12th November 1975

Ref. No. Acq. File No. 265 J. No. KR/157/75-76.—

Whereas, I. B. V. Subba Rao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 26-16-28, situated at Nageswararao Pantulu Street, Gandhinagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 15-5-75,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act', or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1501/75, of the SRO, Vijayawada registered during the fortnight 15th May, 1975.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act', to the following persons namely:—

Date : 12-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 252 J. No. I(31)/EG/74-75.—

Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 2/8-21-1 situated at Pullavari Street, Gandhinagar, Kakinada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kakinada on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any monies or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of the notice under sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the following persons, namely :

- (1) 1. Shri Repaka Baburao, S/o Kowastubam 2. Repaka Rajagopalarao, S/o Baburao 3. Repaka Rajyathaxmi, W/o Baburao.

(Transferor)

- (1) Smt. Datta Sivakumari, W/o Kondaraju, Asst. Engineer, (Civil) Vamachhara Project, Hirmaandalam, Srikakulam District.

said

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 2356/75 of S.R.O., Kakinada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-10-75.
Seal :

FORM ITNS—

- (1) Sri Rao Venkataramana Murthy, S/o Rama Rao,
Sitanagaram, Bobbili Taluk, SKM. Dt.
(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

- (2) Smt. Kikkina Tulasamma, W/o Sri Bikkina Venkata-
rayanam, Chelluru, Ramachandrapuram Taluk
E.G.Dt.
(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-
SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE,
KAKINADA

Kakinada, the 28th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 256 J. No. 611/EG/74-75.—
Whereas, I, B. V. Subba Rao,
being the competent authority under section 269-B
of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter
referred to as the 'said Act') have reason to believe that the
immovable property having a fair market value exceeding
Rs. 25,000/- and bearing No.
No. 2-1-61; Asst. No. 623 T.S. No. 312, Kakinada,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer at
Kakinada on 15-3-75,
for an apparent consideration which is less than the
fair market value of the aforesaid property and I have
reason to believe that the fair market value of the property
is aforesaid exceeds the apparent consideration therefor
by more than fifteen per cent of such apparent consideration
and that the consideration for such transfer as agreed
to between the parties has not been truly stated in the said
instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of liability of
the transferor to pay tax under the 'said Act' in
respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or
any moneys or other assets which have not been
or which ought to be disclosed by the transferee
for the purposes of the Indian Income-tax Act,
1922 (11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-
tax Act 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the
'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of
the aforesaid property by the issue of this notice under
sub-section (1) of section 269D of the 'said Act' to the
following persons namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as
are defined in Chapter XXA of the 'said
Act' shall have the same meaning as given
in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1614/75 of the
SRO, Kakinada.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 28-10-75.
Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vempali Subbarama Sarma S/o Venkateswara Sarma Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D (1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Nimmagadda Vimala D/o V. Peddaiah Prakasam Road, Suryaraopeta, Vijayawada-2.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1975

Ref. No. Acq.File No. 254 J. No. I(23)/KR/74-75.—

B. V. Subbarao,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

No. 27-21-18 situated at Kaleswararoad Governorpeta, Vijayawada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Vijayawada on 30-4-1975,

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the Said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1193/75 of S.R.O., Vijayawada.

B. V. SUBBA RAO

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this Notice under sub-section (1) of section 269D of the Said Act to the following persons, namely :—

Date : 25-10-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Vempati Subbarama Sarma, S/o Venkateswara Sarma, Governorpeta, Vijayawada.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ruthala Chinnarao, S/o Ramaswamy, Yarnagudem Village, Nidadvole Post, Kovvur Taluk.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 253 J. No. I(24)/75-76.—

Whereas, I. B. V. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 27-21-18 situated at Kaleswararao road, Governorpeta, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Vijayawada on 30-4-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The term and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 1192 of S.R.O., Vijayawada.

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-10-75.
Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 25th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 250 J. No. I(556)/KR/74-75.—

Whereas, I, B. V. Subbarao, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 23-18-5/3, situated at Satyanarayanapuram Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

(a) facilitating the reduction on evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

(1) 1. Peyyeti Subbaramaiah, S/o Suryarao 2. Smt. Dasu Ravanamma, W/o Narasimharao 3. Peyyeti Hanumayamma, D/o Suryarao 4. Peyyeti Laxmana Sai Babu, S/o Suryarao 5. Peyyeti Vijayalaxmi, Suryarao 6. Peyyeti Sundari, D/o P. Suryarao.

(Transferor)

(2) Gutte Anasuya, W/o Narasimharao.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used here in as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property vide document No. 789 of S.R.O. Vijayawada.

B. V. SUBBARAO,

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Kakinada.

Date : 25-10-1975.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Smt. Meka Raja Rajeswari Devi, W/o Sri Meka Rangayya Apparao, Vice Chancellor, Andhra University, Waltair, Visakhapatnam.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) Shri D. Sambasivarao, S/o Kesavanarayana, Vijayawada.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

Kakinada, the 25th October 1975

Ref. No. Acq. File No. 251 J. No. I(557)/KR/74-75.—
Whereas, I, B. V. Subbarao,
being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 26-16-28 situated at Nageswararapantulu Road, Gandhinagar, Vijayawada, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Vijayawada on 31-3-1975, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION : The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per document No. 806/75 of the S.R.O., Vijayawada.

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

B. V. SUBBARAO,
Competent Authority.

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
ACQUISITION RANGE, KAKINADA.

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—
30—356GI/75

Date : 25-10-75.
Seal :

FORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT
COMMISSIONER OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE, POONA.

Poona-411004, the 19th November 1975

Ref. No. C.A. 5/Haveli-I/April'75/255/75-76.—

Whereas, I, H. S. Aulakh,

being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. C. S. No. 1139A, 2 storeied bldg., situated at Bhamburda (Poona),

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Haveli-I, Poona on 14-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely :—

- (1) M/s D. Champalal & Co., Money-lending firm partners : (1) Shri Bhikamchand Chhatrabhan (2) Shri Chandanmal Bhikamchand (3) Shri Dhanraj Bhikamchand (4) Shri Champalal Bhikamchand and (5) Shri Madanlal Bhikamchand all 120 Sholapur Bazar, Poona-1.

(Transferor)

- (2) Mrs. Sulochana Dnyaneshwar Shelar, 378 Sadashiv Peth, Poona-30.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.

- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Survey No. 1139A, Bhamburdax, Shivajinagar, Tal. Haveli, Poona.

2 Storeied Building—

Ground floor—2850 sq. ft.

Area : 1st floor—2850 sq. ft.

(As stated in the Conveyance deed registered under No. 409 dated 14-4-75 in the office of the Sub Registrar, Haveli-I, Poona).

H. S. AULAKH,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Poona.

Date : 19-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) M/s. L. N. Gadodia & Sons Pvt. Ltd, 1112, Kucha-Natwan, Chandni Chowk, Delhi-6 through Shri Ram Gopal Gadodia s/o Seth Laxmi Narain Gadodia r/o 8 Alipore Road, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 21st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/933/75-76/4866.—Whereas, I, S. N. L. Agarwala, being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 8/13 situated at Alipore Road, Delhi, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Delhi on 31-3-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act', in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'Said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act', to the following persons, namely:—

(2) Shri Prem Narain & Shri Shyam Sunder Holani s/o Shri Gandesh Dass Holani and Shri Gauri Shanker Holani s/o Shri Shrilal Holani, all residents of 1240, Gali Holani, Vaidawada, Maiwara, Nai Sarak Delhi-6.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'Said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Two storeyed house construction on a plot of land measuring 682 sq. yds. situated at 8/13, Alipur Road, Delhi and bounded as under:—

North : Bungalow No. 18/12
East : Alipore Road
South : Bungalow No. 6
West : Internal Road

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range, New Delhi.

Date : 21-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Nand Kishore Gupta s/o Shri Jetu Mal r/o
126-D, Kamla Nagar, Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) Smt. Sushilla Devi w/o Shri Prem Parkash Gupta
r/o 174, Dariba, Katra Mushroo, Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISS-
SIONER OF INCOME TAX,
ACQUISITION RANGE-II, NEW DELHI

New Delhi, the 21st November 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/932(186)/75-76/4866.—Whereas,
I, S. N. L. Agarwala,
being the competent authority under section 26CC of the
Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to
as the 'said Act')
have reason to believe that the immovable property having a
fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. D-116, situated at Kamla Nagar, Delhi,
(and more
fully described in the Schedule annexed hereto), has been
transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908)
in the office of the Registering Officer at
Delhi on 5-3-75.
for an apparent
consideration which is less than the fair market value of
the aforesaid property and I have reason to believe that the
fair market value of the property as aforesaid exceeds the
apparent consideration therefor by more than fifteen per cent
of such apparent consideration and that the consideration for
such transfer as agreed to between the parties has not been
truly stated in the said instrument of transfer with the object
of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the said Act in
respect of any income arising from the transferor;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income
or any moneys or other assets which have
not been or which ought to be disclosed by the
transferee for the purposes of the Indian Income-tax
Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the
Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said
Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-section
(1) of section 269D of the said Act to the following persons
namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said pro-
perty may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons which-
ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immov-
able property within 45 days from the date of the
publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the said Act,
shall have the same meaning as given in that
Chapter.

THE SCHEDULE

A 2½ storied house constructed on a plot of land measur-
ing 166.7 sq. yds. bearing plot No. 116, Block D, situated at
Kamla Nagar, Delhi and bounded as under :—

East : Building on plot No. D-117.

West : Road 15 ft.

North : Road 15 ft.

South : Road 30 ft.

S. N. L. AGARWALA

Competent Authority,

Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-II, New Delhi.

Date : 21-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

(1) Shri Ram Lal Khurana s/o Shri Thakar Dass r/o
H-56, Kirti Nagar, New Delhi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-
TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)(2) M/s Okey Rubber Corporation, 2-G, Ram Nagar,
Pahar Ganj, New Delhi.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE-II,
NEW DELHI

New Delhi, the 19th November 1975

Ref. No. IAC/Acq.II/2241(931)/75-76/4866.—

Whereas, I, S. N. L. Agarwala,
being the competent authority under section 269B of the
Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred
to as the 'said Act') have reason to believe that the immov-
able property, having a fair market value exceeding Rs.
25,000/- and bearing

No. 1/2 of 14/85, situated at Punjabi Bagh, Delhi,
situated at Village Thala Taluka Chikhli
(and more fully described in the Schedule annexed hereto),
has been transferred under the Registration Act, 1908 (16
of 1908) in the office of the Registering Officer
Delhi on 22-7-75,

for an apparent consideration which is less than the fair
market value of the aforesaid property and I have reason to
believe that the fair market value of the property as aforesaid
exceeds the apparent consideration therefor by more
than fifteen per cent of such apparent consideration and
that the consideration for such transfer as agreed to
between the parties has not been truly stated in the said ins-
trument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
of the transferor to pay tax under the 'said Act'
in respect of any income arising from the transfer;
and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any
moneys or other assets which have not been or
which ought to be disclosed by the transferee for
the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922
(11 of 1922) or the 'said Act' or the Wealth-tax
Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the 'said
Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the
aforesaid property by the issue of this notice under sub-sec-
tion (1) of section 269D of the 'said Act' to the follow-
ing persons, namely :—

Objections, if any, to the acquisition of the said property
may be made in writing to the undersigned :—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of
45 days from the date of publication of this notice
in the Official Gazette or a period of 30 days from
the service of notice on the respective persons,
whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said im-
movable property, within 45 days from the date
of the publication of this notice in the Official
Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are
defined in Chapter XXA of the 'said Act'
shall have the same meaning as given in
that Chapter.

THE SCHEDULE

1/2 undivided share of a free-hold plot of land No. 14 on
Road No. 85 area 633.33 sq. yds. in the residential colony
Punjabi Bagh, Delhi area of Village Bassa Darapur, Delhi
and bounded as under :—

North : Plot No. 12.
South : Road No. 71.
East : Service lane.
West : Road No. 85.

S. N. L. AGARWALA,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of
Income Tax, Acquisition Range-II,
New Delhi.

Date : 19-11-75.
Seal :

FORM ITNS

(1) Ruby Construction Company.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Jyotirmoy Sen.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COM-
MISSIONER OF INCOME-TAX
ACQUISITION RANGE-I, CALCUTTA

Calcutta, the 22nd November 1975

Ref. No. TR-4/C-4/CAL-1/75-76.—Whereas, I, S. K. Chakravarty, being the competent authority under section 269B of the Income Tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 75C (Unit No. 5C), situated at Park Street, Calcutta, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at 5, Govt. Place North Cal. on 25-4-75, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'Said Act,' in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act,' or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the 'said Act', I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;

(b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Unit No. 5C on 5th floor on premises No. 75C Park Street, Calcutta.

S. K. CHAKRAVARTY,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax,
Acquisition Range-I, 54, Rafi Ahmed
Kidwai Road, Calcutta.

Date : 22-11-75.

Seal :

FORM ITNS—

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE
INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, JAIPUR

Jaipur, the 10th November 1975

(1) (i) Shrimati Basheerun Nissa, (ii) Smt. Maneeba Khatoon alias Mumtaj Dulhan, (iii) Shri Munawar Ali Khan, (iv) Mohd. Abdul Kadar Khan, residents of Garbi Mirza Ismail Road, Mumtaj Bag, Jaipur.
(Transferor)

(2) Shri Jameel Ahmed resident of Top Khanna Desh Rasta Kalyanji, Chandpole Bazar, Jaipur.
(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :—

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette of a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later,

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

Ref. No. Raj/IAC(Acq)/284.—Whereas, I, C. S. Jain being the competent authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961, (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot No. A, situated at Mumtaj Bag, behind M.I. Road, Jaipur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Jaipur on April 25, 1975 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

(a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or

(b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the 'Said Act' or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the Said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the 'Said Act' to the following persons, namely :—

THE SCHEDULE

Plot No. A, Mumtaj Bag, behind Mirza Ismail Road, Jaipur measuring 196 sq. yds. alongwith construction thereon.

C. S. JAIN

Competent Authority,

Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range, Jaipur.

Date : 10-11-1975.

Seal :

INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND
MANAGEMENT

(EXAMINATION WING)

NOTICE

GRADE III STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, APRIL, 1976

New Delhi, the 6th December 1975

No. 13/7/75-ARRNG.—A competitive examination for recruitment to temporary vacancies in Grade III of Central Secretariat Stenographers' Service, Grade III of Armed Forces Headquarters Stenographers' Service and Grade III of Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B), will be held by the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) at BOMBAY, CALCUTTA, DELHI, MADRAS, NAGPUR and at selected Indian Missions abroad commencing on the 7th April, 1976 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 6th December, 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE INSTITUTE. CANDIDATES ACCEPTED FOR ADMISSION TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED AT WHAT PLACE, AT WHAT TIME AND ON WHAT DATE THEY SHOULD PRESENT THEMSELVES.

2. (a) The approximate number of vacancies in the various Services for which recruitment is to be made on the basis of this examination, is given below :—

- (i) Central Secretariat Stenographers' Service—Grade III—100**.
- (ii) Armed Forces Headquarters Stenographers' Service—Grade III*.
- (iii) Stenographers' Sub-Cadre of Indian Foreign Service (B)—Grade III*.

**The number is liable to alteration.

*Will be determined later.

(b) Reservation will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government of India.

3. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Post Bag No. 2, Ramakrishnapuram, New Delhi-110022 on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination can be obtained on cash payment of Rupee one each at the counter in the Institute's office up to the 20th January, 1976. They are also obtainable from the Institute by post up to the 20th January, 1976, on payment of rupee one each which should be remitted by Postal Order(s) crossed with 'A/C Payee only' crossing and payable to the 'Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi. The name of the examination—GRADE III STENOGRAPHERS' LIMITED DEPARTMENTAL COMPETITIVE EXAMINATION, APRIL, 1976 should be clearly indicated in the requests for application form. The postal order(s) should be accompanied by three slips showing the name and address of the candidate in block capitals. On receipt of the Postal Order(s) for Rupee one and the three slips mentioned above, a copy of the application form and full particulars of the examination will be sent to the candidate by ordinary post under certificate of Posting. If, however, any candidate desires that the application form and full particulars of the examination should be sent to him by registered post, he should say so clearly while asking for the same and remit an additional amount of Rupee one i.e., he should send Postal order(s) for Rs. 2/- in addition to three slips showing his name and address. Money Orders or cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Postal Orders. This amount of Re. 1.00 or Rs. 2.00 as the case may be will in no case be refunded.

Applicants living abroad should send Indian Postal Order(s) towards the cost of the application form or deposit the equivalent of Re. 1/- or Rs. 2/-, as the case may be, in the office of India's High Commissioner/Ambassador/Representative who should be asked to credit the amount to the account head.

"065-Other Administrative Services—C-Other Services-I.S.T. & M. (Examination Wing) Other Receipt—Sale of Application Forms" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi), obtain a receipt in TR-5 form from that office and forward the receipt to the Institute. Three slips showing the name and address of the candidate in block capital letters should also be sent with the Postal Order/Receipt.

NOTE 1.—Candidates are warned that they must submit their applications on the printed form prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, April, 1976. Applications on forms other than the one prescribed for the Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, April, 1976 will not be entertained. The applications on forms marked 'For Official Use Only' will also not be entertained.

NOTE 2.—No request for supply of application form and full particulars of the examination will be entertained after the 20th January, 1976. Requests for supply of application forms and full particulars of the examination from persons residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands, or in Lakshdweep will, however, be entertained up to the 3rd February, 1976.

4. The completed application form must reach the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, West Block 1, Wing No. 5, Post Bag No. 2, R. K. Puram, New Delhi-110022 on or before the 20th January, 1976 accompanied by necessary documents in accordance with the Instructions to Candidates contained in Annexure. No application received after that date will be considered.

Applications from candidates residing abroad and in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep from a date prior to the 20th January, 1976 will, however, be accepted up to the 3rd February, 1976.

NOTE 1.—Candidates who send their requests for application forms or applications at a late date will do so at their own risk.

NOTE 2.—Applicants who submit their applications at the Institute's counter should obtain the acknowledgement card from the clerk who receives the applications from them.

5. (i) *Prescribed Fee.*—Candidates seeking admission to the examination must pay the following fee to the Institute with the completed application form :—

Rs. 8.00 (Rs. 2.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and Scheduled Tribes).

(ii) The fee mentioned in para 5(i) should be paid by means of CROSSED Indian Postal Orders payable to the 'Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing)'. The Postal Orders should be filled as per specimen given, below—

A/C Payee only	Pay to
	Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) New Delhi
	POSTAL ORDER
	at R. K. Puram (Delivery) Post Office New Delhi-110022

The Institute will not accept payment made otherwise.

(iii) The Institute may at its discretion remit the prescribed fee where it is satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from Bangladesh (erstwhile East Pakistan) and has migrated to India on or after 1st January 1964 (but before 25th March, 1971) or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964, and is not in a position to pay the prescribed fee.

(iv) A CANDIDATE MUST NOTE THAT IT IS NOT SAFE TO SEND POSTAL ORDERS WHICH ARE NEITHER CROSSED NOR MADE PAYABLE TO THE INSTITUTE OF SECRETARIAT TRAINING AND MANAGEMENT (EXAMINATION WING) NEW DELHI. AT R. K. PURAM (DELIVERY) POST OFFICE, NEW DELHI. FULL PARTICULARS OF THE POSTAL ORDERS SHOULD BE ENTERED AGAINST COLUMN 10 OF THE APPLICATION FORM.

AN APPLICATION NOT ACCOMPANIED BY CROSSED INDIAN POSTAL ORDERS FOR THE PRESCRIBED FEE WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO DISPLACED PERSONS FROM BANGLADESH (ERSTWHILE EAST PAKISTAN) AND REPATRIATES OF INDIAN ORIGIN FROM BURMA AND SRI LANKA WHO HAVE MIGRATED TO INDIA ON OR AFTER 1ST JANUARY, 1964 (BUT BEFORE 25TH MARCH, 1971), 1ST JUNE 1963 AND 1ST NOVEMBER, 1964 RESPECTIVELY AND, BEING NOT IN A POSITION TO PAY, ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE *VIDE* PARA 5(iii) ABOVE.

6. No claim for a refund of the fee paid to the Institute will be entertained nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection. The refund is admissible only when the examination is cancelled.

In case the candidate is not admitted to the examination by the Institute, because of late receipt of his application, his application, alongwith the postal orders, will be returned to him.

7. All communications in respect of an application should be addressed to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training and Management, Post Bag No. 2, West Block I, R. K. Puram, New Delhi-110022 and should contain the following particulars :—

- (i) NAME OF EXAMINATION.
- (ii) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (iii) ROLL NUMBER OR DATE OF BIRTH (IF ROLL NUMBER NOT COMMUNICATED TO CANDIDATE).
- (iv) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (v) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

Communications not giving these particulars may not be attended to promptly. In all correspondence with the Institute of Secretariat Training & Management (Examination Wing) concerning this examination, candidates should invariably superscribe their envelopes and correspondence with the words and figures "Grade III Stenographers' Limited Departmental Competitive Examination, April, 1976".

MADAN LAL

Director (Examinations)

Institute of Secretariat Training & Management.

ANNEXURE

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

A copy each of the Notice, the Rules, the Application Form and other papers relating to the Examination is obtainable from the office of the Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) in accordance with para 3 of the Notice. Candidates should consult them carefully to see if they are eligible before filling in the application form or paying the prescribed fee. The conditions prescribed can in no case be relaxed.

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE, THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

A candidate who wishes to take the examination at an Indian Mission abroad must state in the order of his choice two other Indian Missions (in countries other than the country in which he may be stationed) as alternative centres. He may at the discretion of the Institute, be required to appear at any one of the three Missions indicated by him or any other Mission.

A candidate, who wishes to take the examination, at an Indian Mission abroad and exercises the option to take the Stenography Tests in Hindi in terms of para 1 of Appendix to the Rules, may be required to appear, at his own expense, at any Indian Mission abroad, where necessary arrangements for holding such tests are available.

356GI/75

2. The application form, and the attached sheet comprising six slips showing the name and address of the candidate must be completed in the candidate's own handwriting. All entries/answers should be in words and not by dashes or dots. The completed application form should be sent to the Deputy Director (Examination Wing), Institute of Secretariat Training & Management, Post Bag No. 2, West Block-I, R. K. Puram, New Delhi-110022 so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Institute after the date prescribed in the Notice will be accepted.

A candidate residing abroad or in the Andaman and Nicobar Islands or in Lakshdweep may, at the discretion of the Institute, be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshdweep, as the case may be, from a date prior to the date specified in the first sub-para of para 4 of the Notice.

A candidate must submit his application through the Head of his Department or Office who will complete the endorsement at the end of the application and forward it to the Institute. If a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Institute late, the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be entertained.

3. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filling in the application form.

4. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) Crossed Indian Postal Orders payable to the Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi for the Prescribed fee;
- (ii) Certified true copy of (a) the first page of his Service Book; (b) Particulars of service rendered during the last 3 years ended on 1st January, 1976;
- (iii) Two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph;
- (iv) Certified true copy of the certificate in support of claim for exemption from payment of fee, and/or age concession (*vide* para 6 of the Instruction to Candidates'), if applicable.

Details of the documents mentioned in items (i), (ii), (iii) and (iv) are given below :—

- (i) Crossed Indian Postal Orders for the prescribed fee.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear legible stamp of the issuing Post Office. All Postal Orders should be CROSSED with 'A/c Payee only' crossing and completed as follows :—

"Pay to the Institute of Secretariat Training and Management (Examination Wing) at R. K. Puram (Delivery) Post Office, New Delhi."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated or timebarred Postal Orders will not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications should deposit the amount of the prescribed fee [the equivalent of Rs. 8, (Rs. 2 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes)] in the office of India's High Commissioner, Ambassador, or Representative as the case may be in that country, who should be asked to credit the amount to the account head "065-other Administrative Services-C-other Services—I.S.T. & M. (Examination Wing)—Other Receipts—Examination Fees" (adjustable by the Accountant General, Central Revenues, New Delhi). The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) (a) Certified true copy of the first page of the Service Book by the Head of Department or Office in which the candidate is employed at the time of making the application should show the name of the candidate in full, his father's name (husband's name in the case of a married woman Government servant), nationality, date of birth by the Christian Era (both in figures and words), Educational qualification and specimen signature of the candidate.

(b) Certified true copy of the particulars of service during three years ended on 1-1-1976 by the Head of Department or Office in which he is working at the time of making the application should show the posts held along with scale of pay and the capacity, substantive, officiating, permanent or temporary in which the post is held.

NOTE.—The Institute, may if it consider necessary call for the Service Book or other documentary evidence.

(iii) Two copies of Photograph.—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm × 7 cm. approx.) photograph which should be pasted on the application form in the spaces provided for the purpose. Each copy of the photograph should be signed in ink on front by the candidate. Copies of the photograph will not be returned by the Institute.

(iv) Certified true copies of the documents required in support of a claim for remission of fee, and/or reckoning the prescribed minimum service, and/or relaxation of age must be submitted along with the application, failing which no remission of fee or relaxation in age will be allowed.

5. Candidates are warned that if an application is incompletely or wrongly filled in or is not accompanied by any one of the documents mentioned under paragraph 4(i), 4(ii) and 4(iii) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. Any documents not submitted with the application but explanation for the absence of which has been given should be sent after the submission of the application and in any case they must reach the Institute within 15 days of the last date for receipt of applications, otherwise the application is liable to be rejected. The attested copies of the documents/certificates will not be returned by the Institute.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in the documents submitted by them nor should they submit a tampered document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents, an explanation regarding the discrepancy may be submitted separately.

6(i) A displaced person from Bangla Desh (Erstwhile East Pakistan) claiming age concession under Rule 5(ii) or 5(iii) should produce an attested copy of a certificate from one of the following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from Bangla Desh and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971.

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the area in which he may, for the time being, be resident;
- (3) Additional District Magistrate in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer, within the sub-division in his charge;
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta;

If he is seeking remission of the fee, under paragraph 5(iii) of the Notice, he should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka seeking remission of the prescribed fee, vide Paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession vide para 5(iv) or 5(v) of the Rules, should send an attested copy of a certificate obtained from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964 under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964. He should also produce a certificate, in original from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. The certificate will not be returned to the candidate.

(iii) A repatriate of Indian origin from Burma seeking remission of the prescribed fee vide paragraph 5(iii) of the Notice and/or age concession vide para 5(viii) or 5(ix) of the Rules should send an attested copy of the identity certificate

issued to him by the Embassy of India, Rangoon, to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963 or of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963. He should also produce a certificate, in original, from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee. This certificate will not be returned to the candidate.

(iv) A candidate from the Union Territory of Goa, Daman and Diu claiming age concession under Rule 5(vi) should send an attested copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim:—

1. Director of Civil Administration.
2. Administrators of the concelhos.
3. Mamlatdars.

(v) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania (formerly Tanganyika and Zanzibar) claiming age concession under Rule 5(vii) should send an attested copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(vi) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 5(x) or 5(xi) should send an attested copy of a certificate in the form prescribed below, from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence, to show that he was disabled while in the Defence Services in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____
_____ of Unit _____ was disabled
while in the Defence Services in operations during hostilities
with a foreign country/in a disturbed area* and released as
a result of such disability.

Signature _____
Name _____
Designation _____
Date _____

*Strike out which is not applicable.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 5(xiii) or 5(xiv) should produce an attested copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Force, to show that he was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

Form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____
_____ of Unit _____ was
disabled while in the Border Security Force in operations
during the Indo-Pakistan hostilities of 1971 and was released
as a result of such disability.

Signature
Name
Designation
Date

7. Copies of the certificate mentioned in para 6 above should be got attested by one of the following who should indicate his name, designation and full address and date of attestation and affix his seal/rubber stamp below his signature:—

- (a) Gazetted Officer of the Central or a State Government;
- (b) Member of Parliament or of a State Legislature or the Metropolitan Council in Delhi;
- (c) Sub-Divisional Magistrates/Officers;

- (d) Tehsildars or Naib/Deputy Tehsildars;
- (e) Principals/Headmasters of recognised High Schools Higher Secondary Schools/Colleges/Institutions,
- (f) Block Development Officers; and
- (g) Member of a Municipal Corporation.

8. The candidates are advised that they should arrange their applications in the following order before submission to the Institute :—

- (i) Postal Orders.
- (ii) One extra copies of photo (another copy of the photograph is to be pasted on the first page of the application).
- (iii) Application form duly completed.
- (iv) Certified true copy of the first page of his Service Book by the Head of his Department or Office in which he is employed at the time of making the application.
- (v) Certified true copy of the particulars of his service during the three years ended 1-1-1976 by the Head of the Department or Office in which he is working at the time of making the application.
- (vi) Attested copy of the certificate showing that the candidate is a migrant from Burma, Sri Lanka, Bangladesh, etc.
- (vii) Certificate showing that the candidate is not in a position to pay the fee, if he wants that the prescribed fee may be remitted in his case.
- (viii) Any other certificate the candidate wishes to send.

9. The fact that an application form has been supplied on a certain date will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

10. If a candidate who sends his application by post and does not receive an acknowledgement of his application within a fortnight from the last date of receipt of applications for the examination, he should at once contact the Institute for the acknowledgement.

11. Every candidate for admission to this examination will be informed at the earliest possible date of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Institute a communication regarding the result of his application one month before the date of commencement of the examination i.e. 7th April, 1976 he should at once contact the Institute for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

12. Candidates are not entitled to receive any Travelling Allowance from the Institute for attending the examination.

13. Change in Address :—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE INSTITUTE, ALONG WITH SIX SLIPS SHOWING THE NAME AND NEW ADDRESS IN BLOCK CAPITALS, AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 7 OF THE NOTICE. ALTHOUGH THE INSTITUTE MAKES EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES IT CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION

NOTICE

ASSISTANT GRADE EXAMINATION, 1976.

No. F.12/7/75-EI(B)

New Delhi, the 6th December, 1975.

A competitive examination for recruitment to vacancies in the services/posts mentioned in para 2 below will be held by the Union Public Service Commission at AHMEDABAD, ALLAHABAD, BANGALORE, BHOPAL, BOMBAY, CALCUTTA, CUTTACK, DELHI, DISPUR (GAUHATI),

HYDERABAD, JAIPUR, MADRAS, NAGPUR, PATIALA, PATNA, SHILLONG, SIMLA, SRINAGAR and TRIVANDRUM commencing on 8th June, 1976 in accordance with the Rules published by the Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) in the Gazette of India, dated the 6th December 1975.

THE CENTRES AND THE DATE OF COMMENCEMENT OF THE EXAMINATION AS MENTIONED ABOVE ARE LIABLE TO BE CHANGED AT THE DISCRETION OF THE COMMISSION. CANDIDATES ADMITTED TO THE EXAMINATION WILL BE INFORMED OF THE TIME TABLE AND PLACE OR PLACES OF EXAMINATION (See Annexure II, para 10).

2. The Services/posts to which recruitment is to be made on the results of this examination and the approximate number of vacancies in the various Service/posts are given below :—

- (i) Grade IV of the General Cadre, (Assistants) of the Indian Foreign Service (B)—*
- (ii) Grade IV (Assistants) of the Railway Board Secretariat Service—6* (Includes one vacancy reserved for ex-servicemen).
- (iii) Assistants' Grade of the Central Secretariat Service 100 (Includes 15 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 8 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (iv) Assistants' Grade of the Armed Forces Headquarters Civil Service—54 (Includes 8 vacancies reserved for Scheduled Castes candidates and 4 vacancies for Scheduled Tribes candidates).
- (v) Posts of Assistant in other departments/organisations and Attached Offices of the Government of India not participating in the I.F.S. (B)/Railway Board Secretariat Service/Central Secretariat Service/Armed Forces Headquarters Civil Service—3**

*Vacancies not intimated by Government.

**The number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes candidates, if any, will be determined by Government.

The above numbers are liable to alteration.

3. A candidate may apply for admission to the Examination in respect of any one or more of the Services/posts mentioned in para 2 above.

If a candidate wishes to be admitted for more than one Service/post he need send in only one application. He will be required to pay the fee mentioned in Annexure I once only and will not be required to pay separate fee for each of the Services/posts for which he applies.

N.B.—A candidate is required to specify clearly in the application form the Services/posts for which he wishes to be considered in the order of his preference. He is also advised to indicate as many preferences as he wishes to, so that having regard to his rank in the order of merit due consideration can be given to his preferences when making appointments.

No request for alteration in the order of preferences for the Services/posts originally indicated by a candidate in his application, would be considered unless such a request is received in the office of the Union Public Service Commission on or before the last date prescribed by the Commission for receipt of applications in their office.

4. A candidate seeking admission to the examination must apply to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on the prescribed form of application. The prescribed form of application and full particulars of the examination are obtainable from the Commission by post on payment of Rs. 2.00 which should be remitted to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, by Money Order or by Indian Postal Orders payable to the Secretary, Union Public Service Commission, at New Delhi General Post Office. Cheques or currency notes will not be accepted in lieu of Money Orders/Postal Orders. The form can also be obtained on cash payment at the counter in the Commission's Office. This amount of Rs. 2.00 will in no case be refunded.

NOTE.—CANDIDATES ARE WARNED THAT THEY MUST SUBMIT THEIR APPLICATIONS ON THE PRINTED FORM PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1976. APPLICATION ON FORMS OTHER THAN THE ONE PRESCRIBED FOR THE ASSISTANTS' GRADE EXAMINATION, 1976 WILL NOT BE ENTERTAINED.

5. The completed application form must reach the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, on or before the 27th January, 1976 (9th February, 1976 in the case of candidates residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 27th January, 1976) accompanied by necessary documents. *No application received after the prescribed date will be considered.*

6. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form the fee prescribed in Annexure I in the manner indicated therein.

APPLICATIONS NOT COMPLYING WITH THIS REQUIREMENT WILL BE SUMMARILY REJECTED. THIS DOES NOT APPLY TO THE CANDIDATES WHO ARE SEEKING REMISSION OF THE PRESCRIBED FEE UNDER PARAGRAPH 2 OF ANNEXURE I.

7. NO REQUEST FOR WITHDRAWAL OF CANDIDATURE RECEIVED FROM A CANDIDATE AFTER HE HAS SUBMITTED HIS APPLICATION WILL BE ENTERAINED UNDER ANY CIRCUMSTANCES.

M. S. PRUTHI,
Dy. Secy.

Union Public Service Commission.

ANNEXURE I

1. Candidates seeking admission to the examination must pay to the Commission with the completed application form a fee of Rs. 28.00 (Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) by means of CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft drawn on the State Bank of India, New Delhi.

The Commission will not accept payment made otherwise except in the case of candidates residing abroad at the time of submitting their applications, who may deposit the amount of prescribed fee in the Indian Missions concerned.

2. The Commission may at their discretion remit the prescribed fee where they are satisfied that the applicant is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964 but before 25th March, 1971, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963, or is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 and is not in a position to pay the prescribed fee or is an ex-service-man as defined in Rule 2.

3. A refund of Rs. 15.00 (Rs. 4.00 in the case of candidates belonging to Scheduled Castes and Scheduled Tribes) will be made to a candidate who has paid the prescribed fee and is not admitted to the examination by the Commission.

No claim for a refund of the fee paid to the Commission will be entertained except as provided above nor can the fee be held in reserve for any other examination or selection.

ANNEXURE II

INSTRUCTIONS TO CANDIDATES

1. A copy each of the Notice the Rules, the Application Form and other papers relating to the examination is obtainable from the office of the Union Public Service Commission in the manner indicated in para 4 of the Notice. *Before filling in the application form the candidates should consult the Notice and the Rules carefully to see if they are eligible. The conditions prescribed cannot be relaxed.*

BEFORE SUBMITTING THE APPLICATION THE CANDIDATE MUST SELECT FINALLY FROM AMONG THE CENTRES GIVEN IN PARAGRAPH 1 OF THE NOTICE THE PLACE AT WHICH HE WISHES TO APPEAR FOR THE EXAMINATION. ORDINARILY NO REQUEST FOR A CHANGE IN THE PLACE SELECTED WILL BE ENTERTAINED.

2. (i) The application form, and the acknowledgement card must be completed in the candidate's own handwriting. An application which is incomplete or is wrongly filled in, is liable to be rejected.

(ii) The completed application form and the acknowledgement card should be sent to the Secretary, Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011, so as to reach him by the last date prescribed in the Notice.

No application received by the Commission after the date prescribed in the Notice will be considered.

A candidate residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep may at the discretion of the Commission be required to furnish documentary evidence to show that he was residing abroad or in the Andaman & Nicobar Islands or in Lakshadweep from a date prior to 27th January, 1976.

Persons already in Government Service, whether in a permanent or temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, must submit their applications through the Head of their Department or Office concerned who will complete the endorsement at the end of the application form and forward them to the Commission. Such candidates should, in their own interest, submit advance copies of their applications direct to the Commission. These, if accompanied by the prescribed fee, will be considered provisionally, but the original application should ordinarily reach the Commission within a fortnight after the closing date. If a person already in Government Service does not submit an advance copy of his application along with the prescribed fee or if the advance copy submitted by him is not received in the Commission's office on or before the closing date, the application submitted by him through the Head of his Department or Office, if received in the Commission's Office after the closing date, will not be considered.

Applications from all other candidates, whether in private employment or in Government owned industrial undertakings or other similar organisations, can be entertained direct. If such a candidate forwards his application through his employer and it reaches the Union Public Service Commission late the application, even if submitted to the employer before the closing date, will not be considered.

3. A candidate must send the following documents with his application :—

- (i) CROSSED Indian Postal Orders or Bank Draft for the prescribed fee. (See Annexure I).
- (ii) Attested/certified copy of Certificate of Age.
- (iii) Attested/certified copy of Certificate of Educational qualification.
- (iv) Two identical copies of recent passport size (5 cm. × 7 cm. approx.) photograph of the candidate.
- (v) Attested/certified copy of certificate in support of claim to belong to Scheduled Caste/Scheduled Tribe, where applicable (See para 4 below).
- (vi) Attested/certified copy of certificate in support of claim for age concession/fee remission where applicable (See para 5 below).

NOTE.—CANDIDATES ARE REQUIRED TO SUBMIT ALONG WITH THEIR APPLICATIONS ONLY COPIES OF CERTIFICATES MENTIONED IN ITEMS (ii), (iii), (v) AND (vi) ABOVE, ATTESTED BY A GAZETTED OFFICER OF GOVERNMENT OR CERTIFIED BY CANDIDATES THEMSELVES AS CORRECT. CANDIDATES WHO QUALIFY ON THE RESULTS OF THE EXAMINATION WILL BE REQUIRED TO SUBMIT THE ORIGINALS OF THE CERTIFICATES MENTIONED ABOVE SOON AFTER THE DECLARATION OF THE

RESULTS OF THE EXAMINATION. THE RESULTS ARE LIKELY TO BE DECLARED IN THE MONTH OF DECEMBER, 1976. CANDIDATES SHOULD KEEP THESE CERTIFICATES IN READINESS AND SUBMIT THEM TO THE COMMISSION SOON AFTER THE DECLARATION OF THE RESULT OF THE EXAMINATION. THE CANDIDATURE OF CANDIDATES WHO FAIL TO SUBMIT THE REQUIRED CERTIFICATES IN ORIGINAL AT THAT TIME WILL BE CANCELLED AND THE CANDIDATES WILL HAVE NO CLAIM FOR FURTHER CONSIDERATION.

Details of the documents mentioned in items (i) to (iv) are given below and of those in items (v) and (vi) are given in paras 4 and 5.

(i) (a) *CROSSED Indian Postal Orders for the prescribed fee—*

Each Postal Order should invariably be crossed as shown below :



and completed as follows :—

"Pay to the Secretary Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office."

In no case will Postal Orders payable at any other Post Office be accepted. Defaced or mutilated Postal Orders will also not be accepted.

All Postal Orders should bear the signature of the issuing Post Master and a clear stamp of the issuing Post Office.

Candidates must note that it is not safe to send Postal Orders which are neither crossed nor made payable to the Secretary, Union Public Service Commission at New Delhi General Post Office.

(b) *CROSSED Bank Draft for the prescribed fee—*

Bank Draft should be obtained from any branch of the State Bank of India and drawn in favour of Secretary, Union Public Service Commission payable at the State Bank of India, Parliament Street, New Delhi and should be duly Crossed.

In no case will Bank Drafts drawn on any other Bank be accepted. Defaced or mutilated Bank Drafts will also not be accepted.

NOTE.—Candidates residing abroad at the time of submitting their applications may deposit the amount of the prescribed fee (the equivalent of Rs. 28.00, Rs. 7.00 in the case of candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes) in the office of India's High Commissioner, Ambassador or Representative, as the case may be, in that country who should be asked to credit the amount to the account head "051. Public Service Commission—Examination fees." The candidates should forward the receipt from that office with the application.

(ii) *Certificate of Age.*—The date of birth ordinarily accepted by the Commission is that entered in the Matriculation Certificate or in the Secondary School Leaving Certificate, or in a certificate recognised by an Indian University as equivalent to Matriculation or in an extract from a Register of Matriculates maintained by a University, which extract must be certified by the proper authority of the University. A candidate who has passed the Higher Secondary Examination or an equivalent examination may submit an attested/certified copy of the Higher Secondary Examination Certificate or an equivalent Certificate.

The expression Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate in this part of the instructions includes the alternative certificates mentioned above.

Sometimes the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate does not show the date of birth, or only

shows the age by completed years or completed years and months. In such cases a candidate must send in addition to the attested/certified copy of the Matriculation/Higher Secondary Examination Certificate, an attested/certified copy of a certificate from the Headmaster/Principal of the Institution from where he passed the Matriculation/Higher Secondary Examination showing the date of his birth or his exact age as recorded in the Admission Register of the Institution.

Candidates are warned that unless complete proof of age as laid down in these instructions is sent with an application, the application may be rejected. Further, they are warned that if the date of birth stated in the application is inconsistent with that shown in the Matriculation Certificate/Higher Secondary Examination Certificate and no explanation is offered, the application may be rejected.

NOTE 1.—A candidate who holds a completed Secondary School Leaving Certificate need submit an attested/certified copy of only the page containing entries relating to age.

NOTE 2.—CANDIDATES SHOULD NOTE THAT ONCE A DATE OF BIRTH HAS BEEN CLAIMED BY THEM AND ACCEPTED BY THE COMMISSION FOR THE PURPOSE OF ADMISSION TO AN EXAMINATION, NO CHANGE WILL ORDINARILY BE ALLOWED AT A SUBSEQUENT EXAMINATION.

(iii) *Certificate of Educational Qualification.*—A candidate must submit an attested/certified copy of a certificate showing that he has one of the qualifications prescribed in Rule 7. The certificate submitted must be one issued by the authority (i.e., University or other examining body) awarding the particular qualification. If an attested/certified copy of such a certificate is not submitted, the candidate must explain its absence, and submit such other evidence, as he can to support his claim to the requisite qualifications. The Commission will consider this evidence on its merits but do not bind themselves to accept it as sufficient.

NOTE.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them eligible to appear at the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

(iv) *Two copies of Photograph.*—A candidate must submit two identical copies of his recent passport size (5 cm. × 7 cm. approximately) photograph one of which should be pasted on the first page of the application form and the other copy should be firmly attached with the application form. Each copy of the photograph should be signed in ink on the front by the candidate.

N.B.—Candidates are warned that if an application is not accompanied with any one of the documents mentioned under paragraph 3(ii), 3(iii) and 3(iv) above without a reasonable explanation for its absence having been given, the application is liable to be rejected and no appeal against its rejection will be entertained. The documents not submitted with the application should be sent soon after the submission of the application and in any case they must reach the Commission's office within one month after the last date for receipt of applications. Otherwise, the application is liable to be rejected.

4. A candidate who claims to belong to one of the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes should submit in support of his claim an attested/certified copy of a certificate, in the form given below from the District Officer or the Sub-Divisional Officer or any other officer, as indicated below, of the district in which his parents (or surviving parent) ordinarily reside, who has been designated by the State Government concerned as competent to issue such a certificate; if both his parents are dead, the officer signing the certificate should be of the district in which the candidate himself ordinarily resides otherwise than for the purpose of his own education.

The form of the certificate to be produced by Scheduled Castes and Scheduled Tribes candidates applying for appointment to posts under the Government of India.

This is to certify that Shri/Shrimati/Kumari* _____
son/daughter* of _____
of village/town* _____ in District/Division* _____
of the State/Union Territory* _____ belongs to the _____
the _____ Caste/Tribe* which is recognised as
a Scheduled Caste/Tribe* under :—
the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950*

the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951*

[as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970, and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971]

the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956*

the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962*

the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962*

the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964*

the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order, 1967*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968*

the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968*

the Constitution (Nagaland) Scheduled Tribes Order, 1970*

2. Shri/Shrimati/Kumari* _____ and/
or* his/her* family ordinarily reside(s) in village/town* _____
of _____ District/Division* of the
State/Union Territory* of _____

Signature _____

**Designation _____

(with seal of office)

Place _____

Date _____

State/Union Territory*

*Please delete the words which are not applicable.

NOTE.—The term "ordinarily reside(s)" used here will have the same meaning as in Section 20 of the Representation of the People Act, 1950.

**Officers competent to issue Caste/Tribe certificates.

(i) District Magistrate/Additional District Magistrate/Collector/Deputy Commissioner/Additional Deputy Commissioner/Deputy Collector/1st Class Stipendiary Magistrate/City Magistrate/Sub-Divisional Magistrate/Taluka Magistrate/Executive Magistrate/Extra Assistant Commissioner.

†(not below the rank of 1st Class Stipendiary Magistrate).

(ii) Chief Presidency Magistrate/Additional Chief Presidency Magistrate/Presidency Magistrate.

(iii) Revenue Officers not below the rank of Tehsildar.

(iv) Sub-Divisional Officer of the area where the candidate and/or his family normally resides.

(v) Administrator/Secretary to Administrator/Development Officer, Lakshadweep.

5. (i) A displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) claiming age concession under Rule 6(c)(ii) or 6(c)(iii) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the

following authorities to show that he is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India on or after 1st January, 1964, but before 25th March, 1971 :—

- (1) Camp Commandant of the Transit Centres of the Dandakaranya Project or of Relief Camps in various States;
- (2) District Magistrate of the Area in which he may, for the time being be resident;
- (3) Additional District Magistrates in charge of Refugee Rehabilitation in their respective districts;
- (4) Sub-Divisional Officer within the Sub-Division in his charge.
- (5) Deputy Refugee Rehabilitation Commissioner, West Bengal/Director (Rehabilitation), in Calcutta.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(ii) A repatriate of Indian origin from Sri Lanka claiming age concession under Rule 6(c)(iv) or 6(c)(v) should produce an attested/certified copy of a certificate from the High Commission for India in Sri Lanka to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st November, 1964, under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(iii) A candidate who has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania claiming age concession under Rule 6(c)(vi) should produce an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may for the time being be resident to show that he is a *bona fide* migrant from the countries mentioned above.

(iv) A repatriate of Indian origin from Burma claiming age concession under Rule 6(c)(vii) or 6(c)(viii), should produce an attested/certified copy of the identity certificate issued to him by the Embassy of India, Rangoon to show that he is an Indian citizen who has migrated to India on or after 1st June, 1963, or an attested/certified copy of a certificate from the District Magistrate of the area in which he may be resident to show that he is a *bona fide* repatriate from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.

If he is seeking remission of the fee under paragraph 2 of Annexure I, he should also produce an attested/certified copy of a certificate from a District Officer or a Gazetted Officer of Government or a Member of the Parliament or State Legislature to show that he is not in a position to pay the prescribed fee.

(v) A candidate disabled while in the Defence Services claiming age concession under Rule 6(c)(ix) or 6(c)(x) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Resettlement, Ministry of Defence to show that he was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the Candidate.

Certified that Rank No. _____ shri _____
of Unit _____ was disabled while in the Defence Services, in operations during hostilities with a foreign country/in a disturbed area* and was released as a result of such disability.

Signature.....

Designation.....

Date.....

*Strike out whichever is not applicable.

(vi) A candidate who was a resident of the former Portuguese Territories of Goa, Daman and Diu before the 20th day of December, 1961 and claims age concession under Rule 6(c)(xi) should produce an attested/certified copy of a certificate from one of the following authorities in support of his claim :—

- (1) Director of Civil Administration.
- (2) Administrators of the Concelhos.
- (3) Mamlatdars.

(vii) A candidate disabled while in the Border Security Force claiming age concession under Rule 6(c)(xii) or 6(c)(xiii) should produce an attested/certified copy of a certificate in the form prescribed below from the Director General, Border Security Forces, Ministry of Home Affairs, to show that he was disabled while the Border Security Force in operations, during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a consequence thereof.

The form of certificate to be produced by the candidate.

Certified that Rank No. _____ Shri _____
of Unit _____ was disabled while in the Border Security Force in operations during Indo-Pak hostilities of 1971 and was released as a result of such disability.

Signature.....
Designation.....
Date.....

(viii) An ex-serviceman, claiming age concession under Rule 6(b) and/or seeking remission of fee under para 2 of Annexure I should produce an attested/certified copy of the Discharge Certificate issued to him by the Army/Air Force/Naval authorities, as proof of his being an ex-serviceman. The certificate must indicate the exact date of his joining the Armed Forces and the date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces, or the anticipated date of his release from or transfer to reserve of the Armed Forces.

6. A person in whose case a certificate of eligibility is required should apply to the Government of India Cabinet Secretariat (Department of Personnel and Administrative Reforms) for issue of the required certificate of eligibility in his favour.

7. Candidates are warned that they should not furnish any particulars that are false or suppress any material information in filing in the application form.

Candidates are also warned that they should in no case correct or alter or otherwise tamper with any entry in a document or its copy submitted by them nor should they submit a tampered/fabricated document. If there is any inaccuracy or any discrepancy between two or more such documents or its copies, an explanation regarding the discrepancy may be submitted.

8. The fact that an application form has been supplied on a certain date, will not be accepted as an excuse for the late submission of an application. The supply of an application form does not *ipso facto* make the receiver eligible for admission to the examination.

9 If a candidate does not receive an acknowledgement of his application within a month from the last date of receipt

of applications for the examination, he should at once contact the Commission for the acknowledgement.

10. Every candidate for this examination will be informed at the earliest possible date, of the result of his application. It is not, however, possible to say when the result will be communicated. But if a candidate does not receive from the Union Public Service Commission a communication regarding the result of his application one month before the commencement of the examination, he should at once contact the Commission for the result. Failure to comply with this provision will deprive the candidate of any claim to consideration.

11. Copies of pamphlets containing rules and question papers of five preceding examinations are on sale with the Controller of Publications, Civil Lines, Delhi-110006, and may be obtained from him direct by mail orders or on cash payment. These can also be obtained only against cash payment from (i) the Kitab Mahal, opposite Rivoli Cinema, Emporia Building, 'C' Block, Baba Kharag Singh Marg, New Delhi-110001, (ii) Sale Counter of the Publications Branch, Udyog Bhawan, New Delhi-110001 and office of the Union Public Service Commission, Dholpur House, New Delhi-110011 and (iii) the Government of India Book Depot, 8 K. S. Roy Road, Calcutta-1. The pamphlets are also obtainable from the agents for the Government of India Publications at various mofussil towns.

12. *Communications regarding Applications.*—ALL COMMUNICATIONS IN RESPECT OF AN APPLICATION SHOULD BE ADDRESSED TO THE SECRETARY, UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, DHOLPUR HOUSE, NEW DELHI-110011 AND SHOULD INVARIABLY CONTAIN THE FOLLOWING PARTICULARS :—

- (1) NAME OF EXAMINATION.
- (2) MONTH AND YEAR OF EXAMINATION.
- (3) ROLL NUMBER OR THE DATE OF BIRTH OF CANDIDATES IF THE ROLL NUMBER HAS NOT BEEN COMMUNICATED.
- (4) NAME OF CANDIDATE (IN FULL AND IN BLOCK CAPITALS).
- (5) POSTAL ADDRESS AS GIVEN IN APPLICATION.

N.B.—COMMUNICATIONS NOT CONTAINING THE ABOVE PARTICULARS MAY NOT BE ATTENDED TO.

13. *Change in Address.*—A CANDIDATE MUST SEE THAT COMMUNICATIONS SENT TO HIM AT THE ADDRESS STATED IN HIS APPLICATION ARE REDIRECTED, IF NECESSARY. CHANGE IN ADDRESS SHOULD BE COMMUNICATED TO THE COMMISSION AT THE EARLIEST OPPORTUNITY GIVING THE PARTICULARS MENTIONED IN PARAGRAPH 12 ABOVE. ALTHOUGH THE COMMISSION MAKE EVERY EFFORT TO TAKE ACCOUNT OF SUCH CHANGES THEY CANNOT ACCEPT ANY RESPONSIBILITY IN THE MATTER.

